राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

प्रशासनिक-प्रतिवेदन

प रि च य

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान आयुर्वेद के संवर्द्धन एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्या के उच्च मानकों को विकसित करने के लिए एक मॉडल संस्थान के रूप में निम्न लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के साथ आयुर्वेद की चिकित्सा प्रणाली के ज्ञान के वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करने का आह्वान करने हेतु आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार के एक शीर्ष संस्थान के रूप में 7 फरवरी, 1976 को स्थापित किया गया है -

1. आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा आदि की अभ्युन्नति एवं विकास को गति देना ।
2. आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सभी विधाओं में स्नातक, स्नातकोत्तरों और आयुर्वेद विद्या वारिधी के अध्येता तैयार करना ।
3. आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधानात्मक कार्य करना ।
4. पीड़ित मानवता को आयुष चिकित्सा पद्धतियों से स्वास्थ्य संरक्षण प्रदान करना ।
5. आयुष चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान, मूल्यांकन, प्रशिक्षण, परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिये उच्चतम स्तर की सेवायें एवं सुविधायें प्रदान करना तथा उन्हें प्रदान करने में सहायता करना ।
6. आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा की समस्त विधाओं में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वारिधी शिक्षा में प्रयोग करना तथा शिक्षण-पद्धतियों को विकसित करना ।
7. आयुष शिक्षा, अनुसंधान एवं अन्य तत्सम्बन्धित कार्यों के संवर्द्धन हेतु देश के किसी भी प्रान्त में अन्य समकक्ष संस्थान खोलना एवं संचालित करना ।

1976 में इसकी स्थापना होने के पश्चात, शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध, रोगी परिचर्या आदि के क्षेत्रों में बेहतररूप से प्रगति की है जिसके परिणामस्वरूप इसमें अब, आयुष नर्सिग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं स्नातक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, 14 विषयों में स्नातकोत्तर शिक्षा एवं नियमित फैलोशिप प्रोग्राम (पीएच.डी.) की सुविधा है।

संस्थान ने उत्कृष्ठ शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों में ख्याति अर्जित की है तथा आयुर्वेद के क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर, पोस्ट डॉक्टरल, डिप्लोमा तथा प्रमाण-पत्र स्तरीय पाठ्यक्रमों में अतुलनीय शैक्षणिक मानक स्थापित किये हैं ।

संस्थान के मुख्य परिसर में बहुत सी बहुमंजिला इमारतें हैं जिनमें 14 शैक्षिक विभाग, उनसे जुड़ी प्रयोगशालायें, शिक्षकों के कक्ष, सेमिनार, प्रदर्शनालयों हेतु कक्ष, लेक्चर थियेटर्स, आधुनिक शिक्षण सहायक सामग्री युक्त कक्षा कक्ष जिनमें ए.सी., डीएलपी प्रोजेक्टर, दृश्य-श्रव्य यंत्र, पुस्तकालय आदि अवस्थित है तथा चिकित्सालय परिसर है जिसमें 300 शय्याओंयुक्त चिकित्सालय, बहिरंग रोगी विभाग, पंचकर्म इकाई, केन्द्रीय प्रयोगशाला, डीलक्स वार्ड्स कोटेज वार्ड्स, योग इकाई आदि अवस्थित है । यहां छात्र एवं छात्राओं हेतु पृथक से बहुमंजिला 5 छात्रावास है । औषधियों के निर्माण हेतु भारी भट्टियाँ एवं मशीनोंयुक्त रसायनशाला, आवश्यक स्टॉफ हेतु क्वार्टर, अतिथि घर, पानी का टेंक एवं जलाशय आदि अवस्थित है । यहां 500 सीटोंयुक्त अच्छी तरह सुसज्जित ऑडिटोरियम स्थित है । शहर के मुख्य बाजार में अवस्थित 20 शय्याओंयुक्त एनआईए सिटी हॉस्पिटल भी है तथा शहर के विख्यात आवासीय-सह-वाणिज्यिक क्षेत्र जवाहर नगर में भी एक सेटेलाइट चिकित्सालय स्थित है ।

शासी निकाय

संस्थान का एक शासी निकाय है जिसकी अध्यक्षता माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार करते है तथा जिसमें निम्नलिखित सदस्य है, जो कि संस्थान की गतिविधियों का प्रबन्ध एवं नियंत्रण करता है । वर्तमान शासी-निकाय का गठन निम्न प्रकार से है:-

1.	श्री श्रीपद येसो नाईक माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार	**अध्यक्ष**
2.	श्री कालीचरण सराफ माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं आयुर्वेद मंत्री राजस्थान-सरकार	उपाध्यक्ष
3.	वैद्य श्री राजेश कोटेचा सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार	सदस्य
4.	श्रीमती विजय श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव व वित्तीय सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत-सरकार	सदस्य
5.	श्री पी. एन. रंजीत कुमार संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार	सदस्य
6.	डॉ. मनोज नेसरी सलाहकार(आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार	सदस्य
7.	डॉ. अश्विनी भगत सचिव(आयुर्वेद), राजस्थान-सरकार	सदस्य
8.	वैद्य प्रो. राधेश्याम शर्मा कुलपति, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर	सदस्य
9.	प्रो. के. उन्नीकृष्णन पिल्लई, प्रोफेसर, अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद वेल्लीकवी, कोलाम जिला, केरल 690546 (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)	सदस्य
10.	प्रो. मंजरी द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, प्रसूति तंत्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, आईएमएस बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5 (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)	सदस्य
11.	प्रो. बनवारीलाल गौड़, पूर्व कुलपति, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्लॉट नं. 80, प्रेम नगर, सेनापति हाऊस के पीछे, झोटवाड़ा, जयपुर (राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)	सदस्य
12.	डॉ. उमेश वसन्त तगड़े, असिस्टेन्ट निदेशक आयुष स्टेट हैल्थ सोसायटी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान चिकित्साधिकारी, लोक स्वास्थ्य विभाग महाराष्ट्र सरकार, (भारत-सरकार द्वारा नामांकित)	सदस्य

13. श्री केदार शर्मा, से.नि. जिला आयुर्वेद अधिकारी, आयुर्वेद विभाग — सदस्य
प्लॉट नं. 13, पुरोहित पाड़ा, ब्रह्मपुरी, जयपुर (राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)

14. श्री कैलाश शर्मा, से.नि. उप-निदेशक, आयुर्वेद विभाग — सदस्य
प्लॉट नं. 43, विकास नगर, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर
(राजस्थान-सरकार द्वारा नामांकित)

15. प्रो. संजीव शर्मा, निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान — सदस्य-सचिव

स्थाई वित्त समिति

संस्थान के विभिन्न वित्तीय प्रस्तावों एवं विकासात्मक गतिविधियों आदि पर विचार एवं संस्तुति करने हेतु संस्थान की एक स्थायी वित्त समिति है जिसके अध्यक्ष संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार हैं तथा सदस्योंयुक्त है -

1. श्री पी. एन. रंजीत कुमार — अध्यक्ष
संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय

2. श्रीमती विजया श्रीवास्तव — सदस्या
अतिरिक्त सचिव (वित्तीय सलाहकार)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

3. श्री अश्विनी भगत — सदस्य
सचिव(आयुर्वेद)
राजस्थान सरकार

4. श्री आर. एस. अग्रवाल — सदस्य
उप-महानिदेशक
आयुष मंत्रालय

5. प्रो. के. उन्नीकृष्ण पिल्लई — सदस्य
प्रोफेसर, अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद
वेल्लीकवी, कोलाम, केरल 690546

6. डॉ. उमेश वसन्त तगड़े — सदस्य
असिस्टेन्ट निदेशक
आयुष स्टेट हैल्थ सोसायटी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान
चिकित्साधिकारी, लोक स्वास्थ्य विभाग
महाराष्ट्र सरकार

7. प्रो. संजीव शर्मा — सदस्य-सचिव
निदेशक
राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर

संस्थानिक नीतिशास्त्र समिति

संस्थान में विभिन्न शोध प्रस्तावों के नियमन, विनियमन एवं समीक्षा करने हेतु एक इथिकल कमेटी है। इसका गठन भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च ऑन ह्युमन सब्जेकट्स के लिए नीतिपरक मार्गदर्शनों के आधार पर किया गया है। आलोच्य वर्ष के दौरान समिति का गठन निम्न प्रकार से रहा है:-

1.	प्रो. बनवारी लाल गौड़ पूर्व कुलपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं से. नि. निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	शिक्षक	अध्यक्ष
2.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष, स्वस्थवृत्त विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल साइंटिस्ट	सदस्य
3.	प्रो. वी. नागेश्वर राव प्राफेसर, रसशास्त्र विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल साइंटिस्ट	सदस्य
4.	प्रो. (श्रीमती) सुशीला शर्मा प्रसूति तंत्र विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल साइंटिस्ट	सदस्य
5.	प्रो. पवन कुमार गोदतवार विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल साइंटिस्ट	सदस्य
6.	प्रो. हेमन्त कुमार कुशवाह से.नि. प्रोफेसर, शल्य तंत्र राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल साइंटिस्ट	सदस्य
7.	प्रो. अरुण चौगले विभागाध्यक्ष, रेडियो निदान विभाग एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय जयपुर	बेसिक मेडिकल साइंटिस्ट	सदस्य

8.	प्रो. श्रीमती मोनिका जैन विभागध्यक्ष, औषध विज्ञान विभाग एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय जयपुर	बेसिक मेडिकल साइंटिस्ट	सदस्य
9.	डॉ. कमल कान्त दाधीच प्रोफेसर, संस्कृत विभाग कॉलेज शिक्षा, राजस्थान सरकार जयपुर	कॉमन-मैन रिप्रजेन्टेटिव	सदस्य
10.	श्री अनिल शुक्ला संगठन मंत्री सेवा भारती, जयपुर	नॉन-गवर्नमेन्टल वॉल्युन्टरी एजेन्सी रिप्रजेन्टेटिव	सदस्य
11.	श्री ओम प्रकाश रंगजीका अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय	लीगल प्रोफेशन	सदस्य
12.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान	मेडिकल साइंटिस्ट	सदस्य-सचिव

वित्तीय स्थिति

आयुष मंत्रालय द्वारा संस्थान को व्यय हेतु सभी आवश्यक अनुदान उपलब्ध करवाया जा रहा है । संस्थान को वर्ष 2017-2018 हेतु निम्नानुसार बजट प्रावधान उपलब्ध कराये गये हैं –

(रू. लाखों में)

मद	बजट अनुमान 2017-18	संशोधित अनुमान 2017-18	वास्तविक प्राप्त अनुदान 2017-18	वास्तविक व्यय 31-3-2018 तक
अनुदान सहायता-वेतन	रू.3300.00	रू. 4500.00	रू. 4500.00	रू. 4500.00
अनुदान सहायता-जनरल	रू. 2000.00	रू. 2005.00	रू. 2005.00	रू. 2351.00
अनुदान सहायता-एससीपी	रू. 300.00	रू. 300.00	रू. 300.00	रू. 344.97
अनुदान सहायता-पूंजीगत सम्पत्तियों का सृजन	-	रू. 336.00	रू. 336.00	रू. 336.00
योग :	**रू. 5600.00**	**रू. 7141.00**	**रू. 7141.00**	**रू. 7531.97**

सम्बद्धता

संस्थान शैक्षणिक एवं परीक्षाओं से सम्बन्धित उद्देश्यों के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर से सम्बद्ध है तथा भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं दिशा-निर्देश जो कि विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकार किये गये हैं का अनुसरण करता है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

संस्थान द्वारा चलाये जा रहे पाठ्यक्रम –

स्नातक पाठ्यक्रम – आयुर्वेदाचार्य (बीएएमएस)–100 स्थान

बीएएमएस का स्नातक पाठ्यक्रम 5½ वर्ष मय 1 वर्ष की इन्टर्नशिप की अवधि का है । बीएएमएस उत्तीर्ण करने के पश्चात्, छात्रों को विभिन्न विषयों में 1 वर्ष के लिए सीसीआईएम द्वारा निर्धारित रोटेटिंग इन्टर्नशिप पर रखा जाता है।

सीटों का आरक्षण – प्रत्येक वर्ष हेतु अब 100 सीटें उपलब्ध है । 2 सीटें भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् द्वारा प्रायोजित विदेशी नागरिकों के नामांकन हेतु, 10 सीटें दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के नागरिकों हेतु आरक्षित है तथा अजा/अजजा/अपिव/दिव्यंगों हेतु भारत–सरकार के दिशा–निर्देशानुसार सीटे उपलब्ध है ।

प्रवेश की प्रक्रिया – बीएएमएस पाठ्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा राष्ट्रीय पात्रता–सह–प्रवेश परीक्षा की वरीयता के आधार पर किये गये ।

प्रवेश –वर्ष 2017–2018 के दौरान बीएएमएस पाठ्यक्रम में 84 छात्रों को प्रवेश दिया गया । दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के अभ्यर्थी की अनुपलब्धता के कारण 8 स्थान रिक्त रहे । नेपाल के 2 छात्र, बांग्लादेश के 1 छात्र तथा ईरान के 1 छात्र को प्रवेश दिया गया ।

सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		आयुष मंत्रालय के माध्यम से दक्षिणी–पूर्वी देशों के छात्र		आईसीसीआर के माध्यम से विदेशी राष्ट्रो के छात्र		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
23	15	8	3	4	2	16	5	3	1	2	1	-	1	56	28

उत्तीर्ण छात्र – आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थिति तथा उत्तीर्ण हुये छात्रों की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार से है –

कक्षा	प्रविष्ट	उत्तीर्ण	प्रतिशत
आयुर्वेदाचार्य–अंतिम बैच 2012 एवं 2011	69	66	95.65%

आलोच्य वर्ष के दौरान, 69 छात्रों ने अपना विशिखानु प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया तथा 13 छात्र विशिखानु प्रशिक्षणाधीन रहे ।

शुल्क –बीएएमएस पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में शुल्क रूपये 42,025/–, द्वितीय वर्ष के लिए रूपये 28,650/–, तृतीय वर्ष के लिए रूपये 27,650/– तथा अन्तिम वर्ष के लिए शुल्क रूपये 38,500/– है । छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में प्रतिवर्ष रूपये 7,500 की राशि तीन वर्ष के लिए अतिरिक्त रूप से तथा अन्तिम वर्ष में रूपये 11,250/– लिये जाते है ।

स्टाईपेंड –एक वर्ष की इन्टर्नशिप के दौरान छात्रों को रूपये 12,684 प्रतिमाह निर्वाह भत्ता का भुगतान किया जाता है।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम - आयुर्वेद वाचस्पति(एम.डी.(आयु.)/आयुर्वेद धन्वन्तरि(एम.एस.(आयु.)-104 स्थान

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 3 वर्ष की अवधि का है। संस्थान में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए निम्नलिखित सभी 14 विषय उपलब्ध है -

1. अगद तंत्र
2. द्रव्यगुण
3. कौमारभृत्य
4. कायचिकित्सा
5. मौलिक सिद्धान्त
6. पंचकर्म
7. प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग
8. रोग एवं विकृति विज्ञान
9. रस शास्त्र
10. शरीर रचना
11. शरीर क्रिया
12. शल्य तंत्र
13. शालाक्य तंत्र
14. स्वस्थवृत्त

प्रवेश की प्रक्रिया - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा की वरीयता के आधार पर प्रवेश डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा किये जाते हैं । आलोच्य वर्ष के दौरान, 104 प्रवेश किये गये ।

सीटों का आरक्षण - प्रत्येक विषय में 1 सीट आयुष मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित केन्द्र सरकार नामांकित व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है । आईसीसीआर द्वारा प्रायोजित बिम्सटेक (BIMSTEC) देशों यथा बांग्लादेश, भूटान, म्यंमार, नेपाल, श्रीलंका एवं थाईलैण्ड हेतु 3 सीटें, आयुष मंत्रालय के माध्यम से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों हेतु 3 सीटें, मलेशिया हेतु 1 सीट तथा अजा/अजजा/अपिव/दिव्यंगों हेतु भारत-सरकार के दिशा-निर्देशानुसार सीटे उपलब्ध है ।

प्रवेश -वर्ष 2017-2018 के दौरान 104 सीटों पर प्रवेश किया गया । वर्ग-वार प्रवेशित अध्येता निम्न प्रकार से है:-

सामान्य		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		आईसीसीआर द्वारा बिम्सटेक		आयुष मंत्रालय के माध्यम से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश		सेवारत		आयुष मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न राज्यों एवं प्राईवेट केन्द्रीय सरकार नामिति		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
9	28	5	5	2	3	6	13	1	3	2	-	2	-	8	4	6	7	41	63

वर्ष 2017-18 के दौरान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 288 अध्येता अध्ययनरत रहे । आलोच्य वर्ष के दौरान, एमडी/एमएस के 80 अध्येताओं ने अपने शोध महानिबंध प्रस्तुत किये ।

उत्तीर्ण – आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थिति तथा उतीर्ण हुये अध्येताओं की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार से है –

कक्षा	प्रविष्ट	उत्तीर्ण	प्रतिशत
एम.डी.(आयुर्वेद) भाग-II बैच 2014-15	97	97	100%

शुल्क – स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में शुल्क प्रथम वर्ष के लिए रूपये 81,750/–, द्वितीय वर्ष के लिए रूपये 54,500/– तथा तृतीय वर्ष के लिए रूपये 54,500/– है। रूपये 22,500 की राशि अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते हैं ।

स्टाईपेंड –एमडी/एमएस अध्येताओं को प्रथम वर्ष में रू. 42,560, द्वितीय वर्ष में रू. 45,600 एवं अन्तिम वर्ष में रू. 48,640 मासिक निर्वाह भत्ता (स्टाईपेंड) उपलब्ध कराया जाता है । स्टाईपेंड के साथ मंहगाई भत्ता केन्द्र–सरकार की दरों पर देय है ।

फैलोशिप प्रोग्राम (पीएच.डी., आयुर्वेद) – आयुर्वेद विद्यावारिधी – 28 स्थान

सभी स्नातकोत्तर 14 विषयों में नियमित फैलोशिप प्रोग्राम उपलब्ध है । फैलोशिप 2 वर्ष के लिए प्रदान की जाती है जिसमें एक वर्ष के लिए अभिवृद्धि की जा सकती है जो कि शोध में आवश्यक प्रगति के अध्यधीन होती है । फैलोशिप प्रोग्राम के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी.(आयुर्वेद) की उपाधि प्रदान की जाती है ।

प्रवेश की प्रक्रिया –विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश हेतु अधिसूचना अखिल भारतीय स्तर पर समाचार पत्रों में तथा इसकी वेबसाइट पर भी प्रकाशित की जाती है ।

सीटों का आरक्षण –1 स्थान BIMSTEC(बांग्लादेश, भूटान, म्यंमार, नेपाल, श्रीलंका एवं थाईलैण्ड देशों के अभ्यर्थियों हेतु) हेतु उपलब्ध है इस पर प्रवेश भारतीय सांस्कृतिक संबन्ध परिषद् द्वारा प्रायोजित किये जाते हैं । 1 स्थान दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के अभ्यर्थियों हेतु उपलब्ध है इस पर प्रवेश आयुष मंत्रालय के माध्यम से दिये जाते हैं । भारतीय नागरिकों हेतु भारत–सरकार के आदेशानुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग वर्ग हेतु आरक्षण उपलब्ध है।

प्रवेश –आलोच्य वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश नहीं दिये गये हैं । 8 अध्येताओं ने अपना शोधमहानिबन्ध परीक्षा प्रस्तुत किये एवं इनकी मौखिक परीक्षा (Viva-voce) आयोजित की गई ।

शुल्क – फैलोशिप हेतु प्रथम वर्ष में रू. 1,00,750 तथा द्वितीय वर्ष में रू. 62,500 शुल्क निर्धारित है। रूपये 27,500 की राशि अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते हैं ।

स्टाईपेंड –फैलोशिप प्रोग्राम के दौरान प्रथम वर्ष में रू. 50,315 एवं द्वितीय वर्ष में रू. 51,990 मासिक निर्वाह भत्ता देय है । निर्वाह भत्ता के साथ मंहगाई भत्ता केन्द्र सरकार की दरों पर देय है ।

आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम – 30 स्थान

प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित किये जाते है । प्रवेश 12वीं कक्षा के प्राप्तांकों की वरीयता के आधार पर किये जाते हैं । आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि मय 6 माह के इंटर्नशिप के 3 वर्ष की है।

प्रवेश –आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 30 प्रवेश किये गये । वर्ग–वार प्रवेश निम्न प्रकार से है–

सामान्य/ओपन		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
4	11	3	2	-	2	3	5	-	-	10	20

आलोच्य वर्ष के दौरान, डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 85 छात्र अध्ययनरत रहे । 22 छात्रों द्वारा सफलतापूर्वक विशिखानु प्रशिक्षण प्राप्त किया गया ।

उत्तीर्ण–आलोच्य वर्ष के दौरान परीक्षाओं में उपस्थित तथा उत्तीर्ण हुये अध्येताओं की कक्षावार स्थिति निम्न प्रकार है –

कक्षा	प्रविष्ठ	उत्तीर्ण
आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा द्वितीय वर्ष मुख्य(2014)	26	22

शुल्क – डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु प्रथम वर्ष में रू. 18,815 तथा द्वितीय वर्ष में रू. 18,688 शुल्क निर्धारित है। रूपये 4,500 की राशि प्रथम वर्ष हेतु एवं रूपये 6,750 की राशि अन्तिम वर्ष हेतु अतिरिक्त रूप से प्रति वर्ष छात्रावास मद में स्थान उपलब्ध होने की स्थिति में लिये जाते हैं।

स्टाईपेंड – छात्रों को इंटर्नशिप के दौरान रू. 1,500 प्रति माह निर्वाह भत्ता देय है ।

पंचकर्म तकनिशियन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम – 30 स्थान

संस्थान द्वारा हाल ही में 30 सीटों की क्षमताओं का 1 की अवधि का पंचकर्म तकनिशियन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है । प्रवेश-अधिसूचना समाचार-पत्रों में प्रकाशित की जाती है तथा संस्थान की वेबसाईट पर भी उपलब्ध कराई जाती है । प्रवेश संस्थान द्वारा किये जाते हैं । विदेशी नागरिकों हेतु 2 सीटें आरक्षित है तथा भारत-सरकार के आदेशानुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग वर्ग हेतु आरक्षण उपलब्ध है।

प्रवेश – आलोच्य वर्ष के दौरान, पंचकर्म तकनिशियन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में 18 प्रवेश दिये गये । वर्ग-वार प्रवेश निम्न प्रकार से है –

सामान्य/ओपन		एससी		एसटी		ओबीसी		पीएच		कुल प्रवेश	
छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
5	3	1	-	1	-	9	-	-	-	16	3

शुल्क – पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शुल्क रू. 36,000 प्रति अभ्यर्थी निर्धारित है ।

लघु अवधि पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा 1 माह से 2 माह की अवधि के निम्नलिखित लघु अवधि पाठ्यक्र चलाये जाते हैं –

- 1 वर्षीय पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम(30 स्थान)
- क्षार सूत्र में प्रशिक्षण हेतु प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- आयुर्वेदिक औषध पादप सामग्री के मानकीकरण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- आयुर्वेद के माध्यम से सौंदर्य की देखभाल के लिए प्रशिक्षण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।
- आयुर्वेद के माध्यम से सौंदर्य की देखभाल के लिए उन्नत प्रशिक्षण विषयक पाठ्यक्रम ।
- रसोई मसालों और स्थानीय औषध पादपों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।

- पाक कला के आयुर्वेदिक पद्धतियों के लिए प्रशिक्षण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम ।

क्रीड़ा एवं खेल

संस्थान द्वारा क्रीड़ा एवं खेल को बढ़ावा देने हेतु एवं छात्रों एवं अध्येताओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के रखरखाव हेतु 22-1-2018 से 31-1-2018 तक वार्षिक क्रीड़ा एवं खेल गतिविधियाँ 'तरंग - 2018' संस्थान द्वारा आयोजित की गई । विभिन्न खेलकूल गतिविधियाँ यथा - क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, शतरंज, केरम आदि तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें छात्रों एवं अध्यापकों ने भाग लिया । छात्रों, अध्यापकों तथा संस्थान के स्टॉफ ने खेलकूद एवं सांस्कृतिक आयोजनों का आनंद लिया । विजेता दलों एवं व्यक्तियों को पुरूस्कार वितरित किये गये ।

रोगी परिचर्या गतिविधियाँ

कैम्पस होस्पिटल

280 शय्याओं युक्त मुख्य चिकित्सालय एनएनबीएच एक्रिडिटेड चिकित्सालय है । संस्थान के 4 चिकित्सालय है यथा - 280 शय्याओं युक्त एनआईए कैम्पस हॉस्पिटल तथा 20 शय्याओं युक्त एनआईए सिटी हॉस्पिटल जो कि मुख्य प्रांगण से 4 किलोमीटर दूर शहर की ह्रदय स्थली में स्थित है, एक सेटेलाईट क्लिनिक जवाहर नगर में है जो कि जयपुर शहर का विख्यात रिहायशी एवं वाणिज्यिक क्षेत्र है तथा एक ट्राईबल हॉस्पिटल गोगुन्दा, उदयपुर में स्थित है जो कि बहिरंग रोगी विभाग की सेवाऐं प्रदान कर रहा है।

चिकित्सालय रोगी परिचर्या गतिविधियों के क्षेत्र में बहिरंग रोगी विभाग, अन्तरंग रोगी विभाग, पंचकर्म प्रक्रियाओं, प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई, केन्द्रीय प्रयोगशाला, अनेकों विशिष्ट चिकित्सा इकाईयों तथा सेवाओं यथा पैथोलॉजिकल टेस्ट, बॉयो-केमिकल टेस्ट, एक्स-रे, ई.सी.जी., सी.टी.एम.टी., अल्ट्रॉसाउण्ड, स्पॉयरोमीटरी, डेन्टल, ऑडियोमीटर, जरावस्था इकाई, आहार इकाई, हड्डी रोग इकाई, बाल मानसिक स्वास्थ्य इकाई, शिशु रोग एवं त्वक रोग इकाई, गुदरोग चिकित्सा, जलौकावचरण, अग्निकर्म, गर्भ जांच, टीकाकरण इकाई आदि के माध्यम से संस्थान विशिष्ट गतिविधियाँ सम्पन्न करा रहे है । नेत्र सम्बन्धित विभिन्न रोगों एवं विकृतियों तथा कान, नाक व गला सम्बन्धित रोगों के लिए विशेष चिकित्सा सेवायें उपलब्ध है । किसी भी आत्ययिक स्थिति में रोगियों को संभालने हेतु एक एम्बुलेन्स है ।

चिकित्सालयों के लिए अधिकांश औषधियाँ संस्थान की रसायनशाला में निर्मित कर पूर्ति की जाती है तथा रोगियों को नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है । रोगी राजस्थान से ही नहीं वरन आस-पास के राज्यों से भी विभिन्न रोगों की विशिष्ट चिकित्सा हेतु आते है । चिकित्सालयों में वरिष्ठ नागरिकों, स्वतंत्रता सेनानियों, बीपीएल कार्ड होल्डर्स, स्टॉफ एवं छात्रों हेतु नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन किया जाता है । कम्प्यूटर पर ओपीडी रेकॉर्ड आदि का प्रलेखीकरण कम्प्यूटरीकृत किया जाता है ।

अन्तरंग रोगी विभाग में पंजीयन शुल्क 30/- रूपये है । आलोच्य वर्ष के दौरान, संस्थान को आईपीडी रजिस्ट्रेशन से रू. 80,116 तथा कोटेज, क्यूबिकल तथा डिलक्स वार्ड सुविधाओं से रू. 15,69,010/- प्राप्त हुये । ओपीडी रजिस्ट्रेशन शुल्क रू. 10/- है । आलोच्य वर्ष के दौरान, संस्थान को ओपीडी रजिस्ट्रेशन से रू. 6,21,820/- की राशि एवं रू. 12,95,892/- की राशि यूज़र चार्जेज यथा पंचकर्म प्रक्रियाऐं, क्रिया कल्प, प्रयोगशाला जांच आदि से प्राप्त हुई ।

बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी) -

चिकित्सालयों में बहिरंग विभाग है जिसमें 14 विभाग मय विभिन्न इकाईयों एवं विशिष्ट क्लिनिक्स अपनी सेवायें देते हैं । वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 2,61,664 रोगी थे जिनमें से 1,69,923 नवीन पंजीकृत किये गये । बहिरंग विभाग में चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगी विभागानुसार निम्न प्रकार से है -

क्र. सं.	विभाग	नवीन				पुरातन				महायोग
		पुरुष	महिला	बालक	योग	पुरुष	महिला	बालक	योग	
1.	काय चिकित्सा	18921	11711	512	31144	10148	7147	208	17503	48647
2.	पंचकर्म	9054	8253	307	17614	6977	7330	228	14535	32149
3.	शल्य तंत्र	11599	6287	365	18251	9172	3887	140	13199	31450
4.	शालाक्य तंत्र	7950	7674	1551	17175	3763	3308	702	7773	24948
5.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	298	8534	170	9002	219	6969	65	7253	16255
6.	बाल रोग	662	369	5063	6094	247	147	2212	2606	8700
7.	स्वस्थवृत्त	2736	1846	126	4708	2074	1565	70	3709	8417
8.	मौलिक सिद्धान्त	3416	2392	162	5970	2192	1747	93	4032	10002
9.	रसशास्त्र	1547	660	42	2249	821	442	10	1273	3522
10.	द्रव्यगुण	1533	1025	55	2613	877	528	19	1424	4037
11.	रोग एवं विकृति विज्ञान	6124	4113	455	10692	4888	3723	219	8830	19522
12.	अगद तंत्र	1225	1053	35	2313	1002	912	16	1930	4243
13.	शरीर क्रिया	4533	2584	176	7293	2194	1298	77	3569	10862
14.	शरीर रचना	1317	670	45	2032	947	595	7	1549	3581
15.	होम्योपैथी	951	752	283	1986	801	834	250	1885	3871
16.	प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई	599	375	19	993	0	0	0	0	993
17.	ट्राईबल चिकित्सालय	1304	852	214	2370	432	201	32	665	3035
18.	चिकित्सालय में आयोजित शिविर	347	143	103	593	0	0	0	0	593
19.	प्रतीक्षारत	13320	11515	1996	26831	1	5	0	6	26837
	योग	**87436**	**70808**	**11679**	**169923**	**46755**	**40638**	**4348**	**91741**	**2,61664**

अन्तरंग रोगी विभाग (आईपीडी)

शय्याओं की कुल संख्या 300 रही है जिनमें से 280 शय्यायें एनआईए कैम्पस हॉस्पीटल के अन्तरंग विभाग में है तथा 20 शय्यायें एनआईए सिटी हॉस्पिटल में अवस्थित है । शय्याओं का आवंटन सभी विभागें में निम्न प्रकार किया गया है :-

क्र. सं.	विभाग	शय्याओं का आवंटन			
		पुरुष	महिला	बालक	योग
1.	कायचिकित्सा	36	20	0	56
2.	पंचकर्म	38	10	0	48
3.	शल्य	38	10	0	48
4.	शालाक्य	26	8	0	34
5.	प्रसूति	0	48	0	48
6.	बालरोग	0	0	38	38
7.	स्वस्थवृत्त	2	1	0	3
8.	मौलिक सिद्धान्त	6	1	0	7
9.	रसशास्त्र	1	1	0	2

10.	द्रव्यगुण	1	1	0	2
11.	रोग विज्ञान	3	1	0	4
12.	अगद तंत्र	1	1	0	2
13.	शरीर रचना	2	1	0	3
14.	शरीर क्रिया	4	1	0	5
	योग :	**158**	**104**	**38**	**300**

आलोच्य वर्ष के दौरान, अन्तरंग रोगी विभाग में 67,848 रोगियों की चिकित्सा की गई जिनमें से 4,680 रोगी नवीन थे । अन्तरंग रोगी विभाग के स्तर पर चिकित्सा किये गये रोगियों की स्थिति निम्न प्रकार है:-

क्र. सं.	विभाग	नवीन				पुरातन				महायोग
		पुरुष	महिला	बालक	योग	पुरुष	महिला	बालक	योग	
1.	कायचिकित्सा	372	279	1	652	7757	5982	4	13743	14395
2.	पंचकर्म	786	577	9	1372	15276	10278	213	25767	27139
3.	शल्य	797	176	24	997	7751	1144	133	9028	10025
4.	शालाक्य	103	72	10	185	1268	802	75	2145	2330
5.	प्रसूति	0	814	4	818	0	3366	7	3373	4191
6.	बालरोग	0	5	302	307	0	84	3511	3595	3902
7.	स्वस्थवृत्त	3	2	0	5	19	20	0	39	44
8.	मौलिक सिद्धान्त	71	28	4	103	1451	436	41	1928	2031
9.	रसशास्त्र	7	4	0	11	172	53	0	225	236
10.	द्रव्यगुण	1	0	0	1	27	0	0	27	28
11.	रोग विज्ञान	33	17	0	50	430	211	0	641	691
12.	अगद तंत्र	66	12	0	78	947	193	0	1140	1218
13.	शरीर रचना	53	32	1	86	808	406	21	1235	1321
14.	शरीर क्रिया	8	7	0	15	134	148	0	282	297
	Total:	2300	2025	355	4680	36040	23123	4005	63168	**67848**

संधिवात(Arthritis), भगन्दर(Fistula), कटिशूल(Lumbago), आमवात(Rheumatoid Arthritis), ज्वर(Fever), पक्षाघात(Paralysis), पाण्डु रोग(Anaemia), अर्श(Piles), गृध्रसी(Sciatica), उदरशूल(Abdomen Pain), तमक श्वास(Bronchial Asthma), विबन्ध (Constipation), कास(Cough), मधुमेह(Diabetes Mellitus), मूत्रविकार(Urinary Disorders), श्वेतप्रदर(Leucorrhoea), अतिसार(Diarrhoea), अम्लपित्त(Hyper Acidity), प्रदर(Menorrhagia), मानसरोग(Mental Disorders), हृदरोग(Heart Disease), कामला(Jaundice), वृक्काश्मरी(Renal Calculi), भ्रम(Vertigo), उच्च रक्तचाप(Hyper Tension), नाडीदौर्बल्य एवं एमएनडीआदि प्रमुख रोगों के रोगियों की चिकित्सा की गई ।

कॉटेज, क्युबिकल तथा डीलक्स वार्ड्स

चिकित्सालय में 2 वातानुकूलित डीलक्स वार्ड, 4 वातानुकूलित क्युबिकल वार्ड तथा 5 कॉटेज वार्ड रू. 800/-, रू. 550/- तथा रू. 300/- के दैनिक प्रभार पर क्रमश: उपलब्ध है । हर समय यहाँ इन वार्ड्स की अच्छी मांग बनी रहती है ।

लेबर रूम एवं गायनेकोलोजिकल ऑपरेशन थियेटर

संस्थान चिकित्सालय में स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र प्रक्रियाओं हेतु ऑपरेशन थियेटर एवं लेबर रूम स्थित है । इस ऑपरेशन थियेटर में लघु एवं वृहत शल्यकर्मो हेतु नवीनतम विभिन्न यत्रों एवं उपकरण उपलब्ध है । । आलोच्य वर्ष

के दौरान, 5,195 आयुर्वेदिक प्रक्रियाऐं यथा पिचु, पोटली, उत्तरबस्ति, मर्म बस्ति आदि सम्पन्न की गई तथा ऑपरेशन थियेटर में सम्पन्न की गई शल्य प्रक्रियाओं की संख्या निम्न प्रकार से है :-

क्रम संख्या	प्रक्रियाऐं	संख्या
1.	सामान्य प्रसव	47
2.	एलएससीएस	21
3.	हिस्ट्रेकटॉमी	8
4.	कॉपर-टी इनसर्शन/रिमूवल	26
5.	अन्य	47

शल्य ऑपरेशन थियेटर

रोगियों के विभिन्न शल्यकर्म करने हेतु नवीनतम विभिन्न यत्रों एवं उपकरण से सुसज्जित पृथक से शल्यकर्मागार है । आलोच्य वर्ष के दौरान, शल्यकर्मागार में सम्पन्न किये गये शल्यकर्मों की संख्या निम्न प्रकार से है :-

क्रम संख्या	ऑपरेटिव प्रोसिजर्स	संख्या
1.	Cholecystectomy	06
2.	Appendecectomy	05
3.	Inguinal Herniotomy	05
4.	Inguinal Herniotomy and Hernioplasty	26
5.	Orchidcctomy	01
6.	Breast fibroadenoma excision	02
7.	Excision	107
8.	Incision and Drainage(I&D)	49
9.	Circumcision	08
10.	Partial Fistulotomy with Ksharasutra	233
11.	Fistulotomy	43
12.	Fistulectomy/Exploration of tract	46
13.	Fistulectomy with Kshara karma	02
14.	Lords Anal Dilatation	11
15.	Sphincterotomy with tag excision/Agnikarma	64
16.	Arsha Bandana (Plication)	28
17.	Kshara karma	22
18.	Haemorrhoidectomy/Shastra karma	24
19.	Perianal haematoma excision	03
20.	Nadivrana Chedana (PNS)	28
21.	Others	63
	योग	**776**

क्रम संख्या	पैरा-सर्जिकल प्रोसिजर्स	संख्या
1.	क्षारकर्म	192
2.	क्षारसूत्र	645
3.	अग्निकर्म	345
4.	जलौकावचरण	128
5.	बंधनकर्म - ड्रेसिंग	6513
6.	मर्म चिकित्सा	126
	योग	**7,950**

चिकित्सकों के परामर्शानुसार रोगियों को पौष्टिक आहार, फल, दुग्ध आदि नि:शुल्क प्रदान किये गये ।

पथ्य क्रमांक	पथ्य का विवरण	दुग्ध	फल
नं. 1	रोटी, दाल (मूंग) सब्जियाँ	250 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 2	दलिया, दाल(मूंग)	500 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 3	चावल-खिचड़ी, दाल(मूंग)	500 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 4	जौ का दलिया, जौ की रोटी	250 मि.ली.	200 ग्राम
नं. 5	पर्पटी कल्प	1-10 लीटर चिकित्सक के निर्देशानुसार	-
नं. 6	-	500 मि.ली.	500 ग्राम
नं. 7	संसर्जन कर्म	चिकित्सक के निर्देशानुसार	-

सिटी होस्पिटल

20 शय्याओं युक्त यह चिकित्सालय मुख्य परिसर से 4 कि.मी. दूर शहर की हृदय स्थली में स्थित है। चिकित्सालय में पृथक् से बहिरंग विभाग अवस्थित है जहां विभिन्न विभाग-कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, रोग एवं विकृति विज्ञान, शरीर रचना, शरीर क्रिया, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना, मौलिक सिद्धान्त, द्रव्य गुण, स्वस्थ वृत्त, स्त्री एवं प्रसूति रोग तथा बालरोग विभाग-रोगियों को अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। रोगियों को चिकित्सा सुविधायें तथा औषधियाँ तथा स्वास्थ्यवर्धक पथ्य जहाँ तक संभव हो नि:शुल्क उपलब्ध है। इस चिकित्सालय में सेन्ट्रल लैबोरेटरी के विस्तार केन्द्र के रूप में एक पैथालोजिकल लैबोरेटरी-कम-सैम्पल कलेक्शन सेन्टर जिसमें रोगियों के पैथालोजिकल टेस्ट (एक्स-रे, रक्त जाँच, मूत्र जाँच आदि) किये जाने की सुविधा उपलब्ध है । अधिक जाँचों हेतु रोगियों को सैन्ट्रल लैबोरेटरी में रेफर किया जाता है । मधुमेह, तमकश्वास, अम्लपित्त, प्रतिश्याय, कास, संधिवात, आमवात, वातरक्त, संधिशूल, पक्षाघात, चिकुनगुनिया, अर्श, परिकर्तिका, श्वेतप्रदर, अजीर्ण, विबन्ध, मूत्रकृच्छ्र, प्रमेह, उच्चरक्तचाप, स्थौल्य, स्नायु दौर्बल्य, शुक्रमेह, अवसाद, श्वित्र, त्वकविकार, ज्वर, अतिसार, ग्रहणी, प्रवाहिका, आनाह, पाण्डु, कामला, खालित्य, पालित्य, दद्रु, युवान पिड़िका, गृध्रसी, कटिशूल आदि के रोगियों की चिकित्सा की गई । वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 26,846 रोगी थे जिनमें से 18,421 नवीन पंजीकृत किये गये तथा अन्तरंग विभाग में कुल रोगी 1,971 भर्ती किये गये जिनमें से 38 नवीन रोगी पंजीकृत किये गये ।

सेटेलाईट चिकित्सालय

संस्थान का सेटेलाइट चिकित्सालय, जयपुर के महत्त्वपूर्ण व्यावसायिक एवं आवासीय क्षेत्र जवाहर नगर में स्थित है जो कि रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियाँ प्रदान कर रहा है । सेटेलाइट चिकित्सालय में नि:शुल्क परामर्श एवं औषधियाँ प्रदान की जाती है । चिकित्सालय का प्रबन्ध विभिन्न विभाग - मौलिक सिद्धान्त, शरीर रचना, रोग एवं विकृति विज्ञान, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना, शल्य तंत्र तथा कायचिकित्सा विभाग - द्वारा किया जाता है । मधुमेह, ज्वर, कास, संधिशूल, कटिशूल, उदरविकार, त्वक विकार, अर्श, भगन्दर, अम्लपित्त, गुल्म, आमाजीर्ण आदि के रोगियों की चिकित्सा की गयी। वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 9,995 रोगी थे जिनमें से 3,988 नवीन पंजीकृत किये गये ।

ट्राईबल चिकित्सालय

संस्थान द्वारा बहिरंग रोगी सुविधाओं युक्त उदयपुर स्थित गोगुन्दा में एक ट्राईबल चिकित्सा प्रारंम्भ किया गया है । आलोच्य वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 3,035 रोगी थे जिनमें से 2,370 नवीन पंजीकृत किये गये ।

प्राथमिक आत्ययिक चिकित्सा इकाई

चिकित्सालय में आन्तरिक आत्ययिक चिकित्सा आवश्यकता की पूर्ति हेतु 24 घण्टे एक आत्ययिक चिकित्सा इकाई चलाई जा रही है । आलोच्य वर्ष के दौरान, 993 रोगियों की चिकित्सा की गई तथा मासिक औसतन 87 रोगियों की चिकित्सा की गई । इस इकाई में जीवन-रक्षक औषधियों के साथ आयुर्वेदिक औषधियाँ तथा ऑक्सीजन तथा अन्य उपकरण चालू हालत में रखे जाते हैं । इसका 24 घण्टे प्रबन्ध विभिन्न विभागों के अध्यापकों द्वारा किया जाता है जिसमें स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा सहायता की जाती है । आलोच्य वर्ष के दौरान, COAD (क्रोनिक ऑब्सट्रेक्टिव एयरवे डिज़िज), मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गैस्ट्रो एन्टेराइटिस, अतिसार, निर्जलीकरण, हेमोरिह्जे, ट्रॉमा, रिटेंशन यूरिन आदि से पीड़ित रोगियों के रोगों का प्रबन्धन एवं चिकित्सा की गई ।

ई-होस्पिटल सेवाऐं

संस्थान द्वारा ई-होस्पिटल सेवाऐं प्रारम्भ की गई । जन सामान्य को चिकित्सालय सेवाओं के जरिये परामर्श से लाभान्वित करने के लिए संस्थान ई-होस्पिटल सेवाओं के तहत पंजीकृत हो गया है । ओपीडी सुविधाऐं पहले से ही कम्प्युटराइज्ड हो चुकी हैं तथा इन्हें आईपीडी स्तर पर विस्तारित किया जायेगा ।

विशिष्ठ नैदानिक सेवायें

पंचकर्म इकाई –

संस्थान परिसर में विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं यथा - स्नेहन स्वेदन, वमन, विरेचन, अनुवासन, बस्ति यंत्रों युक्त एक पृथक से स्टेट-ऑफ-आर्ट पंचकर्म इकाई है । गणमान्य व्यक्तियों एवं अतिविशिष्ट व्यक्तियों को पंचकर्म उपचार प्रदान करने हेतु पृथक से सुन्दर एवं सुसज्जित कक्ष एवं चैम्बर्स है ।

नशा प्रतिषेध इकाई

संस्थान में नशामुक्त समाज के उद्देश्य से नशा प्रतिषेध इकाई का प्रारंभ किया गया । नशीली दवाओं पर निर्भर रोगियों को उचित परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया । तम्बाकू, धूम्रपान, शराब पीने के आदि लोगों को पूर्ण चिकित्सा प्रदान की गई । इनमें से अधिकांशत लोगों ने इकाई द्वारा प्रदान की गई चिकित्सा के प्रति संतोष व्यक्त किया ।

पैरा-सर्जिकल प्रोसिजर्स

व्याधियों की चिकित्सा हेतु पैरा-सर्जिकल प्रक्रियाओं की विशिष्ठ तकनीकें यथा - क्षारकर्म, क्षारसूत्र, अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, जलौकावचरण, सिरावेधन आदि अपनायी जा रही है । ये तकनीकें अर्श एवं भगन्दर की चिकित्सा में अधिक लोकप्रिय है ।

अनुर्जता इकाई

चिकित्सालय में अनुर्जता इकाई अवस्थित है जिसमें विभिन्न प्रकार की अनुर्जता से पीड़ित रोगियों की चिकित्सा की जाती है । संस्थान की रसायन शाला में निर्मित पुष्करमूलादियोग सहित औषधियाँ रोगियों को ओपीडी के माध्यम से नि:शुल्क वितरित की जा रही है ।

बाल मानसिक स्वास्थ्य इकाई

बालकों में विभिन्न मानसिक विकृतियों यथा - अटेंशन डेफिसीट, हाइपरएक्टिव डिसॉर्डर्स (एडी/एचटी), मेन्टल रिटॉर्डेशन, शैक्षणिक तनाव/स्मृति सम्बन्धित विकृतियाँ आदि हेतु विशिष्ट चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध है। देश के विभिन्न स्थानों से इस इकाई में रोगी आते हैं ।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई

संस्थान के स्वस्थवृत्त विभाग में पृथक से एक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई है जहाँ रोजाना जनसामान्य एवं रोगियों के स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु योग एवं प्राणायाम कराये जाते हैं । विबन्ध, उदररोग, शि:शूल, कटिशूल, रक्तविकार, अंगमर्द, स्तब्धता, शोथ, नेत्र प्रदाहशूल, अनिद्रा, प्रमेह आदि के रोगियों को विशेष मिट्टी चिकित्सा एवं जल चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है । रोगियों के लाभार्थ विभिन्न आसन, प्राणायाम, कुञ्जल, सूत्र नेति, वस्त्र धौति, कटि स्नान आदि नियमित रूप से कराये जाते है ।

दन्त इकाई

इस इकाई द्वारा दंत रोगों यथा - डेन्टल केरिज, पायरिया, जींजिवाइटिस आदि की जांच एवं चिकित्सा की जाती है। खराब हुये दांतों को निकालने, दांतों का शल्कन एवं साफ-सफाई आदि कर्म नियमित रूप से किये जाते हैं ।

रिहेबिलीटेशन एवं फिजियोथेरेपी इकाई

संस्थान से चिकित्सा प्राप्त कर रहे नाड़ीतंत्र सम्बन्धित विकृतियों से पीड़ित रोगियों के प्रबन्ध के लिए यहां एक रिहेबिलीटेशन तथा फिजियोथेरेपी इकाई है । रोगियों के लाभार्थ यह इकाई आवश्यक मशीनों तथा यंत्रों यथा कॉमर्शियल ट्रेड मील, क्रॉस ट्रेनर (साइकिलिंग), बॉडी सॉलिड, टेन स्टेशन मल्टी जिम, पॉवर प्लेट (बॉडी मसाज, वेट रिड्यूसर) आदि से युक्त है ।

हीमेटोलॉजी बायोकेमेस्ट्री इकाई

5 पोर्ट हीमेटोलॉजी अनालाइजर तथा पूरी तरह से स्वचालित जैव रसायन विश्लेषक जैसे उपकरणों से सुसज्जित इकाई केन्द्रीय प्रयोगशाला में है । इसका प्रयोगशाला में 200 से अधिक नैदानिक जाँचों के शुद्धता आधारित सरल एवं त्वरित परिणाम प्राप्त करने में लाभ प्राप्त हो रहा है।

विशिष्ट इकाई : पूर्व-मधुमेह, मधुमेह एवं चयापचय सिंड्रोम

मधुमेह के प्रबन्धन, निवारण एवं संवर्द्धन पहलुओं पर परामर्श एवं रोगियों के उपचार हेतु पूर्व-मधुमेह, मधुमेह एवं चयापचय सिंड्रोम हेतु विशिष्ट चिकित्सा इकाई है । विशेषरूप से विभिन्न चरणों में मधुमेह के लिए तैयार औषधियाँ भी तैयार कर वितरित की जा रही है ।

यूरोफ्लोमीटरी प्रयोगशाला

संस्थान द्वारा समय के साथ मूत्र के प्रवाह की दर की गणना करने के लिए तथा संकरे मूत्र मार्ग की स्थिति के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी देने हेतु संस्थान में यूरोफ्लोमीटरी प्रयोगशाला है । यह प्रयोगशाला ऑब्सट्रक्टिव यूरोपैथी विकारों एवं पौरुष ग्रन्थि की वृद्धि का पता लगाने में भी उपयोगी है ।

केन्द्रीय प्रयोगशाला

संस्थान के चिकित्सालय में बहिरंग, अन्तरंग व शोध के अन्तर्गत लिये गये विभिन्न नैदानिक परीक्षण की पूर्ति हेतु एक केन्द्रीय प्रयोगशाला है । हीमेटोलॉजिकल टेस्ट, मूत्र जाँच, बायोकेमीकल टेस्ट, सीरोलॉजिकल टेस्ट्स, सोनोग्राफी,

एक्स-रे, ईसीजी, टीएमटी आदि नैदानिक परीक्षण की सुविधायें रोगियों को उपलब्ध करायी जाती है । प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के परिष्कृत यन्त्र एवं उपकरण उपलब्ध है । छात्र एवं अध्येताओं द्वारा भी उनके प्रशिक्षण के क्रम में उपरोक्त नैदानिक परीक्षण किये जाते है ।

एससीपी तथा टीएसपी स्कीम - अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता

संस्थान में 1983-84 से एससीपी एवं टीएसपी योजनायें लागू कर रहा है जिसके लिए इन दो घटकों के लिए योजना आवंटन में हर वर्ष पृथक से बजट प्रावधान करता है । संस्थान राजस्थान के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बहुल दर्जनभर जिलों के दूरदराज गांवों/पंचायत समितियों आदि में चल-चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर निःशुल्क परामर्श, स्वास्थ्य परीक्षण, औषधियों का वितरण, आदि कर रहा है ।

योजनान्तर्गत, संस्थान 1 दिवस से 7 दिवस की अवधि के चिकित्सा शिविर, चल-चिकित्सा इकाई के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न जिलों यथा - उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ तथा जयपुर के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर लगाकर चिकित्सा लाभ पहुँचा रहा है । इस इकाई के प्रभारी एक एसोसियेट प्रोफेसर है। वर्ष के दौरान, उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, जैसलमेर, अजमेर, सीकर, जालौर, चूरु, टोंक, अलवर एवं जयपुर जिलों के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य वाले गांवों व कस्बों में 102 शिविरों (36 एक दिवसीय, 2 दो दिवसीय, 5 तीन दिवसीय, 1 चार दिवसीय, 8 पांच दिवसीय, 48 छः दिवसीय एवं 1 सात दिवसीय) का आयोजन किया गया। रोगियों को रू. 2,89,26,021/- लाख की निःशुल्क औषधियाँ वितरित की गई । 81,151 रोगी लाभान्वित हुये । इन शिविरों में विभिन्न विभागों के संकाय-सदस्यों, पैरा-मेडिकल स्टॉफ तथा स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा भाग लिया गया । आलोच्य वर्ष के दौरान योजना मद में रू. 300 लाख उपलब्ध कराये गये ।

रसायनशाला

संस्थान की रसायनशाला जीएमपी सर्टिफाइड है जिसमें चिकित्सालय व शोध कार्यों की आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की औषधियों के निर्माण का कार्य किया जाता है । औषध निर्माण के लिए अपनाई जाने वाली आदर्श प्रक्रियाओं का पूर्णरूप से पालन किया जाता है । औषधियों में गुणवत्ता मानक बनाये रखने हेतु औषध-निर्माण के सभी चरणों में गुणवत्ता नियंत्रण पद्धतियाँ अपनायी जाती है । औषध उत्पादों के निर्माण के दौरान मानक स्वस्थकर वातावरण एवं सुधारात्मक गुणवत्ता बनाये रखी जाती है। रसायनशाला रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग से सम्बद्ध है । विभाग के एक एसोसियेट प्रोफेसर द्वारा रसायनशाला में प्रबन्धन एवं निर्देशन किया जाता है तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को आयुर्वेदीय पद्धति से औषध निर्माण का प्रायोगिक अध्ययन-अध्यापन कराया जाता है । विभिन्न योगों में प्रयुक्त किये जाने वाले घटकों की गुणवत्ता बनाये रखने पर विशेष ध्यान दिया जाता है । इस प्रकार रसायनशाला में औषध निर्माण पूर्णतया शुद्ध आयुर्वेदीय शास्त्र प्रक्रियानुसार किया जाता है । विशेषतः भैषज्य रत्नावली, रसयोग सागर, सिद्ध योग संग्रह, सिद्ध भैषज मणिमाला, योग रत्नाकर, भाव प्रकाश, शार्ङ्गधर संहिता इत्यादि ग्रन्थों के अनुसार औषध निर्माण किया जाता है । इसके अतिरिक्त कुछ अनुभूत योग आयुर्वेदीय पारम्परिक विधि से बनाये जाते हैं ।

रसायनशाला आधुनिक उपकरणों एवं मशीनों से युक्त है यथा - माइक्रो पल्वराइज़र, डिसइन्टीग्रेटर, शिफ्टर, मिक्सर, मिनी पल्वराइज़र, पाउचिंग मशीन, कटिंग चौपिंग मशीन, ड्रॉयर, ड्रानुलेटर, टेबलेट, मैकिंग मशीन, स्ट्रीप पैकिंग मशीन, इलैक्ट्रिक फरनान्स, जूसर, बोटल वॉशिंग मशीन, मास मिक्सर, वेट ग्राइण्डर, डीहूमिडिफायर, स्क्रबर, ड्रॉयर, वैक्यूम क्लीनर आदि । कार्य में प्रयुक्त किये जाने वाले पारम्परिक यंत्र भी उपलब्ध है एवं निर्माण विधि में जहाँ कहीं भी इसके अतिरिक्त बनाई जा रही औषधियाँ, सामान्य चिकित्सा में प्रयोग में ली जाती है । पीएच.डी. एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं के शोध के दृष्टिगत मांग पर विशिष्ट औषधियों का रसायनशाला में निर्माण किया जाता है । ये औषधियाँ सम्बन्धित शोध अध्येता की उपस्थिति में, औषध घटकों, विधि निर्माण प्रक्रिया में पूर्ण सावधानी रखते हुये,

बनायी जाती है । आलोच्य वर्ष के दौरान रसायनशाला में रू. 2,04,78,079/- की लागत से 293 प्रकार की विभिन्न औषधियों (48,427 कि.ग्रा.) का निर्माण किया गया जो कि पिछले वर्ष के उत्पादन से 7,057 कि.ग्रा. अधिक है ।

पुस्तकालय

पुस्तकालय में पुस्तकों के भण्डारण, जर्नल्स, शोध-महानिबन्धों, अध्ययन कक्षों, संदर्भ कक्षों आदि हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध है । पुस्तकालय के सभी कक्ष वातानुकूलित है तथा सीसीटीवी कैमरा एवं वाई-फाई इन्टरनेट कनेक्शन युक्त है । पुस्तकालय परिसंचरण, संदर्भो की छायाप्रतियां एवं अखबारों की कतरनों, समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं की सेवायें प्रदान करता है ।

पुस्तकालय में आयुर्वेद, प्राकृतिक, आधुनिक चिकित्सा, दर्शनशास्त्र, संस्कृत, विज्ञान आदि विषयों से सम्बन्धित नवीनतम प्रकाशन विद्यमान है । अध्ययन कक्ष की अलग से व्यवस्था है जहाँ नवीनतम जर्नल्स, पत्रिकाऐं, बुलेटिन्स राष्ट्रीय एवं स्थानीय दैनिक उपलब्ध रहते हैं। पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या, संदर्भ एवं शोध प्रकाशनों सहित, अब लगभग 28,000 तक बढ़ गई है । 115 जर्नल एवं पत्र-पत्रिकायें वाचनालय कक्ष के लिये उपलब्ध है तथा पत्रिकाओं के 2,616 वार्षिक अंक सन्दर्भ के लिये उपलब्ध है । अध्यापकों एवं अध्ययनार्थियों के तत्काल सन्दर्भ हेतु समस्त विभागों में विभागीय पुस्तकालय स्थापित किये गये है। बुक-बैंक में 7,531 पुस्तकें उपलब्ध है जो कि प्रतिवर्ष छात्रों को उनकी योग्यता एवं आवश्यकता के अनुसार वितरित की जाती है । शिक्षकों, स्टॉफ, अध्येताओं एवं छात्रों द्वारा 19000 से अधिक बार पाठक कक्ष का उपयोग किया गया । केटेलॉग कोड में पुस्तकों को वर्गीकृत किया गया है तथा ओपन एसेस पद्धति अपनाई गई है। प्रत्येक अध्येता को पुस्तकालय के रीडर टिकिट्स अपने निवास पर अध्ययन करने हेतु पुस्तके प्राप्त करने हेतु दिये जाते हैं। सभी कार्य दिवसों को पुस्तकालय 12 घण्टों के लिए खुला रहता है । यह रविवार एवं अन्य अवकाश में भी 6 घण्टे के लिए खुला रहता हैं। अनुसंधान एवं संदर्भ शाखा में दुर्लभ एवं संदर्भ पुस्तकों को पृथक् से रखा गया है। अध्यापकों एवं अध्येताओं हेतु तत्काल संदर्भ के लिए सभी विभागों में 14 विभागीय पुस्तकालय है। इन पुस्तकालयों में प्रत्येक वर्ष नये संस्करणों की वृद्धि होती रहती है । पुस्तकालय में स्नातकोत्तर एवं आयुर्वेद विद्या वारिधि के अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत शोध महानिबन्धों का संकलन उपलब्ध है । स्वचालन प्रक्रिया प्रगति पर है तथा आगामी समय में यह डिजिटलाइज्ड हो जायेगी ।

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ

अफ्रीकी देशों के ड्रग नियामकों की यात्रा

विभिन्न अफ्रीकन देशों की 2 टीमों ने भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन के तहत 10-11 फरवरी 2018 को संस्थान का दौरा किया । यह यात्रा कैबिनेट द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव तथा तृतीय भारत अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस III) के दौरान भारत के माननीय प्रधनमंत्री द्वारा की गई घोषणा के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी । उन्हें संस्थान की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन कराया गया तथा उनकी संतुष्ठी के लिए शैक्षणिक गतिविधियों, औषध निर्माण, औषध नियामक आदि विषयक वार्ताऐं एवं विमर्श आयोजित की गई ।

कनाडा से प्रतिनिधि मण्डल की यात्रा

मॉन्ट्रियल यूनिवर्सिटी ऑफ कनाडा के 2 डॉक्टरों के प्रतिनिधि मण्डल ने संस्थान के सहयोग से विश्वविद्यालय में आयुर्वेद पर पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की व्यवहार्यता का ज्ञात करने के लिए 15 फरवरी 2018 को संस्थान का दौरा किया और आयुर्वेद के विभिन्न विषयों पर विस्तृत वार्ता भी की गई ।

निदेशक एवं संकाय की विदेश यात्रा

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित करने के क्रम में निदेशक ने मैड्रिड एवं स्पेन का दौरा किया एवं 19-24 जून 2018 के दौरान आयुर्वेद एंव योग पर व्याख्यान माला का भी प्रस्तुत की गई । रासेनबर्ग यूरोपीय एकेडमी ऑफ आयुर्वेद द्वारा 8-10 सितम्बर 2018 को भारत के वाणिज्य दूतावाता के माध्यम से आयोजित 19वीं अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेद संगोष्ठी में भाग लेने के लिए निदेशक द्वारा फ्रैंकफर्ट, जमर्नी का दौरा भी किया।

मिस्त्र के काहिरा में 12-15 मार्च 2018 भारत के दूतावास द्वारा आयोजित 'भारत द्वारा नाइल (आईबीएन)' सांस्कृतिक महोत्सव में 'योग और कल्याण कार्यशाला' में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा डॉ. निशा औझा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को नियुक्त किया गया । डॉ. अशोक कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने बैंकाक में 22-24 सितम्बर 2017 को आयोजित 'भारत के उत्सव' में भाग लिया । डॉ. सुमित नाथानी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा मंगोलिया में 14-15 दिसम्बर 2017 को भारत के दूतावास द्वारा आयोजित आयुर्वेद विषयक एक सम्मेलन में भाग लिया ।

सामान्य गतिविधियाँ

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के विस्तार केन्द्र के रूप में हरियाणा के पंचकुला में राष्ट्रीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान की स्थापना

आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के विस्तार केन्द्र के रूप में हरियाणा के पंचकुला में राष्ट्रीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान को स्थापित करने के लिए अनुमोदन किया गया । इस हेतु श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड पंचकुला द्वारा 20 एकड़ भूमि को संस्थान को सौंप दिया गया है। मैसर्स वेपकोस लि., जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार का एक उपक्रम, को प्रस्तावित संस्थान की स्थापना के लिए परियोजना प्रबन्धन परामर्शदाता नियुक्त किया गया है ।

एनएबीएच एक्रिडिटेशन

संस्थान द्वारा राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड़ से एक्रिडिटेशन प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया जो कि देह्रा में राष्ट्रीय मान्यता का उच्चतर निकाय है तथा रोगी परिचर्या की गुणवत्ता एवं सुरक्षा का चिन्ह है। एक्रिडिटेशन का प्रमाण पत्र संस्थान के निदेशक प्रो. संजीव शर्मा को राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रमाणन बोर्ड़ की निदेह्राक डॉ. गायत्री व्यास महेन्द्रु द्वारा दिया गया । प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव का आयोजन 14 से 16 सितम्बर 2017 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर एवं नेशनल आयुर्वेद स्टुडेण्ड्स एवं यूथ एसोसिएशन द्वारा संयुक्तरूप से किया गया। इस अवसर पर, श्री श्रीपद येसो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार, श्री कालीचरण सराफ, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान-सरकार, वैद्य श्री राजेश कोटेचा, विशिष्ठ सचिव, आयुष मंत्रालय, डॉ. वनिथा आर., अध्यक्ष, सीसीआईएम, एनएबीएच तथा अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। इस एक्रिडिटेशन के साथ, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान आयुष मंत्रालय के अधीन एक्रिडिटेशन प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाला प्रथम संस्थान बन गया है ।

राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव

आयुष मंत्रालय एवं नेशनल आयुर्वेद स्टुडेण्ड्स एवं यूथ एसोसिएशन के सहयोग से 14 से 16 सितम्बर 2017 को संस्थान में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव का आयोजन एवं मेजबानी संस्थान द्वारा की गई । इसका शुभारंभ 14 सितम्बर 2017 को श्री श्रीपद येसो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा श्री कालीचरण सराफ, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान-सरकार, वैद्य श्री राजेश कोटेचा, विशिष्ठ सचिव, आयुष मंत्रालय, डॉ. वनिथा आर., अध्यक्ष, सीसीआईएम, एनएबीएच की उपस्थिति में किया गया ।

संस्थान के लिए गिनीज वर्ल्ड रेकार्ड

संस्थान, नेशनल आयुर्वेद स्टुडेण्ड्स एवं यूथ एसोसिएशन तथा डाबर ने साथ मिलकर साथ साथ एक ही समय पर नस्य पंचकर्म उपचार प्राप्त करने वाले अधिकतम लोगों के लिए गिनीज वर्ल्ड रेकार्ड 15-9-2017 को प्राप्त किया है। 'नस्य कर्म' चिकित्सा की एक पद्धति है जिसमें रोगी नाक द्वारा आयुर्वेदिक औषधियाँ लेता है । सिर सम्बन्धित व्याधियों में इसे अपनाया जाता है । कान, गला एवं नाक स्वास्थ्य-सम्बन्धित विकारों व एलर्जिक राइनाइटिस, अर्धावभेदक, पालित्य आदि की चिकित्सा में भी यह मददगार है । अच्छी दृष्टी बनाये रखने में भी लाभदायक है । इस अवसर पर, श्री रामचरण बोहरा, माननीय सांसद, न्यायमूर्ति श्री एस.एस. कोठारी, लोकायुक्त(राजस्थान) एवं प्रो. राधेश्याम शर्मा, कुलपति, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय उपस्थित थे । देश के 100 से अधिक आयुर्वेद महाविद्यालयों/संगठनों के लगभग 3000 आयुर्वेदिक छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं एवं चिकित्सकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया ।

स्थायी वित्त समिति

संस्थान की स्थायी वित्त समिति का उपवेशन दिनांक 5-6-2017 को श्री अनुराग श्रीवास्तव, आईएएस, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ । उपवेशन में विभिन्न निर्णय/संस्तुतियाँ की गई ।

भर्तियाँ एवं पदोन्नतियाँ

आलोच्य वर्ष के दौरान, वर्ग-ए, बी एवं सी की चयन समितियों के उपवेशन आयोजित किये गये तथा सक्षम अधिकारियों की स्वीकृति से निम्नलिखित पद भरे गये -

क्र.सं.	पद का नाम	भरे गये पद		
		सीधी भर्ती	नियमित पदोन्नति	डीएसीपी पदोन्नति
1.	प्रोफेसर-एसएजी	-	-	4
2.	प्रोफेसर	4	-	26
3.	एसोसिएट प्रोफेसर	3	2	2
4.	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	-	2	-
5.	लेक्चरर	11	-	-
6.	पुस्तकालय अध्यक्ष	-	-	1 (एसीपी प्रौन्नति)
7.	कार्यालय सहायक	-	1	-
8.	वरिष्ट लिपिक	-	2	-

संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगतन स्कीम के अन्तर्गत वित्तीय प्रोन्नयन

ग्रूप-सी के 28 कर्मचारियों को संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगतन स्कीम के अन्तर्गत आगामी उच्च ग्रेड्-पे प्रदान की गई ।

लोक वित्त प्रबन्धन प्रणाली

संस्थान द्वारा भारत-सरकार के निर्देशों के अनुसार सभी वित्तीय लेन-देन लोक वित्त प्रबन्धन प्रणाली के माध्यम से किये जा रहे है । इस हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मंत्रलाय के मुख्य लेखा नियंत्रक द्वारा आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है ।

जर्नल ऑफ आयुर्वेद

यह श्रेष्ठजनों द्वारा समीक्षित जर्नल (Peer Reviewed Journal) अन्तर्राष्ट्रीय मानकों तथा वैज्ञानिक युग में आज की आवश्यकताओं के अनुकूल है । इसमें प्रकाशन के लिए विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों, संस्थाओं तथा संगठनों आदि से प्राप्त लेखों एवं शोध-पत्रों को सम्बन्धित विशेषज्ञों के सम्मुख समीक्षा तथा अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाता है । जर्नल व्यापक रूप से पाठकों में वितरित किया जाता है।

एनआईए न्युजलेटर

संस्थान की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देने हेतु संस्थान से द्विमासिक समाचार-पत्र (Newsletter) प्रकाशित किया जाता है । इसमें संस्थान की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों के अतिरिक्त, समाचार-पत्र में प्राचीन आयुर्वेद संहिताओं से लिये गये स्वास्थ्य उद्धरण समाहित होते है। समाचार-पत्र का अनुसंधान परिषदों, संस्थानों, आयुर्वेदिक महाविद्यालयों, संगठनों, पुस्तकालयों में नि:शुल्क वितरण हेतु प्रेषित किया जाता है ।

विवरणिकायें, पत्रक, आईईसी मेटेरियल्स आदि

विभिन्न अवसरों यथा आरोग्य मेलों, कार्यशालाओं, चिकित्सा शिविरों आदि में नियमित वितरण हेतु संस्थान द्वारा विवरणिकाओं एवं पत्रकों का प्रकाशन कराया जाता है । संस्थान द्वारा चिकित्सालय में दी जा रही विभिन्न सेवाओं, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं, व्याधियों, स्वास्थ्य संवर्द्धन एवं रोग निवारक पहलुओं, स्वस्थ मानसिकता एवं स्वस्थ जीवन बनाये रखने हेतु करने एवं न करने योग्य पहलुओं आदि की जानकारी इन विवरणिकाओं एवं पत्रकों में दी जाती है। पत्रक व्यापक रूप से आमजन के लिए वितरित किये जा रहे है ।

स्थापना दिवस

संस्थान द्वारा 7-2-2018 को स्थापना दिवस मनाया गया । इस अवसर पर धन्वन्तरि पूजा आयोजित की गयी तथा संस्थान के 2 कर्मचारियों श्री रामनारायण सैनी, कनिष्ट लिपिक एवं श्री विश्वास लाल डागर, एमटीएस को उनके द्वारा संस्थान में किये गये विशिष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। उन्हें निदेशक द्वारा एक प्रशंसा-पत्र, श्रीफल तथा शॉल अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं एवं छात्रों की उपस्थिति में प्रदान किया गया ।

आतंकवाद विरोधी दिवस

21-5-2017 को आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को शपथ दिलायी गई, कार्यक्रम में अच्छी संख्या में भागीदारी हुयी ।

सद्भावना दिवस

संस्थान द्वारा 20-8-2017 को सद्भावना दिवस मनाया किया गया । 20-8-2017 को सद्भावना दिवस के अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को शपथ दिलायी गई । कार्यक्रम का उद्देश्य जाति, रंग या नस्ल की भावना से परे लोगों के बीच सांप्रदायिक सद्भावना, राष्ट्रीय अखंडता, शांति और स्नेह को बढ़ावा देना था ।

स्वच्छ भारत अभियान

संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान जारी रखा गया है । अभियान के तहत सभी विभाग, चिकित्सालय, प्रयोशालाओं, रसायनशाला, कार्यालयों, छात्रावास तथा सम्पूर्ण परिसर को स्वच्छ किया गया है एवं समय-समय पर समुचित स्वच्छता सुनिश्चित की गई है । परिसर को सदैव साफ एवं स्वच्छ बनाऐं रखने हेतु स्वच्छता अभियान जारी रखा गया है ।

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारत-सरकार के निर्देशानुसार संस्थान द्वारा सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती पर 30-10-2017 को संस्थान में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया । इस अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्येताओं तथा छात्रों को देश में एकता एवं अखण्ड़ता की शपथ दिलायी गई ।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशानुसार 30-10-2017 से 4-11-2017 तक संस्थान में सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया । इस अवसर पर निदेशक द्वारा अध्यापकों, अधिकारियों, स्टॉफ, अध्येताओं तथा छात्रों को देश की एकता एवं अखण्ड़ता हेतु शपथ दिलायी गई जिसमें ये काफी अच्छी संख्या में एकत्रित हुये ।

राजभाषा समिति

संस्थान में प्रो. संजीव शर्मा, निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का पुनर्गठन किया गया है । यह समिति संस्थान में वर्ष में समय-समय पर उपवेशन आयोजित कर राजभाषा के उपयोग का संवर्द्धन करती है तथा हिन्दी दिवस (14-9-2017), हिन्दी पखवाड़ा(1-9-2017 से 15-9-2017 तक) आदि कार्यक्रमों का आयोजन करती है तथा राजभाषा के उपयोग हेतु माहौल को बढ़ावा देने हेतु उपवेशन आयोजित किये गये । राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 26-6-2017, 29-9-2017, 13-12-2017 तथा 26-3-2018 को त्रैमासिक उपवेशनों का आयोजन किया गया एवं विभिन्न संस्तुतियाँ एवं निर्णय लिये गये । राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपवेशनों में लिये गये निर्णयों को लागू करने हेतु समुचित कदम उठाये गये।

हिन्दी कार्यशाला - आधिकारिक कार्य में हिन्दी भाषा का उपयोग - समस्याऐं और उनके समाधान

वर्ष के दौरान, संस्थान द्वारा 14-12-2017 को 'आधिकारिक कार्य में हिन्दी भाषा का उपयोग-समस्याऐं और उनके समाधान' विषयक हिन्दी कार्यशाला का आयोजिन किया गया । इसका उद्घाटन संस्कृत के प्रसिद्ध विद्वान देवर्षि कलानाथ शास्त्री द्वारा किया गया । इस अवसर पर श्री डी.पी. अग्रवाल, श्रीमती जयश्री प्रभा, संस्थान के संकाय सदस्य एवं संस्थान के अधिकारीगण उपस्थित रहे । संस्थान के निदेशक प्रा. संजीव शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। देवर्षि कलानाथ शास्त्री ने अपने उद्बोधन में हिन्दी के आधिकारिक भाषा के रूप में उपयोग करने के प्रभाव और महतव के बारे में उल्लेख किया । डॉ. गोविन्द पारीक, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला में सभी अध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रियता से भाग लिया ।

लोक-परिवेदना निवारण इकाई

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुष विभाग से अग्रेषित की गई 10 शिकायतें प्राप्त हुई उन्हें तत्परता से सुनकर शीघ्रता से उनका निवारण किया गया तथ तद्नुसार शिकायतकर्ताओं को सूचित किया गया । इनके आंकड़े भी आयुष विभाग को प्रस्तुत किये गये ।

सूचना का अधिकार इकाई

वर्ष के दौरान, 88 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुये तथा इन सभी को उत्तर/सूचनायें उपलब्ध करायी गई। संस्थान द्वारा आंकड़े नियमित रूप से केन्द्रीय सूचना आयोग के पोर्टल पर अपलोड़ किये जाते हैं।

अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति इकाई

अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति इकाई के देखरेख अधिकारी एवं प्रभारी-अधिकारी द्वारा रोस्टर बिन्दु आदि को जांचने एवं स्वीकृति देने के उपरान्त ही सीधी-भर्त्ती एवं पदोन्नति हेतु विभिन्न पदों की रिक्तियों का निर्धारण किया जाता है ।

सभागार

संस्थान में 500 सीटोंयुक्त एक वातानुकूलित सभागार है । यह सभागार में आधुनिक एवं नवीनतम ध्वनि और प्रकाश योजनाओं की सुविधाओं से युक्त है । परकोटा क्षैत्र में अच्छी सुविधाओं युक्त यह अपनी तरह का एक मात्र सभागार है इसमें दिव्यजनों हेतु सुविधाओं का प्रावधान है तथा पृथक से जनरेटर सेट उपलब्ध है । सभागार में प्रक्षेपण के लिए बड़ी स्क्रीन है । स्टेज पर अग्निरोधी पर्देयुक्त है तथा रंग रोगशनी मोटर संचालित है । इसमें पर्याप्त अग्निरोधक यंत्र स्थापित है । इसका उपयोग विभागों द्वारा साप्ताहिक संगोष्ठीयों, छात्रों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों तथा संस्थान के कर्मचारियों हेतु आयोजित कार्यक्रमों में किया जाता है । संस्थान के स्वयं के उपयोग के अतिरिक्त, सभागार को शैक्षणिक संस्थानों तथा संगठनों को संगोष्ठीयों, उपवेशनों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु किराये पर दिया जाता है ।

छात्रावास

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को छात्रावास सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु संस्थान के निम्नलिखित छात्रावास उपलब्ध है:-

स्नातक छात्र छात्रावास	2	117 सीटें
स्नातकोत्तर छात्र छात्रावास	1	134 सीटें
स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रा-छात्रावास	2	169 सीटें
पीएच.डी./पीजी छात्रावास (फ्लेटों में)		20 सीटें

❇❇❇

शैक्षणिक विभागों का प्रतिवेदन

अगद तंत्र विभाग

परिचय:

अगद तंत्र आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है जिसमें विष, इनके कार्य, इनकी तीव्रता और संचयी विषाक्तता का निदान तथा चिकित्सा से सम्बन्धित अध्ययन किया जाता है । अगदतंत्र में विषैले पदार्थों तथा जीवित प्राणियों द्वारा उत्पन्न विष जो कि मनुष्य के लिए हानिकारक होते हैं जैसे जहरीले पौधें, भारी धातु, तथा इसके यौगिक, सांप, बिच्छू, मकड़ी, मधुमक्खी आदि, बैक्टीरियल ओर गैर-बैक्टीरियल विषाक्त भोजन, कृत्रिम विष यथा कीटनाशक, शाक तथा रोडेन्टनाशी आदि, इनकी विषाक्तता एवं नैदानिक प्रबन्ध, इसमें विभिन्न दवाओं के आदी से उत्पन्न तीव्र, जीर्ण विषाक्ता की निकासी एवं इसका प्रबन्ध आदि सम्मिलित है । इस विषयान्तर्गत विष तथा विषैले पादप, जीवाणुओं तथा कुकुरमुत्तों से उत्पन्न विष की पहचान, लक्षण व चिकित्सा सम्मिलित है । विभागान्तर्गत आयुर्वेदिक पद्धति से विशिष्ट विष द्रव्यों का विस्तृत विवेचन, वर्गीकरण, परीक्षण तथा इनके प्रयोग से उत्पन्न विकारों की चिकित्सा तथा प्रतिषेधात्मक उपाय तथा व्यवहारायुर्वेद विषयान्तर्गत विधि व्यवहार तथा मृत्यु के कारणों की जाँच, फोरेंसिक औषधियाँ आदि का अध्ययन-अध्यापन स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कराया जाता है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर (1 संविदा आधार पर), 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं 1 लेक्चरर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे ।

ध्येय एवं उद्देश्य -

1. स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को अगदतंत्र विषय की शिक्षा प्रदान करना ।
2. स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को फोरेंसिक विज्ञान विषय की शिक्षा प्रदान करना ।
3. आयुर्वेद अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्तावाले शोधार्थी एवं अध्यापकों का निर्माण करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

स) पीएच.डी. - वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं को अगद तंत्र, व्यवहार आयुर्वेद एवं विधि वैद्यक विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

द) छात्र-छात्राओं को मृत-शरीर के पोस्टमार्टम परीक्षण करने की प्रक्रिया का व्यवहारिक ज्ञान कराने हेतु महात्मा गाँधी मेडीकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया । यह प्रशिक्षण छात्र-छात्राओं के बैच बनाकर निरन्तर प्रदान किया जा रहा है ।

शोध -

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. रश्मि सैनी	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन विवो एन्टि कैंसर एक्टिविटी एण्ड टॉक्सिसिटी ऑफ हरगौरी रस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एण्डोमेट्रिअल कैंसर ।

2.	डॉ. मोनिका शर्मा	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इन विवो एन्टि कैंसर एक्टिविटी एण्ड टॉक्सिसिटी ऑफ आयुर्वेदिक कम्पाउण्ड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ल्यूकेमिया ।
3.	डॉ. राजवीर सासोन	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	द् क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अमृतादि घनवटी एण्ड विषघ्न लेप इन दुषीविषजन्य विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक स्किन डिजीज ।
4.	डॉ. नीलम आर्य	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ विचर्चिकारी तैलम् एण्ड विडंगादि पिण्डी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका ।
5.	डॉ. सुबोध जैन	डॉ. रमाकान्त शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्टिबैक्टेरियल स्ट्डी ऑफ एक्वयस एक्सट्रेक्ट ऑफ विषघ्न महाकषाय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फूड पॉयजनिंग ।
6.	डॉ. सुशील	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन इन विवो एन्टीपायरेटिक स्ट्डी ऑफ अमृतमंजिरी रस विथ शुद्ध हिंगुल एण्ड शुद्ध षड्गुण बलीजारित रससिन्दूर एज् एन इंग्रेडेन्ट एण्ड इट्स थेरेप्युटिक एफिकेसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ज्वर ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. संचित जैन	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ कूटन्नतादि तैलम एण्ड गुञ्जा ऑन खालित्य ।
2.	डॉ. सपना खत्री	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑन पलाशबिजादि योग एण्ड कम्पिल्लकादि लेप ऑन मण्डल कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दुषी विष ।
3.	डॉ. मनप्रीत कौर	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ ब्रह्म रस एण्ड चतु:सम लेप इन दुषीविषजन्य त्वक विकार ।
4.	डॉ. मीना कुमारी	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा, प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ विषमुष्ट्यादि वटी इन टोबेको एडिक्शन - ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल।
5.	डॉ. संदीप चरक	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ नारायण चूर्ण इन एल्कोहोल एडिक्शन : सिंगल ब्लाइण्ड रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ।
6.	डॉ. पियुष गुप्ता	डॉ. अनिता शर्मा, प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ ब्रह्मी वटी ऑन इन्सोमनिया विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मदात्यया : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल ।
7.	डॉ. शीतल मीना	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा, प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ सप्तसम योग, मनशिलादि लेप एण्ड सोराई ऑयल इन मण्डल कुष्ठ ।

8.	डॉ. दिव्या तिवारी	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ लाक्षादि लेप पंचनिम्ब घन वटी इन मुखदुपिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एक्ने वल्गासिस : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रायल।
9.	डॉ. शीतल यादव	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	रोल ऑफ अर्क तैल एण्ड बाकुची चूर्ण ऑन विचर्चिका : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल ।
10.	डॉ. मन्जू कुमार	डॉ. विनोद कुमार गोठेचा प्रोफेसर डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ जात्यादि तैल एण्ड बाकुचिकाद्यम गुञ्जादि लेप ऑन खालित्य ।
11.	डॉ. प्रवीण कुमार	डॉ. शरद पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन एफिकेसी ऑफ विषतिन्दुकादि वटी एण्ड समीरगज केसरी रस इन ओपिअम एडिक्शन ।
12.	डॉ. हेमलता दीक्षित	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ लाक्षादि लेप ऑन दद्रु कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दुषीविष : ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ।
13.	डॉ. सीमा यादव	डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	ए कम्प्रेहेन्सिव रिव्यू ऑफ ड्रग्स हैविंग विषघ्न कर्म मेंशन्ड इन भावप्रकाश निघण्टु ।
14.	डॉ. वन्दना चंदेल	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ द्राक्षादि चूर्ण इन मदात्यय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एल्कोहल एडिक्शन : ऐ रेण्डोमाईज्ड क्लिनीकल ट्रॉयल।
15.	डॉ. उपासना मिश्रा	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ सहचर गुटिका एण्ड कुष्ठयादि गुटिका इन टोबेको च्युइंग एडिक्शन : ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ।
16.	डॉ. सोनम दोन्देन	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्टी कैंसर एक्टिविटी एण्ड साइटोटोक्सिटी ऑफ मोरिंगा आलिफेरा एण्ड केलोट्रोपिस प्रोसेरा : एन इनवाइट्रो स्ट्डी ।
17.	डॉ. अनिन्दयालोक बन्दोपाध्याय	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ रोहितक्यादि चूर्ण घनवटी विथ वर्धमान पिप्पली रसायन इन अल्कोहोलिक लीवर डिजिज ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. भावना मित्तल	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ चित्रकादि लेप एण्ड सिद्धार्थकादि क्वॉथ इन कुष्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराइसिस ।
2.	डॉ. मधु पाठक	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ निशादि क्वॉथ घन वटी एण्ड वृहत्त सिंदूरम तैलम इन विचर्चिका - ए क्लिनीकल स्ट्डी ।
3.	डॉ. रिचा शर्मा	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ पंच निम्ब चूर्ण एण्ड बृहत मरीच्यादि तैलम् इन व्यंग।

चिकित्सकीय कार्य –विभाग द्वारा चिकित्सालय के बहिरंग विभाग एवं अन्तरंग विभाग के रोगियों को चिकित्सकीय सेवाऐं प्रदान की गई । चिकित्सालय के अन्तरंग विभाग के रोगियों के साथ-साथ बहिरंग विभाग के रोगियों को विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निदान एवं चिकित्सा सुविधाऐं प्रदान की गई । विशेषरूप से दूषी विषजन्य त्वचा रोग एवं नशीली दवाओं के सेवन के आदी के रोगियों की चिकित्सा की गई । विभाग के अध्यापकों ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वाले क्षेत्रों में आयोजित चल-चिकित्सा शिविरों में भाग लेकर चिकित्सा सेवाऐं दी गई ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ केमिकल टोक्सिसटी ऑफ कोस्मेटिक्स : ए रिव्यू ।	आई.जे.आर.ए.पी. वॉल. 8, इश्यू - 3 मार्च-अप्रैल 2017
2.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन लूता विप (स्पाइडर पाइजन) : एन आयुर्वेदिक एप्रोच ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च मई 2017, वॉल-4, इश्यू-5
3.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	थैरेप्युटिक यूजेज ऑफ हरताल - ए क्रिटिकल रिव्यू ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वॉल.4, इश्यू 10, अगस्त 2017
4.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ टेकजेमा टेबलेट एण्ड टेकजेमा आइन्टमेन्ट इन मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका (एग्जिमा)।	डब्ल्यूजेपीआर इश्यू नं. 10, वॉल. 6 सितम्बर 2017
5.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	ए टोक्सिसलोजिकल रिव्यू ऑफ वत्सनाभा (अकोनिंटूं फेरोक्स)	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फोर्मेशन रिसर्च एण्ड रिव्यू। वॉल. 4, इश्यू 9 सितम्बर 2017
6.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	क्लिनीकल डाइग्नोसिस मेथड्स एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ टोबेको चिविंग एडिक्शन थ्रू आयुर्वेद ।	डब्ल्यूजेपीआर वॉल. 6, इश्यू-15 नवमबर 2017
7.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	युवान पिडिका - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी विथ स्पेशियल रेफरेन्स एक्ने वल्गारिज - ए रिव्यू आर्टिकल ।	ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालेसिस वॉल. 6, इश्यू 10 अक्टुबर 2017
8.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ ब्रह्मी वटी - ए क्रिटीकल रिव्यू ।	सितम्बर 2017
9.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ओजस कषाय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एड्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट रिसर्च वॉल.9, इश्यू 4, अप्रैल 2017
10.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	मेडिकल नेग्लिजेंस इन एनशियन्ट साइन्सेज - ए सिस्टेमेटिक रिव्यू ।	ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालेसिस वॉल. 6, इश्यू 6 जून 2017

11.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ क्युमुलेटिव पाइजन्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दूषी विष ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 6, जून 2017
12.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	प्रीवेंटिव एण्ड आयुर्वेद मैनेजमेन्ट ऑफ लेड पाइजनिंग ।	इम्पीरियल जर्नल ऑफ इन्टरडिसिप्लेनरी रिसर्च इश्यू 8, वॉल. 3, 2017
13.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	रोल ऑफ एनसियेन्ट इंडियन साइन्सेज इन मेन्टल हैल्थ ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 7, जुलाई 2017
14.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	फायटोकेमिकल एण्ड फार्माकोलोजिकल स्ट्डी ऑफ धतुरा - ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुष एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वॉल. 1, इश्यू 2, अगस्त 2017
15.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	हैल्थ हजार्डस ऑफ वैरोधिक आहार एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वॉल. 6, इश्यू 9 अगस्त 2017
17.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	प्रोफेशनल मिसकन्डक्ट एण्ड स्टेण्डर्ड्स ऑफ प्रॅक्टिशनर इन आयुर्वेद ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज इश्यू 9, वॉल. 4 सितम्बर 2017
18.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	रोल ऑफ सेल्फ केयर इन मैनेजमेन्ट ऑफ टाईप-2 डायबिटीज मिलीटस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम 11(1)2017
19.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ आपीयम एडिक्शन - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी वाल्यूम 9, इश्यू 1 जनवरी-फरवरी 2018
20.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ मदात्यय : ए केस स्ट्डी ।	अक्टूबर 2017
21.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ फोरेन्सिक मेडिसिन इन आयुर्वेद ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 10, इश्यू 1 2017
22.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रोटोकोल फार डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ दुषीविष इन करन्ट ऐरा।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 10, इश्यू 3 2017
23.	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डाइग्नोसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक टोक्सिसटी ऑफ अल्कोहोल एण्ड इट्स विथड्रावल थ्रू आयुर्वेद।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल. 6, इश्यू 12 सितम्बर 2017
24.	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मेथड ऑफ प्रीवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ लोंग टर्म हजार्ड्स ऑफ कीमोथेरेपी ।	आयुर्वेदिक जर्नल ऑफ मेडिकल एण्ड हैल्थ रिसर्च वॉल. 3, इश्यू 7 जुलाई 2017

25.	डॉ. शरद मारोती पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मेथड ऑफ डिएडिक्शन ऑफ अल्कोहोल ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ फार्माकोलोजी एण्ड टोक्सिकोलोजी, 7(2), 2017
26.	डॉ. अमोल कडू लेक्चरर	मैनेजमेन्ट ऑफ रिकरन्ट नेसल वेस्टीबूलर फ्यूरंकुलोसिस बाई जलोकावचरण एण्ड पैलीएटिव ट्रिटमेन्ट - ए केस रिपोर्ट ।	एनशिएन्ट साइन्स ऑफ लाईफ वॉल. 36(4) अप्रैल-जून 2017

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता -

क्र.सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये पत्र
1.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन 2017 विषयक कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	जर्नल ऑफ आयुर्वेद रिसर्च आयुष्य द्वारा 16-17 अप्रैल 2017 को बरेली में आयोजित इविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एवं लाईफ साइंसेज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	द् पेथोजेनेसिस एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ एलर्जिक ब्रोंकियल अस्थमा ।
3.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 12.01.2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
4.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
5.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 14 दिसम्बर 2017 को आयोजित हिन्दी भाषा विषयक एक दिवसीय कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
6.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	इनोवेशन वर्ल्ड कैंसर कॉंग्रेस 2017 द्वारा 20-22 सितम्बर 2017 को कोलकाता में आयोजित कैंसर इन ए न्यु वे:इनोवेशन, प्रीवेंशन, डाइग्नोसिस एण्ड क्योर विषयक संगोष्ठी ।	इन विवो एन्टी-कैंसर एक्टिविटी ऑफ आयुर्वेदिक कम्पाउण्ड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ल्युकेमिकया ।
7.	डॉ. शरद पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मरुस्थलीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र द्वारा 13-16 दिसम्बर 2017 को जोधपुर में आयोजित राजस्थान कोनक्लेव-5 ।	एन्टी कैंसर एक्टिविटी ऑफ आयुर्वेदिक कम्पाउण्ड : इन विवो।
8.	डॉ. शरद पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित कार्यशाला ।	रिसर्च मेथोडोलोजी, स्टेस्टिक्स एवं गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक व्याख्यान दिया गया।

सी) अध्येताओं द्वारा कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता -

क्र.सं.	अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये पत्र
1.	डॉ. सपना खत्री एमडी अन्तिम वर्ष	विश्व आयुर्वेद परिषद, राजस्थान राज्य इकाई द्वारा 26 नवम्बर 2017 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला (मेधा कौशल) ।	एक्सिलेंस इन राईटिंग स्किल्स फॉर आयुर्वेद स्कॉलर्स ।

2.	डॉ. सपना खत्री एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हीमोराइड्स ।
3.	डॉ. सपना खत्री एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित कार्यशाला ।	रिसर्च मॅथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस इन आयुर्वेदिक रिसर्च ।
4.	डॉ. सपना खत्री एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	--
5.	डॉ. मीना महतो एमडी अन्तिम वर्ष	बरेली(यू.पी.) में 16-17 अप्रैल 2017 को आयोजित एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एण्ड लाईफ साइन्सेज (AAAICON- 2017) विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	अभ्यंग कर्म ।
6.	डॉ. मीना महतो एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान द्वारा चरक चिंतन-एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटिक न्युरोपैथी ।
7.	डॉ. मीना महतो एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2018 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस इन आयुर्वेदिक रिसर्च विषयक कार्यशाला ।	भाग लिया गया ।
8.	डॉ. मीना महतो एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
9.	डॉ. मनप्रीत कौर एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान द्वारा चरक चिंतन - एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	भाग लिया गया ।
10.	डॉ. मनप्रीत कौर एमडी अन्तिम वर्ष	बरेली(यू.पी.) में 16-17 अप्रैल 2017 को आयोजित एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एण्ड लाईफ साइन्सेज (AAAICON- 2017) विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	भाग लिया गया ।
11.	डॉ. संचित जैन एमडी अन्तिम वर्ष	ब्रिगिंग ओब्जेक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक स्कीन केयर ।	भाग लिया गया ।
12.	डॉ. संचित जैन एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
13.	डॉ. संचित जैन एमडी अन्तिम वर्ष	संस्थान द्वारा चरक चिंतन-एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	भाग लिया गया ।
14.	डॉ. शीतल यादव एमडी द्वितीय वर्ष	मल्टी-डिसिप्लीनेरी एप्रोच टू नॉन-कम्युनिकेबल डिजिज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह थ्रू डाईट एण्ड लाईफ स्टाईल - ए रिव्यू विषय पत्र प्रस्तुत किया गया ।
15.	डॉ. शीतल यादव एमडी द्वितीय वर्ष	ब्रिगिंग ओब्जेक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक स्कीन केयर ।	भाग लिया गया ।

16.	डॉ. शीतल यादव एमडी द्वितीय वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
17.	डॉ. शीतल यादव एमडी द्वितीय वर्ष	शल्य तंत्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
18.	डॉ. दिव्या तिवारी एमडी द्वितीय वर्ष	ब्रिगिंग ओब्जेक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक स्कीन केयर ।	भाग लिया गया ।
19.	डॉ. दिव्या तिवारी एमडी द्वितीय वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
20.	डॉ. दिव्या तिवारी एमडी द्वितीय वर्ष	शल्य तंत्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
21.	डॉ. मंजू कुमारी एमडी द्वितीय वर्ष	ब्रिगिंग ओब्जेक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक स्कीन केयर ।	भाग लिया गया ।
22.	डॉ. मंजू कुमारी एमडी द्वितीय वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
23.	डॉ. मंजू कुमारी एमडी द्वितीय वर्ष	शल्य तंत्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
24.	डॉ. मंजू कुमारी एमडी द्वितीय वर्ष	संस्थान द्वारा चरक चिंतन-एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	भाग लिया गया ।
25.	डॉ. शीतल मीना एमडी द्वितीय वर्ष	ब्रिगिंग ओब्जेक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक स्कीन केयर ।	भाग लिया गया ।
26.	डॉ. शीतल मीना एमडी द्वितीय वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
27.	डॉ. शीतल मीना एमडी द्वितीय वर्ष	संस्थान द्वारा चरक चिंतन - एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	भाग लिया गया ।
28.	डॉ. पियुष गुप्ता एमडी द्वितीय वर्ष	ब्रिगिंग ओब्जेक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक स्कीन केयर ।	भाग लिया गया ।
29.	डॉ. पियुष गुप्ता एमडी द्वितीय वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
30.	डॉ. पियुष गुप्ता एमडी द्वितीय वर्ष	शल्य तंत्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
31.	डॉ. प्रवीन कुमार एमडी द्वितीय वर्ष	प्रसूति तंत्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
32.	डॉ. प्रवीन कुमार एमडी द्वितीय वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।

33.	डॉ. प्रवीन कुमार एमडी द्वितीय वर्ष	शल्य तंत्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा संस्थान में आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
34.	डॉ. प्रवीन कुमार एमडी द्वितीय वर्ष	एम.एम.एम. राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-21 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद - वेदनास्थापनं - विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	दर्द प्रबन्धन में निर्गुण्डी तैल की महत्ता विषयगत पत्र प्रस्तुत किया ।
35.	डॉ. उपासना मिश्रा एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
36.	डॉ. उपासना मिश्रा एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2018 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस इन आयुर्वेदिक रिसर्च विषयक कार्यशाला ।	भाग लिया गया ।
37.	डॉ. हेमलता दीक्षित एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
38.	डॉ. हेमलता दीक्षित एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2018 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस इन आयुर्वेदिक रिसर्च विषयक कार्यशाला ।	भाग लिया गया ।
39.	डॉ. हेमलता दीक्षित एमडी प्रथम वर्ष	एम.एम.एम. राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-21 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद- वेदनास्थापनं-विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	भाग लिया गया ।
40.	डॉ. वंदना चंदेल एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
41.	डॉ. वंदना चंदेल एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2018 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस इन आयुर्वेदिक रिसर्च विषयक कार्यशाला ।	भाग लिया गया ।
42.	डॉ. वंदना चंदेल एमडी प्रथम वर्ष	एम.एम.एम. राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-21 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद - वेदनास्थापनं - विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	भाग लिया गया ।
43.	डॉ. सीमा यादव एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
44.	डॉ. अनिन्दयालोक बन्दोपाध्याय एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।
45.	डॉ. सोनम दोन्देन एमडी प्रथम वर्ष	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	भाग लिया गया ।

राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों में रिसोर्स पर्सन –

- नशामुक्त समाज बनाने के ध्येय से विभाग द्वारा चिकित्सालय में एक नशामुक्ति केन्द्र चलाया जा रहा है। मादक दवाओं पर निर्भर रोगियों को उचित परामर्श और उपचार प्रदान किया गया। शराब, अफीम, तंबाकू और औषधीय दवाओं के आदि रहने वाले लागों को उपचार का पूर्ण कोर्स प्रदान किया जाता है।
- विभाग द्वारा दो नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 20-2-2018 एवं 22-3-2018 को क्रमश: आयोजित किये गये।
- डॉ. अनिता शर्मा, प्रोफेसर द्वारा मातृ दिवस (13 मई, 2017) के अवसर पर फ्युचर फाउण्डेशन स्कुल, जयपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान दिया गया ।
- डॉ. अनिता शर्मा, प्रोफेसर द्वारा चिकित्साधिकारियों हेतु राजस्थान-सरकार द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथि व्याख्यान दिया गया ।

पुरस्कार

- **डॉ. अनीता शर्मा,** प्रोफेसर को बाबाजी गुरूदेव धर्म विकास संगठन की ओर से गुरूजन शिक्षक प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया ।

- **डॉ. शरद पोरटे,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुर्वेद एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु पं. गंगासहाय जोशी स्मृति अवार्ड प्रदान किया गया ।

विविध गतिविधियाँ :विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न कराई गयी-

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. अनिता शर्मा प्रोफेसर	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एवं फार्मा रिसर्च के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । जर्नल ऑफ आयुर्वेद के सम्पादक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया ।
2.	डॉ. शरद पोरटे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया गया । संस्थान में मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की उप-समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य किया गया ।

❊❊❊

द्रव्यगुण विभाग

परिचय: द्रव्य गुण विभाग एक स्नातकोत्तर विभाग है इसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों स्तरों के छात्रों को शिक्षण, प्रशिक्षण तथा पीएच.डी. अध्येताओं को नियमित निर्देशन दिया जाता है । विभाग में वानस्पतिक, खनिज एवं प्राणिज द्रव्यों के द्रव्य गुणात्मक अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया जाता है । विविध वानस्पतिक द्रव्यों में व्याप्त अशुद्धियों तथा अमिश्रणों के संदर्भ में विभिन्न औषधियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन छात्रों को एवं अध्येताओं को कराया गया । समस्त प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त औषधियों की कार्मुकता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने पर विशेष महत्व दिया जाता है । आयुर्वेद जैसे सदियों पुराने शास्त्रों में वर्णित चिकित्साओं को ग्रहण करने से पहले, जब समकालीन वैज्ञानिक समाज आकड़ों पर आधारित प्रामाणिकता की अपेक्षा रखता है, द्रव्यगुण विभाग इस वास्तविकता के प्रति जागृत है एवं इस दिशा में कार्यरत है । द्रव्यगुण विभाग प्राकृतिक औषधियों का शोध एवं संयाजनशील उपाय में, उभय आधुनिक एवं शास्त्रीय आधार पर सम्पन्न करवाकर विश्वस्तर पर ग्रहणयोग्य तथ्य उत्पन्न करता है ।

विभाग में अत्याधुनिक उपकरण जैसे एचपीएलसी, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर आदि उपलब्ध है जिनके द्वारा औषध विश्लेपण एवं परीक्षण किये जाते हैं । वनस्पतियों के विभिन्न प्रकार से परीक्षण करके उनके गुण-कर्मो का निश्चितीकरण किया जाता है ।

द्रव्यगुण विभागान्तर्गत संस्थान प्रांगण में एक औषधीय उद्यान है तथा प्रांगण से दूर स्थित 20 एकड़ भूमि पर अध्येताओं के अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु एक उपवन विकसित किया जा रहा है । विभाग में नेशनल रिपोजिटरी ऑफ जिन्युआईन ड्रग्स एवं शुष्क औषधियों के नमूनों का एक संग्रहालय स्थापित है।

आलोच्य वर्ष के दौरान, 3 प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स, 1 लेक्चरर, 1 फार्माकोलोजिस्ट अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहे ।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

1. पदार्थों के बारे में मौलिक एवं व्यवहारिक स्तर पर स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. छात्रों को शिक्षा प्रदान करना ।
2. प्राकृतिक पदार्थो के साथ तर्कसंगत चिकित्सकीय साक्ष्य सृजित करना ।
3. प्राकृतिक चिकित्सकीय पदार्थों की गुणवत्ता नियंत्रण के मानकों को स्थापित करना ।
4. अनुसंधान इस प्रकार करना की जिससे आयर्वेद के सार को वैश्विक स्वीकृति इसकी मौलिकता बनाये रखते हुये प्राप्त हो सके ।
5. आयुर्वेद औषध अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त शोधकर्ता और शिक्षक तैयार करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को द्रव्यगुण विज्ञान विषय का ज्ञान सीसीआईएम निर्धारित एवं राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन प्राकृतिक औषध अनुसंधान के क्षेत्र में हाल ही के उन्नत परिणामों को समाहित करते हुये व्यापकरूप किन्तु सहज ढंग से उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को द्रव्यगुण विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । मौलिक सिद्धान्तों को नैदानिकरूप में व्यवहार में लेना इसके साथ ही आयुर्वेद में शोध-पद्धति, उसकी व्यवहारिक-उपयोगिता के विभिन्न तरीकों को अपनाने पर अधिक ध्यान दिया गया । दूसरी ओर, विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर अध्येताओं को उचित शिक्षा, उच्चारण, अनुवाद, व्याख्या एवं मूल ग्रन्थों के साथ ही उनकी विभिन्न टीकाओं के उच्चारण का ज्ञान कराया गया । विभाग की साप्ताहिक संगोष्ठीयों में विभाग के अध्येताओं द्वारा सक्रियता से भाग लेकर शोध कार्यो का प्रस्तुतिकरण किया गया । इन संगोष्ठीयों में प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा भी विशिष्ट व्याख्यान दिये गये । आलोच्य वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों में भाग लिया गया।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. संदीप गरड़	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल लिटरेरी स्ट्डी ऑफ 'भैषज्य-काल' अकोर्डिंग टू Laghutray's & Brihatray's विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू चिकित्सा स्थान ऑफ चरक संहिता ।
2.	डॉ. उमेश कुमार मेहता	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ लर्निंग एण्ड मेमोरी इन द् रेडियल आर्म मेज रेट मॉडल ऑफ टिनोस्पोरा कोर्डिफोलिया एण्ड टिनोस्पोरा मलबेरिका इन डिफरेन्ट डोज़ेज फार्म्स ।
3.	डॉ. दीप्ति	डॉ.एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	एन एवेल्युएशन ऑफ एन्टी-माईक्रोबियल फाइटोकेमिकल एक्टिविटी ऑफ रुट एण्ड फ्रूट (टेण्डर एण्ड मैच्योर) ऑफ करीर (केपरिस डेसिड्आ एज) ।
4.	डॉ. कौशल्या चौधरी	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए स्टडी ऑफ वाल (फिकस बेंघालेसिस) त्वक चूर्ण ऑन ब्लड् कोग्लूएशन इफेक्ट ऑन एल्बिनो रेट्स ।
5.	डॉ. अनुभा चौधरी	डॉ.एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ आयुर्वेद महोदधी (सुषेन निघन्टु) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूज ऑफ नागर (जिंजीबर ऑफिसीनाले रोज) एण्ड पिप्पली (पाइपर लौंगम लीन.) इन दुग्ध असात्मयता।
6.	डॉ. संतोष पाल	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	वयस्थापन (हैल्दी एजींग) एण्ड रोल ऑफ गुड्ची एण्ड आमलकी घन इन प्रीमैच्योर एजींग ड्यू टू स्ट्रेस।
7.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्युएट एन्टिहाइपरटेंसिव एक्टिविटी ऑफ पॉली हर्बल फॉर्मुलेशन एनआईए/डीजी/2015/01 ऑन एल्बिनो रेट्स अज़ ऑन एडजुवेन्ट विथ मॉडर्न एन्टिहाइपर टेंसिव ड्रग्स।
8.	डॉ. रिचा खण्डेलवाल	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ मधुका (वाइजेरिया ग्लेबिया लीन.) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स शोणित-स्थापन कर्म ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मंजूला	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ बल्य एण्ड बृहंण इफेक्ट ऑफ कन्सन्ट्रेटेड ज्यूस ऑफ मधुक पुष्प (फ्लॉवर ऑफ मधुक इण्डिका जे.एफ. जीमेल) ।
2.	डॉ. रोहित आर. पोरवाल	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एण्ड क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ अनुपान अकोर्डिंग टू क्लॉसिक विथ डिटरमिनेशन ऑफ अनुपान ऑफ मध्यम खण्ड ऑफ शार्ङ्गधर संहिता ।
3.	डॉ. संतोष कुमार ठाकुर	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	हेपेटोप्रोटेक्टिव एक्टिविटी ऑफ रह्ओडोडेन्ड्रोन ऐरबोरेअम एसएम. (पुल्लास) एण्ड टेकोमेला अंडुलाटा एसएम (रोहितक) - ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी।
4.	डॉ. पंकज शर्मा	डॉ.एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	कम्परेरिज़न ऑफ वृष्य कर्म ऑफ प्रियाल बिज (बुचानिया ल्यूसेन) एण्ड खालिदा बीज (साइट्रस वल्गारिज़) - एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ।
5.	डॉ. प्रमोद देव बर्मा	डॉ.एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	एन्टी-माइक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ हरिद्रा (कर्कुमा लोंग लीन) एण्ड वन्य हरिद्रा (कर्कुमा एरोमेटिक सलीस्ब) - ए कम्परेटिव स्ट्डी ।
6.	डॉ. पारुला आनन्द	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल टू ऐवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड शिरो-अभ्यंग ऑफ यष्टीमधुकादि तैलम विथ ऑरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ यष्टीमधु - आमलकी चूर्ण इन खालित्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हैयरफॉल ।
7.	डॉ. अनन्त कुमार गंगावत	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्यूट टॉक्सिसिटी स्ट्डी एण्ड फार्माकोलोजिकल एवेल्युएशन ऑफ पौरुष ग्रन्थिहर वटी - एक अनुभूत योग ।
8.	डॉ. मुकेश कुमार भामू	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फार्मालोजिकल एवेल्युएशन ऑफ ऑफ लोनेया विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स यूज़ इन रक्तार्श ।
9.	डॉ. हेमवती गुर्जर	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ अपामार्ग रुट पेस्ट एण्ड लीफ पेस्ट इन डेन्ड्रफ ।
10.	डॉ. दिलीप कुमार सिंह	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन एक्सपीरिमेन्टल एवेल्यूएशन ऑफ व्रण रोपण कर्म (वूण्ड हीलिंग एक्टिविटी) ऑफ अर्क एण्ड स्नूही क्षीर आइन्टमेन्ट ।
11.	डॉ. सबिता सपकोटा	डॉ.एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	Comparative Clinical Study on Kshar of Swertia Chirayata roxb. Ex flem. and Swertia Angustifolia buch-ham.Ex d.Don, Processed in Mahishmootra w.s.r. to Agnideepan Activity.
12.	डॉ. मनीष कुमार मीना	डॉ.एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	ए प्रीलीमिनरी फाइटोकेमीकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ऑन गिलोय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स बल्य कर्म ।
13.	डॉ. मिनाक्षी शर्मा	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	एवेल्यूएशन ऑफ गुडूची एण्ड मुस्तक इन स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओवरवेट ।
14.	डॉ. अंकिता गोयल	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्यूएशन ऑफ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन इन द् सस्टेनेबल मैनेजमेन्ट ऑफ न्यूली डाइग्नोस्ड स्टेज-1 - एसेंशियल हाइपरटेंशन ।

15.	डॉ. पुष्पा चामोली	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव बायोकेमिकल स्ट्डी ऑफ नव एण्ड पुराण मधु ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के निम्नलिखित अध्येताओं ने अपने शोध कार्य हेतु शोध-प्रारूप प्रस्तुत किये एवं इनके शोध कार्य जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नेहा प्रजापति	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल एवेल्यूएशन ऑफ इफेक्ट ऑफ वेदिक चेंटिंग इन वेट एण्ड ड्राय स्पेसिमेन ऑफ गूडूची विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स एन्टीपायरेटिक एक्टिविटी ।
2.	डॉ. सुखराम	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल फॉर द् एवेल्यूएशन ऑफ बलाहरिद्रादि लेप इन व्यंग ।
3.	डॉ. अमित कुमार	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए क्रिटिकल लिटरेरी स्ट्डी ऑफ भैषज्य-काल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अष्टांग हृदय चिकित्सा स्थान ।
4.	डॉ. पूजा डोगरा	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एन्टी-मायकोटिक एक्टिविटी ऑफ अमरबीजादि लेप एण्ड कण्टकारी लेप अगेंस्ट डेण्ड्रफ काजिंग पेथोजन्स ।
5.	डॉ. अनू	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	ए कम्परेटिव एवेल्यूएशन ऑफ गोमूत्रहरितकी प्रीपेयर्ड विथ गोमूत्र सोर्सड फ्राम इंडियन काऊ एण्ड जर्सी काऊ इन स्थौल्य (ओबेसिटी) ।
6.	डॉ. टाकू टाजो रेणू	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	Experimental study to compare the efficacy of ksheerpak and aqueous extract of Desmodium gangeticum Dc root on Isoproterenol- induced myocardial – infarction in rats.
7.	डॉ. रजनी सिंह	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ एकल द्रव्य चिकित्सा इन बृहत्रयी ।
8.	डॉ. रितु शर्मा	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एन्टीफंगल एक्टिविटी ऑफ खसखस बीज लेप एण्ड गुञ्जादि तैल अगेंस्ट डेन्ड्रफ काजिंग पेथोजन्स ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नीलम	डॉ. एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	एन इनविट्रो मधुमेहघ्न कर्म एन्टीडायबिटिक एक्टिविटी ऑफ स्नुही क्षीर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स क्षीर संग्रहण काल एज् पर चरक संहिता ।
2.	डॉ. रश्मि पाटेकर	डॉ. एम.एल. जायसवाल प्रोफेसर	एथनोबोटनीकल सर्वे ऑफ एम्बोली इकोहोटस्पोट ऑफ वेस्टर्न घाट्स ऑफ महाराष्ट्र इन प्रोस्पेक्टिव ऑफ द्रव्यगुण।
3.	डॉ. बिधान महाजन	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	एन एक्सपीरिमेन्टल एवेल्युएशन ऑफ एन्टीफेटिग एक्टिविटी ऑफ श्रमहर महाकषाय एण्ड इट्स एप्लीकेबिलीटी इन स्पोर्ट्स मेडिसिन ।
4.	डॉ. अमित अशोक गजामल	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन इनविट्रो स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसरी ऑफ चतुर्थामलक रसायन ऑन ल्यूकोसाइट एण्ड इम्युनोग्लोबुलिन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इम्युनोमोड्यूलेटरी एक्टिविटी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. विनय कुमार वर्मा	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रायल ऑफ वृद्धदारुक मूल विथ डिफरेन्ट अनुपान इन संधिगतवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आर्थ्रेराइटिस ।
2.	डॉ. रिचा खण्डेलवाल	डॉ. ए. आर. मूर्ति प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ पथ्य आहार द्रव्य मेंशन्ड इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य इन आयुर्वेद ।
3.	डॉ. अनुभा चौधरी	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑफ आयुर्वेद-महोदधि इंकोरपोरेटिंग डिफरेन्स एवेलेबल मैन्युस्क्रिप्ट्स ।
4.	डॉ. दीप्ती	डॉ. सुदीप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनालेसिस ऑफ क्लिनीकल एप्लीकेशन ऑफ घनसूत्र (क्लास ऑफ मेडिसिनल सब्सटेन्सेस) ऑफ सुश्रुत एण्ड वाग्भट ।

लघु अवधि पाठ्यक्रम -आलोच्य अवधि के दौरान, विभाग द्वारा 2 लघु-अवधि पाठ्यक्रम प्रत्येक 6 सप्ताह की अवधि के नामत: (1) आयुर्वेद के माध्यम से सौंदर्य की देखभाल के लिए प्रशिक्षण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम तथा (2) आयुर्वेदिक औषध पादप सामग्री के मानकीकरण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम । इन दोनों लघु अवधि पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत 18 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

चिकित्सकीय कार्य -विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

प्रकाशन

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	सिम्पोजियम ऑन टेस्ट इन चरक-साइंटिफिक वेलीडेशन ऑफ थ्योरिज ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल. 11-2, अप्रैल-जून 2017
2.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Pharmacognostical and phytochemical study of acacia catechu (linn. F.) Willd. &azadirachta indica (a. Juss.)	इनओरिजनल इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्सेज, वाल्यूम 4, इश्यू 4 जुलाई-अगस्त 2017
3.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एवेल्यूएशन ऑफ एन हर्बल एन्ओसेप्टिक ड्रग डिलीवरी सिस्टम ।	इंडियन रिसर्च जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड साइन्स, ISSN : 2349- 5332
4.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Pharmacognostical Standardization of Stem bark of Rhododendron arboretum Sm. (Pullas)	ISSN : 2456-8899 जर्नल ऑफ एडवान्सेज इन मेडिसिन एण्ड मेडिकल रिसर्च, यूएसए
5.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Preliminary pharmacognostical evaluation of embelia Ribes burm.f. & embelia robusta auct. Non roxb. Fruits – aComparative study	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्टिफिक रिसर्च वाल्यूम-6(6), जून 2017
6.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Pharmacognostical evaluation of fruits of Embelia robusta auct.Non roxb	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट एडवान्सड रिसर्च 6(11), नवम्बर 2017

7.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	रिव्यू ऑन क्लासिकल आहार द्रव्य फॉर मेदोरोग (ओबेसिटी)	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयु हर्बल मेडिसिन 7(6) नव.-दिस. 2017
8.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ व्याधिक्षमत्व (इम्यूनिटी) इन आयुर्वेद - ए क्रिटिकल रिव्यू ।	यूरोपीयन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च 2018, 5(2)
9.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ओजस : ए कन्सेप्ट यूनिक टू आयुर्वेद ।	डब्ल्यू.जे.पी.आर. वाल्यूम, 7(11)
10.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	मेडिसिनल यूजेज ऑफ वात (फाइक्स बेंगलेंसिस लीन.) इन बृहत्रयी : ए हिस्टोरिकल रिव्यू ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ आयुर्वेद साइन्सेज वॉल. 2, इश्यू 3 मई 2017
11.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	पथ्य-अपथ्य - ए पीक्यूलिअरिटी ऑफ आयुर्वेद ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड हर्बल मेडिसिन 7(4) जुलाई-अगस्त 2017
12.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	ए रिव्यू ऑन अम्लपित्त : ए लाईफस्टाईल डिस्आर्डर एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विथआऊट मेडिसिन ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी 8 (सप्लीमेन्ट्र 3) 2017
13.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	फार्माकोग्नोस्टिकल एवेल्यूएशन ऑफ राहईजोम ऑफ जिंजिबर आफिसिनेल रोस.	यूरोपीयन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च 4(8), ISSN 2394-3211
14.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	द् कन्सेप्ट ऑफ लेक्टोस इनटोलरेन्स इन आयुर्वेद ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 7(4), ISSN : 2249-5746
15.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	सिनोनिम्स आर ए टूल ऑफ क्वालिटी कन्ट्रोल - ए प्रॅक्टिकल एप्रोच ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च 3(8), ISSN 2455-3301
16.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	कन्ट्रीब्यूशन्स ऑफ शार्ङ्गधर इन द् फील्ड ऑफ द्रव्यगुण विज्ञान ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एझ हर्बल मेडिसिन 7(6), ISSN : 2249-5746
17.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	हरिद्रा - ए क्लासिकल रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एझ हर्बल मेडिसिन 7(6), ISSN : 2249-5746
18.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	फार्माकोग्नोस्टिकल एण्ड फायटोकेमिकल प्रोफाईल ऑफ विडंग सीड्स - ए रिव्यू ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज 7(6), ISSN-2278-4357
19.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	फार्माकोग्नोस्टिकल एण्ड फायटोकेमिकल एनालेसिस ऑफ हरिद्रा राहइजोम ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज 7(7), ISSN-2278-4357

20.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	फार्माकोग्नोस्टिकल एण्ड फायटोकेमिकल एनालेसिस ऑफ वन्य हरिद्रा राहइजोम ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 8(3), ISSN : 2249-5746
21.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एप्लीकेशन ऑफ आयुर्वेद हर्ब्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ इरिटेबल बाउल सिंड्रोम ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेद पब्लिकेशन (AYURPUB.COM), 2(2)
22.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	एन्टी डायबेटिक पोटेंशियल ऑफ सम सलेक्टेड ट्रेडिशनल यूज्ड मेडिसिनल प्लाण्ट्स इन वेस्टर्न घाट्स ऑफ इंडिया विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रमेह ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 7(4), ISSN : 2249-5746
23.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	Karushkara lata (Strychnos colubrine l.) – A Snakewood Plant.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्स रिसर्च 5(8), ISSN- 2320-5407
24.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	लिटरेरी रिव्यू ऑफ वचा (Acorus calamus L.).	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेन्ट साइन्टिफिक रिसर्च 8(9) ISSN- 0976-3031
25.	प्रो. मीता कोटेचा प्रोफेसर	महाऔषध (Zingiber officinale Rosc.) ऑफ बृहत्रयी – ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल 5(4), ISSN: 2320 5091
26.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	रिलेवेन्स ऑफ श्रमहर महाकषाय (an anti-fatigue formulation) इन स्पोर्ट्स मेडिसिन ।	जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड इनोवेटिव रिसर्च 2018; 7(1): ISSN 2320-4818
27.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	ए कम्प्रहैन्सिव एनॉलेसिस ऑन श्रम इन एनशिएन्ट ट्रांसक्रिप्ट ऑफ चरक संहिता ।	ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनॉलेसिस (इन्टरनेशनल) वॉल. 6, इश्यू-6 जून 2017 ISSN 2277-8160
28.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्यूएशन ऑफ चक्रमर्द घन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह ।	प्रोसिडिंग्स ऑफ थर्ड इन्टरनेशनल कोन्फरेन्स ऑन द्रव्यगुण एण्ड रसशास्त्र भैषज्य कल्पना । 2-3 सितम्बर 2017
29.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	ओर्गेनोलेप्टिक स्ट्डी ऑफ सारिवा एण्ड इट्स मार्केट सेंपल्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 11, नं. 2, अप्रैल-जून 2017
30.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	केश्य कर्म ऑफ यष्ठिमधु : ए कम्प्रेहैन्सिव रिव्यू ।	आयुपधारा
31.	प्रो. ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	ए कन्सेप्चुअल एप्रोच टू ब्यूटी केयर इन आयुर्वेद : ए रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी 7(सप्लीमेन्ट्री 4) सितम्बर-अक्टूबर 2016
32.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ मल्टी लेयर आईडेन्टिफिकेशन टूल्स फॉर सर्टेन ड्रग्स ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 11-4, अक्टूबर-दिसम्बर 2017 ISSN 2321-0435

33.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनॉलेसिस ऑफ अष्ठविध वीर्य।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद, फार्मेसी एण्ड कैमेस्ट्री 2018,वॉल. 8, इश्यू 2
34.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मेडिसिनल यूजेज ऑफ अश्वगंधा – ए हिस्टोरिकल रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्स एण्ड रिसर्च मेथोडोलोजी 2017; Vol. 7 (1)
35.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	पुनर्नवा : ए कम्प्रेहैन्सिव रिव्यू ।	डब्ल्यूजेपीपीएस वॉल.6(8), 2017 ISSN 2278–4357
36.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	थैरेप्युटिक कन्टेम्पलेशन ऑफ एनशिएन्ट आयुर्वेद ऑन गुडूची ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट रिसर्च वाल. 9(11) नवम्बर, 2017 ISSN: 0975-833X
37.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् इफेक्ट ऑफ वास्तुका ऑन ब्लड हिमोग्लोबिन लेवल : ए रिसर्च स्टडी ।	डब्ल्यू.जे.पी.आर. वाल्यूम 6(11) ISSN 2277– 7105
38.	डॉ. सुदिप्त कुमार रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यू ऑफ तक्रधारा इन डायबिटिज न्युरोपैथी ।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च ISSN : 23195916
39.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर प्रो.ए. रामा मूर्ति प्रोफेसर	न्यूट्रिटीव एण्ड थैरेप्युटिक पोटेंशियल ऑफ पल्स्स इन डायबिटीज मिलिटस ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड मेडिकल साइन्सेज वॉल. 2(2), जून 2017
40.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	एक्सपीरिमेन्टल इफेक्ट ऑफ लोकल इफेक्ट ऑफ ग्लाइसीरिझा ग्लेब्रा लिन ऑन ब्लीडिंग टाईम इन विस्टर स्ट्रेन एल्बिनो रेट।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड मेडिकल साइन्सेज वाल्यूम 2(3) जुलाई–सितम्बर 2017
41.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल अप्रेज़ल ऑफ एन्थ्रोपोमेट्रिक एस्पेक्ट ऑफ डीएम ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम 11, नं. 1 जनवरी–मार्च 2017
42.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फार्माकोग्नोस्टिकल एवेल्यूएशन ऑफ लीव्ज ऑफ गोजीवाशाख (Launaeaprocumbens Roxb.)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN -2321-0435 (प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
43.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ ब्लेक एण्ड व्हाइट सीड्स ऑफ कपिकच्छु विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वृष्य कर्म ।	आईजेआरएपी वाल्यूम 8 (सप्लीमेन्ट्री 3), 2017
44.	डॉ. सुमित नाथानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्प्रेहैन्सिव रिव्यू ऑन शाल्मली (बंबाक्स सेबा लीन.)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम–10, नं. 4 अक्टुबर–दिसम्बर 2016
45.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	लेबोरेट्री मॉडल्स फॉर स्क्रिनिंग एनॉलजेसिक्स।	जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च ISSN 2319-5916
46.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	मेडिसिन प्लाण्ट्स हैविंग एनॉलजेसिक एक्टिविटी : ए डिटेल रिव्यू ।	डब्ल्यूजेपीआर ISSN 2277–7105,

47.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	इफेक्ट ऑफ एथानोलीक एक्सट्रक्ट ऑफ सेस्ट्रम नोक्टरनम लीव्यज ऑन ब्लड ग्लूकोज़ लेवल ऑफ स्ट्रेप्टोजोटोसिन इन्ड्यूज्ड डायबेटिक एल्बिनो विस्टर रेट्स ।	डब्ल्यूजेपीआर ISSN 2277-7105,

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण

क्र. सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये शोध पत्र का शीर्षक
1.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	आईपीजी एण्ड आरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर द्वारा जुलाई 2017 में आयोजित द्रव्यगुण (अनुक्त द्रव्य विवेचन) विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	इफेक्ट ऑन ब्लड् ग्लूकोज लेवल ऑफ एथानोलिक एक्सट्रक्ट सेस्ट्रम नोक्टूनम लीव्ज ऑन स्ट्रेप्टोजोटोसिन - इंड्यूस्ड डायबिटिक इन एल्बिनो विस्टर रेट्स ।
2.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा 30-31 जनवरी, 2018 को आयोजित डिजाइनिंग ऑफ स्टेण्डर्ड प्रोटोकोल डिटर्मिनेशन ऑफ रस पंचक ऑफ अनुक्त द्रव्य विषयक प्रथम कार्यशाला ।	विशेषज्ञ के रूप में भाग लेकर एक व्याख्यान दिया गया ।
3.	श्री गौरव शर्मा फार्माकोलोजिस्ट	संस्थान द्वारा 14-12-2017 को आयोजित हिन्दी विषयक कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
4.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरर	आईपीजी एण्ड आरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर द्वारा जुलाई 2017 में आयोजित द्रव्यगुण (अनुक्त द्रव्य विवेचन) विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	ए रिव्यू ऑफ एथनोमेडिसिनल प्लाण्ट्स ऑफ बर्ड हिल्स (गुजरात) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अनुक्त द्रव्य ।

अतिथि व्याख्यान : विभाग के अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर अतिथि व्याख्यान दिये गये -

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	स्थान.	विषय
1.	प्रो.मोहनलाल जायसवाल प्रोफेसर	राजस्थान सरकार द्वारा 28.7.2017 को आयुष ग्राम योजना के अन्तर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिक्षा विषयक 1-दिवसीय समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	Vegetable herbs useful for prophylaxis and promotion of eye health according to Sushrut
2.	प्रो.मोहनलाल जायसवाल प्रोफेसर	राजस्थान सरकार द्वारा भरतपुर में 12.12. 2017 को आयोजित आरोग्य मेला ।	कॉमन यूजफुल हर्ब्स इन डेली लाईफ।
3.	प्रो. मोहनलाल जायसवाल प्रोफेसर	ज्योति विद्यापीठ वूमन यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा 25.5.2018 को आयोजित कार्यक्रम ।	क्लासिफिकेशन ऑफ मेडिसिनल एण्ड डायट्री सब्सर्टेंस्स इन वेदिक लिटेरेचर ।
4.	डॉ. सुदिप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आर.आई.सी.ई.एम. जयपुर द्वारा 24 अगस्त 2017 को आयुष चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित इन्डक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम ।	हर्ब्स इन प्राईमरी हैल्थ केयर ।

5.	डॉ. सुदिप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अग्री ट्रेनिंग कॉलेज, जयपुर में 24 अगस्त 2017 को आयुष चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित इन्डक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम ।	फार्माकोविजिलेंस इन आयुष ।
6.	डॉ. सुदिप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ।	त्वचा के प्रकार एवं उनकी देखभाल।
7.	डॉ. सुदिप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ।	आयुर्वेदिक औषधीय पादपों का परिचय ।
8.	डॉ. सुदिप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ।	द्रव्यगुण के आधारभूत सिद्धान्त।
9.	डॉ. सुदिप्त रथ असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ।	औषधीय पादपों हेतु किस्म नियंत्रण पद्धतियाँ ।
10.	डॉ. सुमित नाथनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ।	आहार एवं पोषण : आयुर्वेदिक परिप्रेक्ष्य ।
11.	डॉ. कृतिका जोशी लेक्चरर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ।	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ हैयरफॉल, डन्ड्रफ एण्ड प्रीमैच्योर ग्रेईंग इत्यादि।

विभागीय संगोष्ठीयाँ –

आलोच्य अवधि के दौरान, शोधार्थियों के लाभार्थ विभिन्न विषयों पर निम्नलिखित विभागीय संगोष्ठीयाँ आयोजित की गई जिनमें सभी विभागों के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येआओं ने सक्रियता से भाग लिया :-

क्र.सं.	विषय	दिनांक
1.	रोग समीक्षा	19-9-2017
2.	चन्द्रप्रभा वटी	20-9-2017
3.	रसपंचक के विशिष्ठ संदर्भ में भाव प्रकाश निघण्टू से रासायन द्रव्य	26-9-2017
4.	स्कोप एण्ड चैलेन्जेज ऑफ क्रूड ड्रग मार्केट ऑफ इंडिया	27-9-2017
5.	गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस इन आयुर्वेद रिलेवेन्स एण्ड चैलेन्जेज ।	3-10-2017
6.	फायटोकेमीकल एनॉलेजसिस ऑफ आमलकी एण्ड युष्ठीमधुकादि तैल ।	4-10-2017
7.	रोग समीक्षा ।	10-10-2017
8.	कपिकच्छु इन कम्पवात ।	11-10-2017
9.	सीसीआरएएस एवं आईसीएमआर द्वारा प्रकाशित द्रव्यगुण सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा।	15-11-2017
10.	तक्र विवेचन ।	14-11-2017
11.	फार्माकोग्नोसिस ऑफ लूनेआ प्रोकम्बेन्स ।	6-12-2017
12.	फार्माकोग्नोसिस ऑफ पौरुषग्रन्थिहर वटी ।	12-12-2017
13.	Shiva Kshar Pachan Vivechana.	13-12-2017
14.	मधुक पुष्प और इसके केंद्रित रस के गुणवत्ता नियंत्रण एवं फार्माकोग्नीसिस विश्लेषण।	19-12-2017
15.	टी. के. डी. एल.	20-12-2017
16.	फायटोकेमीकल एनॉलेसिस ऑफ हरिद्रा एण्ड वन हरिद्रा ।	26-12-2017
17.	आयुर्वेद में जीएमपी ।	2-1-2018
18.	रोहितक एवं बुरास के फाइटोकेमिकल विश्लेषण ।	3-1-2018
19.	क्लिनीकल एनॉलेसिस ऑफ अनुपान विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कल्प ऑफ शांर्ङ्गधर संहिता मध्यम खण्ड़ ।	10-1-2018

20.	ए क्रिटिकल लिटरेरी स्अ्डी ऑफ भैषज्य काल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अष्टांग हृदय चिकित्सा स्थान ।	15-2-2018
21.	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एन्टीमाइकोटिक एक्टिविटी ऑफ आम्रबीजादि लेप एण्ड कंटकारी तैल अगेंस्ट डेन्ड्फ कॉजिंग पॅथोजेन ।	16-2-2018
22.	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रॉयल फॉर एवेल्यूएशन ऑफ बलाहरिद्रादि लेप इन व्यांग (मेलास्मा) ।	20-2-2018
23.	इंडिजिनस नॉलेज ऑन हैल्थकेयर प्रॅक्टिस ।	21-2-2018
24.	अच्छे पॉवर पाइन्ट प्रजेन्टेशन के लिए सामान्य नियम ।	27-2-2018
25.	फायटोकेमीकल एनॉलेसिस ऑफ दैयर थिसिस रिलेटेड ड्रग ।	28-2-2018
26.	मेद रोग समीक्षा ।	13-3-2018
27.	शोथहर द्रव्य ।	24-3-2018

विभाग में संचालित अन्य इकाईयाँ

इकाईयाँ –

नेशनल रिपोजिटरी एण्ड हर्बेरियम फॉर ऑथेन्टिक आयुर्वेदिक क्रूड ड्रग्स – संस्थान में एक उत्कृष्ट 'नेशनल रिपोजिटरी एण्ड हर्बेरियम फॉर ऑथेन्टिक आयुर्वेदिक क्रूड ड्रग्स' है । इस रिपोजिटरी की संस्थापना एवं इसका रख-रखाव संस्थान के द्रव्यगुण विभाग द्वारा किया जा रहा है । इस रिपोजिटरी में आयुर्वेदिक प्रमाणित कच्ची ओषधियों के नमूने एवं उनके संभावित अपमिश्रित, जो कि प्रमाणिक उत्पाद के स्थान पर प्रयुक्त किये जाते हैं, प्रदर्शित किये गये हैं। इसमें रखे नमूनों की गुणवत्ता को बनाये रखने हेतु एक निश्चित समय में बदला जायेगा जिससे औषधियों का प्रमाणीकरण उचित प्रकार से हो सके। रिपोजिटरी में अभी 275 से अधिक नमूने रखे हैं। इस रिपोजिटरी की स्थापना से शोधकर्ताओं, अध्येताओं तथा आयुर्वेदिक चिकित्सकों में मौलिक एवं प्रामाणिक औषधीय नमूनों सम्बन्धी ज्ञान की अभिवृद्धि होगी । सामान्य लोगों को भी अपमिश्रित मिश्रित औषधियों से प्रामाणिक औषधियों को मान्यता देने में मद्द होगी ।

द्रव्यगुण प्रयोगशाला – इस वर्ष विभाग की प्रयोगशाला का नवीनीकरण किया गया है । प्रयोगशाला परिष्कृत उपकरणों यथा – स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डीजिटल बेलेन्स आदि से सुसज्जित है । इस वर्ष और उपकरण यथा वेक्युम पम्प, मैग्नेटिक स्टाईरर, होट प्लेट्स आदि क्रय किये गये हैं । विभागीय तथा अन्य विभागों के अध्येताओं द्वारा किये जा रहे शोधार्थ फार्माकोग्नोस्टिकल तथा फायटोकेमीकल नैदानिक परीक्षण किये गये ।

एचपीएलसी प्रयोगशाला – वर्ष के दौरान विभाग के एचपीएलसी यन्त्र का आधुनिकतम सॉफ्टवेयर इंस्टाल कर उन्नयन किया गया है जिस पर अब सभी शाधार्थियों द्वारा नियमितरूप से औपध योगों का परीक्षण एवं प्रयोग किये जा रहे हैं ।

इंटरमीडिएरी फार्माकोविजिलेंस सेंटर– विभाग में आयुष फार्माकोविजिलेंस स्कीम के तहत इंटरमीडिएरी फार्माकोविजिलें सेंटर है । यह केन्द्र आई.पीवी.सी. से सम्बन्धित है । यह केन्द्र प्रतिकूल औषध प्रतिक्रियाओं तथा भ्रामक विज्ञापन से सम्बन्धित है ।

परिसर में स्थित औषध-उपवन – संस्थान परिसर में एक औषधीय उपवन है जिसमें नवीन औषधीय पादप रोपे गये हैं।

परिसर में स्थित डेमो हर्बल गार्डन – औषधीय पादपों को गमलों में नियंत्रित वातावरण में रखने के लिए परिसर में एक डेमो हर्बल गार्डन विकसित किया जा रहा है । वर्तमान में लगभग 200 प्रजातियों के 326 औषधीय पादप प्रदर्शन हेतु उपलब्ध है । सभी प्रजातियाँ एवं औषधीय पादप नामपट्टिकाओंयुक्त है ।

विशिष्टजनों का विज़िट : आलोच्य अवधि के दौरान, सचिव और संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा विभाग का दौरा किया गया । उन्होनें विभाग द्वारा आयोजित शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों की सराहना की एवं विभाग के आगे के विकास के लिए बहुमूल्य सुझाव भी दिये । दिसम्बर 2017 में ईरान के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमण्डल ने भी विभाग का दौरा किया ।

संकाय सदस्य की विदेश यात्रा : विभाग के डॉ. सुमित नाथानी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा 15 दिसम्बर 2017 को आयुर्वेद दिवस उत्सव हेतु मंगोलिया देश की यात्रा की गई । इन्हें मंगोलिया की यात्रा हेतु आयुष मंत्रालय द्वारा नियुक्त किया गया था ।

पेटेंट्स- विभाग द्वारा सफलतापूर्वक निम्नलिखित 2 पेटेंट सफलतापूर्वक प्रकाशित किये गये :-

1. Patent titled A Novel Herbal Drug for Anxiety published on 12-1-2018.
2. Patent titled Formulation and Evaluation of a Novel Herbal Anti Fungal Ointment published on 19-1-2018.

कौमारभृत्य (बाल रोग) विभाग

परिचय: कौमार भृत्य आयुर्वेद की एक अति-महत्वपूर्ण शाखा है । विभाग द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर एवं पीएच. डी. के अध्येताओं को अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्य कराये जाते है। नवजात की देखभाल, दैनिक एवं ऋतु अनुसार खान-पान, बालकों को होने वाली व्याधियों, बाल रोग, टीकाकरण इत्यादि कार्य इस विभाग द्वारा सम्पन्न किये जाते है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे । विभागाध्यक्ष, कौमारभृत्य विभाग का प्रभार निदेशक के पास अतिरिक्त रूप से रहा है ।

अ) उद्देश्य -

- स्नातक छात्र-छात्राओं को बालकों की चिकित्सा में प्रवीणता प्रदान करना।
- स्नातकोत्तर अध्येताओं को आयुर्वेद पद्धति से बालकों की चिकित्सा करने में दक्षता प्रदान करना तथा जिसकी चिकित्सा के सभी स्तरों पर समाज में आवश्यकता है, अनुसंधान प्रणाली के सिद्धान्तों एवं अध्यापन प्रणाली का ज्ञान प्रदान कर इसमें प्रवीण करना ।
- पीएच.डी. अध्येताओं में आयुर्वेदिक पीडियाट्रिक्स क्षेत्र में अनुसंधान प्रणाली की प्रोन्नत अवधारणा का विकास करना एवं चिकित्सा, अनुसंधान एवं अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में उन्हें रचनात्मक चिकित्सक समूह-सदस्य के रूप में विकसित करना ।

ब) कार्यपद्धति -

शैक्षणिक स्टॉफ, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं की समान भागीदार के साथ सामुहिकरूप से कार्यक्षमता के माध्यम से विभागीय गतिविधियाँ संचालित करना ।

- बहिरंग रोगी विभाग, बाल चिकित्सा वार्ड, केस प्रस्तुतिकरण तथा नैदानिक चर्चाओं के माध्यम से नैदानिक प्रशिक्षण प्रदान करना ।
- नियमित रूप से संगठित गतिविधियाँ - विभागीय संगोष्ठीयां, कार्यशालाएं, जर्नल क्लब मीटिग्स और प्रस्तुतियां, नवीन विचारों पर समूह चर्चाएं, विस्तार व्याख्यान आदि विभाग की कुछ सामान्य एवं नियमित गतिविधियाँ संचालित करना।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक -

अ) स्नातक - वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के द्वितीय एव तृतीय वर्ष के छात्रों को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार बाल रोग विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। उनके विचारों को अधिक स्पष्ट करने हेतु समूह चर्चाऐं एवं प्रजेन्टेशन दिये गये। प्रायोगिक प्रशिक्षण भी आयोजित किये गये।

ब) नर्स/कम्पाउंडर का डिप्लोमा पाठयक्रम - विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार नर्स/कम्पाउंडर डिप्लोमा पाठयक्रम के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ।

स) स्नातकोत्तर - वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर (एम.डी. आयुर्वेद) अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को रोगी परिचर्या केन्द्रित प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा विषय का उन्नत ज्ञान प्रदान करने हेतु संकाय-सदस्यों द्वारा सैद्धान्तिक कक्षाओं का आयोजन किया गया । स्नातकोत्तर अध्येताओं को प्रशिक्षित करने हेतु विभाग द्वारा नवीन तकनीकों को अपनाया जाता है।

द) **पीएच.डी.** – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार उपलब्ध कराया गया । इस उद्देश्य हेतु अनुसंधान परियोजनाओं को प्रारम्भ किया गया । बालकों की चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान की प्रोन्नत प्रणाली में आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों को समाविष्ट करने में अध्येताओं को दक्ष करने की दिशा में प्रत्येक प्रयास किया जाता है।

शोध –आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये:-

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. देवेन्द्र कुमार	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ द्राक्षादि योग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ रेस्पाइरेटरी एलर्जिक डिसॉर्डर ऑफ चिल्ड्रन ।
2.	डॉ. तृप्ति मोटघरे	डॉ. राकेश नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ द् इफेक्ट ऑफ रजन्यादि चूर्ण ऑन मोरबिडिटी इन्सिडेन्स इन प्राइमरी डेन्टीशनल एज ग्रुप देट इज 6-24 मंथ, अर्गेस्ट माइक्रोन्युट्रीएन्ट थेरेपी ।
3.	डॉ. अनिकेत पालाण्डे	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनिकल स्ट्डी ऑन शिशु कल्याण घृत एण्ड काल बस्ति इन मैनेजमेन्ट ऑफ चिल्ड्रन विद सेरेब्रल पाल्सी।
4.	डॉ. कपिल पाटिल	डॉ. राकेश नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ क्लिनिकल एफिकेसी ऑफ शुण्ठ्यादि योग इन क्रोनिक रिकरन्ट चाइल्डहुड डायरिया ।
5.	डॉ. लवेश गुप्ता	डॉ. श्रीनिधि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ एन इन्डिजीनस कम्पाउण्ड विथ कैलोरिज डाइट एण्ड फिक्स्ड डेली रेजिमेन इन स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू चाइल्डहुड ओबेसिटी ।
6.	डॉ. प्रदीप्त नारायण बोस	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ द् इफेक्ट ऑफ निशा लेहम इन आइरन डेफिसियेन्सी एनीमिया इन चिल्ड्रन इन कम्पेरिजन टू आइरन एण्ड फोलिक एसीड सप्लीमेन्ट ऑफ नेशनल स्कुल हैल्थ प्रोग्राम।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. अनुकृति गौड़	प्रो. रामकिशोर जोशी प्रोफेसर डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ प्रविलेंस ऑफ आयरन डेफीसियेन्स एनीमिया इन चिल्ड्रन एंड एफीकेसी ऑफ वातादि लेह इन इट्स मैनेजमेन्ट ।
2.	डॉ. नीतू सिन्हा	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ पॅटर्न ऑफ मोरबिडिटी इन चिल्ड्रन अण्डर 5 ईयर्स एण्ड इफेक्ट ऑफ स्वर्ण प्राशन ऑन मोरबिडिटी स्टेट्स।
3.	डॉ. कृष्ण बहादुर सिंह	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मोरबिडिटी स्टेट्स ऑफ चिल्ड्रन एण्ड इफेक्ट ऑफ अभ्याघृत ऑन लॉवरिंग डाउन द् मोरबिडिटी रेट ।
4.	डॉ. ओम प्रकाश बैरवा	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सर्वे एण्ड इन्टरवेंशन स्ट्डी टू इवेल्युएट द् एफीकेसी ऑफ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन एण्ड शिरोधारा इन अटेंशन डेफिसिट हाइपरटेंशन डिस्आर्डर ।
5.	डॉ. मनोज किरार	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सर्वे एण्ड इन्टरवेंशन स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफीकेसी ऑफ प्रियालादि मोदक वर्सेज विदारिगंधादि चूर्ण इन प्रोटीन एनर्जी मालन्यूट्रीशन।

6.	डॉ. पूजा अरोड़ा	डॉ.श्री निधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ वचा चूर्ण एंड सत्वावजय चिकित्सा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्टटट्रिंग ।
7.	डॉ. कैलाश चन्द कटारिया	डॉ.श्री निधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ पूतीकादि लेप एण्ड विरेचन इन मैनेजमेन्ट ऑफ श्वित्र इन चिल्ड्रन ।
8.	डॉ. अजय कुशवाह	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इम्यूनाईजेशन इफेक्ट ऑफ आमलाक्यादि रसायन इन चिल्ड्रन ।
9.	डॉ. प्रियंका कुमारी	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ गुड़ादि मण्डूर इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पाण्डू(एनेमिया) इन एडोलेसेन्ट गर्ल्स ।
10.	डॉ. लोकेश कुमार शर्मा	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ विड़ंगादि चूर्ण इन स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओवरवेट इन चिल्ड्रन ।
11.	डॉ. अमिता कुमारी	डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ चव्यादि सक्तु फॉर वेट मैनेजमेन्ट इन स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओवरवेट इन चिल्ड्रन ।
12.	डॉ. गौरव कुमार राठौड़	डॉ. श्री निधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ पिप्पलादि चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अपर रेस्पाइरेटरी ट्रेक इन्फेक्शन्स ऑफ चाइल्डहुड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अबेरेशन्स ऑफ ओजस इन चिल्ड्रन।
13.	डॉ. मेघा शिल्पी	डॉ. श्री निधि के. कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टू स्ट्डी द् रोल ऑफ दुर्वादि तैल एज़ टोपिकल एप्लीकेशन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पामा कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्सटू चाइल्डहुड स्केबीज ।
14.	डॉ. विनय शर्मा	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मोर्बिडिटी पेटर्न ऑफ अण्डर फाईव ईयर्स चिल्ड्रन इन जयपुर ।

चिकित्सकीय सेवायें/उपलब्धियाँ –

यह विभाग सुसंस्थापित है तथा निम्नलिखित इकाइयों/क्लीनिकों के माध्यम से बाल चिकित्सा विकारों की एक श्रृंखला के लिए आयुर्वेदि उपचार एवं चिकित्सीय सेवाऐं प्रदान करता है :-

बाल चिकित्सा बहिरंग विभाग – विभाग के अध्यापक प्रत्येक दिन अपनी चिकित्सकीय सेवायें उपलब्ध कराते हैं ।

वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग के रोगियों की कुल संख्या 8,316 थी जिनमें से 5,791 नवीन रोगी पंजीकृत किये गये थे तथा अन्तरंग विभाग के स्तर पर रोगियों की कुल संख्या 4,736 थी जिनमें से 307 रोगी नवीन पंजिकृत किये गये थे ।

बालको हेतु पंचकर्म इकाई – न्युरो-मस्कुलर डिसऑर्डर्स तथा अन्य विकृतियाँ यथा - सेरेब्रल पॉल्सी, मस्कुलर डिस्ट्रोफी, पेरालाईसिस आदि से ग्रस्त बालकों की पंचकर्म द्वारा विशिष्ट चिकित्सा की जाती है। आलौच्य वर्ष के दौरान 1,910रोगियों की चिकित्सा की गई ।

टीकाकरण इकाई – राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 930बालकों में टीकाकरण हेतु सुविधायें उपलब्ध करायी गई ।

स्वर्ण प्राशन इकाई –विभाग में 1 सितम्बर 2016 से एक नवीन कार्यक्रम 'स्वर्ण प्राशन' प्रारम्भ किया गया है । स्वर्ण प्राशन 5 वर्ष तक के बालकों को पुष्य नक्षत्र की तिथियों को कराया जाता है । आलौच्य वर्ष के दौरान कुल 2,277 बालक लाभान्वित हुये हैं ।

चिकित्सकीय बैठकें–विभाग द्वारा 13 चिकित्सकीय बैठकें आयोजित की गई जिनमें जटिल मामलों पर विचार-विमर्श किया गया ।

विभागीय संगोष्ठीयाँ एवं कार्यशालायें-विभागीय गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर 24संगोष्ठीयाँ एवं कार्यशालायें आयोजित की गई जिनमें संकाय-सदस्यों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया ।

जर्नल क्लब गतिविधियाँ-विभागीय जर्नल क्लब सभी संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को स्वास्थ्य परिचर्या के विभिन्न क्षेत्रों में हुये अनसंधानों से परिचित होने के लिए अवसर प्रदान करता है। जर्नल क्लब की कुल 14 सभायें आयोजित की गई जिनमें 98 शोध-पत्र प्रस्तुत किये गये जिनका प्रलेखीकरण किया गया ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू ऑन लहसून इन पिडियाट्रिक्स प्रॅक्टिस : एविडेन्सेज फ्राम आयुर्वेद ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी । 8(पूरक 3) 2017
2.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इम्पोटेन्स ऑफ आयुर्वेदिक इम्यूनाईजेशन इन प्रजेन्ट सिनेरीयो : एविडेन्सेज	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वाल्यूम-4, इश्यू 5, मई 2017
3.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नेचर ओर नर्चर रोल इन इंडिविजूअल बिहैवियरल डिफरेन्सेज इन चिल्ड्रन : एविडेन्सेज फ्रॉम आयुर्वेद ।	अनल्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन वाल्यूम-6, इश्यू 3-4 जुलाई-दिसम्बर 2017
4.	डॉ. निशा औझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्पैस्टिसिटी इन चिल्ड्रन सफरिंग फ्राम सेरेब्रल पाल्सी विथ एन आयुर्वेदिक कम्पाउण्ड एण्ड योगिक पोस्चर्स (आसन)।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्युम-11, नं. 3 जुलाई-सितम्बर, 2017
5.	डॉ. निशा औझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेद मैनेजमेन्ट ऑफ स्पैस्टिसिटी इन चिल्ड्रन विथ सेरेब्रल पाल्सी : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रायल ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी । 8(5), अगस्त 2017
6.	डॉ. निशा औझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन इम्प्रूवमेन्ट ऑफ आईक्यू लेवल इन बोर्डर लाईन मेन्टल रिटार्डेड चिल्ड्रन बाई द् यूज ऑफ ब्राह्मी घृत एण्ड ज्योतिष्मति तैल।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च वाल्यूम 5, इश्यू 12 दिसम्बर, 2017
7.	डॉ. निशा औझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिनल प्लाण्ट्स इन चाइल्डहुड न्युरोसाइकाट्रिक डिस्आर्डर्स : एन एविडेन्स बेस्ड एप्रोच।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च वाल्यूम 5, इश्यू 12, दिस. 2017

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में संकाय सदस्यों द्वारा सहभागिता –

क्र. सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	बरेली में 16-4-2017 को आयोजित आयुष्य-अमृतम - एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एण्ड लाईफ साईन्सेज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन सह-सचिव के रूप में भाग लिया गया तथा एफिकेसी ऑफ गुडूची सिरप इन लोवरिंग डाऊन द् मोर्बिडिटी रेट इन चिल्ड्रन विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।

2.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संतोकबा दुर्लभजी होस्पीटल, जयपुर में इंडियन एकेडमी ऑफ पिडियाट्रिक्स के सहयोग से 16-7-2017 को आयोजित 9वें पेड गेस्ट्रो-अपडेट-2017 विषयक संगोष्ठी में भाग लिया गया ।
3.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	नई दिल्ली में 9-10 सितम्बर 2017 को आयोजित डवलपमेन्ट पिडियाट्रिक्स एनसीडीपी-2017 (ओवरकम चैलेन्जेज, बिल्डिंग स्ट्रेन्थ्स) विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।
4.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, द्वारा जयपुर में 12-1-2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक सिम्पोजियम में भाग लिया गया ।
5.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डॉ. डी. वाई. पाटिल आयुर्वेद एवं अनुसंधान केन्द्र, पिम्परी पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा 14-15 जनवरी 2018 को आयोजित आयुर्वेद विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया तथा क्लिनीकल स्ट्डी इन आयर्वुेद रेमेडिज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ चिल्ड्रन विथ सेरेब्रल पाल्सी विषयक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।
6.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर-2018 - क्लिनीकल प्रॅक्टिस बेस्ड कैंसर थेरेपी इन आयुर्वेद इन करंट सेनेरीयो विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया।
7.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	केरियो, इजिप्ट स्थित भारतीय दूतावात द्वारा 12-15 मार्च, 2018 को आयोजित 'भारत बाई द् नेल (आईबीएन)' भारतीय सांस्कृतिक उत्सव में भाग लेने हेतु आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा शिष्ठ मण्डल का सदस्य नियुक्त किया गया।
8.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इंडियन एकेडेमी ऑफ पिडियाट्रिक्स के सहयोग से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 6 जून 2017 को आयोजित 'IAP-LDSC नियोनेटल रिससिटैशन' विषयक कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
9.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 24-25 जनवरी 2018 को टीकाकरण प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई ।
10.	डॉ. निशा ओझा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के स्त्रीरोग एवं प्रसूति तंत्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित भ्रूण चिकित्सा विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।
11.	डॉ.राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इंदिरा गाँधी पंचायती सभागार द्वारा 7 मई 2017 को जयपुर में आयोजित योग के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर मैनेजमेन्ट ऑफ एकेडमिक स्ट्रेस इन चिल्ड्रन थ्रू आयुर्वेद एण्ड योग विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
12.	डॉ.राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद - वेदनास्थापन 2018 - विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर इन्फेटाईल पेन - एप्रोच, इश्यूज एवं सोल्यूशन विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
13.	डॉ.राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इंडियन एकेडेमी ऑफ पिडियाट्रिक्स के सहयोग से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 6 जून 2017 को आयोजित 'IAP-LDSC नियोनेटल रिससिटैशन' विषयक कार्यक्रम में भाग लिया गया ।
14.	डॉ.राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर-2018 - क्लिनीकल प्रॅक्टिस बेस्ड कैंसर थेरेपी इन आयुर्वेद इन करंट सेनेरीयो विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया।
15.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इंडियन एकेडेमी ऑफ पिडियाट्रिक्स के सहयोग से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 6 जून 2017 को आयोजित 'IAP-LDSC नियोनेटल रिससिटैशन' विषयक कार्यक्रम में भाग लिया गया ।

16.	डॉ. श्रीनिधि कुमार के. असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर-2018 - क्लिनीकल प्रॅक्टिस बेस्ड कैंसर थेरेपी इन आयुर्वेद इन करंट सेनेरीयो विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया।

सी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में विभाग के स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा सहभागिता -

क्र.सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 15-19 मई 2017 को जयपुर में आयोजित एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता - चरक चिंतन विषयक कार्यशाला ।
2.	इंडियन एकेडेमी ऑफ पिडियाट्रिक्स के सहयोग से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 6 जून 2017 को आयोजित 'IAP-LDSC नियोनेटल रिससिटैशन' विषयक कार्यक्रम ।
3.	संतोकबा दुर्लभजी होस्पीटल, जयपुर में इंडियन एकेडमी ऑफ पिडियाट्रिक्स के सहयोग से 16-7-2017 को आयोजित 9वें पेड गेस्ट्रो-अपडेट-2017 विषयक संगोष्ठी ।
4.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के सहयोग से NASYAद्वारा 14-16 सितम्बर 2017 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव-2017 ।
5.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYAएवं डाबर द्वारा 15 सितम्बर 2017 को Most People Receiving Nasya Panchkarma Treatment Simultaneously प्राप्त किये गये गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हेतु किये गये प्रयास में भाग लिया गया ।
6.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के शल्य तंत्र स्नातकोत्तर विभाग एवं हिमालय ड्रग कम्पनी द्वारा 20 नवम्बर 2017 को वर्ल्ड पाईल्स डे के अवसर पर आयोजित अर्श/हीमोरोइड्स की चिकित्सा-प्रबन्धन विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
7.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर-2018 - क्लिनीकल प्रॅक्टिस बेस्ड कैंसर थेरेपी इन आयुर्वेद इन करंट सेनेरीयो विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया।
8.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 24-25 जनवरी, 2018 को आयोजित टीकाकरण प्रशिक्षण कार्यशाला।
9.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के शल्य तंत्र स्नातकोत्तर विभाग एवं हिमालय ड्रग कम्पनी द्वारा 8 मार्च 2018 को वर्ल्ड किडनी डे के अवसर पर आयोजित अश्मरी/यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा-प्रबन्धन विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
10.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्त्रीरोग एवं प्रसूति तंत्र स्नातकोत्तर विभाग द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित फेटल मेडिसिन विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
11.	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 9 दिसम्बर 2017 को आयोजित आयुष के साथ दिन-प्रति-दिन ओपीडी प्रबन्धन विषयक प्रथम राज्य स्तरीय कौशल विकास कार्यशाला ।

डी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में विभाग के स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत शोध-पत्र -

क्र.सं.	अध्येता का नाम	प्रस्तुत किये गये पत्र का शिर्षक
1.	डॉ. कृष्ण बहादुर सिंह	1. भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली (उ.प्र.) द्वारा 16-17 अप्रैल 2017 को आयोजित एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एण्ड लाईफ साइंसेज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डिनाईग ट्रेडिशनल इंडियन मेडिसिन फॉर चाईल्ड हैल्थ केयर - गुड या बेड विषयक पत्र । 2. आयुर्वेद विभाग, पपरोला द्वारा 27-28 अक्टुबर 2017 को आयोजित पुरानी व्याधियाँ एवं आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में गौदूग्ध एवं गौरस वर्ग - आहार महत्त्व विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।

2.	डॉ. ओम प्रकाश बैरवा	1. आयुर्वेद विभाग, पपरोला द्वारा 27–28 अक्टुबर 2017 को आयोजित पुरानी व्याधियाँ एवं आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ध्यान में कमी अतिसक्रियता विकार में शिरोधारा का प्रभाव विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया । 2. मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेन मैनेजमेन्ट इन अर्ली चाइल्डहुड विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
3.	डॉ. नीतू शर्मा	1. भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली (उ.प्र.) द्वारा 16–17 अप्रैल 2017 को आयोजित एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एण्ड लाईफ साइंसेज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत यूज ऑफ गोल्ड इन ह्यूमन हैल्थ एण्ड डिजिज विषयक पत्र । 2. आयुर्वेद विभाग, पपरोला द्वारा 27–28 अक्टुबर 2017 को आयोजित पुरानी व्याधियाँ एवं आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयुर्वेद मैनेजमेन्ट इन ओटिज्म विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया । 3. डॉ. डी. वाई. पाटिल आयुर्वेद एवं अनुसंधान केन्द्र, पिम्परी पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा 14–15 जनवरी 2018 को आयोजित आयुर्वेद विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में न्युट्रास्युटिकल्स इन हैल्थ : एविडेन्सेज फ्राम आयुर्वेद विषयक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।
4.	डॉ. अनुकृति गौड़	1. भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली (उ.प्र.) द्वारा 16–17 अप्रैल 2017 को आयोजित एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एण्ड लाईफ साइंसेज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत ट्रेडिशनल इंडियन मेडिसिन इन फाइटिंग एन्टिबायोटिक्स एब्यूज़ इन चिल्ड्रन । 2. आयुर्वेद विभाग, पपरोला द्वारा 27–28 अक्टुबर 2017 को आयोजित पुरानी व्याधियाँ एवं आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोल ऑफ आयुर्वेद इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एटोपिक डर्माटाइटिस विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया । 3. डॉ. डी. वाई. पाटिल आयुर्वेद एवं अनुसंधान केन्द्र, पिम्परी पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा 14–15 जनवरी 2018 को आयोजित आयुर्वेद विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्ट्डी ऑफ मोर्बिडिटी स्टेट्स इन चिल्ड्रन एण्ड द् इफेक्ट ऑफ गुडूची सिरप एज इम्यूनोमोड्यूलेटर फोर लोवरिंग डाऊन - द् मोर्बिडिटी रेट विषयक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

विभाग के स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. ओम प्रकाश बैरवा द्वारा निम्नलिखित 2 लेख प्रकाशित किये गये:-

1.	ए प्रोग्रेसिव स्टेप टूवर्ड्स ए क्लासिकल यूजेज ऑफ मेडिसिनल प्लाण्ट्स इन गायनेकोलोजिकल डिस्आर्डर्स, जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड इंटिग्रेटेड मेडिकल साइन्सेज, वाल्यूम 2, इश्यू 2, मई-जून 2017 ।

2.	फार्माकोग्नोसी : नीड फोर एफिकेसियस प्रीपरेशन ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन्स, ट्रांसलेशनल रिसर्च अपोर्चूनीटी इन आयुर्वेद एण्ड इस्टाम ओरेशन अवार्ड फंक्शन (18-19 फरवरी, 2017) की कार्यवाही में प्रकाशित ।

स्वास्थ्य शिविर :-

(अ) बाल समुदाय स्वास्थ्य कार्यक्रम :-

- विभाग के स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्कूल, गंगापोल, जयपुर में 29-7-2017 को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया । इस शिविर में 87 बच्चों में प्रोटीन-ऊर्जा-कुपोषण का परीक्षण किया गया एवं उन्हें स्वच्छता एवं पोषण बनाये रखने का परामर्श दिया गया।
- विभाग द्वारा राजकीय सस्कृत सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, दोबलाई, जयपुर में 29-8-2017 को स्कूल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया ।
- विभाग के स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा महाराजा सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, सरगोठ, जयपुर में 31-8-2017 को स्कूल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया ।
- विभाग द्वारा राजकीय कन्या विद्यालय, ब्रह्मपुरी, जयपुर में 9-9-2017 एवं 5-10-2017 को स्कूल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किये गये ।
- विभाग द्वारा जयपुर चिल्ड्रन एकेडमी, गोपालपुरा, जयपुर में 2-11-2017 को स्कूल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया ।
- विभाग द्वारा बालदिवस के अवसर पर 14-11-2017 को फ्री स्वर्णप्राशन शिविर आयोजित किया गया।
- विभाग द्वारा यूरो किड्स स्कूल, कंवर नगर, जयपुर में 10-1-2018 को स्कूल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया ।

अध्यापकों/पीएच.डी./एम.डी. अध्येताओं हेतु विशिष्ठ प्रशिक्षण(सीएमई/आरओटीपी सहित)

i) अध्यापक –

डॉ. निशा औझा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा 8-9-2017 को इन्द्रप्रस्थ अपोलो होस्पीटल, नई दिल्ली में आयोजित IAP Consensus - Guidelines on Neurodevelopmental Disorders - ASD, LD, ADHD NBHA विषयक प्रशिक्षकों की कार्यशाला में भाग लिया गया ।

ii) एम.डी. अध्येता –

स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा बालरोग स्नातकोत्तर विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 5-8-2017 को आयोजित स्तनपान जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया गया ।

स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा केयर ऑफ न्यूबोर्न फ्राम बेसिक टू एडवान्स विषयगत 12-7-2017 को आयोजित अतिथि व्याख्यान में सहभागिता की गई । यह व्याख्यान जयपुर चेप्टर ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पिडियाट्रिक्स के डॉ. धनन्जय मंगल द्वारा दिया गया था ।

स्नातकोत्तर अध्येताओं द्वारा ऑफिस मैनेजमेन्ट ऑफ पिडियाट्रिक्स एमर्जेंसिस विषयगत 9-11-2017 को आयोजित अतिथि व्याख्यान में सहभागिता की गई । यह व्याख्यान डॉ. कुलभूषण, बाल-रोग परामर्शक, रुंगटा होस्पिटल, जयपुर द्वारा दिया गया था ।

अवार्ड्स : डॉ. निशा औझा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को बालरोग क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु स्व. श्री कन्हैयालाल मिश्रा स्मृति आयुर्वेद संस्थान एवं जनहित मंच द्वारा 18-3-2018 को सम्मानीत किया गया ।

विदेश प्रतिनियुक्ति : डॉ. निशा औझा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा केरियो, इजिप्ट स्थित भारतीय दूतावात द्वारा 12-15 मार्च, 2018 को आयोजित भारतीय सांस्कृतिक उत्सव 'भारत बाई द् नेल' में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लेने हेतु नियुक्त किया गया ।

विविध :

- डॉ. निशा औझा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा दिनांक 23 मार्च 2018 को डीडी राजस्थान चैनल पर 'शक्ति पर्व नवरात्रि' विषयक दूरदर्शन वार्ता बीच बहस कार्यक्रम में प्रस्तुत की गई ।
- विभाग के छात्रों द्वारा 6 अगस्त 2017 को 'स्तनपान जागरुकता के लिए दौड़' में भाग लिया गया।

कायचिकित्सा विभाग

परिचय:

आयुर्वेद की काय चिकित्सा एक अति-महत्त्वपूर्ण शाखा है । यह विभाग शारीरिक एवं मानसिक व्याधियों जैसे ज्वर, रक्त-पित्त, शोथ, प्रमेह आदि की चिकित्सा से सम्बन्धित है । यह विभाग भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् द्वारा निर्धारित तथा राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किये गये पाठ्यक्रमानुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन-अध्यापन एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है तथा इसके अन्तर्गत विभिन्न रोगों पर आयुर्वेद के सिद्धान्तों के अनुसार की जाने वाली चिकित्सा रसायन, वाजीकरण आदि के अध्यापन, प्रशिक्षण, उपचार तथा अनुसंधान किया जाता है । यह विषय मुख्यत: व्याधियों के चिकित्सा सिद्धान्तों तथा विधियों से सम्बन्धित है।विभाग द्वारा नियमितरूप से पीएच.डी.भी कराई जाती है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 2 एसोसियेट प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर, 3 लेक्चरर तथा 1क्लिनीकल रजिस्ट्रार अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें ।

उद्देश्य –

1. अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं रोगी परिचर्या का उन्नयन करना ।
2. शोध-कार्य का उन्नयन करना ।
3. बहिरंग एवं अन्तरंग विभाग में रोगियों की संख्या में वृद्धि एवं त्वचा विकारों के लिए विशेष क्लीनिक के साथ मांस-अस्थि रोग, मधुमेह, हृदय रोगों हेतु विशेष इकाई का विकास करना ।
4. प्रबंधन के आयुर्वेदिक सिद्धान्तों पर आधारित विभिन्न विकारों के शोध एवं प्रबंधन के प्रोटोकॉल विकसित करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक :

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को काय चिकित्सा विषय में आत्यायिक चिकित्सा, रसायन, वाजीकरण, मानसरोग तथा पंचकर्म का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। छात्रों को बेड् साईड क्लिनिक तथा प्रदर्शन विधियों से अध्यापन करवाया गया जो कि छात्रों की रोग अथवा विकृति विशेष से सम्बन्धित समस्याओं के अध्ययन में सहायता करता है ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में शोध कार्य हेतु मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । सेमीनार, जर्नल क्लब, एवं थीसिस विषयों पर चर्चायें आदि विभिन्न साप्ताहिक गतिविधियाँ नियमित रूप से विभाग द्वारा आयोजित करायी गई ।

स) पीएच.डी. –पीएच.डी. अध्येताओं को समय-समय पर उनके शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । सेमीनार, जर्नल क्लब, एवं थिसिस विषयों पर चर्चायें आदि विभिन्न साप्ताहिक गतिविधियाँ नियमित रूप से विभाग द्वारा आयोजित करायी गई ।

द) विभाग द्वारा जैरियाट्रिक एवं रसायन व वाजीकरण इकाई सुचारु रूप से चलाई जा रही है जिसमें जरा रोग सम्बन्धित रोगियों एवं अन्य रोगियों को श्रेष्ठ सुविधाऐं प्रदान की जाती है ।

य) विभाग द्वारा मौलिक सिद्धान्त विभाग से आपसी सहयोग कर मधुमेह चिकित्सा इकाई सुचारु रूप से चलाई जा रही है ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. कुमारी प्रिया	डॉ. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ शिवा गुग्गुलू एण्ड अलम्बुशादि घन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमेटोइड आर्थ्रेराइटिस।
2.	डॉ. रमाकान्त मीना	प्रो.आर.के.जोशी, प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ गौमूत्र हरितकी एण्ड नवका गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोदुष्टी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपिडेमिया।
3.	डॉ. दिव्या वर्मा	डॉ.सी. बी. शर्मा, प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ पथ्यादि गुग्गुलू, एरण्डादि क्वाथ एण्ड कटि बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी रोग (साइटिका) ।
4.	डॉ. भानु टांक	डॉ. सी. बी. शर्मा प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ एफिकेसी ऑफ मधुमेहारी चूर्ण विथ डिफरेन्ट क्वाथ इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मधुमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मिलीट्स टाईप-2 (एनआईडीडीएम) ।
5.	डॉ. देवेश जैमन	डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ अवल्गुज बीज चूर्ण एण्ड अर्क तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका (एटोपिक डर्माटाइटिस) - ए रण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रायल ।
6.	डॉ. छवि गुप्ता	डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एक्वेअस एक्सट्रेटऑफ मेलिया एजिडिरिक्टा ऑन रिटार्डेशन ऑफ प्रोगेसन ऑफ क्रोनिक रीनल फेलीयर।
7.	डॉ. के. दिप्ती दत्तात्रेय	डॉ. ए.के. साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेदिक फार्मूलेशन (टीएफ-1) एण्ड नित्य विरेचन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ न्युली डाइग्नोज्ड स्टेज-1 एसेंशियल हाइपरटेंशन ।
8.	डॉ. वी. दामोधरन	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ एक्वाइस एक्सट्रेक्ट टेराक्सेकम ऑफिसिनेल (दुग्धफेनी) एण्ड एक्लीप्टा एल्बा (भृंगराज) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एसेंशियल हाइपरटेंशन ।
9.	डॉ. चन्द्र प्रकाश	डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ गौमूत्र घनवटी इन मेदोरोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लीपीडेमिया - ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रायल।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एम.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर रहे है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. रमाकान्त मीना	प्रो. आर. के. जोशी प्रोफेसर डॉ. यू. आर. सरोज एसोसिएट प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ एफिकेसी ऑफ गौमूत्र हरितकी एण्ड नवका गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेदोदुष्टि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लिपीडेमिया ।
2.	डॉ. शालिनी	डॉ. जे. पी. सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश भाकुनी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एफिकेसी ऑफ एक्वाअस एक्सट्रेक्ट ऑफ शालपर्णी एण्ड एक्सलीप्टा एल्बा (भृंगराज) इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एसेंशियल हाइपरटेंशन ।

24.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	एक्सीलेंस इन राईटिंग स्किल्स फॉर आयुर्वेद स्कॉलर्स ।	26-11-2017	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित कार्यशाला।
25.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद ।	12-01-2018	औषधी द्वारा जयपुर में आयोजित सिम्पोजिम ।
26.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष ।	2-3 Feb. 2018	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला ।

परियोजनाऐं :

विभाग के अध्यापकों द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाऐं चलाई गयी जिनका विवरण निम्न प्रकार से है:-

- आयुर्वेद के अध्यापकों हेतु श्रव्य-दृश्य रिपोजिटरी/संग्राहालय- डॉ. असित कुमार पांजा, एसोसिएट प्रोफेसर ।
- प्रकृति मूल्यांकन प्रश्नावली/मान की मान्यता - डॉ. असित कुमार पांजा, एसोसिएट प्रोफेसर ।

विविध गतिविधियाँ- विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई -

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. केदारलाल मीणा प्रोफेसर	1. डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के आयुर्वेद संकाय के सदस्य के रूप में कार्य किया । 2. डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्ययन मण्ड़ल के सदस्य के रूप में कार्य किया । 3. संस्थान की क्रय समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 4. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विरुद्ध कार्य स्थल पर सुरक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 5. अनुसूचितजाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के देखरेख अधिकारी । 6. आरओटीपी एवं सीएमई कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया।
2.	डॉ. असित कुमार पांजा एसोसिएट प्रोफेसर	1. सामान्यजन हेतु शास्त्रीय आयुर्वेद ज्ञान के हेतु पाण्डुलिपि इकाई चलाई जा रही है । 2. डब्ल्यू.एच.ओ. की आयुष व्याधियों के वर्गीकरण विषयक परियोजना विशेष विषय विशेषज्ञ के रूप में आयुष मंत्रालय द्वारा मनोनीत किया गया । 3. एनआईए की ई-चिकित्सालय प्रबन्धन समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य किया गया । 4. एनआईए की ई-पुस्तकालय समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया। 5. एनआईए की आई-टी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 6. एनआईए की एनएबीएच हेतु सुविधा प्रबन्धन एवं सुरक्षा समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया । 7. संस्थान के जर्नल ऑफ आयुर्वेद के सम्पादक के रूप में कार्य किया । 8. आईपीजीटीआरए, जामनगर द्वारा प्रकाशित आयु के सह-सम्पादक ।

		9. वैद्य परम्परा में प्रमुख सम्पादक । 10. आयुर्वेद लाईन, बैंगलौर के सम्पादकीय परामर्शक । 11. आरओटीपी एवं सीएमई कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया।
3.	डॉ. गोविन्द पारीक एसोसिएट प्रोफेसर	1. स्नातकोत्तर छात्रावास के होस्टल वार्डन के रूप में कार्य किया गया । 2. विभागीय पुस्तकालय, एन्टी-रेगिंग समिति, छात्र कल्याण समिति के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया । 3. संस्थान द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहूल क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया ।

पुरस्कार

डॉ. **गोविन्द पारीक**, एसोसिएट प्रोफेसर को चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु 'बेस्ट सिटीजन अवार्ड एवं धन्वन्तरित सम्मान' प्रदान किया गया ।

❇❇❇

पंचकर्म विभाग

परिचय –

यह विभाग स्नातकोत्तर विभाग है । आयुर्वेद में मुख्यत: रोगी की या तो संशोधन अथवा संशमन चिकित्सा विधि द्वारा चिकित्सा की जाती है। पंचकर्म चिकित्सा में शोधन की पांच विधाओं जैसे वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य तथा रक्तमोक्षण को समाहित किया गया है । इसके अतिरिक्त, दूसरी विभिन्न अन्तरंग एवं बाह्य विभिन्न रोगों मुख्यत: मस्कुलो-स्केलेटल, नाड़ीतंत्र, त्वक, उर्जातंत्र, जीवन-शैली, अनुर्जता, श्वसन तंत्र आदि सम्बन्धित रोगों की पंचकर्म द्वारा प्रभावी चिकित्सा की गई। विभाग लगभग सभी प्रकार के रोगियों को चिकित्सा कर समाज को अपनी सेंवाये प्रदान कर रहा है । यह रोगप्रतिरोधक एवं स्वास्थ्य संवर्धन औषधि के रूप में भी सेवायें दे रहा है। यह रोगियों की पंचकर्म के माध्यम से चिकित्सा प्रदान कर अन्य विभागों को सहायता प्रदान करता है ।

विभागान्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर अध्येताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है तथा इसमें नियमित पीएच. डी. पाठ्यक्रम चलाया जाता है । विभागान्तर्गत 4 माह का पंचकर्म अटेण्डेन्ट कोर्स चलाया जा रहा है । इनमें स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. स्तर पर शोध कार्य कराये जाते हैं जिनमें मुख्यत: विभिन्न रोगों का प्रबन्ध यथा रुमेटोइड आर्थाराइटिस (गठिया), कटिस्नायुशूल, पक्षाघात, मधुमेह, सोरायसिस, उच्च रक्तचाप, स्थूलता, यौन रोग, डिसलिपिडेमिया आदि रोग है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर (संविदा आधार पर), 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर, 1 लेक्चरर एवं 1 पंचकर्म वैद्य अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को पंचकर्म विषय में आत्ययिक चिकित्सा, रसायन, वाजीकरण, मानसरोग तथा पंचकर्म का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । दैनिक अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के अतिरिक्त छात्रों को पंचकर्म में बेड-साईड क्लिनीक में व्यस्त रखा गया।

ब) स्नातकोत्तर – स्नातकोत्तर अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को समय-समय पर उनके शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. कपिल शर्मा	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ क्षीरबलादि तैल मात्राबस्ति एण्ड एरण्डमूलादियोगस्त फोलोव्ड बाई रास्नागुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू गृध्रसी ।
2.	डॉ. सुनील कुशवाह	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ त्रिफलाविडंगादि लेखन बस्ति एण्ड विडंगादि घन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।

3.	डॉ. चम्पक कुमार पाठक	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ क्षीरबलातैल इन मात्रबस्ति एण्ड जानुपिचु अलांग विथ अश्वगंधाशतावरीक्षरी पाक इन मैनेजमेन्ट ऑफ जानू संधिगतवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टेआर्थराइटिसऑफ नी ज्वाइंट ।
4.	डॉ. अर्चना कुशवाह	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ विरेचन एण्ड उत्तरबस्ति अलांग विथ योग बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिमेल इन्फर्टेलिटी ।
5.	डॉ. अमृता	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् ऑफ इफेक्ट ऑफ वमन कर्म, विरेचन कर्म, फोलोवड बाई व्याघ्रहरी हरीतकी रसायन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रोन्क्रियल अस्थमा ।
6.	डॉ. गोविन्द कुमावत	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वमन एण्ड विरेचन कर्म एण्ड फोलोवड बाई आरग्वध पत्र लेप विथ समान योग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ किटीभ कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराईसिस ।
7.	डॉ. नीशु	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् रोल ऑफ षडबिन्दू सर्पि नस्य एण्ड षडबिन्दू सर्पि पान इनन अर्द्धविभेदक (माईग्रेन) ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर एवं जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अनील सोनी	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वमन कर्म विथ टू डिरेन्ट वमक योग एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मण्ड्ल कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराईसिस ।
2.	डॉ. ज्योति बाला दामर	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ जानू बस्ति एण्ड मात्र बस्ति विथ शवदंस्त्र तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ जानु संधिगतवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टेआर्थराइटिस ऑफ नी ज्वाइंट ।
3.	डॉ. कृष्णा	डॉ. एन. एस. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ इफेक्ट ऑफ गुडूची भाद्र मुस्तादि लेखन बस्ति एण्ड गुडूची भाद्र मुस्तादि घन वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्थौल्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओबेसिटी ।
4.	डॉ. अनुराग	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू कम्पेयर द् एफिकेसी ऑफ जानू धारा एण्ड मात्र बस्ति विथ सहचर तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ जानू संधिगत वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टियोआर्थेराइटिस ऑफ नी ज्योइन्ट ।
5.	डॉ. सुमन	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ मात्रा बस्ति एण्ड कटि बस्ति विथ सहचर तैल इ द् मैनेजमेन्ट ऑफ कटिग्रह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लम्बर स्पोन्डीलोसिस।
6.	डॉ. राम प्रबोध चौधरी	डॉ. एन. एस. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ सहचर तैल मात्रा बस्ति एण्ड पत्रपिण्ड स्वेदन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू साइटिका ।

7.	डॉ. नीरज सोनी	डॉ. एन. एस. शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू कम्पेयर द् एफिकेसी ऑफ ग्रीवा बस्ति विथ अश्वगंधा तैल एण्ड लेपन विथ वाजीगंध कल्क इन ग्रीवा स्थम्भ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सर्वाइकल स्पोण्डीलोसिस ।
8.	डॉ. अचला राम कुमावत	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार साहू असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् थैरेप्युटिक एफिकेसी ऑफ उत्तर बस्ति, चार्तुप्रासृतिकी बस्ति एण्ड शतावर्यादि चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कृष्ण शुक्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओलिगोस्पर्मिया।
9.	डॉ. अशोक कुमार	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर डॉ. वैभव बापट पंचकर्म वैद्य	एन ओपन लेबल रेण्डोमाईज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ मात्र बस्ति विथ प्रसारीणी तैल ऑफ जानू बस्ति-संधिघतवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओस्टियोआर्थराइटिस ऑफ नी ज्वाइंट ।
10.	डॉ. अवधेश कुमार	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर	टू एवेल्यूएट द् कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ नस्य बाई वृहत्तजीविकादृश तैल प्रीपेयर्ड फ्राम मृदु स्नेहपाक एण्ड मध्यम स्नेहपाक इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्द्धावभेदक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माईग्रेन ।
11.	डॉ. जितेन्द्र वर्मा	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. दीपक जैन न्युरोलोजी विभाग एसएमएस होस्पीटल	एन ओपन क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शिरोबस्ति एण्ड नस्य विथ एण्ड विथआऊट लेबोडोपा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कम्पवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्किनसन्स डिज़िज (पीडी) ।
12.	डॉ. निधी गुप्ता	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन ओपन रेण्डोमाइज कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् टाईप्स ऑफ मूर्धा तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ निद्रानाश ।
13.	डॉ. प्रवेश श्रीवास्तव	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	एन ओपन रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वमनोत्रा जलौकावचरण एण्ड जलौकावचरण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मण्डल कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सोराइसिस ।
14.	डॉ. सरोज कुमारी	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर	एन ओपन रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड मात्र बस्ति विथ प्रसारिणी तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ग्रीवास्तम्भ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सरवाइकल स्पोण्डीलोसिस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. निर्मल भूसाल	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ वमनोत्तर विरेचन कर्म, द्रव्यादि घनवटी एण्ड लाईफस्टाईल मॉडिफिकेशन इन प्रमेह विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्री-डायबिटिज ।
2.	डॉ. सुर्य प्रकाश	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू ऐसेस द् सेफ्टी एण्ड एफिकेसी ऑफ वमन एण्ड विरेचन कर्म फोलोवड बाई क्षीर घृत रसायन इन हैल्दी इंडिविज्यूअल्स ।

3.	डॉ. उज्वला सम्धन हीवाले	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन इफेक्ट ऑफ ट्रीटमेन्ट एज पर चिकित्सासूत्र, नित्य विरेचन, इन्दूकान्त घृत एण्ड अमृतादि गुग्गुलू इन आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमोटाईड अर्थेराइटिस ।
4.	डॉ. संगीता शर्मा	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्टेण्डर्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू वमन कर्म एण्ड कोषात्क्यादि कफनाशक बस्ति फोलोवड बाई दीपनीय महाकषाय घनवटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ धात्वाग्निमंध्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपोथाइरोडिज्म।

चिकित्सकीय कार्य :-

इस विभाग द्वारा अन्तरंग एवं बहिरंग चिकित्सालयों में पंचकर्म चिकित्सा द्वारा बालपक्षाघात, पक्षाघात, आमवात, सन्धिवात, कटिशूल, हृदयशूल, शिर:शूल एवं त्वचा के रोगियों को उपलब्ध कराई गई ।

पंचकर्म की विभिन्न विधाओं से चिकित्सा करने हेतु पुरुष तथा महिलाओं के लिए पृथक्-पृथक् व्यवस्थायें है। आलोच्य वर्ष के दौरान पंचकर्म की विभिन्न विधाओं तथा पद्धतियों जैसे अभ्यंग (स्नेहन), नस्य, शिरोधारा, अनुवासन बस्ति, कटि बस्ति, नाड़ी स्वेदन, शिरो अभ्यंग, शिरो बस्ति, वमन, विरेचन, सर्वांग स्वेदन, निरूह बस्ति, षष्ठीशालीपिण्डस्वेद, पत्र पिण्ड़ स्वेद आदि द्वारा चिकित्सा की गई । सभी पंचकर्म उपचार विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण रोगियों को दिये गये ।

आलोच्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित 95,274 कर्म किये गये जिनमें स्नेहन, अभ्यंग, नाड़ी स्वेदन, सर्वांग स्वेदन, पत्र पिण्ड स्वेदन, षष्ठीकशाली पिण्ड स्वेद, शिरो धारा, शिरो बस्ति, कटि बस्ति, वमन कर्म, विरेचन कर्म, निरुह बस्ति, अनुवासन बस्ति, नस्य कर्म, व्यायाम, उदावर्तन, जलौका, पिच्छिल, रक्तमोक्षण, यूएस, ट्रक्शन आदि सम्मिलित हैं । आलोच्य वर्ष के दौरान, पंचकर्म के द्वारा शोधन के निमित्त जो औषधियाँ दी गई उनका शरीर शुद्धि के साथ शरीर पर रसायन और वाजीकरण के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुये । अन्तरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 27,139 रोगियों की चिकित्सा की गई जिनमें से 1,372 नवीन पञ्जीकृत थे । बहिरंग विभाग में नवीन एवं पुरातन कुल 31,102 रोगियों की चिकित्सा की गई जिनमें से 14,271 नवीन पञ्जीकृत थे उच्चाधिकारियों, विशिष्ट आगुन्तकों, विदेशियों आदि की चिकित्सा हेतु यहाँ एक सुसज्जित विशिष्ट इकाई है।

साप्ताहिक संगोष्ठीयाँ -

जर्नल, शोध-महानिबन्ध तथा नैदानिक मामलों के प्रस्तुतिकरण से सम्बन्धित विषयों पर विभागीय तथा अन्तर-विभागीय स्तर पर साप्ताहिक संगोष्ठीयाँ नियमितरूप से आयोजित की गई । साप्ताहिक संगोष्ठीयों में विभाग के अध्येताओं ने सक्रियता से भाग ले कर अध्यापकों एवं छात्रों के समक्ष अपने शोध-कार्य का प्रस्तुतिकरण किया । विभागीय अध्यापकों द्वारा इन संगोष्ठीयों में विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये ।

प्रकाशन -

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यु आन न्युट्रिविटी आयुर्वेद बोल्स फोमेन्टेशन : षष्ठीशालीपिण्डस्वेद ।	एक्टावेलीट वाल. 3, इश्यू 4 मार्च-मई 2017
2.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ यापन बस्ति एण्ड वानरीगुटिका इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्लैब्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इरेक्टाईल डिसफंक्शन ।	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च । वॉल. 5, इश्यू 5 मई 2017

3.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यु ऑन पत्र पिण्ड स्वेद : ए पिकूलर आयुर्वेद बाल्स फोमेन्टेशन ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिसिन जर्नल ISSN : 2320 5091 मई 2017
4.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वमनोत्र विरेचन कर्म (थैरेप्युटिक परगेशन आफ्टर थैरेप्युटिक इमेसिस) इन टीनेज पेशेन्ट: ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 7 जुलाई 2017
5.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ विरेचन कर्म इन मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदि एण्ड हर्बल मेडिसिन 7(4), जुलाई-अगस्त 2017 2733-2739
6.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सिरोधारा इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ चित्तोगवेगजन्य अनिद्रा (इनसोमनीय ड्यू टू जनरलाइज्ड एंजायटिक डिस्आर्डर) ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च 3(8): 160-162, अगस्त 2017
7.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इटियोलोजिकल फैक्टर ऑफ प्रमेह (प्री-डायबिटिज) एण्ड मधुमेह (डायबिटिज) : एन आयुर्वेदिक रिव्यु।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद फार्मास्युटिकल । 8 (5)
8.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ अवबाहुक (फ्रोजन शोल्डर) विथ अभ्यंग स्वेदन, प्रतिमर्श नस्य एण्ड आयुर्वेद मेडिसिन : ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 8, 2017
9.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ यूरिनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन विथ सर्टेन आयुर्वेद मेडिसिन : ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ हैल्थ साइन्सेज एण्ड रिसर्च (www.ijhsr.org) वॉल. 7, इश्यू 9 ।
10.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यु ऑन कटि बस्ति - ऑयल पूलिंग आयुर्वेद प्रोसिजर ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल्स रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 10, 2017
11.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इफेक्ट ऑफ क्लासिकल विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्रोनिक एग्जिमा (क्षुद्र कुष्ट) - ए सिंगल केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन। 7:3(2017), ISSN 2605-2620
12.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सरवाईकल स्पोण्डायलोसिस एण्ड इट्स पंचकर्म मैनेजमेन्ट - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल । (ISSN:2320 5091),5(11)
13.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ PCOS थ्रू शोधन (बायो-प्योरिफिकेशन) - ए पंचकर्म मोडेलिटिज - ए सिंगल केस स्ट्डी।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन। 7:6 (2017) 2973-2976
14.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एनॉलेसिस बीटविन इटियोलोजिकल फैक्टर ऑफ तमक श्वास एण्ड ब्रोंकियल अस्थमा ।	एक्टा वेलीट वॉल. 4, इश्यू 3
15.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विरेचन (थेरेप्युटिक परगेशन) : एन अनपेरेलल ट्रीटमेन्ट फॉर पित्त विकार ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल, वाल्यूम 6, इश्यू 2, मार्च 2018

16.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिव्यू ऑन वमन कर्म (थैरेप्युटिक इमेसिस)	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल वाल्यूम 6, इश्यू 2 मार्च 2018
17.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इफेक्ट ऑफ क्लासिकल वमनोत्तर विरेचन कर्म फोलोव्ड बाई सम आयुर्वेद मेडिसिन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ सोराइसिस : ए केस स्ट्डी।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 11, नं. 2 अप्रैल-जून 2017
18.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ एलोपेसिया बाई ब्लड्लेटिंग एण्ड सर्टेन आयुर्वेद मेडिसिन : ए केस स्ट्डी।	जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन (JAHM) वाल्यूम 3, इश्यू 3 जुलाई-सितम्बर 2017
19.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एप्रोच टू स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ ऑयल टेम्परेचर इन कटि बस्ति - ए पायलेट स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 2017
20.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ वमन एण्ड नस्य कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पीनस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू साइनस।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 11-3 जुलाई-सितम्बर 2017
21.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रिस्क ऑफ डायबिटिज इन द् इंडियन पापूलेशन : ए स्ट्डी यूजिंग डायबिटिज रिस्क स्कोर एण्ड रेण्डम ब्लड् ग्लूकोज लेवल ।	रिसर्च एण्ड रिव्यू जर्नल ऑफ मेडिसिन ISSN: 2249-8648(Online) ISSN:2348-7917(Print) वॉल. 7, इश्यू-3, फर. 2018
22.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ पत्र पिण्ड स्वेदन एण्ड एरण्ड मूलादि निरुह बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लम्बर डिसक डिज़िज ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मा क्लिनीकल रिसर्च 2017;6:1080-1085
23.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ एवास्कूलर नेक्रोसिस ऑफ नेक आफ फेमर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अस्ति मज्जागत वात, रिसर्च एण्ड रिव्यूज़।	जर्नल सर्जरी जून, 2017
24.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू साइटिका - ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च जून 2017
25.	डॉ.सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	थैरेप्युटिक बेनीफिट्स ऑफ राज योग - ए रिव्यू ।	इंडियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च, 2017
26.	डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ एवास्कूलर नेक्रोसिस ऑफ नेक आफ फेमर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अस्ति मज्जागत वात, रिसर्च एण्ड रिव्यूज़।	जर्नल सर्जरी जून, 2017
27.	डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू साइटिका - ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च जून 2017

28.	डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर	थैरेप्युटिक बेनीफिट्स ऑफ राज योग - ए रिव्यू ।	इंडियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च 2017

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में संकाय सदस्यों द्वारा सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा जयपुर में 2017 में आयोजित जीवन के मूल आधार विषयक संगोष्ठी ।
2.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन-2017 फोर अप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया गया ।
3.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला ।
4.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 14 दिसम्बर 2017 को आयोजित आधिकारिक कार्य में हिन्दी का उपयोग : बाधायें एवं उनके समाधान विषयक कार्यशाला ।
5.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
6.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला ।
7.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 14 दिसम्बर 2017 को आयोजित आधिकारिक कार्य में हिन्दी का उपयोग : बाधायें एवं उनके समाधान विषयक कार्यशाला ।
8.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
9.	डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला ।
10.	डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर	संस्थान द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन-2017 फोर अप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया गया ।
11.	डॉ. क्षिप्रा राजोरिया लेक्चरर	विश्व आयुर्वेद परिषद्, राजस्थान द्वारा जोधपुर में 26 नवम्बर 2017 को आयोजित एक्सीलेंस इन राइटिंग स्किल्स विषयक कार्यशाला ।

आरओटीपी में वार्ताऐं/सीएमई/सम्मेलन/संगोष्ठीयों में दिये गये अतिथि व्याख्यान -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यक्रम का विवरण	अतिथि व्याख्यान/वार्ता का विषय
1.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 3 अप्रैल 2017 को आयोजित कार्यक्रम।	केरलीय पंचकर्म ।
2.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा इन्टर्न छात्रों हेतु 11 अप्रैल 2017 को आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यशाला।	पंचकर्म ।
3.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला द्वारा 28 अक्टुबर 2017 को आयोजित क्रोनिक डिज़िज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	आयुर्वेद

4.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा इन्टर्न छात्रों हेतु 8 अप्रैल 2017 को आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यशाला ।	पंचकर्म ।
5.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 10 नवम्बर 2017 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।	आयुर्वेद
6.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 12 जनवरी 2018 को आयोजित पेनमैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	दर्द प्रबन्धन ।
7.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	महारानी महाविद्यालय, जयपुर द्वारा 31 जनवरी 2018 को आयोजित कार्यक्रम।	आयुर्वेद के माध्यम से स्ट्रेस मैनेजमेन्ट ।
8.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जाफना युनिवर्सिटी, श्रीलंबा द्वारा 23-27 फरवरी 2018 को आयोजित सिद्ध मेडिसिन विषयक प्री-कान्फ्रेन्स वर्कशॉप एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	सिद्ध कर्म प्रक्रियाओं के साथ पंचकर्म प्रक्रियाओं की समानताओं पर चर्चा एवं डेमो ।
9.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डॉ. राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 9-10 मार्च 2018 को आयोजित दर्द प्रबन्धन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	शिरोधारा ।
10.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 8-11-2017 को नर्सिंग कार्मिकों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	शिरोधारा एवं शिरोबस्ति ।
11.	डॉ. गोपेश मंगल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 14-3-2018 को नर्सिंग कार्मिकों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	शिरोधारा एवं शिरोबस्ति ।
12.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथोडोलोजी, स्टेटिस्टेटिक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला ।	प्रकाशन एवं अनुसंधान ।
13.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद् द्वारा 15 दिसम्बर 2017 को जयपुर में आयोजित कार्यक्रम ।	पब्लिकेशन इथिक्स-1
14.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद् द्वारा 5 दिसम्बर 2017 को जयपुर में आयोजित कार्यक्रम ।	पब्लिकेशन इथिक्स-2
15.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विश्व आयुर्वेद परिषद् द्वारा 5 दिसम्बर 2017 को जयपुर में आयोजित कार्यक्रम ।	अवास्कुलर नेरोसिस ।
16.	डॉ. सर्वेश कुमार सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 26 नवम्बर 2017 को आयोजित एक्सिलेंस इन राइटिंग स्किल्स फॉर आयुर्वेद स्कॉलर्स विपयक कार्यशाला।	इथिक्स इन रिसर्च पब्लिकेशन्स ।

विभाग द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

क्र.सं.	शिविर	दिनांक	पंजीकृत रोगी
1.	वसन्त ऋतु में वमन के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरुकता ।	23-2-2017 to 4-4-2017	37

2.	वर्षा ऋतु में बस्ति कर्म के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरुकता ।	4-8-2017 to 1-9-2017	1166 मात्रा बस्ति
3.	शरद ऋतु में विरेचन के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरुकता ।	6-10-2017 to 7-12-2017	40
4.	आयुर्वेद के माध्यम से दर्द प्रबन्धन ।	1-10-2017 to 7-12-2017	91
5.	ओस्टीओपोरोसिस शिविर	7-3-2017	124
6.	ओस्टीओपोरोसिस शिविर	15-5-2018	250
7.	महारानी महाविद्यालय, जयपुर में आयोजित तनाव प्रबन्धन शिविर	31-1-2017	345
9.	वन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	29-12-2017 to 30-12-2017	-
10.	राजस्थान पत्रिका के परस्पर सहयोग से आयोजित आयुष्मान शिविर ।	24-12-2017	-

पुरस्कार :

- डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुर्वेद क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु अग्रवाल समाज (उत्तर), जयपुर द्वारा दिनांक 21-9-2017 को आयोजित पुरस्कार कार्यक्रम में सम्मानीत किया गया ।
- डॉ. गोपश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर को आयुर्वेद क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु राजस्थान अग्रवाल समाज, जयपुर द्वारा दिनांक 27-9-2017 को सम्मानीत किया गया ।

टी.वी. इन्टरव्यूज

- डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा राजस्थान पत्रिका चैनल के हैलो डॉक्टर शो में निम्नलिखित विषयों पर इन्टरव्यूज प्रसारित किये गये –

  (i) कैन्सर ब्लड़र (ii) डीएमडी (iii) डीटोक्सिफिकेशन (iii) 40 प्लस हैल्थ (iv) मानसिक स्वास्थ्य (v) गैसट्रीक अल्सर (vi) डेंगू (vii) प्रदूषण एवं स्वास्थ्य (viii) प्रश्नोत्तर (ix) पंचकर्म इत्यादि ।

  Most People Receiving Nasya Panchakarma Treatment Simultaneously के लिए गिनेज वर्ल्ड रेकार्ड विषय पर बनी डाक्यूमेन्ट्री डीडी राजस्थान टी.वी. चैनल प्रसारित किया गया ।

- डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा संस्थान का एक ऐप विकसित किया गया जिसका शुभारंभ कुलपति, डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा संस्थान के निदेशक द्वारा 16-10-2017 को किया गया ।

विविध गतिविधियाँ –

(i) डॉ. गोपेश मंगल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा विभाग द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों में तथा Most People Receiving Nasya Panchakarma Treatment Simultaneously के लिए गिनेज वर्ल्ड रेकार्ड में समन्वयक के रूप में कार्य किया गया ।

(ii) डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा साइंस एवं इंजिनियरिंग रिसर्च बोर्ड हेतु दो रिसर्च प्रस्तावों का मूल्यांकन कार्य किया गया ।

(iii) डॉ. सर्वेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा नेशनल इनोवेशन फाउण्डेशन, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा वेलीडेशन ऑफ आऊटस्टेडिंग हर्बल प्रॅक्टिसेज थ्रू आयुर्वेदिक रुट पर गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

(iv) अतिमहत्वपूर्ण व्यक्तियों जिनमें माननीय सांसद एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारीगण सम्मिलित है को पंचकर्म चिकित्सा उपलब्ध कराई गयी ।

❇❇❇

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग

परिचय :

विभाग द्वारा पीएच.डी.(आयुर्वेद), स्नातकोत्तर (आयुर्वेद धन्वन्तरि), स्नातक (आयुर्वेदाचार्य) तथा आयुष नर्सिंग एवं फार्मेसी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का अध्यापन कराया एवं प्रशिक्षण दिया जाता है । आयुर्वेद धन्वन्तरि तथा आयुर्वेद विद्या वारिधी अध्येताओं के माध्यम से विभिन्न शोध-गतिविधियाँ सम्पन्न की जाती है । प्रसूति तंत्र में शरीर, गर्भ, गर्भिणी, प्रसव तथा सूतिका से सम्बन्धित प्राकृत एवं वैकृत कार्य तथा स्त्री रोग विज्ञान में रजोदर्शन और स्त्री जननांग सम्बन्धित रोग आदि के उपचार कार्य किये जाते है। विभाग की प्रसूति-इकाई द्वारा गर्भिणी महिलाओं की विभिन्न स्थितियों यथा गर्भिणी परीक्षण, गर्भिणी परिचर्या, प्रसव कर्म, सूतिका परिचर्या तथा महिला कल्याण के कार्य आयुर्वेद चिकित्सा एवं परिचर्या प्रदान कर सम्पन्न किये जाते है । विभाग द्वारा विभिन्न आयुर्वेदिक कर्म यथा - उत्तर बस्ति (योनिगत, गर्भाशयगत एवं मूत्राशयगत), क्षारकर्म, योनि-प्रक्षालन, पिचु, अनुवासन बस्ति, पोट्टली आदि महिला रोगियों पर उपचार के रूप में किये जाते है । विभिन्न शल्य कर्म यथा ई.बी., पॉलीपेक्टोमी, ट्यूबल लीगेशन, हिस्टेरेक्टॉमी (एब्डोमिनल एण्ड वैजीनल) तथा ऑपरेशन द्वारा प्रसव आदि किये जाते है तथा महिला रोगियों को परिवार नियोजन के उद्श्य से गर्भनिरोधक यथा कॉपर-टी उपयोग में लेने की सलाह प्रदान की गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर्स, 1 एसोसिएट प्रोफेसर्स, 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर, 1 लेक्चरर, 1 क्लिनीकल रजिस्ट्रार अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें । विभाग में 1 परामर्शक कार्यरत रहे ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक कार्य -

वर्ष के दौरान, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. के छात्रों एवं अध्येताओं को प्रसूति-स्त्री रोग विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

शोध कार्य -आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद धन्वन्तरि अध्येताओं ने शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. सुशीला चौधरी	प्रो. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ कुटजाष्टक घन वटी एण्ड वासा-घन इन् द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.यू.बी.
2.	डॉ. सुनीता वर्मा	प्रो.सुशीला शर्मा प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्टडी आफॅ रज:प्रवर्तनी वटी एण्ड 'त्रिवृतादितैल' अनुवासन बस्ति ऑन कष्टार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रायमरी डिस्मेनोरिया ।
3.	डॉ. सोनिका पाल	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्टडी ऑफ 'निम्बादि' एण्ड यष्ट्यादि आइन्टमेंट ऑन इपिजियोटॉमी वून्ड" विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वून्ड हीलिंग ।
4.	डॉ. दीपिका बरनवाल	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल स्टडी टू एवेल्युएट द रोल ऑफ 'काश्मर्यादिघृत' इन बन्ध्यत्त्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिमेल इनफर्टिलिटी ।
5.	डॉ. रामेश्वर चौधरी	प्रो.सुशीला शर्मा, प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्पैरेटिव स्टडी आफॅ 'मधुकादि लौहम्' एण्ड 'शतावरी मण्डूर' इन गर्भिणी पाण्डु ।
6.	डॉ. पिन्की चौहान	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पैरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑफ 'कासीसादि वर्ति' एण्ड पलाशादि वर्ति" इन द मैनेजमेंट ऑफ पिच्छिला योनि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एब्नार्मल वैजाइनल डिस्चार्ज ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद धन्वन्तरि अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. हिना मेवाद	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ शतपुष्पा चूर्ण एण्ड पिपल्यादि चूर्ण विद अश्वगन्धा क्षीरपाक इन बन्ध्यत्व विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिमेल इन्फर्टिलिटी।
2.	डॉ. सुरेश कुमार	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑफ हिंग्वादि चूर्ण एण्ड रज:प्रवर्तनी वटी ऑन कष्टार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रायमरी डिस्मेनोरिया ।
3.	डॉ.इन्द्रेश भास्कर	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्ट्डी ऑफ बिल्व मज्जा चूर्ण एण्ड कुस्तुम्बरी कल्क इन गर्भिणी छर्दि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इमेसिस ग्रेविडेरम ।
4.	डॉ.स्वाति आल्हा	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ कण्डूघ्न महाकषाय चूर्ण एण्ड कुटज घन वटी एलॉंग विथ 'हयमारादि तैल' आन अचरणा योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रुराइटिस वल्वी ।
5.	डॉ.रचना पोडेल	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑफ वासा घन एण्ड कुटकी घन इन द मैनेजमेंट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डी.यू.बी. ।
6.	डॉ.उत्पल देवबर्मा	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ शतावरी चूर्ण एण्ड गुडुच्यादि चूर्ण आन रजोनिवृत्तिअवस्था विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोस्ट मिनोपोसल सिन्ड्रोम ।
7.	डॉ. सीमा पाण्डे	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी टू एवेल्युएट द इफिकेसी ऑफ ज्योतिष्मत्यादि योग एण्ड माधुतैलिक बस्ति ऑन नष्टार्तव ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद धन्वन्तरि के निम्नलिखित अध्येताओं द्वारा अपने शोध-प्रारूप प्रस्तुत किये गये है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मीमांसा	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ द्राक्षादि योग एण्ड कुटजाष्टक घन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्फंक्शनल यूटराइन ब्लीडिंग : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।
2.	डॉ. ज्योति जैन	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ नष्टार्तव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोलीसिस्ट ओवेरियन सिन्ड्रोम (पीसीओएस) : ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रॉयल ।
3.	डॉ. सुभद्रा कर्की	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ श्वेत प्रदर विथ लोकल एप्लीकेशन ऑफ Shatahvadi योग एण्ड पलाशादियोग : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एबनार्मल वेजीनल डिस्चार्ज ।
4.	डॉ. नीतू सिंह	डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ बन्ध्यत्व विथ काश्मर्यादि घृत एण्ड बलादि चूर्ण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फीमेल इनफर्टिलिटी - ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ।
5.	डॉ. लक्ष्मी गुप्ता	डॉ. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तव क्षय विथ तिलशैलकार्वादिक्वाथ एण्ड वेनूपर्वादि क्वाथ : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी।

6.	डॉ. विश्वनाथ सिंह टेकम	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ गर्भिणी पाण्डू विथ द्राक्षा घृत एण्ड लक्ष्मण लौह : ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी।
7.	डॉ. रेनू चौधरी	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ हिंग्वादि चूर्ण एण्ड त्रिवृतादि तैल अनुवासन बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया।
8.	डॉ. मौशमी कुलहर	प्रो.के. भारती, प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एसेस एफिकेसी ऑफ पुनर्नवा मण्डूर विथ एण्ड विथआऊट शतावरी अवलेह इन गर्भिणी पाण्डू ।
9.	डॉ. प्रियंका हजारे	प्रो.के. भारती, प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ केबूका तैल एण्ड बला तैल योनि पिचु अलोंग विथ बला तैल मात्रा बस्ति इन सुखप्रसव ।
10.	डॉ. रिचा तिवाड़ी	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अग्निकर्म एण्ड विरेचन कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णिनी योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सरवाईकल इरोजन ।
11.	डॉ. संजू राव	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ भूमियाम्लकी चूर्ण एण्ड मधुक धृत मात्रा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विस-ए-विस टू एब्नार्मल यूटेराईन ब्लिडिंग ।
12.	डॉ. सुमन कुमारी	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ धातकी पुष्पादि योग एण्ड बलादि चूर्ण अलांग विथ्ज्ञ अश्वगंधा घृत इन फीमेल इन्फर्टीलिटी ।
13.	डॉ. टेगू	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टू एवेल्यूएट द् रोल ऑफ विरेचन कर्म अलांग विथ कंचनार वारुण घन वटी इन गर्भाशय अर्बुद विथ स्पेशियल रेफरेन्ट टू यूटराईन फाइब्रोईड ।
14.	डॉ. उषा कुमारी	प्रो. के. भारती प्रोफेसर डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ लोध्र चूर्ण विथ कृष्ण तैल क्वाथ एण्ड शटपुष्प तैल मात्रा बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. सुरेश कुमार सौलंकी	प्रो. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ अग्निकर्म विथ स्वर्णशलाका एण्ड क्षार कर्म विथ स्नुही क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णिनी योनिव्यापद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सरवाईकल इरोजन ।
2.	डॉ. जी.एम. काव्या	प्रो. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ वयस्थापना घन एण्ड विदारीकंद इन रजोनिवृत्ति अवस्था विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पोस्ट मेनोपाजल सिंड्रोम ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. खुशबू जैन	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ शोणितस्थापन महाकषाय एण्ड बोलबद्ध रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ असृग्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिफंक्शनल यूटेराईन ब्लीडिंग ।
2.	डॉ. प्रियंका शर्मा	डॉ. सुशीला शर्मा एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लीनीकल स्ट्डी ऑफ विजयादि वटी एण्ड कुबेररक्षादि वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्तवक्षय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी डिस्मेनोरिया ।

चिकित्सकीय कार्य –

विभाग के द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई। विभाग के अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित/अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गये चल चिकित्सा शिविरों में अपनी सेवायें दी गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, स्त्री रोग, प्रसूति तंत्र आदि से सम्बन्धित विभिन्न रोगियों का निम्नलिखित आयुर्वेदिक कर्मो यथा उत्तर बस्ति, क्षार कर्म, योनिप्रक्षालन, पिचु, अनुवासन बस्ति, पोटली आदि द्वारा सगर्भा, गर्भाशय मुखगत व्रण, फलीनी, बन्ध्यत्व, गर्भाशय भ्रंश, श्वेतप्रदर, कर्णिनी योनिव्यापद, आचरण, मूत्रकृछ, श्रोणीशोथ के रोगियों का विभाग द्वारा उपचार किया गया । आलोच्य वर्ष के दौरान विभिन्न व्याधियों यथा अनार्तव, आर्तवक्षय, आर्तवदुप्टी, श्वेतप्रदर, रक्तप्रदर, बन्ध्यत्व, गर्भाशय भ्रंश, गर्भाशय अर्बुद, गर्भाशय शोथ, बीजग्रन्थिजन्य सिस्ट (ओवेरियन सिस्ट), श्रोणिशोथ (श्रोणि-प्रदेश से सम्बन्धि विकारों) तथा रज:कृच्छ से पिड़ित रोगियों की चिकित्सा की गई । महिलाओं हेतु विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियाँ आयोजित की गई । 5195 आयुर्वेदिक कर्म निप्पादित किये गये :-

क्र.सं.	कर्म	योग
1.	अनुवासन बस्ति/मात्रा बस्ति	797
2.	निरुह बस्ति	98
3.	उत्तर बस्ति	140
4.	मधुतैलिक बस्ति	492
5.	योनि प्रक्षालन	523
6.	क्षार कर्म	50
7.	अवचूरणन	16
8.	भ्रंश में स्नेहन-स्वेदन	29
9.	पिचु	3006
10.	पोटली	45
	योग :	5195

आलोच्य वर्ष के दौरान, विभाग द्वारा कराये गये सामान्य प्रसव एवं शल्य कर्मो की संख्या निम्न प्रकार से है:-

क्र.सं.	कर्म	कर्मो की संख्या
1.	सामान्य प्रसव	47
2.	एलएससीएस	31
3.	हीस्ट्रेकटॉमी	8
4.	कॉपर-टी इनसर्शन/रिमूवल	26
5.	अन्य	47

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	अपामार्ग (ए. एस्पेरा लीन.) – ए रिव्यू ।	एक्टा पंचकोन इन्टरनेशनल पीर रिव्यूड जर्नल इश्यू 2, वॉल. (3) अप्रैल-जून 2017
2.	डॉ. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ निम्बादि एण्ड यासत्यादि आइन्टमेन्ट ऑन एपीसिओटोमी वूण्ड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वूण्ड हीलिंग ।	आयुषधारा इन्टरनेशनल पीर रिव्यूड जर्नल वाल्यूम 4, इश्यू 3 मई-जून 2017
3.	डॉ. के. भारती प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	रिव्यू ऑफ रिसर्च ऑन गाइनेकोलोजिकल कैसर्स इन आयुर्वेद – एन अपडेट ।	आयुषधारा इन्टरनेशनल पीर रिव्यूड जर्नल मई जून 2017 वाल्यूम 4, इश्यू 3
4.	डॉ. के. भारती प्रोफेसर प्रो. सुशीला शर्मा प्रोफेसर डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ पोस्ट नेटल ब्रेस्ट एब्सेस थ्रू आयुर्वेद ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च अक्टुबर 5, 2017 Impact factor: 7.523
5.	डॉ. के. भारती प्रोफेसर	रिसर्च ऑन आयुर्वेद ड्रग्स टूवर्डस द् ड्रग डवलपमेन्ट फॉर प्लाजमोडियम वाइवेक्स मलेरिया।	आयुषधारा इन्टरनेशनल पीर रिव्यूड जर्नल वाल्यूम 4, इश्यू 3 मार्च-अप्रैल 2017
6.	डॉ. के. भारती प्रोफेसर	स्त्रीविलास – एन आयुर्वेदिक मैन्युस्क्रिप्ट ऑन कोस्मेटिक प्रोसिजर्स ऑफ फीमेल्स, अफ्रोडाइजेक्स, डिसिजेज एण्ड मेडिसिन्स ।	इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइन्सेज । 52.3 (2017) पीर रिव्यूड जर्नल ।
7.	डॉ. हेतल एच दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	मैनेजमेन्ट ऑफ सबफर्टिलिटी विथ पीसीओएस थ्रू आयुर्वेद ट्रिटमेन्ट रेजीमेन-ए केस स्टडी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल्स रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 5 ISSN 2277-7105, 2017
8.	डॉ. हेतल एच दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ द् इफेक्ट ऑफ अनुवासन बस्ति (मात्रा बस्ति) एण्ड पिचु इन प्रग्नेंसी ऑन द् फीनोमेनोन ऑफ लेबर । र	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम X – 4, अक्टु-दिस.2016 ISSN 2311-0435
9.	डॉ. हेतल एच दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर (सह-लेखक)	ट्रिटमेन्ट ऑफ फीमेल इन्फर्टिलिटी विथ बला तैल मात्रा बस्ति – ए केस स्टडी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल्स रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 5 ISSN 2277-7105, 2017
10.	डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	मैन्टीनेंस ऑफ मैनोपाज थ्रू आयुर्वेद – ए कन्सेप्चुअल रिव्यू ।	डब्ल्यूजेपीआर वॉल.6, इश्यू 12,सित. 2017 ISSN 2277-7105

11.	डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	ए केस स्ट्डी ऑन द् इफेक्ट ऑफ शाष्ठीशाली पिण्ड स्वेद एण्ड महामाष तैल नस्य कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एकांग वात विथ ममंसाकषाय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिमायीलीनेशन ऑफ नर्म ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वाल्यूम 6, इश्यू 10 सितम्बर 2017 ISSN: 2278-4357
12.	डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	ए केस स्ट्डी एबाउट द् इफेक्ट ऑफ पंचतिक्त क्षीर बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अस्थिकषाय ।	डब्ल्यूजेपीआर वाल्यूम 7, स्पेशियल इश्यू 4 फरवरी 2018 ISSN: 2277-7105 Impact factor: 8.074, ICV: 90.8

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता एवं पत्र प्रस्तुतिकरण –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. के. भारती	क्षैत्रिय आयुर्वेद मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (सीसीआरएएस), नागपुर द्वारा 22-4-2017 को आयोजित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए अनुसंधान नीतिनिर्धारण करने विषयक कार्यशाला ।
2.	प्रो. के. भारती	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 14-12-2017 को आयोजित हिन्दी भाषा प्रयोग में बाधाऐं एवं निराकरण विषयक हिन्दी भाषा कार्यशाला ।
3.	प्रो. के. भारती डॉ. सुशीला शर्मा डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. विजेन्द्र कुमार	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा 20-11-2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
4.	प्रो. के. भारती	मेटरनल हैल्थ एण्ड रिसर्च ट्रस्ट, हैदराबाद, भारतीय सोसायटी फॉर द् स्ट्डी ऑफ रिप्रोडक्शन एण्ड फर्टिलिटी द्वारा 23-25 फरवरी 2018 को आयोजित वर्ल्ड कांग्रेस ऑन रिप्रोडक्टिव हैल्थ में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया गया तथा हर्बल-हर्बो -मिनरल कोन्ट्रासेप्शन - डिस्कवरिंग ए सेफ एण्ड इफेक्टिव अल्टरनेटिव टू सिन्थेटिक हार्मोन्स विषयक वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
5.	प्रो. के. भारती	ऑल इंडिया इन्सटीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, नई दिल्ली द्वारा 19-20 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट ऑफ स्टेण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर्स इन प्री-कन्सेप्शनल एण्ड प्री-नेटल केयर थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।
6.	प्रो. के. भारती डॉ. सुशीला शर्मा डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. विजेन्द्र कुमार	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर 8 मार्च 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
7.	प्रो. के. भारती डॉ. सुशीला शर्मा डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. विजेन्द्र कुमार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 – क्लिनीकल प्रॅक्टिस बेस्ड कैंसर थैरेपी इन आयुर्वेद इन करंट सेनेरिया विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।

8.	डॉ. सुशीला शर्मा डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. विजेन्द्र कुमार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 24-25 जनवरी, 2018 को आयोजित टीकाकरण प्रशिक्षण कार्यशाला ।
9.	डॉ. सुशीला शर्मा	श्री शिरड़ी साईबाबा आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, मण्डीगढ़, किशनगढ़, रेनवाल, जयपुर में 22-3-2018 को आयोजित मेटरनल एण्ड चाईल्ड हैल्थ विषयक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
10.	डॉ. बी. पुष्पलता	डॉ. डी. वाई. पाटिल आयुर्वेद महाविद्यालय एवं रिसर्च सेन्टर, पिम्परी, पूना द्वारा 14-15 फरवरी 2018 को आयोजित आयुर्वेद विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
11.	डॉ. सुशीला शर्मा डॉ. बी. पुष्पलता डॉ. हेतल एच दवे डॉ. सोनू डॉ. विजेन्द्र कुमार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 12-1-2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक सिम्पोजियम में भाग लिया गया ।
12.	प्रो. के. भारती डॉ. बी. पुष्पलता	महारानी महाविद्यालय, जयपुर में 1-12-2017 को एडोलसेन्ट गर्ल्स एण्ड वुमन ऑफ रिप्रोडक्टिव एज ग्रुप ऑन पीसीआडी एवं डिस्मेनोरिया विषयक व्याख्यान दिया गया।
13.	डॉ. बी. पुष्पलता	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विपयक कार्यशाला ।
14.	डॉ. बी. पुष्पलता	विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु 11-4-2017 को आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यशाला में सामान्य प्रसव विषयक व्याख्यान दिया गया ।
15.	डॉ. बी. पुष्पलता	विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों हेतु 6-11-2017 को आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यशाला में सामान्य प्रसव विषयक व्याख्यान दिया गया ।
16.	डॉ. हेतल एच दवे	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 17-11-2017 को आयोजित कार्यक्रम में बेटी बचाओ विषयक व्याख्यान दिया गया ।
17.	डॉ. हेतल एच दवे	आयुष विंग, सिविल होस्पीटल, यमुना नगर द्वारा 29-30 नवम्बर 2017 को आयुष चिकित्सकों के पुर्नप्रशिक्षण हेतु आयोजित मल्टी स्पेशियल्टी आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया गया ।
18.	डॉ. हेतल एच दवे	पंचकर्म केन्द्र, अम्बाला केन्ट, अम्बाला, हरियाणा द्वारा 2-12-2017 को आयोजित आयुष चिकित्सकों के पुर्नप्रशिक्षण हेतु आयोजित मल्टी स्पेशियल्टी आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम में इन्फर्टीलिटी विषयक व्याख्यान दिया गया ।
19.	डॉ. हेतल एच दवे	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, किलनगढ़ (झोटवाड़ा शहर), जयपुर में 23-12-2017 को आयोजित एक कार्यक्रम में भोजन एवं जल विषयक व्याख्यान दिया गया ।
20.	डॉ. हेतल एच दवे	विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 4-7 दिसम्बर 2017 को आयोजित आयुष एवं वेलनेस विषयक प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी - अन्तर्राष्ट्रीय आरोग्य 2017 ।
21.	डॉ. हेतल एच दवे	बाबा खेतनाथ राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, नारनौल में 20-27 मार्च 2018 को आयोजित आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों हेतु 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम व पंचकर्म विषयक कार्यशाला में अतिथि संकाय के रूप में भाग लिया गया ।
22.	डॉ. सोनू वर्मा लेक्चरर	आयुष विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा कुरूक्षेत्र में 17-10-2017 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वक्ता के रूप में भाग लिया गया ।

चल चिकित्सा शिविर –विभाग के अध्यापकों द्वारा विभाग द्वारा जयपुर शहर एवं इसके आस–पास के क्षेत्र में रोगियों के स्वास्थ्य लाभ हेतु आयोजित निम्नलिखित चल चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया ।

क्र.सं.	अध्यापक	शिविर	दिनांक
1.	डॉ. हेतल एच दवे	गोविन्द देव मन्दिर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	23-5-2017
2.	डॉ. हेतल एच दवे	ब्रह्मपुरी, आमेर रोड़, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	14-10-2017
3.	डॉ. बी. पुष्पलता	जयसिंहपुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	28-10-2017
4.	डॉ. सोनू वर्मा	बासबदनपुरा, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	18-11-2017
5.	डॉ. विजेन्द्र कुमार	इदगाह, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	25-11-2017
6.	डॉ. बी. पुष्पलता	महारानी कॉलेज, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	01-12-2017
7.	डॉ. बी. पुष्पलता	ग्राम आमेर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	09-12-2017
8.	डॉ. हेतल एच दवे	ग्राम मानबाग, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	23-12-2017
9.	डॉ. हेतल एच दवे	राजकीय सिन्धी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जवाइर नगर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	24-12-2017
10.	डॉ. विजेन्द्र कुमार	जयसिंहपुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	23-01-2018
11.	डॉ. सोनू वर्मा	ग्राम आमेर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	27-01-2018
12.	डॉ. बी. पुष्पलता	ग्राम आमेर, जयपुर में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	10-02-2018
13.	डॉ. सोनू वर्मा	आदित्येन्द्र पार्क, सेक्टर–2, मानसरोवर, कावेरी पथ, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	31-01-2018
14.	डॉ. हेतल एच दवे	ग्राम जयसिंहपुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	24-02-2018
15.	डॉ. सोनू वर्मा	ग्राम आमेर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	10-03-2018
16.	डॉ. विजेन्द्र कुमार	ग्राम जयसिंहपुरा खोर, जयपुर में आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।	24-03-2018

विभागीय संगोष्ठीयाँ –विभाग के छात्रों द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठीयों में सक्रियता से भाग लेकर अपने शोध कार्य को कर्मचारियों एवं छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इन अवसरों पर अतिमहत्वपूर्ण व्याख्यान भी आयोजित किये गये–

क्र.सं.	विषय	आयोजन तिथि
1.	Menopause	1-5-2017
2.	A Comparative Clinical Study of Nimbadi and Yastyadi Ointment on Episiotmy Wound w.s.r to Wound Healing.	3-5-2017
3.	A Comparative Clinical Study of Kutajastak-Ghan and Vasa-Ghan in the management of Asrigdar w.s.r. to D.U.B. (Dysfunctional Uterine Bleeding).	4-5-2017
4.	Clinical study to evaluate the role of "Kashmaryadi Ghrita" in vandhyatva w.s.r to Female Infertility.	4-5-2017
5.	A Comparative Clinical Study of Rajah Pravartini Vati" and "Trivritadi taila" Anuvasan basti on Kashtartav w.s.r. to Primary dysmenorrhea.	5-5-2017
6.	A Comparative Clinical Study of Kasisadi varti and Palashadi Varti in the management of Pichchhila Yoni w.s.r. to Abnormal Vaginal Discharge.	5-5-2017
7.	A comparative study of Madhukadi Lauham and Shatavari Mandura in Garbhini Pandu.	6-5-2017
8.	Uterine Fibroid	9-5-2017
9.	Pre Term Labour	13-5-2017
10.	Diagnosis of Pregnancy (Session-I)	22-5-2017
11.	Diagnosis of Pregnancy (Session-II)	27-5-2017
12.	Intra Utrerine Growth Retardation	30-5-2017
13.	Physiological Changes During Pregnancy (Session-I)	3-6-2017
14.	Physiological Changes During Pregnancy (Session-II)	5-6-2017
15.	Physiological Changes During Pregnancy (Session-III)	12-6-2017
16.	Endometriosis	15-6-2017
17.	Pelvic Anatomy (Session-I)	16-6-2017
18.	Pelvic Anatomy (Session-II)	3-7-2017
19.	Routine Investigations during Pregnancy	11-7-2017
20.	Anaemia in Pregnancy	12-8-2017
21.	Antepartum Haemorrhage	18-8-2017
22.	Arigdar- A Case Presentation	19-8-2017
23.	Induction of Labour (Session-I)	21-8-2017
24.	Nashtartava-A case Presentation	26-8-2017
25.	Induction of Labour (Session-II)	29-8-2017
26.	Polycystic Ovarian Syndrome	19-9-2017
27.	Breast Abscess- A Case Presentation	23-9-2017
28.	Placenta and Umbilical Cord	7-10-2017
29.	Antepartum Haemorrhage- A Case Presentation	28-10-2017
30.	Puerperium- A Case Presentation	31-10-2017
31.	Rajonivratti	6-11-2017
32.	Comparative Clinical Study of Satpushpa Churna & Krishnadi Churna along with Dhatkyadi Taila Pichu in Paripluta Yonivyapada.	6-12-2017
33.	Dysmenorrhoea	12-12-2017
34.	Partograph	16-12-2017
35.	A Case Presentation (Discussion on B.O.H)	30-12-2017
36.	Abnormalities of Amniotic Fluid	1-1-2018
37.	Bicornuate Uterus with Haemetometra & Haematocolpos- Management- A Case Presentation.	6-1-2018
38.	A Randomised comparative clinical study to assess efficacy of Punarnava Mandura with Ashwagandha Avaleha and Shatavari Avaleha in Garbhini Pandu	19-1-2018
39.	A Randomized comparative clinical study of Bhumyamalaki churna and Madhuka ghrita matra basti in the management of Asrigdara vis-a-vis to Abnormal Uterine Bleeding	19-1-2018
40.	To evaluate the role of Virechan karma along with Kanchanara varuna ghan vati in Garbhashaya arbuda w.s.r to Uterine fibroid	20-1-2018

41.	A Randomized comparative clinical study of Lodhra churna with Krishna tila kwatha and Shatapushpa taila matra basti in the management of Artavakshaya w.s.r to Polycystic ovarian syndrome	29-1-2018
42.	A Randomized comparative clinical study to evaluate the effect of Dhataki pushpadi yoga & Baladi churna along with Ashwagandha ghrita in Female infertility	29-1-2018
43.	A Randomized comparative clinical study of Kebuka taila and Bala taila Yoni Pichu along with Bala taila Matra Basti in Sukhprasava.	29-1-2018
44.	Threatened abortion- A Case presentation	3-2-2018
45.	Garbhapaat, Garbha-strava	6-2-2018
46.	Garbhawastha me nishedantmak bhava	21-2-2018
47.	Garbhini paricharya	27-2-2018

स्नातकोत्तर/पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता एवं पत्र/पोस्टर प्रस्तुतिकरण –

क्र.सं.	लेखक	सह-लेखक	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गये पत्र का शीर्षक
1.	डॉ. लक्ष्मी गुप्ता पी.जी. स्कॉलर	प्रो. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	आयुष्य-अमृतम AAAICON-2017 16-17 अप्रैल 2017	रजस्वला परिचर्या – एन आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट अू प्रीवेंट मेन्स्ट्रूल डिस्आर्डर्स।
2.	डॉ. मीमांसा पी.जी.स्कॉलर	प्रो. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	आरोग्यधाम चित्रकूट 24-25 मार्च 2018	स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ हर्बल मेडिसिन ।

स्नातकोत्तर/पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा लेख प्रकाशन –

क्र.सं.	लेखक	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रकाशन
1.	डॉ. खुशबू जैन पी.जी.स्कॉलर	आर्तवक्षय विथ हाइपोथायरोडिज्म : ए केस स्ट्डी ।	अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी 8(Suppl. 3), 2017
2.	डॉ. हिना मरवा पी.जी.स्कॉलर	मैनेजमेन्ट ऑफ पोस्ट नेटल ब्रेस्ट एब्सेस थ्रू आयुर्वेद – ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN 2277-7105

अन्य गतिविधियाँ–

- विभाग द्वारा दो ग्राम नामत: जयसिंहपुरा खोर एवं आमेर में निरन्तर स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध कराने हेतु गोद लिये गये हैं । इन दोनों ग्रामों में माह में एक बार नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित किये जायेगें । इन दोनों ग्रामों के इलाकों में गर्भाशय कैंसर की स्क्रिनिंग किये जाने की योजना है ।

- सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता अभियान – राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 17 नवम्बर 2017 को जिला कार्य योजना जागरुकता कार्यक्रम के क्रम में बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ विषयक वहत जागरूकता आन्दोलन चलाया गया । यह कार्यक्रम संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित किया गया तथा इस अवसर पर 307 लोगों द्वारा कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध शपथ ली गई ।
- विभाग द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये गये –
  - गर्भ संस्कार क्लिनीक – कक्ष संख्या 26/27 में प्रत्येक बुधवार को पूर्व-गर्भधारण और पूर्व-प्रसव के मामलों की विशेष देखभाल हेतु विशिष्ठ क्लिनीक का आयोजन किया जाता है ।
  - नैदानिक प्रक्रियाऐं – कोलोस्कोपी एवं एचएसजी ।
  - उपचारात्मक प्रक्रियाएं – इलेक्ट्रिक कॉटरराइजेशन, योनिधुपन और अग्निकर्म ।

विविध गतिविधियाँ- विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई -

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विभिन्न गतिविधियाँ
1.	प्रो. के. भारती प्रोफेसर	1. 15-9-2017 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव एवं गिनीज बुक रेकार्ड अटेम्प फॉर लार्जेस्ट नम्बर ऑफ पीपुल रिसिविंग नस्य थेरेपी - आरंभ - में नस्यकर्म प्राप्तकर्ता के रूप में भाग लिया गया । 2. प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव के आरंभ-आयुर-नेक्सट कार्यक्रम में निर्णायक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में भाग लिया गया ।
2.	प्रो. सुशीला शर्मा प्रोफेसर	1. लोक स्वास्थ्य सेवाओं हेतु 7-8 सितम्बर 2017 को टोंक (राजस्थान) में आयोजित कार्यक्रम में मातृ-शिशु स्वास्थ्य संरक्षण विषयक व्याख्यान दिया गया। 2. उत्तरखण्ड़ आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा 22-2-2018 को आयोजित एसोसिएट प्रोफेसर के चयन हेतु साक्षात्कार में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री-रोग विषय के विशेषज्ञ के रूप में चयन समिति में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. बी. पुष्पलता एसोसिएट प्रोफेसर	1. मेटरनल स्वास्थ्य एण्ड रिसर्च ट्रस्ट, हैदराबाद द्वारा 23-25 फरवरी 2018 को आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता के रूप में इंडियन सोसॉयटी फॉर द् स्ट्डी ऑफ रिप्रोडक्शन एण्ड फर्टिलिटी विषयक व्याख्यान दिया गया । 2. 15-9-2017 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव एवं गिनीज बुक रेकार्ड अटेम्प फॉर लार्जेस्ट नम्बर ऑफ पीपुल रिसिविंग नस्य थेरेपी - आरंभ - में नस्यकर्म प्राप्तकर्ता के रूप में भाग लिया गया ।
3.	डॉ. हेतल एच. दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. एम.एस. क्षेत्रीय आयुर्वेदीय अंत:स्त्रावीग्रंथि विकार अनुसंधान संस्थान, जयपुर की संस्थानिक वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। 2. 15-9-2017 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव एवं गिनीज बुक रेकार्ड अटेम्प फॉर लार्जेस्ट नम्बर ऑफ पीपुल रिसिविंग नस्य थेरेपी - आरंभ - में नस्यकर्म प्राप्तकर्ता के रूप में भाग लिया गया । 3. मातृ स्तन्य के गुण विषयक रेडियो वार्ता 1-8-2017 को प्रसारित की गई। 4. विभिन्न गायनेकोलोजिकल डिस्आर्डर्स यथा डिसमोनोरिया, बांझपन, युवावस्था समस्या, सुरक्षित मातृत्व आदि विषयक विभिन्न टी.वी. वाताओं के प्रसारण में पत्रिका टी.वी. (जयपुर, राजस्थान) में भाग लिया गया । 5. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की विश्व आयुर्वेद परिषद की शाखा द्वारा आयोजित व्याख्यान माला में निम्नलिखित विषयों पर 7 व्याख्यान दिये गये - • आयुर्वेद के अनुसार अपरा निर्माण (18-4-2017) • गर्भपात : आयुर्वेद की भूमिका (19-5-2017) • चरक संहिता शारीर स्थान अध्याय 8 (15-9-2017) • योनिव्यापद (26-1-2018) • चरक संहिता शारीर स्थान अध्याय 2 (2-3-2018) • आर्तव के विभिन्न समानार्थी शब्द (9-3-2018) • एकान्तेन गर्भम अभिनिवर्तयति (6-4-2018)

		6. निम्नलिखित के लिए रेफरी के रूप में कार्य किया: • आयु (एन इन्टरनेशनल क्वार्टरली जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद) • सीसीआरएएस जर्नल, जेआरएएस, नई दिल्ली 7. एमएलआर आयुर्वेदिक महाविद्यालय, चरखी दादरी में 25 सितम्बर 2016 को आयोजित बीएएमएस परीक्षाऐं सम्पन्न कराई गयी । 8. छात्रा छात्रावास की छात्रावास अधीक्षक के रूप में कार्य किया गया । 9. संस्थान की एंटी-रैगिंग कमेटी, स्पोर्ट्स कमेटी, विदेशी छात्र सेल कमेटी, छात्रावास निरीक्षण समिति और प्रास्पेक्टस कमेटी में सदस्य के रूप में कार्य किया गया ।
4.	डॉ. सोनू	1. राष्ट्रीय सेवा योजना की सदस्य के रूप में कार्य किया । 2. एनएएएसी (NAAC) के समन्वयक के रूप में कार्य किया गया ।

सम्मान –

1. डॉ. **बी. पुष्पलता**, एसोसिएट प्रोफेसर को प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग में विशिष्ठ योगदान हेतु स्व. वैद्य कन्हैयालाल मिश्रा स्मृति आयुर्वेद संस्थान एवं जनहित मंच, जयपुर द्वारा 18-3-2018 को ''उत्कृष्ठ सेवाओं के लिए सम्मान' प्रदान किया गया ।

2. **डॉ. हेतल एच. दवे,** असिस्टेन्ट प्रोफेसर को कुरजा फाउण्डेशन, जयपुर द्वारा 23-11-2017 को 'बेटी शिक्षा गौरव सम्मान' प्रदान किया गया ।

❊❊❊

रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग

परिचय: रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग आयुर्वेद की अति-महत्त्वपूर्ण शाखा है। इस विभाग के द्वारा नर्सिंग डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं आयुर्वेद वारिधि अध्येताओं को शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना (भारतीय रसायन विज्ञान) विषयान्तर्गत पारम्परिक एवं वैज्ञानिक तरीके से अध्यापन कराया जाता है।

विभाग में एक जीएमपी सर्टिफाईड रसायन शाला है जिसमें शास्त्रीय तथा पारम्परिक विधियों से, अन्तरंग एवं बहिरंग रोगियो, शोध कार्यो हेतु आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण कार्य भी सम्पन्न कराया जाता है । स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं को उनके द्वारा शोध विषय हेतु चयनित औषधियों को तैयार करने की विधि सिखाई जाती है जिससे उन्हें सैद्वान्तिक एवं अनुसंधानात्मक प्रशिक्षण प्राप्त हो सके ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 3 प्रोफेसर, 2 एसोसिएट प्रोफेसर, 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर तथा 1 व्याख्याता अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण की विभिन्न कार्य पद्धतियों जैसे वटी, चूर्ण, कल्क, स्वरस, कषाय, आसव, अरिष्ट, अवलेह, अर्क, लौह, मण्डूर, भस्म, पिष्टी, कूपीपक्व, मसी कल्पना, गुग्गुलु, लवण क्षार, स्नेह कल्पनायें, काँजी, शोधन एवं मारण आदि के प्रायोगिक कर्माभ्यास विभागीय प्रयोगशाला में किये गये । विशिखानु प्रशिक्षणार्थियों को रसायनशाला एवं इसकी कार्यप्रणालियों का गहन अध्ययन कराया गया । विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा डिप्लोमा इन आयुर्वेद कम्पाउण्डर/नर्स ट्रेनिंग कोर्स की कक्षायें सम्पन्न कराई गयी।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं को उनके शोध विषय को दृष्टिगत रखते हुये विशिष्ट योगों तथा उनकी विभिन्न व्याधियों में उपयोगिता के विशेष संदर्भ में सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण की विभिन्न कार्य पद्धतियों जैसे शोधन, मारण, वटी, चूर्ण, कल्क, स्वरस, हेम, कषाय, आसव, अरिष्ट, अवलेह, अर्क, लौह, मण्डूर, भस्म, कूपीपक्व, कल्पना, गुग्गुलु, लवण क्षार, स्नेह कल्पनायें, काँजी आदि के प्रायोगिक कर्माभ्यास विभागीय प्रयोगशाला में किये गये।

स) पीएच.डी. –पीएच.डी. अध्येताओं को समय-समय पर उनके शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध का ध्येय प्राचीन औषध तकनीकों तथा विधियों का मानकीकरण करना तथा औषधीय तथा चिकित्सा-विज्ञान तथा विषाक्तता-अध्ययन स्थापित करना रहा । अध्येताओं को मानकीकरण के साथ ही नैदानिक सुरक्षा तथा प्रभावकारिता से सम्बन्धित विषय दिये गये ।

शोध –शोध के उद्देश्य है –(i) मौजूदा आधुनिक तकनीक के प्रकाश में पुरातन औषध तकनीकों एवं तरिकों को प्रमाणिकता एवं मान्यता प्रदान करना (ii) औषध-निर्माण में औषधीय और चिकित्सा विज्ञान एवं विषाक्तता अध्ययन में सम्बन्ध स्थापित करना ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य पूर्ण किये गये तथा उपाधि प्रदान की गई जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रवीण बानो	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर	फार्मास्टियुटिको एनालेटिकल, एन्टी माइक्रोबियल एण्ड एन्टी पॉयरेटिक स्ट्डी ऑफ सतांश रस एण्ड इट्स मॉडिफाइड मॅथड्स ।

2.	डॉ. कमल	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर	फिजिको-केमिकल एण्ड एन्टी माइक्रोबियल स्ट्डी ऑफ रससिंदूर प्रीपेयर्ड बाई वेरियस भावना द्रव्य ।
3.	डॉ. अमित शर्मा	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मोस्युटिको एनॉलेटिकल एण्ड एन्टीमाइक्रोबाइल स्ट्डी ऑफ पंचामृत रस ।
4.	डॉ. रितेष रामनानी	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मोस्युटिको एनॉलेटिकल एण्ड एन्टीमाइक्रोबाइल स्ट्डी ऑफ रसपुष्पादि मल्हार एण्ड इट्स क्लिनिकल इफेक्ट ऑफ विचर्चिका ।
5.	डॉ. श्वेता एस. पॉल	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	कम्परेटिव फार्मास्युटिकल, एनॉलेटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल एवेल्युएशन ऑफ सम अर्क प्रीपरेशन।
6.	डॉ. विल्सन राजोरिया	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल एनॉलिटिकल एण्ड क्लिनिकल स्ट्डी ऑफ स्वशंकुश रस ।
7.	डॉ. लखन सिंह बिलाला	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर श्री नवीन गर्ग	कम्परेटिव फार्मास्युटिकल, एनॉलेटिकल एण्ड एन्टी-माईक्रोबाइल स्ट्डीज ऑफ सोमराजी तैल एण्ड सोमराजी घृत ।
8.	डॉ. प्रलय कुमार साहू	डॉ. मोहरपाल मीना असिसटेन्ट प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल एनॉलेटिकल एण्ड एन्टी-माईक्रोबाइल स्ट्डीज ऑफ कासाकुत्रा रस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अंकक्षा दिक्षित	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर	स्ट्डीज ऑन पंचगव्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पंचगव्य घृत ।
2.	डॉ. मोनिका स्वमी	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर	स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ आयुष सुवर्णबिन्दु ।
3.	डॉ. प्रसाद पेडेकर	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मेस्युटिको - एनॉलेटिकल एण्ड एन्टिमाइक्रोबियल स्ट्डी ऑफ सर्वांगसुन्दर रस ।
4.	डॉ. अमित मीना	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मास्युटिको - एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ दहीमांडी घृत विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स इफेक्ट इन डायबिटिज मिलिटिस ।
5.	डॉ. सुपर्णा साह	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल एनॉलेटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डीज ऑफ मधुमेहविनाशिनी वटिका एण्ड त्रिवंग भस्म ऑन स्ट्रेप्टोजोटोसिन इन्ड्यूज्ड डायबिटिज मिलीटस इन एल्बिनो रेट्स ।
6.	डॉ. धर्मेन्द्र शर्मा	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	फार्मेस्युटिको एनॉलेटिकल स्ट्डीज ऑफ आमवातरी रस एण्ड इट्स क्लिनीकल एवेल्युएशन रस एण्ड इट्स क्लिनीकल एवेल्युएशन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आमवाल ।
7.	डॉ. ओम प्रकाश पंवार	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल एनॉलेटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डीज ऑफ इन्द्रवटि स्ट्रेप्टोजोटोसिन इन्ड्यूज्ड डायबिटिज मिलीटस इन एल्बिनो रेट्स ।
8.	डॉ. करुणानिधी शर्मा	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	कम्परेटिव फार्मास्युटिकल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डीज ऑफ त्रिवंगभस्म एण्ड मधुमेहारी एक्सट्रक्ट ऑन स्टेरेप्टोजोटोसिन इण्ड्यूज्ड डायबिटीज मिलीट्स इन एल्बिनो रेट्स ।

9.	डॉ. धनराज बैरवा	डॉ. मोहरपाल मीना असिसटेन्ट प्रोफेसर	फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड एन्टी-माईक्रोबाइल स्ट्डी ऑफ पंचवक्त्र एण्ड त्रिभूवनकीर्ति रस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं पीएच.डी. अध्येताओं ने शोधमहानिबन्ध प्रारूपप्रस्तुत कर अपने शोध कार्य जारी रखे जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. डिम्पल शर्मा	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	करेक्टेराइजेशन ऑफ रस माणिक्य रस (कुपि मॅथड) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माणिक्यवर्ण पारद भस्म ।
2.	डॉ. राजेन्द्र बरफा	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर श्री नरेन्द्र कुमार कुमावत असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी ऑफ चौसठ प्रहारी पिप्पली इन पीटीयू इन्ड्यूस्ड हाइपोथाईरोडिज्म ऑन रेट्स।
3.	डॉ. रामहेत मीना	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर डॉ. शोभनाथ यादव फार्मेसी मैनेजर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑन ज्वरहर कषाय चूर्ण एण्ड घन वटि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स एन्टीपायरेटिक इफेक्ट्स ।
4.	डॉ. प्रियंका बोहरा	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	ए कम्परेटिव फार्मेस्युटिको एनालोटिकल एण्ड एन्टीमाइक्रोबियल स्ट्डी ऑफ मधुरान्तक वटि ।
5.	डॉ. अमित मिश्रा	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर डॉ. मनीष देशमुख दत्ता मेघे कॉलेज, वर्धा	करेक्टेराइजेशन एण्ड एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डीज ऑन हरगौरी रस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू 'मृतानी लोहनी रसी भवन्ती'।
6.	डॉ. विजय श्री भारती	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर डॉ. सखिता के. एस. लेक्चरर	फार्मास्युटिकल एण्ड फिजियो-केमिल एवेल्युएशन ऑफ रस पोट्टली विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्टेण्डर्डाइजेशन ।
7.	डॉ. गेरिक जीनी	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर श्री सुभाष सी. यादव फायटोकेमिस्ट	स्ट्डीज ऑन स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ कोट्टमचूक्कादि तैल एण्ड इट्स मोडिफाईड मॅथड।
8.	डॉ. पूजा शर्मा	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर डॉ. शोभनाथ यादव फार्मेसी मैनेजर	फार्मास्युटिको-एनालेटिकल एण्ड एन्टीमाईक्रोबाइल स्ट्डी ऑफ भगोत्तर गुटिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बबूल त्वक क्वाथ भावना ।
9.	डॉ. देवराज क्षेत्री	डॉ. मोहरपाल मीना असिसटेन्ट प्रोफेसर श्री सुभाष सी. यादव फायटोकेमिस्ट	फार्मास्युटिको-एनालेटिकल एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ गंधक द्रुति एण्ड इट्स क्रिम इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ विचर्चिका ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं ने अपने शोध कार्य पूर्ण कर शोधमहानिबन्ध प्रस्तुत किये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. रोहिताश्व यादव	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर	फार्मास्युटिको एनॉलेटिकल, स्ट्डी ऑन धात्री अरिष्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स वेरियस प्रीपरेशन्स ।
2.	डॉ. साखिता के. एस.	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर प्रो. बी. एस. प्रसाद	फार्मास्युटिको एनॉलेटिकल, एन्टी-माईक्रोबाइल एण्ड एक्सपीरिमेन्टल एवेल्युएशन ऑफ सम आर्सेनिक प्रीपरेशन्स इन आयुर्वेद ।
3.	डॉ. रमाकान्त शर्मा	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	ए क्रिटिकल स्ट्डी ऑन रसेन्द्र चिन्तामणी।

आलोच्य वर्ष 2017-2018 के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं ने अपने शोध कार्य जारी रखे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. जागृति शर्मा	डॉ. के. शंकर राव प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ हरगौरी रस एण्ड रससिन्दूर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स फार्मास्युटिको-एनॉलेटिकल एण्ड टोक्सिकोलोजिकल एवेल्युएशन ।
2.	डॉ. बसन्त कुमार शर्मा	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ कुकुटंडा त्वक भस्म ।

चिकित्सकीय कार्य –विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. के. शंकर राव प्रोफेसर	1. फार्मास्युटिकल एण्ड एनालेटिकल स्ट्डी ऑफ मेहकुलान्थक रस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9, नं. 3 ISSN 2321-0435
		2. प्योरिफिकेशन ऑफ शिलाजतु बाई डिरेन्ट मॅथड - एन एनालेटिकल रिव्यू ।	आईजेएएचएम ISSN 2249-5746
		3. फंक्शन ऑफ इन्द्रवति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज-एन एनॉलेटिकल रिव्यू।	आईजेएएचएम ISSN 2249-5746
		4. नैनो साइन्स एण्ड रसोषधि ।	एएएमजे ISSN 2395-4159
		5. कोन्सीक्वेन्सेज ऑफ भावना इन आयुर्वेदिक फार्मास्युटिक्स - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।	प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल सेमीनार ऑन रसोषधी
		6. इम्पोर्टेन्स ऑफ शोधन प्रोसेस इन रसशास्त्र - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।	आईएएमजे, 2017

		7. कोन्सीक्वेन्सेज ऑफ भावना इन आयुर्वेदिक फार्मास्युटिक्स - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।	आईएएमजे, 2017
		8. इम्पोर्टेन्स ऑफ शोधन प्रोसेस इन रसशास्त्र - ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।	एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड क्लिनीकल रिसर्च, 2017
		9. फार्मास्युटिकल स्ट्डी ऑफ ब्रह्मी घृत बाई थ्री डिरेन्ट मोडिफाईड मॅथड ।	आईजेएपीसी अक्टुबर 2017 वॉल. 7, इश्यू 3
		10.प्योरिफिकेशन ऑफ शिलाजतु बाई डिफरेन्ट मेथड्स - एन एनालेटिकल रिव्यू।	आईजेएएचएम वॉल. 7, इश्यू 6 (नव.-दिस. 2017)
2.	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	1. एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन रसपुष्पादि मल्हार ।	एएएमजे जुलाई 2017
		2. एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन पंचामृत रस।	एएएमजे
		3. एन एन्टीमाइक्रोबियल स्ट्डी ऑन रसपुष्पादि मल्हार ।	जुलाई 2017
		1. प्योरिफिकेशन ऑफ शिलाजतु बाई डिफरेन्ट मेथड्स - एन एनालेटिकल रिव्यू ।	आईजेएएमएम ISSN 2249-5746
		2. फंक्शन ऑफ इन्द्रवति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज - एन एनॉलेटिकल रिव्यू ।	आईजेएएमएम ISSN 2249-5746
		3. ए स्ट्डी ऑफ मधुमेहविनाशीनी वटिका ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9, नं. 2
		4. फार्मास्युटिकल एण्ड एनालेटिकल स्ट्डी ऑफ मेहकुलानथक रस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9 ISSN2321-0435
		5. भस्म परीक्षा, द् क्लासिकल पेरामीटर्स फॉर द् स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ हर्बो-मेटेलिक ड्रग्स - ए रिव्यू ।	एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड क्लिनीकल रिसर्च
		6. ए कन्सेप्ट स्ट्डी ऑफ शीलाजतु - एन एम्पोर्टेन्ट ड्रग इन आयुर्वेद ।	Ayur Pub.com जन.-फर. 2018 वॉल. 111, इश्यू 1
		7. फार्मास्युटिकल स्ट्डी ऑफ ब्रह्मी घृत बाई थ्री डिफरेन्ट मोडिफाईड मेथड ।	आईजेपीसी अक्टूबर 2017 वॉल. 7, इश्यू 3
3.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	1. स्टेण्डर्डाइजेशन एण्ड फार्मास्युटिकल स्ट्डी ऑफ कुष्मण्ड खण्ड् प्रीपेयर्ड बाई टू डिरेन्ट मेथड्स ।	पुनर्नवा अप्रैल 2016 वाल्यूम 5, इश्यू 3
		2. एवेल्यूएशन ऑफ एन्टिबेक्टेरियल एक्टिविटी ऑफ व्याधिविध्वंसन रस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 10-2 ISSN2321-0435

		3. प्योरिफिकेशन ऑफ शिलाजतु बाई डिरेन्ट मेथड – एन एनालेटिकल रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 7:6 (2017)
		4. फंक्शन ऑफ इन्द्रवति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज – एन एनॉलेटिकल रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 7:6 (2017) ISSN -2249-5746
		5. ए कन्सेप्ट स्ट्डी ऑफ शीलाजतु – एन एम्पोंटेन्ट ड्रग इन आुयर्वेद ।	Ayur pub.com जन.–फर. 2018 वॉल. 111, इश्यू 1
4.	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	फार्मास्युटिकल स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ मंजिष्ठादि तैल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद इश्यू 11, वॉल. 3 जुलाई–सितम्बर 2017
5.	डॉ. मोहरपाल मीना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्यूएशन एण्ड डवलपमेन्ट ऑफ रसशास्त्र।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टूबर–दिसम्बर 2017
6.	डॉ. सखिता लेक्चरर	फार्मास्युटिकल एण्ड एनालेटिकल स्ट्डी ऑफ मेहकुलान्थक रस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद इश्यू, वॉल. 11–3 जुलाई–सितम्बर 2017

(बी) अध्येताओं द्वारा प्रकाशन कार्य –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. जाग्रति	1. एन एनालेटिकल स्ट्डी ऑन रसपुष्पादि मल्हार।	एएएमजे, जुलाई 2017
		2.एन एनालेटिकल स्ट्डी ऑन पंचामृत रस।	एएएमजे, जुलाई 2017
		3.रोल ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन इन स्क्रब टाइफस।	समाचार पत्र लेख ।
2.	डॉ. सूपर्णा	1. प्योरिफीकेशन ऑफ शिलाजतु बाई डिफरेन्ट मेथड्स – एन एनालेटिकल रिव्यू ।	आईजेएएमएच ISSN 2249-5746
		2. भस्म परीक्षा, द् क्लासिकल पेरामीटर्स फॉर द् स्टेण्डर्डाइजेशन ऑफ हर्बो–मेटेलीक ड्रग्स – रे रिव्यू ।	एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड क्लिनीकल रस ।
		3. ए कन्सेप्ट स्ट्डी ऑफ शिलाजतु – एन इम्पोंटेन्ट ड्रग इन आयुर्वेद ।	Ayur pub.com जन.–फर. 2018 वॉल. 111, इश्यू 1
		4. फार्मास्युटिकल स्ट्डी ऑफ ब्रह्मी घृतत बाई थ्री डिफरेन्ट मोडिफाइड मेथड् ।	आईजेएपीसी अक्टूबर 2017 वॉल. 7, इश्यू 3
3.	डॉ. ओम प्रकाश पंवार	फंक्शन ऑफ इन्द्रवति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिज – एन एनालेटिकल क्लासिकल रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 7:6 (2017) ISSN -2249-5746

		ए कन्सेप्ट स्ट्डी ऑफ शिलाजतु – एन इम्पोंटेन्ट ड्रग इन आयुर्वेद ।	Ayur pub .com जन.–फर. 2018 वॉल. 111, इश्यू 1

(सी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	प्रो. के. शंकर राव प्रोफेसर	1. बिलासपुर में आयोजित राष्ट्रीय रस कार्यशाला में भाग लिया गया। 2. मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम–2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । 3. भोपाल में आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ न्युट्रिशनल डिस्आर्डर्स – चैलेन्जेज एण्ड स्कोप विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । 4. शल्य तंत्र विभाग द्वारा 2018 में आयोजित सीएमई कार्यक्रम । 5. संस्थान द्वारा सितम्बर 2017 में आयोजित हिन्दी विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला । 6. मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित – फ्रंटीयर रिसर्च इन केमेस्ट्री एण्ड बायोलॉजी इन्टरफेसर–2018 विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी । 7. एनआईएफ, अहमदाबाद द्वारा 2018 में आयोजित डीएसटी प्रोजेक्ट्स विषयक कार्यशाला । 8. आयुष मंत्रालय द्वारा विजग में 8–8–2017 से 11–8–2017 तक आयोजित आरोग्य मेला में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. वी. नागेश्वर राव प्रोफेसर	1. आयुष मंत्रालय द्वारा विजग में 8–8–2017 से 11–8–2017 तक आयोजित आरोग्य मेला में भाग लिया गया । 2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17–18 जनवरी 2018 को आयोजित कैसर–2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम । 3. 15–19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन – एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया । 4. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श विषयक सीएमई कार्यक्रम । 5. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा विशिखानु प्रशिक्षणार्थिया हेतु 10–12 अप्रैल 2017 एवं 6–8 नवम्बर 2017 को आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यशाला ।
3.	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	1. 15–19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन – एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया । 2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
4.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	1. 15–19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन – एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया । 2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17–18 जनवरी 2018 को आयोजित कैसर–2018 (क्लिनीकल प्रॅक्टिस बेस्ड् कैसर थैरेपी इन आयुर्वेद इन करन्ट सेनेरिया) विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम । 3. मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18

		फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । 4. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम । 5. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम । 6. श्रीमाधोपुर, सीकर में दिनांक 16-4-2017 को आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर । 7. भांकरोटा, जयपुर में दिनांक 16-12-2017 को आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर । 8. रतनगढ़ में दिनांक 26-1-2018 को आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर । 9. मानसरोवर, जयपुर में दिनांक 1-2-2018 को आयोजित एक दिवसीय चल चिकित्सा शिविर ।
5.	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	1. 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन - एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया । 2. मरुस्थलीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, जोधपुर द्वारा 13-16 दिसम्बर 2017 को आयोजित राजस्थान कोनक्लेव में कम्परेटिव एफिकेसी ऑफ शोधन कर्म एण्ड शमन कर्म इन मैनेजमेन्ट ऑफ एककुष्ठ विषयक पत्र प्रस्तुत गया । 3. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । 4. ऑल इंडिया आयुर्वेदि कॉंग्रेस द्वारा आयोजित एवं आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पटना के ज्ञान भवन में 16-18 मार्च 2018 को आयोजित आयुर्वेद पर्व में एन आयुर्वेदिक एप्रोच इन प्रीवेंशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ मधुमेह (डायबिटिज मिलीटस) विषयक व्याख्यान दिया गया । 5. जयपुर स्थित हेमाद्री भवन में विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा 30 मार्च 2018 को आयोजित कार्यक्रम में प्रीकोशन्स इन यूज़ेज ऑफ रसौषधि विषयक व्याख्यान दिया गया ।
6.	डॉ. मोहरपाल मीना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन - एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया। 2. सीएसएमआरडीडीआई, चैन्नई में 24-29 अप्रैल 2017 को आयोजित करंट ट्रेंड्स इन ड्रग डवलपमेन्ट ऑफ आयुष सिस्टम विषयक 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम । 3. रसशास्त्र विभाग, वाईएमटी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, नवी मुम्बई में 15-20 जनवरी 2018 को आयोजित 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम । 4. मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
7.	डॉ. सखिता लेक्चरर	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।

		2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श विषयक सीएमई कार्यक्रम ।

विभाग के स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों/अधिवेशनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया गया :-

क्र.सं.	स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. अध्येता का नाम	विषय/संगोष्ठी का विवरण/दिनांक
1.	डॉ. जागृति शर्मा	डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । एमएएमसी एण्ड एच, मेरठ में आयोजित प्रबोधनी 2018 में पत्र प्रस्तुत किया । भोपाल में 2018 में आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ न्युट्रिशनल डिस्आर्डर्स - चैलेन्जेज एण्ड स्कोप विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया । एमएसएबीपीएमवी, खानपुरकलां में दिसम्बर 2017 में आयोजित जरियाट्रिक केयर थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
2.	डॉ. बसन्त कुमार शर्मा	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
3.	डॉ. सुपर्णा साह	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
4.	डॉ. मोनिका स्वामी	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
5.	डॉ. प्रसाद पेडेकर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
6.	डॉ. अमित मीना	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया।

		डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
7.	डॉ. धनराज बैरवा	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
8.	डॉ. ओम प्रकाश पंवार	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
9.	डॉ. धर्मेन्द्र शर्मा	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
10.	डॉ. आकांक्षा दिक्षित	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
11.	डॉ. करुणानिधी शर्मा	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
12.	डॉ. भूपेन्द्र आर्य	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
13.	Dr. Jagadeesh Gehlot	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
14.	डॉ. रुचिका	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17–18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।

15.	डॉ. वत्सला जैन	भोपाल में 2018 में आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ न्युट्रिशनल डिस्आर्डर्स - चैलेन्जेज एण्ड स्कोप विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया । मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया । एमएएमसी एण्ड एच, मेरठ में आयोजित प्रबोधनी 2018 में पत्र प्रस्तुत किया ।
16.	डॉ. मनीष कुमार सैनी	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
17.	डॉ. प्रियंका वर्मा	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
18.	डॉ. कंचन स्वामी	भोपाल में 2018 में आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ न्युट्रिशनल डिस्आर्डर्स - चैलेन्जेज एण्ड स्कोप विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया । मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया । एमएएमसी एण्ड एच, मेरठ में आयोजित प्रबोधनी 2018 में पत्र प्रस्तुत किया ।
19.	डॉ. कुलभूषण शर्मा	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
20.	डॉ. गजेन्द्र	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।

21.	डॉ. डिम्पल शर्मा	डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
22.	डॉ. राजेन्द्र बर्फा	डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया । एमएएमसी एण्ड एच, मेरठ में आयोजित प्रबोधनी 2018 में पत्र प्रस्तुत किया ।
23.	डॉ. प्रियंका बोहरा	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर में 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद 'वेदनास्थापनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया। डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
24.	डॉ. अमित मिश्रा	डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया । एमएएमसी एण्ड एच, मेरठ में आयोजित प्रबोधनी 2018 में पत्र प्रस्तुत किया ।
25.	डॉ. विजयी भारती Dr. Vijay Shree Bharati	डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
26.	डॉ. पूजा शर्मा	डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
27.	डॉ. देवराज क्षेत्री	डीआरआई, चित्रकूट द्वारा 2017 में न्यु ड्रग एनटाईटी एण्ड आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया गया ।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा विभाग का दौरा किया -

क्र.सं.	नाम	दौरे का उद्देश्य
1.	वैद्य राजेश कोटेचा सचिव आयुष मंत्रालय	सोफेस्टिकेटेड लैबोरेट्री एवं मॉडल ड्रग मैन्युफेक्चरिंग लैबोरेट्री के उद्घाटन हेतु।
2.	श्री पी. एन. रंजीत कुमार संयुक्त-सचिव आयुष मंत्रालय	सोफेस्टिकेटेड लैबोरेट्री एवं मॉडल ड्रग मैन्युफेक्चरिंग लैबोरेट्री के उद्घाटन हेतु।
3.	प्रो. सी. बी. झा प्रोफेसर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय	अध्येताओं के लाभार्थ विभाग में एक अतिथि व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किये गये ।

विभाग द्वारा चलाई जा रही परियोजनाऐं -

चल चिकित्सा शिविर इकाई -संस्थान की चल चिकित्सा शिविर इकाई के प्रभारी विभाग के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, असिस्टेन्ट प्रोफेसर है । संस्थान द्वारा चल-चिकित्सा इकाई के माध्यम से राजस्थान के विभिन्न जिलों के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर लगाकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कर रहा है ।

आलौच्य वर्ष के दौरान, 102 चिकित्सा शिविर (जिनमें 1 दिवसीय, 2 दिवसीय, 3 दिवसीय, 5 दिवसीय एवं 6 दिवसीय शिविर सम्मिलित है) राजस्थान के विभिन्न जिलों यथा - उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, जैसलमेर तथा जयपुर के विभिन्न गांवों तथा कस्बो के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गये । इन शिविरों में 81,151 रोगियों को चिकित्सा प्रदान की गई एवं रू. 2,89,26,021/- की औषधियाँ नि:शुल्क वितरित की गई ।

भारत-सरकार द्वारा जन-चेतना हेतु चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों यथा - भारत निर्माण अभियान, जन सूचना अभियान, आरोग्य मेला तथा डीएसटी, स्वास्थ्य अभियान में लोक चेतना हेतु भी चिकित्सा शिविर आयोजित किये गये।

एपीसी ड्रग स्टेण्डर्डाइजेशन प्रोजेक्ट - विभाग में एपीसी प्रोजेक्ट के अन्तर्गत आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन के लिए औषध मानकीकरण का कार्य प्रगति पर है । इस प्रोजेक्ट के प्रभारी डॉ. पी. सुरेश है । इनके निर्देशन में एक प्रोजेक्ट यथा - रसमाणिक्य रस पूर्ण किया गया है एवं दूसरा प्रगति पर है ।

निमार्ण एवं मानकीकरण : आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं द्वारा अपने शोधमहानिबन्ध के अतिरिक्त औषधियों की निर्माण प्रक्रिया एवं नवीन औषधियों के विकास पर अनुसंधान किया जा रहा है । अनुसंधान कार्य प्रगति पर है ।

आयुष आरोग्यमेला- आरोग्य मेला प्रभारी संस्थान के डॉ. पी. सुरेश, प्रोफेसर है । इनके दिशानिर्देश में संस्थान ने आयुर्वेद के प्रति जागरूकता लाने हेतु विभिन्न स्थानों पर आयोजित लगभग 7 आयुष आरोग्य मेलों में भाग लिया है जिनमें सम्मिलित है बैंगलूरु, पुणे, कोलकोता, बीकानेर, जयपुर एवं विजग, इंदौर आदि।

रसायनशाला - स्नातकोत्तर/पीएच.डी. शोध द्रव्यों एवं बहिरंग/अन्तरंग रोगियों की औषधियों की आवश्यकता की पूर्ति करने हेतु विभाग से एक जीएमपी सर्टिफाईड् रसायनशाला (फार्मेसी) सम्बद्ध है । डॉ. नागेश्वर राव, प्रोफेसर इस रसायनशाला के प्रभारी है । आलौच्य वर्ष के दौरान, रसायनशाला में रू. 2,04,78,079.00 की लागत से 293 प्रकार की औषधियों (कुल भार 48,427.015 कि.ग्रा.) का निर्माण किया गया ।

विविध गतिविधियाँ-विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई -

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो. के. शंकर राव प्रोफेसर	1. संस्थान का सीसीआईएम निरीक्षण करवाया गया । 2. सीसीआईएम दल के सदस्य के रूप में सीसीआईएम का निरीक्षण सम्पन्न कराया गया । 3. संस्थान की रसायन के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया गया। 4. संस्थान के लोक शिकायत निवारण अधिकारी के रूप में कार्य किया गया । 5. संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य किया गया । 6. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए विभागीय शैक्षिक यात्रा के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया । 7. संस्थान में आयोजित एनएबीएच प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया।
2.	डॉ. नागेश्वर राव प्रोफेसर	1. रसायनशाला के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया । 2. स्नातक अध्येताओं हेतु विभागीय शैक्षणिक यात्रा के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया । 3. विभागों एवं रसायनशाला हेतु क्रय हेतु तकनीकी समिति के सदस्य । 4. संस्थान द्वारा आयोजित आरोग्य मेलों में भाग लिया गया । 5. संस्थान में आयोजित एनएबीएच प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया।

3.	डॉ. पी. सुरेश प्रोफेसर	1. विभागीय औषधी परीक्षण प्रयोगशाला के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 2. पीजी एवं पीएच.डी. हेतु शोध प्रयोजन के लिए औषधियों के तैयार कराने के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 3. प्रभारी, आरोग्य मेला के रूप में कार्य किया । 4. सूचना तकनीकी केन्द्र के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया। 5. बॉयोमेट्रिक अटेण्डेन्स हेतु नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया। 6. क्रय समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया ।
4.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	1. चल-चिकित्सा शिविर इकाई के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 2. विभागीय प्रयोगशाला के रूप में कार्य किया । 3. स्नातक छात्रों हेतु विभागीय शैक्षणिक यात्रा के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 4. छः दिवसीय चिकित्सा शिविर में भाग लिया गया । 5. संस्थान द्वारा आयोजित आरोग्य मेला में भाग लिया गया । 6. विश्वविद्यालय के निरीक्षण में भाग लिया गया ।
5.	डॉ. संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	1. सिटी चिकित्सालय के सहायक आरएमओ के रूप में कार्य किया । 2. विभागीय संग्रहालय के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 3. स्नातकोत्तर छात्रों हेतु विभागीय शैक्षणिक यात्रा के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 4. पीजी एवं पीएच.डी. हेतु शोध प्रयोजन के लिए औषधियों के तैयार कराने के सहायक प्रभारी के रूप में कार्य किया । 5. छः दिवसीय चिकित्सा शिविर में भाग लिया गया । 6. राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में विभिन्न गतिविधियाँ यथा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, स्वच्छ भारत अभियान, पल्स पोलियो अभिया आदि सम्पन्न कराई गयी ।
6.	डॉ. मोहरपाल मीना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. स्नातक छात्रों हेतु विभागीय शैक्षणिक यात्रा के प्रभारी के रूप में कार्य किया । 2. विभागीय प्रयोगशाला समिति के प्रभारी के रूप में कार्य किया गया। 3. एक दिवसीय एवं छः दिवसीय चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया।

- संस्थान के दौरे के दौरान, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार ने विभाग के प्रदर्शनालय एवं रसायनशाला का अवलोकन किया गया ।
- प्रत्येक बुधवार को विभाग में विभागीय संगोष्ठीयों का आयोजन किया गया तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई ।
- प्रत्येक मंलवार को महत्त्वपूर्ण विभिन्न कोटेशन्स पर विमर्श हेतु प्रश्नकाल का आयोजन किया जाता है।
- प्रत्येक शनिवार को विभाग में विभागीय जर्नल क्लब की बैठकें आयोजित कर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई ।
- शैक्षणिक यात्रा के दौरान देश के विभिन्न भागों से आये 10 आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के छात्रों एवं अध्यापकों ने विभागीय प्रयोगशाला, प्रदर्शनालय तथा रसायनशाला का अवलोकन किया ।
- विदेश से आये शिष्टमण्ड़लों द्वारा विभाग एवं रसायनशाला का अवलोकन किया ।
- विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं हेतु दो शैक्षणिक यात्राओं का आयोजन किया गया ।

❊❊❊

रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग

परिचय: यह भी एक स्नातकोत्तर विभाग है। इस विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों को अध्ययन, अनुसंधान-प्रशिक्षण, अनुसंधान आदि के अतिरिक्त यह विभाग रोगी परिचर्या हेतु विभिन्न प्रयोगशालीय नैदानिक जाचें, रोग परीक्षण, ईसीजी, यूएसजी, एक्स-रे आदि के संचालन में रत रहता है । परीक्षण रोगी परिचर्या के साथ ही सभी विभागों के अनुसंधान प्रयोजनों हेतु भी किये जाते हैं । इस उद्देश्य हेतु पूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित, प्रयोगशाला इस विभागान्तर्गत कार्यरत है । विभाग द्वारा पीएच.डी. अध्येताओं को नियमित मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 1 एसोसिएट प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर, 1 लेक्चरर तथा अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहे ।

उद्देश्य –

1. विश्व को श्रेष्ठ शोधार्थियों से युक्त करना जिससे वे समाज को अपने ज्ञान-सागर से प्रकाशित कर सके ।
2. आयुर्वेद विश्व में कुशल तथा समयपूर्व नैदानिक तकनीकें एवं पद्धतियाँ प्रस्तुत करना ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –वर्ष के दौरान, विभाग स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा सीसीआईएम के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन गहनरूप से उपलब्ध कराने में रत रहा है । विभाग द्वारा छात्रों को सरलता से समझने हेतु कई शिक्षण विधियों का विकास किया गया है ।

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा सीसीआईएम के पाठ्यक्रम के अनुसार रोग एवं विकृति विज्ञान विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार रोग एवं विकृति विज्ञान विषय का का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । संकाय सदस्यों की उपस्थिति में पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा अपने शिक्षण के ढंग में सुधार हेतु विभागीय संगोष्ठी एवं कक्षायें आयोजित की गई । शोध कार्य सम्पन्न किये गये ।

शोध –शोध का उद्देश्य आज के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न व्याधियों रोगविज्ञानपरक अवधारणा को संस्थापित करना है । आधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों की मद्द से व्याधि की पुष्टि करना, रोगात्मक कारकों की सहभागिता की रीति का पता लगाना जैसे उपशय की सहायक से दूष्य एवं स्रोतस (थेरेप्युटिक टेस्ट) ।

विभाग के अध्येताओं द्वारा अपने प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में निम्नलिखित कार्य किये –

- मल एवं मूत्र के दैनिक एवं सूक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा किये जाने वाले परीक्षण
- रुधिर सम्बन्धित परीक्षण
- नैदानिक रोग-निदान
- सीरोलॉजी
- जीव रसायन
- ईसीजी एवं टीएमटी

उपर्युक्त कार्यों के साथ स्नातकोत्तर अध्येता आत्मनिर्भर रूप से प्रयोगशाला में रत है तथा वे पदार्थ विज्ञान विषय के परामर्शदाता द्वारा आयोजित की गई सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक कक्षाओं में उपस्थित रहे ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अर्चना	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड उपश्यात्मक ट्रॉयल टू स्ट्डी द् रोल ऑफ रसायन ऑन एजिंग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्कीन हैल्थ इन अपेरेन्टली हैल्दी पार्टिसिपेन्ट्स ।
2.	डॉ. बंदना	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	रोल ऑफ सत्व इन पॅथोजेनेसिस ऑफ प्रमेह पूर्वरूप विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मिलिटस एण्ड ए थैरेप्युटिक ट्रायल विथ कुटकी निशा चूर्ण एण्ड सत्वातजय ।
3.	डॉ. ममता	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ पॅथोजेनेसिस ऑफ धात्वाग्नि विचार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाइपोथाईयोडिजम एण्ड थैरेप्युटिक एवेल्युएशन ऑफ त्रिकटु चूर्ण एण्ड कांचनार क्वाथ ।
4.	डॉ. मनीषा	डॉ. रितु शर्मा लेक्चरर	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्युएट एन्टीमाईक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ धूपन कर्म ।
5.	डॉ. ब्रजेन्द्र गोदारा	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेदिक ट्रिटमेन्ट मोडलिटीज इन मुखदुपिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एसेन वल्गरिज, ए रेण्डोमाईज्ड कन्ट्रोल्ड उपश्यात्मक स्ट्डी ।
6.	डॉ. श्रीराम सैनी	डॉ. बालकृष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	एन इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू फाइंड आऊट द् रिलेशन बिटविन मेल सैक्सुअल फंक्शन एण्ड विसुअल एक्युटी एण्ड कम्परेटिव थैरेप्युटिक ट्रॉयल ऑफ शुक्र जनन एण्ड चाक्षुष ड्रग्स ।
7.	डॉ. जीत राम	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ दद्रु कुष्ठ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मिथ्या आहार एण्ड आचरण एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट।
8.	डॉ. बिलाल	प्रो. एस. के. खाण्डल प्रोफेसर	रोल ऑफ प्रकृति एज़ ए रिस्क फेक्टर इन मेदो रोग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिस्लिपिडेमिया, ए रेण्डोमाइज्ड प्लेसेबो कन्ट्रोल्ड उपश्यात्मक ट्रॉयल इनकोर्पोरेटिंग डब्ल्यु.एच.ओ. स्टेप्स एप्रोच ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर एवं जारी रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. सुभाष चन्द्र	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ मूलादि लेप एण्ड गंधक मल्हार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ सिद्धमा एण्ड दद्रु विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फंगल डर्माटोफाईटेस ।
2.	डॉ. चेतन सिंह	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ दारुणक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेबोर्हिक डर्माटाईटिस एण्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ त्रिफलादि तैल एण्ड गुंजा तैल।
3.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	एन इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ मेद संचय इन लीवर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-एल्कोहोलिक फेटी लीवर डिज़िज (एनएएफएलडी) एण्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ त्रिफला गुग्गुलू एण्ड पुनर्नवाष्टक क्वाथ ।
4.	डॉ. जूली माथुर	डॉ. बालकुष्ण सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	एन इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू असर्टेन द् साइकोलोजिकल फेक्टर्स इन अग्निदुष्टी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ग्रहणी दोष एण्ड क्लिनीकल ट्रॉयल ऑफ चित्रकादि वटी एण्ड मेध्य वटी ।
5.	डॉ. मनराज मीना	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एटियोलोजिकल फेक्टर्स इन आमवात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रुमोटाईड अर्थेराइटिस एण्ड उपश्यात्मक ट्रायल विथ वातादि गुग्गुलू एण्ड अमृतादि चूर्ण ।

6.	डॉ. रितिषा वर्मा	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक, प्रायोगिक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डीज टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ बिल्व पत्र एण्ड लघु पंचमूल ।
7.	डॉ. श्यामवीर	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	ए निदानात्मक (इपिडेमियोलॉजिकल) स्ट्डी ऑन व्यानबल वैष्मय (हाईपरटेंशन) एण्ड उपश्यात्मक (आरसीटी) स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ जटामांसी चूर्ण एण्ड पुनर्नवा चूर्ण।
8.	डॉ. देवेन्द्र	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ विपादिका कुष्ठ एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रक्तशुद्धि ।
9.	डॉ. प्रदीप	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् रोल ऑफ सत्त्व इन द् पॅथोजेनेसिस ऑफ गर्भणी दोष एण्ड थैरेप्युटिक ट्रॉयल विथ ब्राह्मी वटी एण्ड तक्रारिष्ट (Takrarista) ।
10.	डॉ. बलेन्द्र	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	प्रकृति - ए रिस्क फेक्टर फॉर मेदो रोग (एडिपोसोपेथी) : डब्ल्यूएचओ स्टेप्स बेस्ड निदानात्मक स्ट्डी एण्ड रेण्डोमाइज्ड उपश्यात्मक (क्लिनीकल) ट्रायल ऑफ त्रयोदशांग गुग्गुलू एण्ड नवक गुग्गुलू ।
11.	डॉ. प्रीति	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्री-क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट एन्टी-माइक्रोबियल एक्टिविटी ऑफ धूपन कर्म ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक ड्रग।
12.	डॉ. धर्मेन्द्र	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू फाइंड आऊट द् रिलेशन बिटवीन स्लीप एण्ड अम्लपित्त (हाईपरएसिडिटी) एण्ड थैरेप्युटिक ट्रायल ऑफ जटामांसी फाण्ट, धान्यक हिम एण्ड कामदूधा रस।
13.	डॉ. रश्मि	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	ए क्रोस सेक्शनल सर्वे स्ट्डी टू एसेस द प्रीवेलेन्सऑफ पालित्य इन यूथ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्रकृति एण्ड उपश्यात्मक कम्परेटिव ट्रायल ऑफ हरितक्यादि योग रसायन एण्ड पालित्यनाशक योग ।
14.	डॉ. पूजा	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेसमेन्ट क्राइटेरिया फॉर अग्नि एण्ड आम विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पाण्डू - ए निदानात्मक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डी ।
15.	डॉ. परशुराम	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक एण्ड उपश्यात्मक स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ आयुर्वेद केम्पसूल अर्ज एड-ऑन थैरेपी टू ओरल हाइपोग्लेसिमिकएजेन्ट इन मधुमेह।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद-वाचस्पति अध्येताओं ने शोध हेतु निम्नलिखित शोध-प्रारूप प्रस्तुत किये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अंशु शर्मा	प्रो. एस. के. शर्मा प्रोफेसर	एन इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ इम्पेयरमेन्ट ऑफ धी, घृति, स्मृति विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माईल्ड कोग्निटिव इम्पेयरमेन्ट एण्ड थेरेप्युटिक एवेल्युएशन ऑफ कुषमाण्ड बीज चूर्ण एण्ड सत्वाग्जय ।
2.	डॉ. गुरू आर.	डॉ. एस. के. मण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ शीतपित्त उदर कोठ एण्ड एवेल्यूएशन ऑफ दोप विकल्प विथ द् हैल्प ऑफ उपश्यात्मक ट्रायल ।
3.	डॉ.हरीशंकर मीना	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक (इपिडेमिओलोजिकल) एण्ड उपश्यात्मक (क्लिनीकल) स्ट्डी टू कोष्ठ (क्रोनिक प्लाकू सोराईसिस) एवेल्यूएट एफिकेसी एण्ड सेफ्टि ऑफ WEL/PSO-01 इन पेशेन्ट्स सफरिंग फ्राम कुष्ठ(क्रोनिक प्लाकू सोराईसिस)

4.	डॉ. पल्लवी दत्ता	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक (इपिडेमिओलोजिकल) एण्ड उपश्यात्मक(क्लिनीकल) स्ट्डी ऑफ पाण्डू रोग(एनीमिया)। इफेक्ट ऑफ केप्सूल बेस्ड सप्लीमेन्टेशन ऑफ (पार्सलिनम क्रिसपम मिल) एण्ड चलोमाईल (मैट्रिकारिया चैमामिलीया एल.) लीव्ज ऑन हेमोटोलोजिकल पेरामेट्रा ऑफ गर्लस ।
5.	डॉ. रवी कुमार	डॉ. रितु शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् इफेक्टिवनेस ऑफ स्ट्रक्चर टीचिंग प्रोग्राम इन पेशेन्ट्स ऑफ जानू संधिगत वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ऑस्टियोआर्थराइटिस अलांग विथ थैरेप्युटिक ट्रॉयल ऑफ अश्वगंधा, नागर चूर्ण एवं पंचगव्य चूर्ण ।
6.	डॉ. विजय सिंह यादव	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	इटियोपेथोलॉजिकल स्ट्डी ऑफ व्यांग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मेलास्मा एण्ड थैरेप्यूटिक ट्रायल ऑफ किंशुतादि तैल एण्ड वातपत्रार्दिलेप ।
7.	डॉ. यादराम	प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑफ ज्वाइंट पेन टू डवलप द् असेसमेन्ट क्राइटेरिया ऑफ अग्निदृष्टि इन आमवात ।
8.	डॉ. योगेश	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	निदानात्मक (इपिडेमिओलोजिकल) एण्ड उपश्यात्मक (क्लिनीकल) एवेल्यूएशन ऑफ तमक श्वास(ब्रोन्कियल अस्थमा) ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित एक पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. प्रशान्त देशमुख	डॉ. पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	रोल ऑफ सेल्फ एफिकेसी इन रिलेशन बिटविन ऑवरवेट एण्ड डिप्रेशन इन एडोलसेन्स – ए निदानात्मक स्ट्डी एण्ड ए रेण्डोमोइज्ड उपशयात्मक ट्रॉयल ऑफ आयुर्वेदिक ड्रग्स एण्ड रेशनल इमोटिव बिहेवियोरल थैरेपी ।
2.	डॉ. रूपाश्री नाथ	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वेलेडिशन ऑफ मॉर्डन लेबोरेट्री टेक्नीक्स इन डाइग्नोसिस ऑफ डिज़िज विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू रक्तप्रदोपज विकार ।
3.	डॉ. आरिफ	डॉ. एस. के. मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	निदानात्मक स्ट्डी ऑफ तमकश्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलर्जिक अस्थमा एण्ड उपश्यात्मक ट्रॉयल ऑफ शिग्रु बीज चूर्ण एण्ड शियेजादियोग ।
4.	डॉ.अश्वस्थेकुट्टी वी.	डॉ. पवनकुमार गोदतवार एसोसियेट प्रोफेसर	निदानात्मक स्ट्डी ऑफ कैंसर विथ एन आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव एण्ड इन-विट्रो स्ट्डी ऑफ सर्टेन आयुर्वेदिक ड्रग्स फोर एन्टी कैंसरअस एक्टिविटी ऑन हूमन मालीग्नेंट सेल लाइन्स ।
5.	डॉ. मनीषा	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	एन इपिडेमेलोजिकल स्ट्डी टू आइडेन्टफाई संतर्पण हेतू एण्ड टू एसेस क्वालिटी ऑफ लाईफ इन पेशेन्ट्स ऑफ मधुमेह (डायबिटीज मेलीट्स) एण्ड थैरेप्युटिक ट्रॉयल टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ न्यगोधादि वटी एण्ड मेहमुदगर वटी ।

एस्ट्रा मूरल रिसर्च प्रोजेक्ट:

विभाग द्वारा एक एस्ट्रा मूरल रिसर्च प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है । जिसका विवरण निम्न प्रकार से दिया जा रहा है।

क्र. सं.	परियोजना का शिर्षक	सहयोगी संगठन का नाम	प्रधान अनुसंधानकर्ता	परियोजना लागत	अवधि
1.	ए रेण्डोमाइज्ड, मल्टी-सेन्टर, डबल ब्लाइण्ड, प्लेसेबो-कन्ट्रोल्ड, प्रोस्पेक्टिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ आयुबेस केप्सूल एज़ एन एड-ऑन थैरपी टू ओरल हाइपोग्लेसेमिक एजेन्ट्स (ओएचए) इन टाईप-2 डायबिटिज पेशेन्ट्स।	आईआईएमईआर, मुंबई ।	डॉ. पवनकुमार गोदतवार	INR 3.00 लाख	15-5-2017 से 15-3-2018

चिकित्सकीय कार्य -

विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत रोग परीक्षण एवं चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । 1 सलाहकार रोगविज्ञानी तथा 1 सलाहकार रेडियोलोजिस्ट की सेवायें अंशकालिक आधार पर उपलब्ध करायी गई । विभाग द्वारा रोगियों के बॉयो केमीकल एवं सीरोलॉजिकल परीक्षणों के साथ-साथ पैथोलॉजिकल एवं अन्य आवश्यक परीक्षणों यथा - एक्स-रे, यूएसजी, डोप्लर स्ट्डी, टीवीएस की सुविधा भी प्रदान की जाती है ।
वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 3,80,397 नैदानिक परीक्षण किये गये :

1.	हीमोटोलोजी	162452
2.	बायो-केमिस्ट्री	94511
3.	यूरिन कल्चर	93560
4.	सीरोलॉजी	22825
5.	एक्स-रे	5153
6.	ईसीजी	891
7.	कल्चर सेंसिटिविटी	333
8.	स्पूटम	135
9.	स्पिरोमीट्री	134
10.	सोनोग्राफी	232
11.	मल	120
12.	वीर्य	51

साप्ताहिक संगोष्ठीयाँ -

प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार तथा शनिवार को जर्नल, शोध-महानिबन्ध एवं प्रस्तुत किये गये चिकित्सा मामलों से सम्बन्धित विषयों पर साप्ताहिक संगोष्ठीयाँ आयोजित की गई । साप्ताहिक संगोष्ठीयों में विभाग के अध्येताओं ने सक्रियता से भाग ले कर अध्यापकों एवं छात्रों के समक्ष अपने शोध-कार्य का प्रस्तुतिकरण किया । विभागीय अध्यापकों एवं बाहर से आमंत्रित प्रबूद्धजनों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये ।

प्रकाशन –

(ए) पुस्तकें

क्र.सं.	लेखक का नाम	शिर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मानक उपचार दिशानिर्देश ।	आयुष मंत्रालय भारत–सरकार द्वारा तैयार किया गया एक दस्तावेज 17 अक्टुबर, 2017 धन्वन्तरि जयंती, आयुर्वेद दिवस

(बी) पुस्तकों में अध्यायों/आभारों का सहयोग

क्र.सं.	लेखक का नाम	अध्याय	पुस्तक
1.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	राजयक्ष्मा चिकित्सा अध्याय	चरक संहिता, नवीन संस्करण
2.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	प्रज्ञापराध – ई–कोर्स के लिए लेवल–1	राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ
3.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	आयुर्वेदाचार्य छात्रों हेतु विकृति विज्ञान का प्रयोगशाला मैनुअल।	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, किशनपोल बाजार, जयपुर, राजस्थान, ISBN :978-81-98279-65-1
4.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	वेगावरोध	चौखम्भा विश्वभारती वाराणासी, ISBN :978-93-81301
5.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	निदान के दसगुणा तत्व ।	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, किशनपोल बाजार, जयपुर, राजस्थान, ISBN :978-93-84276-15-7

(सी) जर्नल्स/पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	थैरेप्युटिक स्ट्डी ऑफ शिलाजीत इन वातिक प्रमेह उपद्रव (डायबेटिक न्युरोपेथी)।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम–11, नं. 1 जनवरी–मार्च 2017 ISSN 2321-0435
2.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	एडिपोनेक्टिन : ए पोर्टेशियल बायोमार्कर इन मधुमेह (टाईप–2 डायबिटिक मेलिटस)।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम–11, नं. 3 जुलाई–सितम्बर 2017 ISSN 2321-0435
3.	डॉ.पवनकुमार गोदतवार एसोसिएट प्रोफेसर	मेल इनफर्टिलिटी रेट : ए रिट्रोस्पेक्टिव स्ट्डी।	यूरोलोजिया वाल्यूम : 85, इश्यू : 1 Indexed in PubMed: MEDLINE Indexed in Emerging Sources Citation Index (ESCI))
4.	डॉ. बी.के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ विदारीकन्द चूर्ण एण्ड कतक चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मेल सैक्सुअल डिस्फंक्शन एण्ड पूअर विजन ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज 2017, वाल्यूम 3, इश्यू 7 ISSN 2454-2229

5.	डॉ. बी.के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	इफेक्ट ऑफ आरग्वधादि लेप इन एग्जिमा (चिचर्चिका) - ए पायलेट स्ट्डी।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 8 2017
6.	डॉ. बी.के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	रोल ऑफ इनकम्पेटेबल डाईट एण्ड हैबिट (मिथ्या आहार एण्ड आचार) इन द् फोर्मेशन ऑफ स्किन डिज़िज़ (कुष्ठ रोग उत्पत्ति) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज 2017, वाल्यूम 3, इश्यू 5 ISSN 2454-2229
7.	डॉ. बी.के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	एन इपिडेमिओलोजिकल स्ट्डी टू फाईण्ड आउट संतर्पणोथ हेतू इन पेशेन्ट्स ऑफ मधुमेह (डायबिटिज मिलीटस) एट जयपुर एण्ड इट्स पेरीफेरी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी 2017, वाल्यूम 8, इश्यू 5 ISSN (online) 2229-3566.
8.	डॉ. बी.के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	एडिपोनेक्टिन : ए पोटेंशियल बायोमार्कर इन मधुमेह (टाईप-2 डायबिटिक मेलिटस)।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल्यूम-11, नं. 3 जुलाई-सितम्बर 2017 ISSN 2321-0435
9.	डॉ.शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ करमर्द बीज (केसिया टोरा लीन.) ऑन दद्रु कुष्ठ : ए रेण्डोमाईज्ड कन्ट्रोल ग्रुप ट्रायल ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च वाल्यूम-5, इश्यू-6 ISSN: 2322 - 0910 (O) SJIF Impact Factor: 3.421
10.	डॉ.शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए व्यू ऑन क्लासिकल डायग्नोस्टिक एडवान्स ऑफ दद्रु कुष्ठ (टाईप ऑफ स्किन डिस्आर्डर)।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करण्ट रिसर्च, वाल्यूम 9, इश्यू 10 अक्टुबर 2017 ISSN: 0975-833X
11.	डॉ.शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ इनकम्पेटेबल डाईट एण्ड हैबिट (मिथ्या आहार एण्ड आचार) इन द् फोर्मेशन ऑफ स्किन डिज़िज़ (कुष्ठ रोग उत्पत्ति) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज 2017, वाल्यूम 3, इश्यू 5 ISSN 2454-2229
12.	डॉ.शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ डिफरेन्ट क्लिनीकल प्रजेन्टेशन ऑफ डायबिटिज मिलिटिस : आयुर्वेद प्रस्पेक्टिव ।	जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड इनोवेटिव रिसर्च ISSN 2320-4818, 2017; 6(2)
13.	डॉ.शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लासिकल डायग्नोस्टिक एप्रोच ऑफ द् डिज़िज़ व्यंग (ए टाईप ऑफ डर्माटोलोजिकल डिस्आर्डर) ।	जर्नल ऑफ साइन्टिफिक एण्ड इनोवेटिव रिसर्च ISSN 2320-4818, 2017
14.	डॉ.शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्रकृति एनालेसिस एण्ड इट्स क्लिनीकल सिग्निफिकेन्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च वाल्यूम 5, इश्यू 9 सितम्बर 2017 ISSN: 2322-0910 (O) SJIF Impact Factor: 3.421

(बी)कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता –

क्र.सं.	संकाय सदस्य एवं अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी
1.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 15–19 मई 2017 को आयोजित 'चरक चिन्तन – एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता' विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।
2.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	अमृता चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कोच्ची द्वारा 5–7 अगस्त 2017 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लेकर विशिष्ठ व्याख्यान दिया गया ।
3.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित नागपुर में 7–9 अक्टुबर 2017 को आयोजित आयुर्वेद पर्व में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेकर एक विशिष्ठ व्याख्यान दिया गया ।
4.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित दुबई, युनाईटेड अरब अमीरात में 9–11 नवम्बर 2017 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय आयुष संगोष्ठी की तकनिकी समिति के सभापति के रूप में भाग लेकर महत्वपूर्ण उद्बोधन दिया गया ।
5.	प्रो. पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय द्वारा 12 दिसम्बर 2017 को आयोजित हाई इम्पेक्ट रिसर्च कमेटी के उपवेशन में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
6.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 17–18 जुलाई 2018 को आयोजित कैंसर विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
7.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	औषधी फार्मास्युटिकल द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 12.012018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक 1 दिवसीय सिम्पोजियम।
8.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27–28 नवम्बर 2017 को आयोजित इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च मेथोडोलोजी विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला ।
9.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	फोर्टिज होस्पीटल, अमृतसर, पंजाब द्वारा 12 नवम्बर 2017 को आयोजित एनएबीएच विषयक क्लिनीकल ऑडिट प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
10.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं NASYA द्वारा जयपुर में 14–16 सितम्बर 2017 को आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव ।
11.	डॉ. बी. के. सेवतकर एसोसिएट प्रोफेसर	रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, द्वारा जयपुर में 7 जुलाई 2017 को आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जेक्टिविटी टू एसेस वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक स्किन केयर विषयक 1 दिवसीय कार्यशाला ।
12.	डॉ. शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, द्वारा जयपुर में 7 जुलाई 2017 को आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जेक्टिविटी टू एसेस वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक स्किन केयर विषयक 1 दिवसीय कार्यशाला ।
13.	डॉ. शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27–28 नवम्बर 2017 को आयोजित इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च मेथोडोलोजी विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला ।
14.	डॉ. शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	औषधी फार्मास्युटिकल द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 12 जनवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक 1 दिवसीय सिम्पोजियम।
15.	डॉ. शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	औषधी फार्मास्युटिकल द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 12 जनवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक 1 दिवसीय सिम्पोजियम।

16.	डॉ. शिशिर कुमार मण्ड़ल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 17-18 जुलाई 2018 को आयोजित कैंसर विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
17.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरर	औषधी फार्मास्युटिकल द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 12 जनवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक 1 दिवसीय सिम्पोजियम।
18.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 17-18 जुलाई 2018 को आयोजित कैंसर विषयक 2 दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
19.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में आयोजित प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी भाषा के उपयोग में आने वाली बाधाऐं एवं उनका निराकरण विषयक कार्यशाला ।

अतिथि व्याख्यान – विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं तथा कार्यक्रमों छात्रों एवं अध्येताओं के लाभार्थ निम्नलिखित अतिथि व्याख्यान दिये गये –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	विवरण
1.	प्रो.पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	अमृता इन्सटीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज, कोच्ची द्वारा 5-7 अगस्त 2017 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ठ व्याख्यान दिया गया।
2.	प्रो.पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित नागपुर में 7-9 अक्टुबर 2017 को आयोजित आयुर्वेद पर्व में विशिष्ठ व्याख्यान दिया गया ।
3.	प्रो.पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	दुबई, यूनाईटेड अरब अमिरात में 9-11 नवम्बर 2017 को आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित अन्तर्राष्ट्रीय आयुष अधिवेशन में विशिष्ठ व्याख्यान दिया गया।
4.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 26 अक्टुबर 2017 को आयोजित बेसिक्स ऑफ लैबोरेट्री विषयक व्याख्यान प्रयोगशाला एवं चिकित्सालय में कार्यरत कर्मचारियों को दिया गया ।

विविध गतिविधियाँ – विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न की गई :-

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो.पवनकुमार गोदतवार प्रोफेसर	1. संस्थान के पीर रिव्यूड जर्नल – जर्नल ऑफ आयुर्वेद – के सम्पादक । 2. संस्थान की केन्द्रीय प्रयोगशाला के प्रभारी । 3. संस्थान की संस्थानिक इथिक्स कमिटी के सदस्य सचिव के रूप में कार्य किया गया ।
2.	डॉ. प्रीति गवली लेक्चरर	1. संस्थान की केन्द्रीय प्रयोगशाला के सह-प्रभारी । 2. विभाग की तकनिकी समिति के सदस्य ।

प्रो. पवन कुमार गोदतवार, प्रोफेसर को आयुर्वेद पर्व के अवसर पर 10-11-2017 को आयुर्वेद महासम्मेलन, नागपुर द्वारा भैषक भूषण अवार्ड प्रदान किया गया ।

❇❇❇

शालाक्य तंत्र विभाग

परिचय: शालाक्य तंत्र आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है तथा नेत्र, नासा, कर्ण एवं गले की व्याधियों से सम्बन्धित है । शालाक्य तंत्र कर्ण, नासा, गला एवं शिर रोग से सम्बन्धित है । विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा आयुर्वेद वारिधी की शिक्षा आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रक्रियाऐं यथा क्रिया कल्प, नस्य, मूर्द्धा तैल, नेत्र व्यायाम, बस्ति आदि सम्बन्धित क्षेत्र में विभिन्नि शल्य प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से दी जाती है । इस विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर शालाक्य तंत्र विषय में स्पर्श से फैलने वाले रोगों से रक्षा, स्वास्थ्य के संरक्षण एवं संवर्द्धन आदि का भी भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् तथा राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार शिक्षण एवं प्रशिक्षण दिया जाता है ।

वर्ष 2017-2018 के दौरान, विभाग में 1 प्रोफेसर, 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर्स एवं 1 लेक्चरर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहे ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को शालाक्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को शालाक्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । वर्तमान में 6 अध्येता नेत्र विषय एवं 6 अध्येता शिर, कर्ण, नासा एवं मुख विषय में अध्ययनरत है ।

स) पीएच.डी. –आलोच्य वर्ष के दौरान, विभाग में 4 पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येता अध्ययनरत रहे ।

शोध कार्य –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. के. जी. सुरंगी	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ नवपटल वर्ति एण्ड भृंगवैरादि नस्य इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ काच विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इममैच्योर केटरेक्ट।
2.	डॉ. इन्दू शर्मा	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् रोल ऑफ बला तैल नस्य विथ ओर विथआऊट नासा पिचु इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ नासा प्रतिनाह् विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डिवियेटेड नेसल सेप्टूम एण्ड टर्बिनेट हाइपरट्रोफी।
3.	डॉ. दीप्तेन्दू कुमार दास	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनिकल स्ट्डी ऑन बाधिर्य विथ दशमूल तैल एण्ड त्रिकटुकी गुटीका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेंसोरीन्यूरल हियरिंग लोस (SNHL)
4.	डॉ. राकेश बिश्नोई	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ एरण्डादि तैल नस्य एण्ड कर्णपूरण एण्ड सर्षप तैल कर्णपूरण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्ण नाद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टिनीटस ।
5.	डॉ. अभिषेक जैन	डॉ. पंकज कुण्डल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनिकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ तिमिरहर लौह एण्ड बलादि घृत तर्पण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मायोपिया ।
6.	डॉ. निरमा बंसल	डॉ. प्रभाकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनिकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ शिग्रु पल्लव-मधु आश्चोतन इन कफज अभिष्यन्द विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वरनल किरेटो कंजक्टिवाइटिस ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. परमेन्द्र अहिरवाल	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ प्रच्छान कर्म विथ मधुकादि लेप एण्ड ऑनली मधुकादि लेप अलांग विथ भृंगराजादि रसायन इन इन्द्रलुप्ता विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलोपेसिया ।
2.	डॉ. संगीता बाला	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ नस्य एण्ड कर्णबस्ति विथ पंचभौतिक तैल अलांग विथ कपिकच्छू वटी इन वातज बाधिर्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सेन्सरी न्युरल हियरिंग लोस (SNHL)
3.	डॉ. इशा जैन	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ अपामार्ग क्षार एण्ड द्रव्यादि क्वाथ विथ यवगराजादि वटी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तूण्डीकेरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टोन्सिलाइटिस ।
4.	डॉ. प्रेमलाल	डॉ.गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड, ऑपर लेबल्ड, कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन धत्तरादि तैल एण्ड नेलोत्पलादि लेप इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दारुणक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेन्ड्रफ्ट ।
5.	डॉ. प्रहलाद सिरौजिया	डॉ. प्रभाकर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव प्लेसबो कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू ऐवेल्यूट द् एफिकेसी ऑफ सर्पिक्षोद्र अंजन इन सिरोत्पाद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इपीस्कलेरिटिस ।
6.	डॉ. अंकिता शर्मा	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् एफिकेसी ऑफ सैर्ध्वादि लेप एण्ड शुण्ठयादि प्रतिसारण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ क्लिन्नवर्तम विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्क्वैमस ब्लेफेराइटिस ।
7.	डॉ. माधवी शर्मा	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	एन ओपन लेबल्ड रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्युएट आसन बिल्वादि तैल शिरोबस्ति, नस्य एण्ड कर्णपूरण इन कर्णक्ष्वेड विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टीनिटस।
8.	डॉ. सरोज आहूजा	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ अग्निकर्म एण्ड प्रतिसारणीय इन लघंन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कालेजीयन ।
9.	डॉ. फिरदोस	डॉ. अर्पणा शर्मा प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट नागरादि आश्चोतन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कफज अभिष्यन्द विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वर्नल केरेटो कन्जूक्टिविटिज।
10.	डॉ. मीना नागर	डॉ. गुलाबचंद पमनानी	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ऑफ कर्णपिचु विथ गंधक तैल, कर्णधूपन एण्ड रास्नादि गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णस्राव विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक सपर्टिव ओटिदिस मेडिया Media(C.S.O.M.).

11.	डॉ. कपिल मेहर	डॉ. प्रभाकर वर्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड डबल ब्लाईण्ड प्लेसिबो कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑन सप्तामृत लौह इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मायोपिया ।
12.	डॉ. राज कुमार शर्मा	डॉ. राजेन्द्र कुमार सोनी	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्यूएट महौषध अञ्जन एण्ड शमन स्नेहपान इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ड्राई आई सिंड्रोम ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार से है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. निकिता बघेल	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ द् रॉल ऑफ बस्ति एण्ड तर्पण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कफज अधिमन्थ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्राईमरी ऑपन एंगल ग्लूकोमा ।
2.	डॉ. पूनम	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ तर्पण एण्ड बस्ति कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ ऐज रिलेटेड मॅक्युलर डिजनरेशन (नॉन एक्सूडेटिव) विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू वातज तिमिर ।
3.	डॉ. प्रतिभा	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ रेटिनल हैमोर्हेजेज़ विथ वसाकी बस्ति एण्ड घनवटी ।
4.	डॉ. विश्वनाथ	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ विरेचन कर्म एण्ड बस्ति कर्म इन प्रमेहजन्य तिमिर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डायबिटीज मॅकूलर एडेमा ।

प्रकाशन -

(ए) पुस्तक

डॉ. गुलाब चंद पमनानी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा ईएनटी विषय पर एक पुस्तक प्रकाशित की गई ।

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल एनालेसिस ऑफ डायबेटिक रेटिनोपैथी इन आयुर्वेद (2017) ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड इन्टीग्रेटिव मेडिसिन ISSN : 0975-9476, 0.555, SNIP
2.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ट्रिटमेन्ट ऑफ क्रोनिक सेरस रेटिनोपैथी बाई तर्पण थैरेपी : ए केस स्ट्डी ।	आईजेआरएसआर ISSN 0976-3031 Vol 8, Issue 1, January 2017
3.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	रोल ऑफ तर्पण विथ महात्रिफला घृत इन ग्लूकोमाटस ओप्टिक एट्रोफी - ए केस स्ट्डी ।	ड्ब्ल्यूजेपीआर ISSN 2455-3301 2017, 3(2), Index -6.805
4.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ओकूलर मैनीफेस्टेशन्स एण्ड दैयर मैनेजमेन्ट इन डायबेटिक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मधुमेह ।	World Journal of Pharmaceutical Research ISSN : 2277-7105 Volume 6,Issue 4
5.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	न्युट्रल मेडिकामेन्ट्स इन ओफ्थालमोलोजी : पोटेन्ट एण्ड हिडन फॉर आकूलर डिस्आर्डर्स ।	डब्ल्यूजेपीआर ISSN- 2278-7105, Vol 6 Issue 1, xxx-xxx, 2017 Index -6.805

6.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	रोल ऑफ वासाकादि क्वाथ इन डायबेटिक रेटिनल हेमोरेज ।	आईजेसीएआर वॉल. 6, इश्यू 1 जनवरी 2017 ISSN: O: 2310-6505
7.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	लाईफ स्टाईल डिस्आर्डर्स इन रिलेशन टू शालाक्य तंत्र एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट ।	एसटीएम जर्नल ऑफ आयुष वॉल. 6(2), 2017 ISSN : 2394-1944
8.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	श्रोल ऑफ तर्पण विथ त्रिफला घृत इन मायोपिया : ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लेनरी रिसर्च इन्फोर्मेशन । वॉल. 2, इश्यू 2, 2017
9.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	ट्रिटमेन्ट ऑफ ग्लूकोमाट्स ओप्टिक एट्रोफी थ्रू आयुर्वेद ।	ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च । ISSN : 2456-9836 4.3 Impact
10.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	अण्डरस्टेडिंग डायबेटिक रेटिनोपैथी : ए लाईफ स्टाईल डिस्आर्डर फ्राम आयुर्वेदिक प्रस्पेक्टिव ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज । वॉल. 5, इश्यू 2 ISSN : 2278-4357
11.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	कम्पेरेटिव स्ट्डी बिटवीन अंजन एण्ड घृतपान इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक (ड्राई आई सिंड्रोम)	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मेस्युटिकल साइन्सेज वॉल. 6, इश्यू 2, 2017 ISSN : 2277-7105, 7.523
12.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	इफेक्ट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन्स इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वृहतम शर्करा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कंजक्टिवल कोन्क्रेशन्स-पायलेट स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मेस्युटिकल साइन्सेज वाल.(6), इश्यू 1, 2017 ISSN 2350-0204
13.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन विभितकी घृतपान एण्ड हरिद्रादि अञ्जन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक (ड्राई आई सिंड्रोम)।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वॉल. (6), इश्यू 1, 2017 ISSN 2350-0204
14.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट इन फेसियल पेरालाइसिस : ए के स्टडी ।	एसटीएम जर्नल्स वॉल. 4, इश्यू 2, 2017 ISSN: 2394-7268
15.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ दन्तवेष्ट (पायोर्रिहया) विथ बकुल त्वक पाउडर एण्ड कैशोर गुग्गुलू ।	एसटीएम जर्नल्स वॉल. 4, इश्यू 1, 2017 ISSN: 2394-7268
16.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ पंचकर्म इन हाइपरमेलनोसिस फ्रॉम क्लोरोक्विन साइड इफेक्ट : ए केस रिपोर्ट ।	एसटीएम जर्नल्स वॉल. 4, इश्यू 1, 2017 ISSN: 2394-7268
17.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शीतपित्त (अर्टिकेरिया) - ए केस सीरीज शोविंग एफिकेसी ऑफ विरेचन थैरेपी ।	एसटीएम जर्नल्स वॉल. 4, इश्यू 2, 2017 ISSN: 2394-7268
18.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ पंचकर्म इन ए पेशेन्ट ऑफ मायलोमा : ए केस स्ट्डी ।	एसटीएम जर्नल्स वॉल. 4, इश्यू 2, 2017 ISSN: 2394-7268

19.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ विरेचन प्रोसिजर अगेंस्ट शीतपित्त (अर्टिकेरिया) – ए केस स्ट्डी।	एसटीएम जर्नल्स वॉल. 4, इश्यू 1, 2017 ISSN: 2394-7268
20.	डॉ. अपर्णा शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मैनेजमेन्ट ऑफ कटिशूल विथ शोधन एण्ड वैतरण बस्ति : ए केस स्ट्डी ।	एसटीएम जर्नल्स वॉल. 4, इश्यू 2, 2017 ISSN: 2394-7268
21.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन आयुर्वेदिक एप्रोच इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गेन्ट पापीलरी कंजक्टिवाइटिस – ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल्स रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 6, 2018 ISSN : 2277-7105
22.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए पायलेट स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ चन्द्रोदय वर्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्म ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल वॉल. 6, इश्यू 1 जनवरी 2018 ISSN : 2320-5091

उपरोक्त के अतिरिक्त, डॉ. गुलाब चन्द पमनानी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर द्वारा 6 लेख पीर रिव्यूड जर्नल्स में प्रकाशित किये गये ।

(सी)कार्यशालाओ/संगोष्ठीयों में सहभागिता–

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का नाम
1.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	द् एसोसिएशन ऑफ शल्लकी, इंडिया के सहयोग से निदेशालय, भा.चि.प.एवं हो. विभाग, गांधीनगर, गुजरात द्वारा 7–9 जुलाई 2017 को आयोजित टू एस्टाब्लिश एण्ड स्टेण्डर्डाइज रिसर्च प्रोटोकोल्स इन शालाक्य तंत्र विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	गम्फा विक्रमाराचि आयुर्वेद इन्स्टीट्यूट ऑफ केलानिया, कोलम्बो, श्रीलंका में 16–17 सितम्बर 2017 को आयोजित शालाक्य तंत्र, शालाक्य संदीपिनी – 2017 विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया गया तथा प्रॅक्टिकल यूटेलिटी एण्ड स्टोप ऑफ धूमपान इन नसल डिस्आर्डर्स विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
3.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	गम्फा विक्रमाराचि आयुर्वेद इन्स्टीट्यूट ऑफ केलानिया, कोलम्बो, श्रीलंका में 16–17 सितम्बर 2017 को आयोजित शालाक्य तंत्र, शालाक्य संदीपिनी – 2017 विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में निर्णयक मण्ड़ल के सदस्य के रूप में भाग लिया गया ।
4.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	गम्फा विक्रमाराचि आयुर्वेद इन्स्टीट्यूट ऑफ केलानिया, कोलम्बो, श्रीलंका में 16–17 सितम्बर 2017 को आयोजित शालाक्य तंत्र, शालाक्य संदीपिनी – 2017 विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर इसके विजन एण्ड ओरो से सम्बन्धित वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई ।
5.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	जेपी मेडिकल पब्लिशर्स द्वारा 25 फरवरी 2017 को आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में फ्यूचर स्कोप ऑफ आयुर्वेद एज़ ए स्ट्रीमलाईन इन कम्परिजन टू एलोपैथी विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
6.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 12 जनवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट विषयक सिम्पोजियम में भाग लिया गया ।

7.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 14-16 नवम्बर 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
8.	डॉ. शमसा फियाज एसोसियेट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग द्वारा वर्ल्ड पाइल्स डे के अवसर पर 17 नवम्बर 2017 को आयोजित सिम्पोजियम में भाग लिया गया ।
9.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 14-16 नवम्बर 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।
10.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डायबेटिक रेटिनोपैथी एण्ड प्रमेह के उपद्रव शालाक्य तंत्र के परिपेक्ष्य में विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।

अतिथि व्याख्यान -

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	दिये गये अतिथि व्याख्यान का शिर्षक
1.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	गम्फा विक्रमाराचि आयुर्वेद इन्स्टीट्यूट ऑफ केलानिया, कोलम्बो, श्रीलंका में 16-17 सितम्बर 2017 को आयोजित शालाक्य तंत्र, शालाक्य संदीपिनी - 2017 विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	प्रॅक्टिकल यूटिलिटी एण्ड स्कोप ऑफ धूमपान इन नसल डिस्आर्डर्स ।

जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में अध्येताओं द्वारा प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	अध्येता	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	नैचुरल मेडिकामेन्ट्स इन ऑफ्थालमोजी : पोटेन्ट एण्ड हिडन सोर्स फॉर ओक्कूलर डिस्आर्डर्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 1 ISSN NO. 2277-7105
2.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रेशनल ऑफ तर्पण थैरेपी एज़ इमर्जिंग इन्नोवेशन इन ऑफ्थालमोजी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 5, इश्यू 11 ISSN NO. 2277-7105
3	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	मैनेजमेन्ट ऑफ तिमिर-कच्छलिंगनाश ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च, ISSN No. 2322-0910
4.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रोल ऑफ वासादि क्वाथ इन डायबिटिक रेटिनल हैमोराइजेज़ - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट एडवान्स रिसर्च वाल्यूम 6,इश्यू 1, ISSN No. 2319-6505
5.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	अण्डरस्टेडिंग डायबिटिक रेटिनोपैथी : ए लाईफस्टाईल डिस्आर्डर्स फ्रॉम आयुर्वेदिक परस्पेक्टिव ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज ISSN NO 2278-4357, वाल्यूम 6, इश्यू 2
6.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय डॉ. पूनम जाखड़	ट्रीटमेन्ट ऑफ क्रोनिक सेरस रेटिनोपैथी बाई तर्पण थैरेपी - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशल जर्नल ऑफ रिसेन्ट साइन्टिफिक रिसर्च ISSN No. 0976-3031
7.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रोल ऑफ तर्पण घृत इन मायोपिया - ए केस स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी रिसर्च एण्ड इन्फोर्मेशन वाल्यूम 2, इश्यू 2, फरवरी, 2017

8.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	ट्रीटमेन्ट ऑफ ग्लूकोमाटस ओप्टिक एट्रोफी थ्रू आयुर्वेद ।	ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च वाल्यूम 2, इश्यू 1 फरवरी 2017
9.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रोल ऑफ त्रिफलादि परिषेक इन लीड कोन्क्रेशन : ए केस स्ट्डी ।	ग्लोबल जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च वाल्यूम 2017 ISSN No. 2249-4618
10.	डॉ. प्रतिभा उपाध्याय	रोल ऑफ तर्पण विथ महात्रिफला घृत इन ग्लूकोमाटस ऑप्टिक एट्रोफी - ए केस स्टडी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च वाल्यूम 3, इश्यू 2,2017 ISSN NO. 2455-3301
11.	डॉ. निकिता बघेल	कम्परेटिव स्ट्डी बीटविन अंजन एण्ड घृतपान इन द् मैनजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक (ड्राई आई सिंड्रोम) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN No. 2277-7105 वाल्यूम 6, इश्यू 2.
12.	डॉ. निकिता बघेल	क्लिनीकल स्ट्डी ऑन विभितकी घृतपान एण्ड हरिद्रा अंजन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ शुष्कअक्षिपाक (ड्राई आई सिंड्रोम) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्मास्युटिकल साइन्सेज वाल्यूम 5,इश्यू 7 ISSN NO 2278-4357

स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा संगोष्ठीयों में सहभागिता- स्नातकोत्तर अध्येताओं को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों में भाग लेकर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित एवं प्रशिक्षित किया गया । अध्येताओं ने निम्नलिखित संगोष्ठीयों में भाग लेकर अपने पत्र प्रस्तुत किये :-

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	संगोष्ठी	शीर्षक
1.	डॉ.परमेन्द्र अहिरवाल	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	मेरठ (उ.प्र.) में 7 अप्रैल 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	इन्टीग्रेटेड एप्रोच इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ साइकोसोमेटिक डिस्आर्डर्स ।
2.	डॉ. प्रेम कुमार गौड	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट बाई आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी।	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ कर्णशूल विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ओटालजिया (इअरइच) - ए केस रिपोर्ट ।
3.	डॉ. संगीता बाला	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट बाई आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी।	एन आयुर्वेदिक एप्रोच इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्धावभेदक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू माइग्रेन ।
4.	डॉ. प्रेम कुमार गौड	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा 6-7 अप्रैल 2018 को आयोजित मल्टीडिसेप्नरी एप्रोच टू नॉन-कम्युनिकेबल डिज़िज़ विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्टी ।	ए आर्टिकल रिव्यू ऑन आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ अनन्त वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ट्राईजेमिनल न्युरलजीया ।

चिकित्सकीय कार्य– विभाग द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत रोग परीक्षण एवं चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति बाहुल्य वाले क्षेत्रों में आयोजित किये गये चल-चिकित्सा शिविरों में भी विभाग के संकाय-सदस्यों द्वारा भाग लिया गया ।

नेत्र इकाई – इस इकाई में नेत्र रोगों यथा – रिफ्रक्टिव इरर्स, केटरेक्ट, कम्प्युटर विजन सिंड्राम, कन्जंक्टिविटिज, रेटिनल की चिकित्सा की जाती है । यह इकाई ऑटोरेफ्रेक्टोमीटर, पेरीमीटर, लेन्सोमीटर, स्लीट लैम्प, 90 डी लैन्स, केराटोमीटर, ए स्केन आदि से सुसज्जित है । इस इकाई में चिकित्सा पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों जिसमें विशिष्ट चिकित्सा कर्म यथा – अक्षितर्पण, पुटपाक, आश्चोतन, नस्य, शिरोधारा, शिरोपिचु, शिरोभ्यंग, विडालक, अन्नलेपन, नेत्र परीक्षा पिण्डी, विडालक एवं अवगुनादाना, लेखन, चक्षुशय बस्ति, अग्नि कर्म आदि सम्मिलित है के द्वारा डायबेटिक रेटिनोपैथी, ग्लूकोमा, कटरेक्ट, मैकुलर डिजनरेशन, मायोपिया आदि विभिन्न नेत्र-रोगों एवं विकृतियों की चिकित्सा की जाती है । विभाग में 11,678 रोगी विभिन्न नेत्र विकृतियों की चिकित्सा हेतु आये ।

नेत्र-जांच इकाई – इस इकाई में विभिन्न नैदानिक जांचे यथा – रिफ्रेक्शन, टोनोमेट्री, पेरीमेट्री आदि की गई। आलोक्य वर्ष में कुल 11,033 रोगियों के नेत्रों का रिफ्रेक्शन किया गया ।

ई.एन.टी. इकाई– इस इकाई में कान, नाक, गला तथा सिर व गर्दन से सम्बन्धित व्याधियों की चिकित्सा की जाती है । यह इकाई ऑडियोमेट्री, नेजल एण्डोस्कोप्स आदि उपकरणों से सुसज्जित है जो कि नैदानिक जाँचादि में अति-महत्वपूर्ण होते हैं । नस्य, कवल, गण्डूष, शिरोभ्यंग, शिरोधारा, कर्णपिचु, कर्ण प्रमार्जन, कर्णपूरण, ऑरल टायलेट, ईयर सिरिंइंग, ऑटोस्कोपी आदि कर्मो आधारित चिकित्सा द्वारा सिरशूल, साइनुसाइटिस, अर्धावभेदक, ट्राइजेमाईनल न्युरलजिया, हेयर फॉल, डैण्ड्रफ, राइनाइटिस, डिविऐटेड नेजल सेप्टम, नसल अलर्जिज, बधिरता, सीएसओएम, टीनीट्स, ओटल्जिया, ईआर वेक्स, ऑटोमिकोसिस, टॉन्सिलाइटिस, फैरिजांइटिस, माउथ अल्सर, एसएमएफ आदि रोगों के रोगियों की चिकित्सा की जाती है । इस इकाई में 13,051 रोगी कर्ण, नासा एवं गला सम्बन्धित विकृतियों की चिकित्सा हेतु आये ।

दन्त इकाई – इस इकाई द्वारा दंतजन्य रोगों यथा डेन्टल केरिज, पायरिया, जींजीविटिज़ आदि की जांच एवं चिकित्सा की जाती है । खराब हुये दांतों को निकालने, दांतों का शल्कन एवं साफ-सफाई आदि कर्म नियमित किये जाते है। इस इकाई द्वारा 6,030 रोगियों को दन्त चिकित्सा उपलब्ध कराई गयी ।

क्रियाकल्प इकाई– विभाग में यह इकाई सुचारु रूप से कार्य कर रही है जिसमें विभिन्न क्रियायें यथा तर्पन, पुटपाक, नस्य, नेत्रपरिषेक, शिरोधारा, कवल, गण्डूष, सिरो अभ्यंग, कर्ण पिचु, कर्ण प्रमार्जन, कर्णपूरण, ऑरल टॉयलेट, इयर सिरिंजिंग, धूमपान आदि रोगियों के लाभार्थ किये जाते हैं । इस इकाई में 5,356 रोगियों की विभिन्न क्रियाकल्प विधियों द्वारा चिकित्सा की गई ।

नेत्र-व्यायाम इकाई– इस इकाई में विभिन्न नेत्र रोगों यथा – रिफ्रेक्टिव एरर्स, ग्लूकोमा, आरपी, एआरएमडी आदि में नेत्र-दृष्टि को संरक्षित कराने हेतु विभिन्न नेत्र-व्यायाम कराये जाते हैं । रोगियों के लाभार्थ एवं स्पष्ठ नेत्र दृष्टि हेतु विभिन्न नेत्र-व्यायाम बताये जाते हैं जिनमें नेत्र-धावन, सनिंग, पामिंग, बॉल एक्सरसाईज, केंडल एक्सरसाईज, बॉर स्वीमिंग, वैपॉर तथा कोल्ड पेड् सम्मिलित है । नेत्र-व्यायाम इकाई में इस वर्ष चिकित्सा प्राप्त करने वाले रोगियों की कुल संख्या 11,033 रही है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान विभिन्न इकाईयों में बहिरंग विभाग की रोगी-संख्या निम्न प्रकार से रही है –

माह	नेत्र	ईएनटी	दन्त	रिफ्रक्शन	क्रिया-कल्प	नेत्र-व्यायाम
अप्रैल	894	1051	405	800	426	18
मई	961	1218	509	1035	440	27
जून	931	1195	475	876	398	33
जुलाई	1183	1073	504	928	449	42

अगस्त	1035	1089	552	924	494	52
सितम्बर	1020	1034	425	831	878	19
अक्टूबर	1027	1041	567	1019	472	15
नवम्बर	996	1154	544	1071	377	21
दिसम्बर	914	1115	479	830	319	7
जनवरी	977	1006	499	986	346	14
फरवरी	759	1028	447	891	361	10
मार्च	981	1047	630	842	396	6
योग	11678	13051	5819	11033	5356	264
महायोग	**47201**					

वर्ष के दौरान सम्पन्न की गई विभिन्न प्रक्रियाओं की संख्या निम्न प्रकार है :-

प्रक्रिया	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
नस्य	129	130	103	108	178	323	201	168	45	49	35	44
अक्षितर्पण	89	79	123	98	94	439	135	134	125	153	213	199
परिषक	60	70	46	73	141	154	55	61	49	87	63	89
कर्णपूर्ण	35	38	18	35	31	65	27	14	30	16	10	18
धूमपान	-	-	-	-	2	5	1	-	12	-	7	-
शिरोपिचु	17	20	19	29	4	34	12	6	15	17	25	23
पिण्डी	23	26	-	5	22	23	13	-	7	13	3	14
गण्डूष	-	-	1	-	3	-	-	-	5	3	-	2
प्रतिसरण	-	-	-	-	-	2	-	1	10	-	1	1
सिरोधारा	42	41	39	7	1	37	-	-	-	-	-	-
कर्ण पिचु	9	11	7	7	7	5	-	2	3	4	4	3
प्रच्छन	13	9	37	27	11	17	12	5	-	3	-	2
नासा पिचु	1	5	-	2	15	5	5	3	8	-	-	-
नासाबस्ति	-	-			2	5	1	2	-	-	-	-
अश्चोतन	4	6	1	2	2	-	5	-	-	-	-	-
अवगुंदन	4	-	1	1	6	-	-	-	-	-	-	-
नेत्र मसाज	2	2	2		23	-	-	-	-	-	-	-
पुटपाक	4	3	1	2	2	-	5	-	-	1	-	1
जलौका	-	-	-	-	-	2	-	-	-	-	-	-
Total	**426**	**440**	**398**	**449**	**494**	**878**	**472**	**377**	**319**	**346**	**361**	**396**
Grand Total	**5356**											

विभाग के अध्यापकों एवं अध्येताओं ने संस्थान द्वारा राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति बाहुल क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :-

क्र.सं.	चिकित्सक का नाम	शिविर आयोजन स्थल	दिनांक
1.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	संस्थान प्रांगण में आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक 3 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	14-16 अक्टुबर2017

		विभाग द्वारा आयोजित पेनलैस टूथ एक्सट्रक्शन थ्रू जालंधर बन्ध विषयक एक सप्ताह का चिकित्सा शिविर ।	7-14 मार्च 2018
		नेत्रहीन विद्यार्थियों के विद्यालय, राजस्थान नेत्रहीन कलयाण संघ, जयपुर में आयोजित 1 दिवसीय नि:शुल्क ईएनटी जांच शिविर ।	21 फरवरी 2018
2.	डॉ. गुलाबचंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजकीय सीनियर सैकेण्ड्री गर्ल्स विद्यालय, जवाहर नगर एवं हंसविहार मन्दिर, मानसरोवर में आयोजित एक दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	--
2.	डॉत्र कपिल मेहेर डॉ. फिरदोस अध्येता	ग्राम जमुवारामगढ़, जयपुर में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	12-17 मार्च 2018
3.	डॉ. सरोज डॉ. माण्डवी अध्येता	ग्राम आमेर, जयपुर में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	5-10 मार्च 2018
4.	डॉ. प्रेम कुमार गोड डॉ. प्रहलाद अध्येता	जिला डूंगरपुर में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	24-29 जुलाई 2017
5.	डॉ. प्रमेन्द्र अहिरवाल डॉ. प्रेम कुमार गोड अध्येता	जिला जैसलमेर में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	18/09/2017 से 23/09/2017 तक
6.	डॉ. प्रमेन्द्र अहिरवाल अध्येता	जिला बांसवाड़ा में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	30/10/2017 से 04/11/2017 तक
7.	डॉ. प्रमेन्द्र अहिरवाल डॉ. प्रेम कुमार गोड डॉ. ईशा जैन डॉ. संगीता बाला डॉ. सरोज आहूजा अध्येता	नेत्रहीन कल्याण संघ सीनीयर सैकेण्डरी स्कूल, जयपुर में आयोजित 2 दिवसीय चिकित्सा शिविर।	21 फरवरी 12018

दूरदर्शन वार्तायें –

- डॉ. शमसा फियाज, प्रोफेसर द्वारा आयुर्वेद में दन्त स्वास्थ्य विषयक वार्ता राजस्थान पत्रिका चैनल पर अगस्त 2017 में प्रसारित की गई ।
- डॉ. शमसा फियाज, प्रोफेसर द्वारा आयुर्वेद में पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक वार्ता राजस्थान पत्रिका चैनल पर अगस्त 2017 में प्रसारित की गई ।
- डी.डी. राजस्थान चैनल पर शालाक्य तंत्र विभाग की डाक्यूमेन्ट्री नवम्बर 2017 में प्रसारित की गई ।
- विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर 12 अक्टुबर 2017 को आधुनिक नैदानिक उपकरणों यथा ओसीटी, स्लीट लैम्प, एनसीटी आदि युक्त रेटिनल डिस्आर्डर्स हेतु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया ।

अवार्ड –

- डॉ. शमसा फियाज, प्रोफेसर को समुदाय को चिकित्सा सवाऐं प्रदान करने के हेतु केएमसी ट्रस्ट, जयपुर द्वारा नवम्बर 2017 में सर सैय्यद खान अवार्ड प्रदान किया गया ।
- डॉ. के. जे. सुरंगी, स्नातकोत्तर अध्येता को कोलम्बो, श्रीलंका में सितम्बर 2017 में आयोजित शालाक्य में तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन – शालाक्य संदीपनी में प्रस्तुत पत्र हेतु प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया ।

विविध गतिविधियाँ– विभाग में निम्नलिखित विभिन्न गतिविधियाँ सम्पन्न की गई –

क्र.सं.	अध्यापक का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	डॉ. शमसा फियाज प्रोफेसर	1. शलाकी (टीएएस), All India Association of Opthalmology, Otorhinolaryngeology and Dentistry की उपाध्यक्षा नियुक्त की गई । 2. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अध्ययन मण्ड़ल की अध्यक्ष नियुक्त की गई । 3. राजीव गांधी युनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइन्सेज, बैंगलोर में बाह्य परीक्षक के रूप में परीक्षा सम्पन्न कराई गयी । 4. विभिन्न विश्वविद्यालययों हेतु प्रश्न-पत्र निर्माता के रूप में कार्य किया गया ।
2.	डॉ. गुलाब चंद पमनानी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	निम्नलिखित के रूप में कार्य किया गया : 1. समन्वयक, एफएमएस कमेटी, एनएबीएच, एनआईए । 2. सदस्य-सचिव, इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड रिसोर्स मैनेजमेन्ट कमेटी, एनएएसी, एनआईए । 3. सचिव, स्पोर्ट्स कमेटी, एनआईए । 4. प्रभारी- सम्पदा, ईएनटी इकाई, ओटी आई, इन्टर्नीज एनआईए । 5. सदस्य, डिम्ड यूनिवर्सिटी समिति । 6. गुजरात लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए प्रश्न-पत्र निर्माता के रूप में कार्य किया । 7. उत्तराखण्ड़ विश्वविद्यालय, देहरादून के लिए बाह्य परीक्षक नियुक्त किये गये । 8. डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा मूल्यांकनकर्ता एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के लिए महानिबन्ध मूल्यांकनकर्ता नियुक्त किये गये ।
3.	डॉ. प्रभाकर वर्द्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. भारतीय बाल मन्दिर समिति आयुर्वेद नर्स/कम्पाउण्डर प्रशिक्षण संस्थान, जयपुर में प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न कराई गयी तथा परीक्षक के रूप में कार्य किया गया ।
4.	डॉ. राजेन्द्र सोनी लेक्चरर	निम्नलिखित के रूप में कार्य किया गया – 1. समन्वयक, एनएएसी कोर कमेटी 2. सदस्य, ई-लाईब्रेरी समिति 3. सदस्य, सीजीएचएस समिति 4. सदस्य, RAYM 2017एवं स्पोर्ट्स - तरंग – 2018 5. सदस्य, आईपीडी केसशीट के लिए संशोधित प्रारूप समिति 6. हरियाणा विश्वविद्यालय के बाह्य परीक्षक ।

❋❋❋

शल्य तंत्र विभाग

परिचय: शल्य तंत्र विभाग संस्थान का एक महत्त्वपूर्ण विभाग है । विभाग के अध्यापक विभिन्न शल्य एवं पराशल्य प्रक्रियाओं विशेषज्ञ है । आयुर्वेद के क्षेत्र में शल्य तंत्र विभाग लोक कल्याण के हित में नवीन कार्यो का संचालन करके एक नई अनुसंधान आधारित परंपरा विकसित कर रहा है । विभाग का बाह्य रोगी विभाग (जनरल शल्य, अनोरेक्टल एवं ऑर्थोपेडिक), अन्तरग रोगी विभाग, लघु ऑपरेशन थियेटर (शस्त्र कर्म, क्षार कर्म, क्षार सूत्र, अग्निकर्म एवं रक्तमोक्षण इकाईयाँ) है तथा प्रमुख ऑपरेशन थियेटर है । शल्य तंत्र विभाग के अन्तर्गत स्नातक, डिप्लोमा पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. हेतु हाथ से हाथ को शल्यचिकित्सा का प्रशिक्षण के साथ अध्ययन-अध्यापन कराया जाता है । प्रमुख शस्त्र कर्मागार में सीसीटीवी कैमरा सुविधा उपलब्ध है जो कि कक्षाओं से जुड़े हुये हैं जिसके माध्यम से छात्रों के ज्ञानार्जन हेतु शल्य चिकित्सा का सीधा प्रसारण किया जाता है ।

शल्य तंत्र विभाग आयुर्वेद पद्धति के शल्य चिकित्सा पहलुओं को गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शल्य चिकित्सा सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियों संचालित कर रहा है । अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, मर्म चिकित्साल एवं शल्य कर्म पद्धतियों द्वारा अर्श एवं भगन्दर की चिकित्सा क्षार कर्म एवं क्षार सूत्र पद्धति द्वारा, गृध्रसी, संधिवात, कदर, वातकंटीका, चर्मकील, अव्बाहुक, टेनिस एल्बो आदि के लिए विशेष उपचार प्रदान किया जाता है । पुराने गैर-चिकित्सा अल्सर के लिए उपचार, पेरीरियल वैस्कुलर विकार का विभाग द्वारा जलौकावचरण विधि द्वारा भी उपचार प्रदान किया जाता है । विभाग में भग्न, मूत्र अश्मरी (यूरेनरी कैलीलि), अण्डकपुच्छा शोथ(अर्प्पेडिसिटिस), पित्ताशय शोथ(कोलेसीसिटाइटिस) अश्मरी पित्ताशय अश्मरी(कोलेलिथियासिस), वृद्धि रोग(हाइड्रोसेले हर्निया इत्यादि) एवं सामान्य शल्य विकारों की चिकित्सा की जाती है । विभाग में 6 पीएच.डी. अध्येता एवं 21 स्नातकोत्तर अध्येता है।

शल्य विभाग का अपना अच्छी प्रकार से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर है जहाँ सभी प्रकार की शल्य प्रक्रियाऐं यथा - एपेनडेक्टोमी, कोलेकायस्टोमी,अपेन्डेक्टोमी, चॉलेसिस्टेक्टोमी, हर्नियल रिपेयर्स, मास्टेक्टोमी, थायरोइडेक्टटोमी इत्यादि उचित संज्ञाहरण के अन्तर्गत सम्पन्न की जाती है ।

बहिरंग रोगी एवं अन्तरंग रोगी विभाग के सभी रोगियों को उचित उपचार प्रदार किया जाता है । विभाग में शल्य चिकित्सा, एनोरेक्टल एवं ओर्थोपेडिक रोगियों हेतु पृथक इकाईयाँ है । विभाग द्वारा संस्थान के प्रांगण में स्थिति चिकित्सालय एवं सिटी होस्पीटल के दोनों में ओपीडी शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित किये जाते है ।

बहुत से रूग्ण व्यक्तियों हेतु चिकित्सा की विशेष प्रक्रियाऐं यथा क्षार कर्म, क्षार सूत्र, अग्निकर्म, रक्तमोक्षण, जलौकावचरण, सिरावेध्यं इत्यादि अपनाई जाती है । शल्य विभाग में विभिन्न शोध परियोजनाऐं चल रही है। जनरल-सर्जन एवं अनेस्थेटिस्ट द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं के ज्ञानार्जन हेतु अतिथि व्याख्यान दिये जाते है ।

विभाग शल्य चिकित्सा नमूनों, मॉडल्स, शिक्षण सामग्री, सीडी, शल्य चिकित्सा सम्बन्धित तस्वीरों और चार्ट्स से सुसज्जित है । विभाग में अपना पुस्तकालय है जिसमें लगभग 1,000 पुस्तकें उपलब्ध है । विभाग में कमप्युटर, प्रिन्टर, डिजिटल कैमरा, एलसीडी प्रोजेक्टर आदि है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 1 प्रोफेसर, 1 एसोसियेट प्रोफेसर, 2 असिस्टेन्ट प्रोफेसर तथा 1लेक्चरर एवं अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

वर्तमान में, शल्य तंत्र विभाग में 21 स्नातकोत्तर छात्र एवं 6 पीएच.डी. अध्येता नियमितरूप से अध्ययनरत है।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक

अ) आयुष नर्सिग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा - उपरोक्त शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग द्वारा आयुष नर्सिग एवं फार्मेसी में डिप्लोमा के छात्रों को सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया जाता है । डॉ. एस. आर. राजस्थान

आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार इन छात्रों को बहिरंग विभाग, अन्तरंग विभाग एवं शल्य कर्मागार में शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

ब) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को शल्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । छात्रों को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

स) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को शल्य तंत्र विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये।

द) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को शोध विषयक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराया गया । अध्येताओं को ऑपरेशन थियेटर के अन्दर शल्य प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया । शोध कार्य सम्पन्न किये गये ।

शोध –आलोच्य वर्ष के दौरान, एम.एस. (आयुर्वेद) के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. निम्बा राम चौधरी	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन स्कलेरोथेरेपी एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फर्स्ट एण्ड सैकण्ड डिग्री इन्टरनल हेमोरोहिड्स ।
2.	डॉ. शाहिन अहमद	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ विभीतक क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला इन एनो)
3.	डॉ. दुर्गा कटारमल	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ गुग्गुलु एण्ड शाल्लकी अलांग विथ हरिद्रा खण्ड गुडूची कषाय इन केरोस्टूकासिरसा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-स्पेसिफिक नी इफ्यूजन ।
4.	डॉ. प्रियंका साहू	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर डॉ. स्वराज मेहरवाल	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार कर्म एण्ड थिरेश प्रोसिजर इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गुदाभ्रंश विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्शियल रेक्टल प्रोलेपस।
5.	डॉ. राकेश कुमार राठौड़	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर श्री गौरव बीलवाल	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एसेस द् एन्टी-इनफ्लेमेन्टरी एण्ड एनालजेसिक प्रोपर्टीज ऑफ निर्गुण्डी एक्सट्रेक्ट ।
6.	डॉ. लोकेन्द्र पहाड़िया	डॉ. वी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. स्वराज मेहरवाल	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ भल्लातकादिलेप इन चर्मकील विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्युटेनियस वार्ट्स।
7.	डॉ. लक्ष्मी सैनी	डॉ. नरेन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन मुस्तादि-उपनाह एण्ड थेरेप्युटिक एसेन्ट्रिक एक्सरसाईज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्नायु-विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टेनिस एल्बो।

आलोच्य वर्ष के दौरान, एम.एस. (आयुर्वेद) के अध्येताओं के शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. विनोद कुमार	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू लो एनल फिस्टूला ।

2.	डॉ. रामप्रसाद सिन्हा	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन निम्ब प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल होमेरोहोइड्स)।
3.	डॉ. विनोद कुमार गर्ग	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शुंठ्यादि क्वाथ विथ एण्ड विथआऊट त्रिविक्रम रस इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ मूत्राश्मरी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू यूरोलीथाइसिस ।
4.	डॉ. अतुल अग्रवाल	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर मि. गौरव बीलवाल	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू एक्सेस द् एफिकेसी ऑफ लाक्षा गुग्गुलू ऑन फ्रक्चर हीलिंग इन रेबिट मॉडल ।
5.	डॉ. राकेश प्रसाद	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एवेल्युएशन ऑफ द् एफिकेसी ऑफ द् अर्कादि घन ओइन्टमेन्ट एण्ड लोशन इन व्रण (एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी) ।
6.	डॉ. सोमदत्त सैनी	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ बृहतसिंहनाद गुग्गुलू, गोदन्ती, रसमाणिक्य विथ महारास्नादि कषाय इन नॉन-स्पेसिफिक नी एफूज़न विज़-ए-विज़ जानू संधि श्लेष्मधरा कला शोथ ।
7.	डॉ. नरेश धाकड़	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मात्रा बस्ति एण्ड लेटरल इन्टरनल स्फीनकेटरटोमी इन परिकर्तिका विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक फिशर इन एनो ।
8.	डॉ. नीरज जैन	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ मर्म चिकित्सा एण्ड अग्नि कर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अवबाहुक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फ्रोजन शोल्डर्स ।
9.	डॉ. नेत्र बहादुर	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑन स्नुही प्रतिसारणीय क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आभ्यन्तर अर्श (इन्टरनल पाईल्स) ।
10.	डॉ. सुरेश कुमार	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अग्नि कर्म एण्ड आभा गुग्गुलू इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्नायु-विकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू डेक्ववेन स्टेनोसिवैक्टिस ।
11.	डॉ. दिनेश कुमार अहेरवार	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन व्रण विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू व्रणोपकर्म एण्ड दैयर एप्लीकेशन इन प्रजेन्ट कान्टेक्सट।
12.	डॉ. लोकेश यादव	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ वेदनाहरण महाकषाय (डिकोक्शन), कटि बस्ति एण्ड योग मोडलिटीज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ एक्यूट लम्बोस्क्रल स्प्रेन/स्ट्रेन ।
13.	डॉ. जयवर्द्धन सिंह	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ गुग्गुलू विथ हरिद्रा एण्ड रास्नादशमूलादि कषाय एण्ड सिरावेध इन Krostukasirsa विथ स्पेशियल रेफरेन्स ऑन स्पेसिफिक नी इफ्यूजन ।

14.	डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	धान्वन्तर तैल उत्तर बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वाताष्ठीला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू बेनीयन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया (बीपीएच)- ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल ट्रॉयल।
15.	डॉ. हिमाद्री मुदगल	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ वसा प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ अभ्यंग अर्श (इन्टरनल पाईल्स) ।
16.	डॉ. डब्ल्यू.ए.ए.पी. विक्रमानायक	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ वासा क्षार सूत्र इन मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला इन एनो)
17.	डॉ. शैलेन्द्र सिंह	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	क्लिनीकल असेस्मेन्ट ऑफ दोष प्रीडोमिनेन्स इन गृध्रसी यूजिंग एन इलेक्ट्रोनिक डिवाईस नाड़ी तरंगिणी ।
18.	डॉ. मनमहेन्द्र सिंह	प्रो. संजीव शर्मा प्रोफेसर डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री गौरव बीलवाल	एन एक्सपीरिमेन्टल स्ट्डी टू वेलीडेट द् एफिकेसी ऑफ 'समानगड़ी तैल' ऑन वूण्ड हिलींग इन द् रेट मोडल ।
19.	डॉ. श्रद्धा साहू	डॉ. अशोक कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	ए कम्परेटिव स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ शिग्रु-निर्गुण्डी घन वटी इन पोस्ट-ओपरेटिव पेन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अनल फिस्टूला । असिस्टेन्ट प्रोफेसर
20.	डॉ. शेखर पटेल	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	ए रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ शल्लकी एण्ड संजीवनी वटी इन मोनो आर्टिकूलर नॉन-स्पीकिंग नी इफ्यूजन।
21.	डॉ. यशोदा माली	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आईडेन्टिफिकेशन ऑफ रिस्क फेक्टर्स ऑफ गुड़ विकार (एनोरेक्टल डिज़िज) : ए होस्पीटल बेस्ड केस कन्ट्रोल स्ट्डी ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये -

क्र. सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. आलोक कुमार	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ कदली, आरग्वध एण्ड पलाश क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज, पित्तज एण्ड कफज भगन्दर।
2.	डॉ.विनीत कुमार जैन	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ मृदु, मध्यम एण्ड तीक्ष्ण अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल हेमेरोहोइड्स) ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित जारी व प्रगति पर रहे –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. आदित्य कुमार शैल	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ तमसुलोसिन वर्तवाड़ी घन कषाय एण्ड धान्वतर तैल मात्र बस्ति इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातष्ठीला विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टू बेनाइन प्रोस्टैटिक हाइपरप्लासिया (बीएचपी) ।
2.	डॉ. हारीत कुमारी	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल ट्रायल टू असेस द् एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ प्लाण्टर आयोन इन्टोफोरोसिस विथ निर्गुण्डी एण्ड अग्निकर्म इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ पादकाष्टक विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू प्लाण्टर फासिसाइटिस ।
3.	डॉ. सबल प्रताप सिंह जादौन	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	रिव्यू ऑफ प्रोस्टेटिक कार्सिनोमा इन आयुर्वेदिक प्रोस्पेक्टिव एण्ड एन एक्सिपेरिमेन्टल स्ट्डी टू एवेल्यूएट द् प्रीवेन्टिव इफेक्ट ऑफ शिलाजीत (एस्फाल्टम पंजाबिनम) इन टैस्टोस्टेरोन इन्ड्यूज्ड प्रोस्टेटिक मालिगेंसी इन अल्बिनो रेट्स ।
4.	डॉ. प्रशान्त सैनी	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ प्रोटोकोल फॉर क्लिनीकल असेस्मेन्ट एण्ड एवेल्युएशन ऑफ छेदन कर्म फोलोव्ड बाई प्रतिसारणीय क्षार एज पर दोषिक प्रीडोमिनेन्स इन भगन्दर ।

चिकित्सकीय कार्य –

विभाग के द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । विभाग में 3 ओपीडी है यथा शल्य, गुदा, अस्ति एवं मर्म चिकित्सा इकाई । आलोच्य वर्ष के दौरान, चिकित्सा की विभिन्न विधियों यथा-शल्य कर्म, अग्नि कर्म, जलोकावचरण तथा क्षारकर्म द्वारा रोगियों की चिकित्सा की गई । विभिन्न व्याधियों से ग्रसित रोगियों पर निम्नलिखित 776 ऑपरेटिव प्रोसिजर्स तथा 7,950 पैरा-सर्जिकल प्रोसिजर्स किये गये –

ऑपरेटिव प्रोसिजर्स

क्र.सं.	ऑपरेटिव प्रोसिजर्स का नाम	ऑपरेटिव प्रोसिजर्स की संख्या
1.	Cholecystectomy	6
2.	Appendecectomy	5
3.	Inguinal Herniotomy	5
4.	Inguinal Herniotomy and Hernioplasty	26
5.	Orchidectomy	1
6.	Breast fibroadenoma excision	2
7.	Excision	107
8.	Incision and Drainage(I&D)	49
9.	Circumcision	8
10.	Partial Fistulotomy with Ksharasutra	233
11.	Fistulotomy	43
12.	Fistulectomy/Exploration of tract	46
13.	Fistulectomy with Kshara karma	2

14.	Lords Anal Dilatation	11
15.	Sphincterotomy with tag excision/Agnikarma	64
16.	Arsha Bandana (Plication)	28
17.	Kshara karma	22
18.	Haemorrhoidectomy/Shastra karma	24
19.	Perianal haematoma excision	3
20.	NadivranaChedana (PNS)	28
21.	Others	63
	योग :	**776**

पैरा–सर्जिकल प्रोसिजर्स

Sl. No.	Para-Surgical Procedure	Number of Procedures
1.	क्षारकर्म	192
2.	क्षारसूत्र	645
3.	अग्निकर्म	345
4.	जलौकावचरण	128
5.	बंधनकर्म – ड्रेसिंग	6513
6.	मर्म चिकित्सा	126
	योग –	**7,950**

विभाग के अध्यापकों द्वारा संस्थान द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों के एससी/एसटी बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित किये गए चल-चिकित्सा शिविरों में भाग लिया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:-

क्र. सं.	चिकित्सक का नाम	शिविर का स्थान	तिथि
1.	प्रो. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	8-03-2018
2.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	8-03-2018
3.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	धोलपुर में आयोजित 2–दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	29-30 अगस्त2017
		हंस विहार मन्दिर, मानसरोवर, जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	2-10-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017

		जवाहर नगर, जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	24-12-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	8-03-2018
4.	डॉ. बी. स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
5.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	8-03-2018
पीएच.डी./स्नातकोत्तर अध्येता			
1.	डॉ. सवल प्रताप सिंह जादौन	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
2.	डॉ. आदित्य कुमार शैल	धोलपुर (राजस्थान) में आयोजित गुदा रोग के प्रबन्धन हेतु 2-दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	29-30 अगस्त2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		धोलपुर (राजस्थान) में आयोजित गुदा रोग के प्रबन्धन हेतु 2-दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	29-30 Aug.2017
		अचलपुरा, बस्सी, जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर।	19-12- 2017
3.	डॉ. प्रशान्त सैनी	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		लक्ष्मणनगर, सीकर में आयोजित 4 दिवसीय चिकित्सा शिविर।	21-24 नवम्बर 2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
4.	डॉ. हारित कुमारी	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	08-03-2018

4.	डॉ. लोकेन्द्र पहाड़िया	धोलपुर (राजस्थान) में आयोजित गुदा रोग के प्रबन्धन हेतु 2-दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	29-30 अगस्त 2017
		उदयपुर में अनुसूचित जाति हेतु आयोजित 7 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	2017
		प्रतापगढ़ में अनुसूचित जाति हेतु आयोजित 7 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	2017
6.	डॉ. राकेश कुमार राठौड़	सागवाड़ा, राजस्थान में अनुसूचित आयोजित चिकित्सा शिविर।	26जून से 1जुलाई, 2017
		पोकरन, जिला जैसलमेर, राजस्थान में अनुसूचित आयोजित चिकित्सा शिविर ।	14-19 अगस्त 2017
7.	डॉ. विनोद कुमार मौर्य	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		अचलपुरा, बस्सी, जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर।	19-12-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
8.	डॉ. राम प्रसाद सिन्हा	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
9.	डॉ. राकेश प्रसाद	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		अचलपुरा, बस्सी, जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर।	23- 12- 2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
11.	डॉ. विनोद कुमार गर्ग	धोलपुर, राजस्थान में गुदा रोग के प्रबन्धन हेतु आयोजित 2 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	29-30 अगस्त2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018

12.	डॉ. नरेश धाकड़	झाड़ोल, उदयपुर में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर।	6-11 नव.2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		अचलपुरा, बस्सी, जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर।	22-12-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	08-03-2018
13.	डॉ. सोमदत्त सैनी	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	08-03-2018
14.	डॉ. अतुल अग्रवाल	झाड़ोल, उदयपुर में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर।	6-11नव.2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
15.	डॉ. नीरज जैन	धोलपुर, राजस्थान में गुदा रोग के प्रबन्धन हेतु आयोजित 2 दिवसीय चिकित्सा शिविर ।	29-30 अगस्त2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
16.	डॉ. नेत्रबहादुर बासने	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
17.	डॉ. लोकेश यादव	पोकरन (जैसलमेर) में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	14-19अगस्त 2017
		जवाहरनगर, जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	2-10-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		जवाहरनगर, जयपुर में आयोजित चिकित्सा शिविर ।	24-12-2017

		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
18.	डॉ. सुरेश कुमार	दुर्गापुरा में आयोजित 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर।	24-29जुलाई 2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
19.	डॉ. दिनेश कुमार अहिरवाल	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
20.	डॉ. जयवर्द्धन सिंह	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
21.	डॉ. देवब्रत विश्वकर्मा	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
22.	डॉ. हिमाद्री मुदगल	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
23.	डॉ. डब्ल्यू.ए.ए.पी. विक्रमानायक	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018

24.	डॉ. शैलेन्द्र सिंह	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
25.	डॉ. मनमहेन्द्र सिंह	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
26.	डॉ. श्रद्धा साहू	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
27.	डॉ. शेखर पटेल	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018
28.	डॉ. यशोदा माली	विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित गुदारोग जन्य विकृतियों की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर ।	20-11-2017
		विभाग तथा हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा संस्थान में आयोजित यूरोलीथाइसिस की चिकित्सा हेतु आयोजित शिविर।	8-03-2018

प्रकाशन कार्य –

(ए) पुस्तक प्रकाशन –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. शाहिन अहमद मीर स्नातकोत्तर अध्येत्री	बेसिक्स ऑफ रिसर्च मेथोडोलोजी एण्ड मेडिकल स्टटिस्टिक्स फोर आयुर्वेद स्कोलर्स।	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्ड़ार, जयपुर ।

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन वाइटेक्स नैगुन्डो एक्सट्रेक्ट ऑन पेन कन्ट्रोल बस्ड ऑन एस्पेरिमेन्टल मोडल हाफनर्स तैल क्लिप।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल्स रिसर्च, वाल्यूम 6, इश्यू 11 SJIF Impact Factor 7.523, ISSN 2277 – 7105
2.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	कम्परेटिव स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ पलाश क्षारसूत्र एण्ड अपामार्ग क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ कफज भगन्दर ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ अप्लाईड आयुर्वेद रिसर्च वाल्यूम-3, इश्यू-2 मई-जून 2017 ISSN: 2347-6362
3.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ प्रमेह पिडिका – ए केस रिपोर्ट ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिसिनल जर्नल जून 2017, 5(6) ISSN: 2320 5091
4.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ विभीतकी क्षार सुत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो) – ए पायलेट स्ट्डी।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज अगस्त 2017,वाल. 3, इश्यू 7 ISSN:2454-2229
5.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	भगन्दर एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट इन आयुर्वेद – ए कन्सेप्चुअल स्ट्डी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च अगस्त 2017, वाल्यूम 5, इश्यू 8 ISSN:2322-0902(P) ISSN:2322-0910(O)
6.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	कम्पेरिजन ऑफ आयोनटोफोरेसिस एण्ड अग्निकर्म फौर द् मैनेजमेन्ट ऑफ प्लाण्टर फासिसाइटिस : टू केस रिपोर्ट्स।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट रिसर्च अगस्त 2017, वाल्यूम 9, इश्यू 8 ISSN: 0975-833X
7.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए मिनीमल इन्वासिव टेक्नीक फॉर 'ए लोंग ट्रांस-स्पिन्टेररिक फिस्टुला-इन-एनो' ए केस स्टडी ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च सितम्बर 2017, वाल्यूम 5, इश्यू 9 ISSN:2322-0902(P) ISSN:2322-0910(O)
8.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र क्षार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फर्स्ट एण्ड सैकण्ड डिग्री इन्टरनल हेमोरॉहाइड्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाईड आयुर्वेद रिसर्च वाल्यूम 3, इश्यू 4 सितम्बर-अक्टुबर 2017 ISSN: 2347-6362
9.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	रोल ऑफ प्रियंग्वादी तैल इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटिक्स वूण्ड – टू केस रिपोर्टस।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6,इश्यू 11, 6 सित2017 ISSN: 2277-7105 SJIF Impact Factor- 7.523

10.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एन इमर्जिंग अल्टरनेटिव टेक्नीक फोर एनारेक्टल डिस्आर्डर्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज वाल्यूम 4, इश्यू 2 जनवरी 2018 ISSN:2454-2229
11.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	आयुर्वेदिक वूण्ड केयर - ए क्लिनीकल एक्सपीरियन्स ।	वूण्डकोन-2018 इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट का 20वां वार्षिक अधिवेशन एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल हासन, कर्नाटक 16-18 मार्च 2018
12.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ कदली, आरग्वध एवं पलाश क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ वातज, पित्तज एण्ड कफज भगन्दर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 (प्रकाशनाधिन)।
13.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ मृदु, मध्यम एण्ड तीक्ष्ण अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श (इन्टरनल हेमोरॉहाइड्स)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 (प्रकाशनाधिन)।
14.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन स्कलीरोथेरेपी एण्ड अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ आर्द्र अर्श विथ रेफरेन्स टू फर्स्ट एण्ड सैकण्ड डिग्री इन्टरनल हेमोरॉहाइड्स	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 (प्रकाशनाधिन)।
15.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए क्लिनीकल स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ विभीतकी क्षारसूत्र इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो)	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 (प्रकाशनाधिन)।
16.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन द् एफिकेसी ऑफ गुग्गुलु एण्ड शाल्लकी अलांग विथ हरिद्रा खण्ड गुडूची कषाय इन केरोस्टूकासिरसा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू नॉन-स्पेसिफिक नी इफ्यूजन ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 (प्रकाशनाधिन)।
17.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ अपामार्ग प्रतिसारणीय तीक्ष्ण क्षार कर्म एण्ड थाईयर्श प्रोसिज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ गुदाभ्रंश विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्शल रेक्टल प्रोलेपस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 (प्रकाशनाधिन)।
18.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एन्टी-इंफ्लेमेटरी एण्ड एनालजेसिक एक्टिविटी ऑफ निर्गुण्डी (वाइटेक्स नेगुण्डो) होल प्लाण्ट एक्सट्रेक्ट ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 (प्रकाशनाधिन)।

19.	डॉ. पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ मुस्तादि-उपनाह एण्ड थैरेप्युटिक एसेन्ट्रीक एक्सरसाईज इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ स्नायुविकार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टेनीस एल्बो : ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN No. 2321-0435 (प्रकाशनाधिन)।
20.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ अग्निकर्म इन साइटिका - ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 8 SJIF Impact Factor 7.523 ISSN 2277 – 7105
21.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन वाइटेक्स नेगुण्डो एस्ट्रेक्ट ऑन पेन कन्ट्रोल बेस्ड ऑन एक्सपीरिमेन्टल मोडेल हाफनर्स तैल क्लिप।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 11 SJIF Impact Factor 7.523 ISSN 2277 – 7105
22.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	व्रण शोधन एण्ड व्रण रोपण प्रोपर्टीज ऑफ आरग्वधादि गण- ए ब्रीफ रिव्यू।	आर्युफार्मा इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड अलाईड साइन्सेज वाल्यूम 6, नं. 10(2017) ISSN 2278-4772
23.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ प्रतिसारणीय क्षार इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ प्रमेह पिडका - ए केस रिपोर्ट ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिसिन जर्नल ISSN: 2320 5091 (जून, 2017) 5(6)
24.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू ऑन स्नायुगत वात विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू टेनीस एल्बो एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट प्रिन्सिपल्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 8 (ISSN 2277-7105)2017
25.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हील पेन एण्ड अग्निकर्म : एन आयुर्वेदिक एप्रोच ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च ।वाल्यूम 6, इश्यू 3 (ISSN 2277-7105) 2017
26.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ द् एफिकेसी ऑफ तगर-रेजोम (वलेरियना वालीचि) ड्रायड क्रूड वाटर एक्सट्रेक्ट एज़ प्री मेडिकेशन विथ डाइजपेम ऑन द् इमरजेन्स रिएक्शन्स ऑफ केटामाईन अनेस्थेसिया ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद । वाल. 9, जून 2017
27.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल ट्रायल ऑन द् एफिकेसी ऑफ भल्लातकादि लेप इन चर्मकील विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कटेनीअस वार्ट्स ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च । जुलाई 2017 वाल्युम 5, इश्यू 7 ISSN: 2322 - 0902 (P) ISSN: 2322 - 0910 (O)
28.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	चर्मकील एज़ कन्टेजीयस वार्ट्स : ए लिटरेरी रिव्यू ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज ISSN 2454-2229 SJIF Impact Factor: 4.223

29.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	सेट अप फोर विटिलिगो – विन ओवर द् फोइस ऑफ स्किन ।	आयुर्वेद एण्ड ऑल अप्रैल 2017 वाल्यूम 14, नं. 2 ISSN No. 0973-9831
30.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एबेट काजेज टू एलीमिनेट हेप्पेटाईटिस ।	आयुर्वेद एण्ड ऑल जुलाई 2017 वाल्यूम 14, नं. 3 ISSN No. 0973-9831
31.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	पंचकर्म कन्सेप्ट इन स्थौल्य तन्त्र : ए रिव्यू।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद एण्ड फार्मेसी यूजीसी एप्रूव्ड Scopus Indexed Volume 8 (Suppl 2), 2017. SNIP 2014=0.235 Index Copernicus Value (ICV) 2016: 110.7
32.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	रोल ऑफ योग इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ डाइजेस्टिव सिस्टम डिस्आर्डर्स ।	एनवायरमेन्ट कन्जर्वेशन जर्नल यूजीसी एप्रूव्ड Indexed International Journal Index Copernicus Value: 4.49.

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण –

क्र.सं.	लेखक का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई का विवरण	दिनांक
1.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	6 अप्रैल 2017
2.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया।	6-8 अप्रैल 2017
3.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा इन्टर्नशिप के छात्रों हेतु आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	10-12 अप्रैल, 2017
4.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एनएबीएच, भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा बैंगलौर में आयोजित एनएबीएच आयुष असेसर ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया गया ।	9जून 2017
5.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शल्यं तंत्र/शालाक्य तंत्र/ स्वस्थवृत्त एवं योग के पाठ्यक्रमों की समीक्षा विषयक कार्यशाला में शल्य तंत्र विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।	15-16जून2017
6.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एवीपी रिसर्च फाउण्डेशन, कोयम्बतूर द्वारा आयोजित आयु सास्त्र–2017 विषयक कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	15 जून 2017

7.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	श्री जगदगुरू गविसिद्धेश्वर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पीटल, कोप्पल, कर्नाटक द्वारा आयोजित सोश्रुति-2017 - आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ जीआईटी डिस्आर्डर्स विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	20जुलाई 2017.
8.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शल्यं तंत्र/शालाक्य तंत्र/ स्वस्थवृत्त एवं योग के पाठ्यक्रमों की समीक्षा विषयक कार्यशाला में शल्य तंत्र विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।	29जुलाई 2017
9.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर 2017
10.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली एवं गुजरात सराकर द्वारा गांधीनगर में आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद शिखर सम्मेलन 2017 में आचार्य पुरस्कार विजेता के रूप रहे ।	30सितम्बर 2017
11.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा चिकित्साधिकारियों हेतु आयोजित सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	अक्टुबर, 2017
12.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित एडवान्सड ट्रेनिंग ऑफ क्षार सूत्र थैरेपी विषयक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	9-10 नवम्बर2017
13.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित रिसेन्ट ट्रेंड्स इन मैनेजमेन्ट ऑफ एनोरेक्टल डिस्आर्डर्स विषयक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया।	11नवम्बर 2017
14.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया।	20 नवम्बर 2017
15.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला के आयोजन सचिव ।	9दिसम्बर 2017
16.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित क्षार सूत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम में आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया।	21दिस. to 4जन. 2018
17.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	प्रोटोकोन-2018, सुश्रुत प्रोटोलोजी एसोसिएशन, सुरत द्वारा आयोजित 5वां वार्षिक सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	6-7 जनवरी 2018

18.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा आयोजित एवं औषधी द्वारा प्रायोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक सिम्पोजियम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	12जनवरी 2018
19.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	17-18जनवरी 2018
20.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	इंडियन एसोसिएशन ऑफ गेस्ट्रो इस्टेस्टाइन एण्डोसर्जन्स, राजमुंदरी द्वारा आयोजित EFIAGES-2018फोर्थ नेशनल हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कोर्स एवं एण्डोस्कोपी विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	19-21 जनवरी2018
21.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	17-18फरवरी2018
22.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित ARC-CON 2018 - बीनाईग्न एनोरेक्टल डिज़िज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई।	22-24फरवरी 2018
23.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित ARC-CON 2018 - बीनाईग्न एनोरेक्टल डिज़िज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि संकाय-सदस्य के रूप में भाग लिया गया ।	22-24फरवरी2018
24.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	आईपीजीटी एण्ड आर, जामनगर, गुजरात द्वारा आयोजित एनएबीएच के मॉक ऑडिट में अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया गया ।	5-6मार्च 2018
25.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड़नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन एवं आयोजन सचिव ।	8 मार्च 2018
26.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा आकृति लैब्स, जयपुर द्वारा आयोजित फेटल मेडिसिन विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018
27.	प्रो.पी. हेमन्थ कुमार प्रोफेसर	एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल, हसन, कर्नाटक द्वारा आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट के 20वें वार्षिक सम्मेलन - वूण्डकोन-2018 में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	16-18 मार्च 2018
28.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर 2017
29.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	बैंकाक, थाईलैण्ड में आयोजित भारतीय उत्सव में भाग लेकर 2 अतिथि व्याख्यान दिये गये ।	22-24सितम्बर 2018

30.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	एनएबीएव, भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा अमृतसर, पंजाब में आयोजित क्लिनीकल ऑडिट विषयक कार्यशाला ।	12नवम्बर 2017
31.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया।	20 नवम्बर 2017.
32.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित नर्सिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम।	28 नवम्बर 2017
33.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला के आयोजन सचिव ।	9 दिसम्बर 2017
34.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित हिन्दी विषयक कार्यशाला ।	14 दिसम्बर 2017
35.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	डॉ. एस. आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के महाविद्यालय के शल्य तंत्र विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया।	15-16 दिसम्बर2017
36.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18 दिसम्बर 2018
37.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनिज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर 2017
38.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया।	20 नवम्बर 2017
39.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला के आयोजन सचिव ।	9 दिसम्बर 2017
40.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17 एवं 18 जनवरी 2018
41.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन एवं आयोजन सचिव ।	8 मार्च 2018
42.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुष मंत्रालय के सहयोग से NASYA द्वारा उदयपुर में आयोजित कन्सर्निंग अण्डरस्टेण्डिंग द् मधुमेह, इट्स कोम्पलीकेशन्स एण्ड मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला ।	17 मार्च 2018

43.	डॉ. बी स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	15-19 मई 2017
44.	डॉ. बी स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित नर्सिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन ।	1 दिसम्बर 2017
45.	डॉ. बी स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा आयोजित एवं औषधी द्वारा प्रायोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक सिम्पोजियम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	12जनवरी 2018
46.	डॉ. बी स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18 जनवरी, 2018
47.	डॉ. बी स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आईवीवाई होस्पीटल, सेक्टर-71, मोहाली द्वारा आयोजित कंटीन्युअस क्वालिटी इम्प्रूवमेन्ट टूल्स एण्ड टेक्नीक्स विषयक कार्यशाला ।	18फरवरी 2018
48.	डॉ. बी स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित ARC-CON 2018 - बीनाईग्न एनोरेक्टल डिज़िज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि संकाय-सदस्य के रूप में भाग लिया गया ।	22-24 फरवरी2018
49.	डॉ. बी स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मदन मोहन मालवीय आयुर्वेदिक महाविद्वालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन।	7 मार्च 2018
50.	डॉ. बी स्वप्ना असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल, हसन, कर्नाटक द्वारा आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट के 20वें वार्षिक सम्मेलन - वूण्डकोन-2018 में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	16-18 मार्च 2018
51.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर 2017
52.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	20नवम्बर 2017
53.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	मालवन, महाराष्ट्र में आयोजित अपडेट प्रोटोलोजी-2017 - एनोरेक्टल डिस्आर्डर्स-2017 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर पत्र प्रस्तुत किया गया ।	24-26नवम्बर 2017
54.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर, 2017

55.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा आयोजित एवं औषधी द्वारा प्रायोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक सिम्पोजियम में भाग लिया गया ।	12जनवरी, 2018
56.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18January, 2018
57.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	8मार्च,2018
58.	डॉ. मनोरमा सिंह लेक्चरर	एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल, हसन, कर्नाटक द्वारा आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट के 20वें वार्षिक सम्मेलन - वूण्डकोन-2018 में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।	16-18मार्च, 2018

शल्य तंत्र विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाऐं

(क) मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम : विश्व बवासीर दिवस के अवसर पर 20-11-2017 को मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 282 प्रतिभागियों ने भाग लिया । अध्येताओं के लाभार्थ विभाग के संकाय सदस्यां द्वारा अति-महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिये गये।

(ख) गेस्ट्रोस्कोपी विषयक कार्यशाला : विभाग द्वारा दिनांक 9-12-2017 को गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 51 प्रतिभागियों ने भाग लिया । अध्येताओं के लाभार्थ विभाग के संकाय सदस्यां द्वारा अति-महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिये गये ।

(ग) मैनेजमेन्ट ऑफअश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम : विश्व बवासीर दिवस के अवसर पर 8-3-2018 को मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 168 प्रतिभागियों ने भाग लिया । अध्येताओं के लाभार्थ विभाग के संकाय सदस्यां द्वारा अति-महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिये गये ।

कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों/सीएमई में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण-

विभाग के स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया -

क्र.सं.	अध्येता का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी/सीएमई का विवरण	दिनांक
1.	डॉ. सबल प्रताप सिंह जादौन	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017
		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
		राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, बरेली द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी AAAICON 2017 ।	16April, 2017
2		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19May, 2017

3		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
4		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
5		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
6		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9Dec. 2017
7		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18January, 2018
8		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड़नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8March, 2018
9	डॉ. प्रशान्त सैनी	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	6 अप्रैल 2017.
10		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया गया ।	6-8 अप्रैल 2017
11		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
12		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
13		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.

14		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
15		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
16		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुप मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
17		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25 जनवरी, 2018
18		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
19	डॉ.आदित्य कुमार शैल	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	6 अप्रैल 2017
20		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	6-8 अप्रैल 2017
21		राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, बरेली द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी AAAICON - 2017 ।	16 अप्रैल 2017
22		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
23		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15सितम्बर 2017
24		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20 नवम्बर 2017

25		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9 दिसम्बर 2017
26		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
27		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25 जनवरी 2018
28	डॉ. हारीत कुमारी	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	6 अप्रैल 2017
29		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	6-8 अप्रैल 2017
30		राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, बरेली द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी AAAICON 2017 में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया गया ।	16 अप्रैल 2017
31		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19 May, 2017
32		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16 सितम्बर 2017
33		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर 2017.
34		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20 नवम्बर 2017
35		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9 दिसम्बर 2017

36		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
37		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25जनवरी 2018
38		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/ यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
39	डॉ. निम्बा राम	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।	6 अप्रैल 2017
40		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।	6-8 अप्रैल 2017
41		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
42		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
43		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
44	डॉ. शाहिन अहमद मीर	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017
45		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
46		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19May, 2017

47		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
48		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
49	डॉ. दुर्गा कटारमल	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017
50		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
51		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19May, 2017
52		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
53		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
54	डॉ. प्रियंका साहू	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017
55		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
56		राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, आईवीआरआई, इज्जतनगर, बरेली (यू.पी.) द्वारा आयोजित एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एण्ड लाईफ साइन्सेज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	16-17April, 2017.
57		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	15-19 मई 2017

58		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
59		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
60	डॉ. लोकेन्द्र पहाड़िया	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017
61		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
62		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
63		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
64		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
65	डॉ. लक्ष्मी सैनी	संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
66		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
67		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
68	डॉ. विनोद कुमार	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017

69		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विपयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
70		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
71		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
72		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
73		शल्य तंत्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, आईएमएस, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी, द्वारा आयोजित एडवान्स ट्रेनिंग ऑफ क्षारसूत्र थैरेपी विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया।	9-10नवम्बर 2017.
74		शल्य तंत्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, आईएमएस, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी, द्वारा आयोजित रिसेन्ट ट्रेंड्स इन मैनेजमेन्ट ऑफ एनोरेक्टल डिस्आर्डर्स विषयक कार्यशाला में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	11नवम्बर 2017
75		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विपयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20 नवम्बर 2017
76		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी – हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9 दिसम्बर 2017
77		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
78		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25 जनवरी 2018
79		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.

80		मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया ।	17-18फर., 2018
81	डॉ. रामप्रसाद सिन्हा	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017
82		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
83		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
84		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
85		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
86		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
87		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
88		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
89		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25 जनवरी, 2018
90		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/ यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.

91		मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया।	17-18फरवरी2018
92	डॉ. विनोद कुमार गर्ग	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017
93		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
94		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
95		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
96		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
97		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
98		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
99		डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित रिसेन्ट एडवान्समेन्ट इन क्षार कर्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एनोरेक्टल डिस्आर्डर्स विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया ।	15-16दिस., 2017
100		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विपयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.

101		एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल, हसन, कर्नाटक द्वारा आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट के 20वें वार्षिक सम्मेलन – वूण्डकोन–2018 में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया गया ।	16-18 मार्च 2018
102	डॉ. अतुल अग्रवाल	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला।	6 अप्रैल 2017
103		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	6-8 अप्रैल 2017
104		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
105		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
106		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी – हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में प्रशिक्षु के रूप में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
107		पारुल आयुर्वेद संस्थान, वडोदरा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	29-30दिसम्बर2017
108		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
109	डॉ. राकेश प्रसाद	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	20 नवम्बर 2017
110		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया ।	6-8 अप्रैल 2017
111		राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, बरेली द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी AAAICON 2017 में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया गया ।	16अप्रैल 2017

112		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19May, 2017
113		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
114		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
115		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
116		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
117		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैसर-2018 विपयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
118		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25जनवरी 2018
119		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/ यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
120	डॉ. सोमदत्त	आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
121		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
122		मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।	17-18फरवरी2018

123	डॉ. नरेश धाकड्	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
124		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
125		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
126		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
127		डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित रिसेन्ट एडवान्समेन्ट इन क्षार कर्म विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एनोरेक्टल डिस्आर्डर्स विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।	15-16दिस., 2017
128		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
129		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
130	डॉ. नीरज जैन	शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित माईनर सर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया ।	6 अप्रैल 2017
131		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी एवं नेशनल सुश्रुत एसोसिएशन द्वारा आयोजित रिलेवेन्स ऑफ सुश्रुत कन्सेप्ट ऑफ सर्जरी इन प्रजेन्ट एरा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।	6-8 अप्रैल 2017
132		संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017

133		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
134		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
135		संज्ञाहरण विभाग, आईएमएस, बीएचयू, वाराणासी द्वारा आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।	15-17 अक्टुबर 2017
136		शल्य तंत्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, आईएमएस, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी, द्वारा आयोजित एडवान्स ट्रेनिंग ऑफ क्षारसूत्र थैरेपी विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया।	9-10नवम्बर 2017.
137		बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित रिसेन्ट ट्रेंड्स इन मैनेजमेन्ट ऑफ एनोरेक्टल डिस्आर्डर्स विषयक कार्यशाला में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया ।	11नवम्बर 2017
138		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
139		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में प्रशिशु के रूप में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
140		एसएलबीएसएस राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, हंडिया, इलाहबाद(उ.प्र.) द्वारा आयोजित रिसेन्ट एडवान्समेन्ट्स इन पेरासर्जिकल प्रोसिजर्स विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।	13दिसम्बर, 2017.
141		संज्ञाहरण विभाग, आईएमएस, बीएचयू, वाराणासी द्वारा आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।	15-17 अक्टुबर 2017
142		पारुल आयुर्वेद संस्थान, वडोदरा में आयोजित ट्रोमा केयर इन आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	29-30दिसम्बर2017
143		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018

144		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25 जनवरी 2018
145		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित ARC-CON 2018 - बीनाईग्न एनोरेक्टल डिज़िज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया ।	22-24फरवरी 2018
146	डॉ. प्रशान्त सैनी	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
		एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल, हसन, कर्नाटक द्वारा आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट के 20वें वार्षिक सम्मेलन – वूण्डकोन–2018 में भाग लिया गया ।	16-18 मार्च 2018
147	डॉ. नेत्र बहादुर बासने	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
148		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
149		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
150		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
151		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी – हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
152		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत–सरकार द्वारा कैंसर–2018 विपयक राष्ट्रीय कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
153		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.

154	डॉ. सुरेश कुमार	संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
155		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
156		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
157		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
158		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
159		पारुल आयुर्वेद संस्थान, वडोदरा में आयोजित ट्रोमा केयर इन आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	29-30दिसम्बर2017
160		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
161		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25 जनवरी, 2018
162		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
163	डॉ. दिनेश कुमार अहेरवाल	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला ।	15-19 मई 2017
164		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
165		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.

166		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
167		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
168		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
169		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित ARC-CON 2018 - बीनाईग्न एनोरेक्टल डिज़िज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पत्र प्रस्तोता के रूप में भाग लिया गया ।	22-24फरवरी 2018
170		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड़नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
171		एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल, हसन, कर्नाटक द्वारा आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट के 20वें वार्षिक सम्मेलन - वूण्डकोन-2018 में पत्र प्रस्तोता के रूप में भाग लिया गया ।	16-18 मार्च 2018
172	डॉ. लोकश यादव	संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
173		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
174		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
175		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
176		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017

177		पारुल आयुर्वेद संस्थान, वडोदरा में आयोजित ट्रोमा केयर इन आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	29-30दिसम्बर2017
178		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
179		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25जनवरी 2018
180		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
181	डॉ. जयवर्द्धन सिंह	संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19May, 2017
182		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
183		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
184		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
185		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
186		पारुल आयुर्वेद संस्थान, वडोदरा में आयोजित ट्रोमा केयर इन आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तोता के रूप में भाग लिया गया ।	29-30दिसम्बर2017
187		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
188		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विपयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.

189	डॉ. द्रवब्रत विश्वकर्मा	संस्थान द्वारा आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	15-19मई 2017
190		आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
191		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
192		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
193		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
194		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैसर-2018 विपयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
195		बाल रोग विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित टीकाकरण विषयक कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।	24-25जनवरी 2018
196		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/ यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
197	डॉ.डब्ल्यू.ए.ए.पी. विक्रमानायक	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
198		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
199		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018

200		शल्य तंत्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा आयोजित ARC-CON 2018 - बीनाईग्न एनोरेक्टल डिज़िज विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।	22-24फरवरी 2018
201		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/ यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
202		एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल, हसन, कर्नाटक द्वारा आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट के 20वें वार्षिक सम्मेलन – वूण्डकोन–2018 में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया।	16-18 मार्च 2018
203	डॉ. शेकर पटेल	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
204		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी – हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
205		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत–सरकार द्वारा कैंसर–2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
206		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/ यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
207		एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एण्ड होस्पीटल, हसन, कर्नाटक द्वारा आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ वूण्ड मैनेजमेन्ट के 20वें वार्षिक सम्मेलन – वूण्डकोन–2018 में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया।	16-18 मार्च 2018
208		रानी दुलइया स्मृति आयुर्वेद स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल (म.प्र.) द्वारा आयोजित होलेस्टिक एप्रोच ऑफ आयुर्वेद एण्ड योग टूवर्ड्स साईकोमेटिक डिस्आर्डर्स विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तोता के रूप में भाग लिया ।	17-18नवम्बर 2017
209		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017

210		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी-हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
211		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
212		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड़नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
213	डॉ. हिमाद्री मुदगल	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
214		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
215		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
216		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड़नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
217	डॉ. श्रद्धा साहू	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
218		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
219		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
220		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड़नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/ यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.

221	डॉ. यशोदा माली	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
222		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
223		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
224		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.
225	डॉ. मान महेन्द्र सिंह	आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, NASYA एवं डाबर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया गया।	14-16सितम्बर 2017
226		आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान तथा डाबर द्वारा आयोजित सबसे बड़ी संख्या में नस्य थैरेपी प्राप्त करने वाले लोगों के गिनेज वर्ल्ड बुक रेकार्ड में सहभागिता की गई ।	15 सितम्बर2017.
227		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया।	20नवम्बर 2017
228		संस्थान के शल्य तंत्र विभाग एवं ओलिम्पस मेडिकल सिस्टम इंडिया प्रा. लिमिटेड, जयपुर द्वारा आयोजित गेस्ट्रोस्कोपी - हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग कार्यक्रम विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।	9दिसम्बर 2017
229		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा कैंसर-2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	17-18जनवरी 2018
230		शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं हिमालया ड्रग कम्पनी द्वारा वर्ल्ड किड्नी डे के अवसर पर आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/ यूरोलीथाइसिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया गया ।	8 मार्च 2018.

सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुतिकरण अवार्ड-

क्र.सं.	स्नातकोत्तर अध्येता का नाम	Name of the Conference	Date
1.	डॉ. नीरजा जैन	अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी संभाषा - 2017 में प्रस्तुत मैनेजमेन्ट ऑफ काडियोवास्कूलर कोम्पलीकेशन्स इन डायबिटिज मेलीटस बाई लीच थेरैपी विषयक पोस्टर हेतु बेस्ट पोस्टर अवार्ड ।	5-7 फरवरी 2017.
2.		Best Poster Award राष्ट्रीय संगोष्ठी - शालाक्यकोन - 2017 में प्रस्तुत आहार विहार इन डवलपमेन्ट प्रीवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ गुदारोग विषयक पोस्टर हेतु बेस्ट पोस्टर अवार्ड ।	7-8 अप्रैल, 2017.
3.		हिमालया ड्रग कम्पपनी द्वारा आयोजित मंथन प्रजेन्टेशन कन्सेप्ट ऑन रोल ऑफ मॉडर्न टेक्नोलोजी इन आयुर्वेद-नीड वर्सेज चैलेन्जेज राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2017 में द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।	7 जुलाई, 2017.
4.		राष्ट्रीय संगोष्ठी ARDCON 2017में प्रस्तुत मैनेजमेन्ट ऑफ गुदाभ्रंश बाई द् एप्लीकेशन ऑफ क्षार कर्म विषयक पत्र हेतु बेस्ट पेपर अवार्ड प्राप्त किया ।	11 नव., 2017.

संकाय के विदेश दौरे -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	देश का नाम मय विवरण
1.	डॉ. अशोक कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	थाईलैण्ड के बैंकाक में 22-24 सितम्बर 2017 को आयोजित व आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित फेस्टिवल ऑफ इंडिया में क्षार कर्म, स्वेदन एवं अभ्यंग विषय के रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. नरिन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ताजिकिस्तान में 14-15 फरवरी, 2018 को आयोजित एवं आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक कार्यक्रम रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया गया ।

विभाग द्वारा चलायी जा रही इकाईयां -

अध्येताओं के शिक्षण एवं रोगियों को विशिष्ट चिकित्सा प्रदान करने हेतु विभाग के अन्तर्गत निम्नलिखित 6 ईकाइयाँ संचालित है:-

क्र.सं.	इकाई का नाम	इकाई द्वारा किये जा रहे कार्य
1.	सामान्य शल्य कर्म ईकाई	इस ईकाई में सामान्य शल्य कर्म एवं गैर-शल्य कर्म द्वारा रोगियों को चिकित्सा प्रदान की जाती है ।
2.	एनोरेक्टल ईकाई	यह ईकाई गुदा एवं मलाशय सम्बन्धित रोग यथा भगन्दर (फिस्टूला-इन-एनो), अर्श (पाईल्स), परिकर्तिका (फिशर) आदि के रोगियों को विशिष्ट क्षारसूत्र चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान की जाती है ।
3.	अस्थि भग्न ईकाई	इस ईकाई का कार्य अध्येताओं को अस्थियों में उत्पन्न दोषों एवं उनकी चिकित्सा करने के विषय में ज्ञान प्रदान करना है । यह ईकाई अस्थि सम्बन्धित उपकरणों से सुसज्जित है तथा इसके द्वारा आयुर्वेद संहिताओं में वर्णित सूत्रों के आधार पर रोगी परिचर्या प्रदान की जाती है ।

4..	जलौवकाचरण ईकाई	इस ईकाई के माध्यम से जलौवकाचरण चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा रोगियों को प्रदान की जाती है तथा अध्येताओं को इसका प्रशिक्षण दिया जाता है ।
5.	अग्नि कर्म ईकाई	यह ईकाई कटिशूल, दद्रु–विचर्चिका, गृध्रसी, संधिवात, कदर, चर्मकील, अपबाहुक, वातकंटक, टेनीस एल्बो आदि के रोगियों को अग्निकर्म चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान करती है ।
6.	मर्म चिकित्सा ईकाई	यह ईकाईअव्बाहुम, सर्वाइकल स्पोण्ज़ेलेसिस, लो बेकएच, टेनिस एल्बो, ओस्टेओथ्रेराइटिस, माइग्रेन, न्युरोमस्कूलर एवं स्केलेटल आदि आदि के रोगियों को मर्म चिकित्सा द्वारा श्रेष्ठ एवं प्रभावकारी चिकित्सा प्रदान करती है ।

शरीर क्रिया विभाग

परिचय: यह एक स्नातकोत्तर विभाग है। इस विभागान्तर्गत आयुर्वेद के सिद्धान्तों के अनुसार मानव शरीर के क्रियात्मक निर्माण तथा कार्यों पर अध्यापन, प्रदर्शन तथा अनुसंधान किया जाता है। इस विषयान्तर्गत शरीर, इन्द्रिय, मन एवं आत्मा के स्वरूप उनकी क्रियाओं का अध्ययन होता है। अध्येताओं को दोष, धातु एवं मल के प्राकृत स्थान स्वरूप एवं क्रियाओं का ज्ञान कराया जाता है। रक्त, शुक्र/आर्त्तव, मूत्र, कफ आदि के सैद्धान्तिक, प्रायोगिक अध्ययन, भौतिक, रसायनिक, नैदानिक एवं चिकित्सकीय परीक्षण क्रियाओं का अध्ययन कराया जाता है। श्वसन, रक्त संचरण, उत्सर्जन नाड़ी तन्त्र आदि विषयों का ज्ञान कराया जाता है। विभाग द्वारा नियमित पीएच.डी. करायी जाती है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 1 एसोसियेट प्रोफेसर एवं 1 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों के साथ विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य (बी.ए.एम.एस) के छात्रों को शरीर क्रिया विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

प्रायोगिक कक्षाओं में दोष, धातु, मल आदि का छात्रों को अध्ययन कराया गया तथा रक्त, शुक्र, मल, मूत्र, कफ आदि की प्राकृत-अवस्था तथा विकृत-अवस्थाओं का प्रायोगिक परीक्षण करवाये गये । श्वसन-तंत्र, रक्त-संचरण तंत्र आदि की तकनीकी परीक्षण सम्पन्न करवाये गये ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर (एम.डी.(आयुर्वेद) अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । दोष, धातु, मल, रक्त, पुरीष, कफ आदि का प्रायोगिक अध्ययन छात्रों को उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

स) पीएच.डी. – पीएच.डी. अध्येताओं को राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये । नवीन अनुसंधानों हेतु कार्य योजना तैयार की गई तथा उनकी उपयोगिता एवं परिणामों का की समीक्षा की गई ।

शोध: आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. अंकिता	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिल स्ट्डी ऑफ मातृवह स्रोतस एण्ड कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ श्वदंष्ट्रादि क्वाथ एण्ड वरुण क्वाथ इन मूत्राश्मरी (यूरोलीथायसिस)
2.	डॉ. गरिमा राज	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ पाचक पित्त एण्ड क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ एलादि चूर्ण एण्ड यवादि क्वाथ इन अम्लपित्त ।
3.	डॉ. भानुप्रताप सिंह	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	ए फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ रक्त धातु एण्ड क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ धान्याकादि लेप एण्ड मंजिष्ठा चूर्ण इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ युवान पिडिका।
4.	डॉ. अजय	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ भ्राजक पित्त एण्ड क्लिनिकल एवेल्युएशन ऑफ धात्रीखदिर क्वॉथ एण्ड गुंजाफलादि लेप ऑन श्वित्र ।

5.	डॉ. संजय कुमार साहू	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ शुक्रधातु एण्ड क्लिनिकल स्ट्डी ऑफ अश्वगंधादि चूर्ण इन क्षीण शुक्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अपानवायु वेग ।
6.	डॉ. गूगुलोटू रमेश	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	ए फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ अधारणीय वेग विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अपानवायु वेग।
7.	डॉ. कल्पना मेहर	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ रसवह स्रोतस एण्ड इफेक्ट ऑफ विभितकी वटक इन पाण्डूरोग ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. मोथालिया ख्याति	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड दैयर एप्लाईड स्ट्डी विथ व्योषादि गुग्गुलू एण्ड बिल्वादि क्वाथ इन स्थौल्य ।
2.	डॉ. दिनेशचंद चौहान	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ प्राणवह स्रोतस् विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इफेक्ट ऑफ कुलत्थगुड़ लेह इन तमक श्वास ।
3.	डॉ. प्रियंका दरिया	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड दैयर एप्लाईड स्ट्डी विथ व्योषादि गुग्गुलू एण्ड बिल्वादि क्वाथ इन स्थौल्य ।
4.	डॉ. नीति अग्रवाल	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ कफ एण्ड दैयर एस्पेक्ट विथ क्लिनीकल असेसमेन्ट ऑफ हिंगवादि चूर्ण एण्ड शुण्ठयादि क्वाथ इन आमवात ।
5.	डॉ. पूजा पारीक	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ शीत गुण ऑफ वात दोष इन गृध्रसी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू शेफालीपत्र क्वाथ एण्ड रास्नागुग्गुलू ।
6.	डॉ. राकेश छिपा	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ द्रव्य एण्ड उष्ण गुण ऑफ पित्त एण्ड दैयर एप्लाईड एस्पेक्ट विथ क्लिनीकल एवेल्युएशन ऑफ खण्डकूष्माण्ड अवलेह एण्ड पटोलादि क्वाथ इन अम्लपित्त ।
7.	डॉ. चौ. हार्दिक योगेश कुमार	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ गुरु एण्ड शीत गुण ऑफ कफ दोष एण्ड इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट इन विचर्चिका विथ क्लिनीकल एप्लीकेशन ऑफ अर्क तैल एण्ड विडंगादि चूर्ण ।
8.	डॉ. हितेष कुमार	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	टू डवलप द् असेसमेन्ट क्राइटेरिया ऑफ गुरु एण्ड स्निग्ध गुण ऑफ शुक्र विथ रेस्पेक्ट टू मुसल्यादि चूर्ण ऑन शुक्र धातु कषाय (ओलीगोस्पर्मिया) ।
9.	डॉ. कविता चम्बयाल	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ त्वक् सारता ।
10.	डॉ. पुष्पा कुमारी	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ मांस सारता ।
11.	डॉ. मनीष कुमार शर्मा	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	ए फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ इन्टररिलेशनशिप बिटविन दोषज प्रकृति एण्ड धातु सार ।
12.	डॉ. अर्पिता साहू	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ मेद सारता।

13.	डॉ. प्रीति कुमारी शर्मा	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ अस्थि सारता ।
14.	डॉ. रमाकान्त शर्मा	प्रो. हेमराज मीणा प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ शुक्र सारता ।
15.	डॉ. परविन्द्र कौर	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ रक्त सारता ।
16.	डॉ. रिता धाकड़	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	डवलपमेन्ट ऑफ असेस्मेन्ट क्राईटेरिया एण्ड वेलीडेशन ऑफ मज्जा सारता ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 2 पीएच. डी. अध्येताओं के शोध कार्य पूर्ण हुये -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. पंकज कोठारी	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ कल्पित त्रिफलादि घन वटी एण्ड नवक गुग्गुलू ऑन ओबेसिटी ।
2.	डॉ. लक्ष्मी महाराणा	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ द्रव्य गुण ऑफ पित्त दोष विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अम्लपित्त ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, निम्नलिखित 2 पीएच. डी. अध्येताका शोध कार्य जारी रहा -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नरिन्दर खजूरिया	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ मेध्य कर्म ऑफ पित्त दोष एण्ड इफेक्ट ऑफ गुडूच्यादि चूर्ण ऑन मेधा विथ स्पेशियल रेफरेन्स अॅ स्मृतिदौर्बल्य ।
2.	डॉ. श्याम बाबू सिंह	प्रो. ओमप्रकाश दाधीच प्रोफेसर	फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ प्राणवह स्रोतस एण्ड इफेक्ट प्रणायाम एण्ड अगस्त्य हरितकी ।

पुस्तक प्रकाशन -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	प्रायोगिक शरीर क्रिया विज्ञान	ISBN 9789384279

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ वृक्क आमय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक किडनी डिज़िज - ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च।, SJIF 7.523 Vol. 6, Issue 15 ISSN : 22777105
2.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	रिलेशन ऑफ आहार एण्ड निद्रा : ए लिटरेरी रिव्यू ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल नवम्बर 2017, ISSSN : 3205091
3.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ माषअश्वगंधादि चूर्ण इन क्षीण शुक्र (ओलीगोस्पर्मिया) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च।SJIF 7.523 Vol. 6, Issue 15 ISSN : 22777105

4.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ मेदोवह स्रोतस इन आयुर्वेद ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अप्रैल-जून 2017
5.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	नाड़ी परीक्षा (पल्स डायग्नोसिस) - ए ट्रेडिशनल डायग्नोस्टिक एप्रोचेज अज पर आयुर्वेद ।	अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन मेडिकल साइन्सेज ISSN : 24558737 वॉल.. 2, इश्यू 9 सितम्बर 2017
6.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	ए फिजियोलोजिकल स्ट्डी ऑफ अधारणीय वेग विथ स्पेशल रेफरेन्स टू अपानवायु वेग।	अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल सितम्बर 2017 ISSN : 23205091
7.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	इन्टररिलेशन बिटवीन त्रिदोष एण्ड त्रिगुण ।	अन्तर्राष्ट्रीय आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल सितम्बर 2017 ISSN : 23205091
8.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ आयुर्वेद एण्ड सिद्ध सिस्टम ऑफ मेडिसिन ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन मेडिकल साइन्सेज वॉल. 2, इश्यू 9 सितम्बर 2017 ISSN : 24558737
9.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	ए सक्सेजफुल क्लिनीकल केस स्ट्डी ऑफ मेल इन्फर्टिलिटी विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू Oligoasthenoteratozoosprmia.	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करण्ट रिसर्च वॉल. 9, इश्यू 9 सितम्बर 2017 ISSN : 0975833X
10.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑफ किलास (विटिलीगो)	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल 4(10), अक्टुबर 2017 ISSN : 23205091
11.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	ए केस स्ट्डी ऑफ लीच थैरेपी (जलौकावचरन) इन खालित्य विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एलोपेशिया ।	इन्टरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल 5(10), अक्टुबर 2017 ISSN : 23205091
12.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ ओबेसिटी एण्ड मैनेजमेन्ट विथ आयुर्वेदिक प्रोस्पेक्टिव ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 5 मई 2017 ISSN 22777105 Impact Factor 7.523
13.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ट्रिटमेन्ट ऑफ माइग्रेन विथ औजं (अर्ध्वभेदक) बाई नस्य एण्ड संसशमन चिकित्सा - ए केस स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुष वॉल. 5, इश्यू 2 जून 2017 ISSN : 12782214 (Online) ISSN : 2321-6484 (Print)

14.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू ऑन तर्पण कर्म - ए लोकल ओकूलर थेरेप्युटिक्स इन आयुर्वेद ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ आयुर्वेद साइन्सेज अगस्त, 2017 eISSN : 24560227

बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	प्रो.ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	निम्नलिखित कार्यशालाओं के वैज्ञानिक सत्रों में अध्यक्षता की गई :- राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक 7 जुलाई 2017 को आयोजित कार्यशाला । डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 9 मार्च 2018 को आयोजित आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ पैन विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।
2.	प्रो.ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17 दिसम्बर 2017 को आयोजित कार्यालयी कार्य में हिन्दी का उपयोग - बाधाऐं एवं उनका निराकरण विषयक कार्यशाला ।
3.	प्रो.ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
4.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 12 जनवरी 2018 को आयोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक सिम्पोजियम ।
5.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
6.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।
7.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।
8.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक 7 जुलाई 2017 को आयोजित कार्यशाला में समन्वयक के रूप में भाग लिया।
9.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया ।
10.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17 दिसम्बर 2017 को आयोजित कार्यालयी कार्य में हिन्दी का उपयोग - बाधाऐं एवं उनका निराकरण विषयक कार्यशाला ।
11.	प्रो. हेमराज मीना प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
12.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।

13.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 7 जुलाई 2017 को आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक कार्यशाला में आयोजन समिति के सचिव के रूप में कार्य किया गया ।
14.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला की आयोजन समिति के सचिव के रूप में कार्य किया गया ।
15.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17 दिसम्बर 2017 को आयोजित कार्यालयी कार्य में हिन्दी का उपयोग - बाधाऐं एवं उनका निराकरण विषयक कार्यशाला ।
16.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
17.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।
18.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।
19.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
20.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर द्वारा 1-2 जुलाई 2017 को आयोजित आयुषगुरू - ए वेब बेस्ड एज्यूकेशन प्रोग्राम ।
21.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 7 जुलाई 2017 को आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक कार्यशाला।
22.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।
23.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17 दिसम्बर 2017 को आयोजित कार्यालयी कार्य में हिन्दी का उपयोग - बाधाऐं एवं उनका निराकरण विषयक कार्यशाला ।
24.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मरुस्थलीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, जोधपुर द्वारा 13-16 दिसम्बर 2017 को आयोजित राजस्थान कोन्कलेव-5 में भाग लेकर ट्रिटमेन्ट ऑफ माइग्रेन विथ औरा (अर्ध्वभेदक) बाई नस्य एण्ड संशमन चिकित्सा : ए केस स्ट्डी विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
25.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 12 जनवरी 2018 को आयोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक सिम्पोजियम ।
26.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।

(सी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में दिये गये अतिथि व्याख्यान -

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का नाम
1.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	महामना मदन मोहन मालवीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 29 अक्टूबर 2017 को आयोजित सीएमई कार्यक्रम । व्याख्यान का विषय : एण्डोक्राइनोलोजिकल डिस्अआर्डर एण्ड इन्टरवेंशन थ्रू आयुर्वेद ।

2.	प्रो.ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	एस.एम.एस. होस्पीटल, जयपुर द्वारा धन्वन्तरि जयंति के अवसर पर 8 अक्टुबर 2017 को आयोजित एक कार्यक्रम । व्याख्यान का विषय : पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद ।
3.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	इन्टर्नशिप प्रशिक्षणार्थियों हेतु 12 अप्रैल 2017 को आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यक्रम।

कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों/सीएमई में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुतिकरण-

विभाग के स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सक्रियता से भाग लिया -

क्र.सं.	अध्येता का नाम	शिर्षक का नाम/संगोष्ठी का विवरण/दिनांक
1.	डॉ. हरीश कुमार	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला । महामना मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । प्रस्तुत पत्र - इफेक्ट ऑफ अमृतधारा ऑन पैन - ए रिव्यू । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 7 जुलाई 2017 को आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक कार्यशाला । संस्थान प्रांगण में 14-16 सितम्बर 2017 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।
2.	डॉ. नीति अग्रवाल	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 7 जुलाई 2017 को आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक कार्यशाला । संस्थान प्रांगण में 14-16 सितम्बर 2017 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव । के. एल. शर्मा राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, भोपाल द्वारा 19-20 जनवरी 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ न्युट्रिशनल डिस्आर्डर्स - चैलेंजेज एण्ड स्कोप विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । प्रस्तुत पत्र - फिजियालोजिकल इम्पोर्टेन्स ऑफ न्युट्रास्युटिकल एण्ड इट्स स्कोप इन आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ हैल्थ । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला । शल्य तंत्र विभाग द्वारा 8 मार्च 2018 करे आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।

3.	डॉ. पूजा पारीक	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 7 जुलाई 2017 को आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला । शल्य तंत्र विभाग द्वारा 8 मार्च 2018 करे आयोजित सीएमई कार्यक्रम ।
4.	डॉ. पुष्पा कुमारी	आर. डी. मेमोरियल महाविद्यालय, भोपाल द्वारा 17-18 नवम्बर 2017 को आयोजित रोल ऑफ आयुर्वेदिक हर्ब्स इन स्ट्रेस मैनेजमेन्ट विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी, स्टेस्टिटीक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।
5	डॉ. परविन्द्र कौर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी, स्टेस्टिटीक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।
6.	डॉ. अर्पिता साहू	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।
7.	डॉ. कविता चम्बयाल	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी, स्टेस्टिटीक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला ।

		राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला । शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।
8.	डॉ. मनीष कुमार शर्मा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी, स्टेस्टिटीक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 19 दिसम्बर 2017 को आयोजित राज्य स्तरीय कौशल विकास - आयुष के साथ दिन-प्रति-दिन ओपीडी प्रबन्धन विथ आयुष विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला । महामना मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित क्रिड़ा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम - तरंग 2018 ।
9.	डॉ. प्रीति कुमारी	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी, स्टेस्टिटीक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।

10.	डॉ. रमाकान्त शर्मा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी, स्टेस्टिटीक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।
11.	डॉ. रिता धाकड़	शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 20 नवम्बर 2017 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी, स्टेस्टिटीक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला । शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।
12.	डॉ. हार्दिक	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएबल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक 7 जुलाई 2017 को आयोजित कार्यशाला । संस्थान प्रांगण में 14-16 सितम्बर 2017 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में वालिंटेयर के रूप में भाग लिया । डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 26 नवम्बर 2017 को आयोजित राईटिंग स्किल्स फॉर आयुर्वेद स्कालर्स विषयक कार्यशाला । भोपाल में 15 जनवरी 2018 को आयोजित न्युट्रिकोन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।

		महामना मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । शल्य तंत्र विभाग, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 8 मार्च 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हेमोरॉहाइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम।
13.	डॉ. श्याम बाबू सिंह	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएब्ल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक 7 जुलाई 2017 को आयोजित कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला । महामना मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-18 फरवरी 2018 को आयोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
14.	डॉ. नरेन्द्र खजूरिया	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन 2017 फोर एप्लाईड एस्पेक्ट्स ऑफ चरक संहिता विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित ब्रिंगिंग ओब्जक्टिविटी टू असेसमेन्ट वेरिएब्ल्स फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद स्किन केयर विषयक 7 जुलाई 2017 को आयोजित कार्यशाला । Worked as Coordinator in Ayunext in Rashtriya Aurved Yuva Mahottasav held in the Institute Campus on 14-9-2017. International Arogya Mela organised by Ministry of AYUSH at New Delhi on 4-7 December, 2017. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
15.	डॉ. राकेश छिम्पा	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 27-30 नवम्बर 2017 को आयोजित रिसर्च मेथेडोलोजी, स्टेस्टिटीक्स एण्ड गुड क्लिनीकल प्रॅक्टिस विषयक कार्यशाला । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2-3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वेलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।

अध्येताओं द्वारा जर्नल्स/पुस्तिकाओं में प्रकाशित लेख :

क्र.सं.	लेखक का नाम	शिर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. नीति अग्रवाल डॉ. ओ.पी. दाधीच डॉ. एस.के. साहू डॉ. राकेश छिम्पा	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ वृक्क आमय विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्रोनिक किडनी डिज़िज़ - ए केस स्ट्डी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल्स रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 15 SJIF 7.523 ISSN : 22777105
2.	डॉ. संजय साहू डॉ. एच.आर. मीना डॉ. जी. रमेश डॉ. एन. अग्रवाल	क्लिनीकल स्ट्डी ऑफ माशाअश्वगंधादि चूर्ण इन क्षीण शुक्र (ओलीगोस्पर्मिया) ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वॉल. 6, इश्यू 15 SJIF 7.523 ISSN : 22777105
3.	डॉ. पूजा पारीक डॉ. हार्दिक चौ. वाई. डॉ. सी.आर. यादव	आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट मेदो वृद्धि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हाईपरकोलेस्ट्रीमिया - ए स्ट्डी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 9, इश्यू 4 अक्टुम्बर-दिसम्बर 2017
4.	डॉ. नरिंद खजूरिया	रिलेशन ऑफ आहार एण्ड निद्रा : ए लीटरेरी रिव्यू ।	आईएएमजे 5(11) नवम्बर 2017
5.	डॉ. नरिंद खजूरिया	ए केस रिपोर्ट : मैनेजमेन्ट ऑफ यकृदाल्यूदर एण्ड जलोदर ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद

चिकित्सकीय कार्य - विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

साप्ताहिक संगोष्ठीयाँ एवं जर्नल क्लब मिटिंग्स -

मिटिंग्स ऑफ जर्नल क्लब, शोध-महानिबन्ध एवं प्रस्तुत किये गये चिकित्सा मामलों से सम्बन्धित विषयों पर साप्ताहिक संगोष्ठीयाँ नियमित रूप से आयोजित की गई जिसमें छात्रों एवं अध्येताओं ने सक्रियता से भाग लिया । विभागीय अध्यापकों एवं बाहर से आमंत्रित प्रबुद्धजनों द्वारा विशिष्ट व्याख्यान भी दिये गये । स्नातकोत्तर एवं पीएच. डी. महानिबन्धों से सम्बन्धित बिन्दुओं पर परस्पर विचार-विमर्श किया गया । छात्रों एवं अध्येताओं ने विभागीय संगोष्ठीयों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये तथा उन्हें संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई जिससे आयुर्वेद के क्षेत्र में उनके ज्ञान में अभिवृद्धि हो सके । इन गतिवधियों के लिए निम्नलिखित दिवस निर्धारित किये हुये है :-

गतिविधि का नाम	दिवस
1. जर्नल क्लब की बैठक	सोमवार
2. संगोष्ठी	मंगलवार
3. विमर्श	बुधवार
4. विमर्श	गुरुवार
5. अन्तरविभागीय संगोष्ठी	शुक्रवार
6. शोधमहानिबन्ध सम्बन्धित प्रक्रिया	शनिवार

अवार्ड–

- प्रो. ओम प्रकाश दाधीच, प्रोफेसर को धन्वन्तरि सेवा समिति द्वारा 8 अक्टुबर 2017 को सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक एवं अध्यापक का अवार्ड प्रदान किया गया ।

विविध गतिविधियाँ : विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ सम्पन्न की गई :-

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो. ओम प्रकाश दाधीच प्रोफेसर	1. टेलीविजन चैनल पर 3 स्वास्थ्य वार्ताऐं प्रसारित की गई। 2. निम्नलिखित के रूप में कार्य किया गया – अधिष्ठाता(स्नातकोत्तर अध्ययन) कार्यकारी सम्पादक, जर्नल ऑफ आयुर्वेद अध्यक्ष, संस्थान कर्मचारी कल्याण समिति सदस्य, एंटी-रैगिंग कमेटी
2.	डॉ. हेमराज मीना	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान चिकित्सालय के बहिरंग रोगी विभाग के प्रभारी के रूप कार्य किया गया ।
3.	डॉ. छाजूराम यादव एसोसिएट प्रोफेसर	1. डी.डी. राजस्थान चैनल पर निम्नलिखित स्वास्थ्य वार्ताऐं प्रसारित की गई – स्वास्थ्य बनाये रखने में आयुर्वेद की भूमिका (29-4-2017) शरद ऋतु में दैनिक चर्या(आयुर्वेद) (19-2-2018) 2. आयुर्वेद एवं त्वचा की देखभाल विषयक रेडियो वार्ता (23-2-2018) 3. निम्नलिखित के रूप में कार्य किया गया – सम्पादक, जर्नल ऑफ आयुर्वेद एवं एनआईए न्युजलेटर । समन्वयक – अन्तर विभागीय संगोष्ठी, विभागीय विस्तार व्याख्यान, एवं वार्षिक खेल स्पर्धा । 4. सदस्य – शिक्षण मॉड्यूल विकास समिति, आयुर्वेद में ऑनलाईन ई-लर्निग कोर्स । अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों हेतु समन्वयक प्रकोष्ठ । 5. प्रभारी, आरोग्य मेला इकाई ।
4.	डॉ. महेन्द्र प्रसाद असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. निम्नलिखित विषयों पर 3 टेलीविजन वार्ताएं पत्रिका टीवी पर प्रसारित की गई : अनिद्रा (4-5-2017), बीपोलर डिस्आर्डर/उन्माद (19-5-2017) एवं आयुर्वेद में हृदय रोग (26-2-2018) । 2. ग्राम अगर, जिला अलवर में 25-8-2017 को आयोजित 1 दिवसीय चल चिकित्सा शिविर में भाग लिया गया । 3. आयुष मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 4-7 दिसम्बर 2017 को आयोजित आरोग्य मेला में भाग लिया गया । 4. भरतपुर में 22-25 दिसम्बर 2017 को आयोजित राज्य स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला – आरोग्य मेला में भाग लिया गया । 5. निम्नलिखित के रूप में कार्य किया – सदस्य, एंटी-रैगिंग कमेटी, प्रभारी, खेल सामग्री एवं सदस्य-सचिव, एनएएसी कमेटी ।

शरीर रचना विभाग

परिचय: यह विभाग भी स्नातकोत्तर विभाग है और विभागान्तर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को शरीर रचना, आयुर्वेद संहिताओं, आधुनिक विचार तथा मानव शरीर का प्रायोगिक शवच्छेदन एवं मॉडल, चार्ट्स, आदि के प्रदर्शन द्वारा कार्याभ्यास कराते हुए अध्यापन कराया जाता है।

आलोच्य वर्ष के दौरान 2 प्रोफेसर, 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार शरीर रचना विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

स) पीएच.डी. –पीएच.डी. अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों अनुसार उनके विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. नीतिन कुमार	डॉ. एच.सी. गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव स्टडी ऑफ पुरीषवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू गेस्ट्रो-इनटेस्टाइनल ट्रेक्ट।
2.	डॉ. सौरभ जैन	डॉ. एच.सी. गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव स्टडी ऑफ प्राणवह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू फिजियो-अनॉटामी ऑफ रेस्पाइरेटरी सिस्टम।
3.	डॉ. प्रभा सिंह	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर	स्टडी ऑफ संधि शारीर विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू एप्लाइड एस्पेक्ट ऑफ वंक्षण संधि ।
4.	डॉ. छाया	डॉ.जे. मनोहर, प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अनॉटामिकल स्टडी ऑफ मूलस्थान ऑफ आर्तववह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ऋतुचक्र (मेन्स्ट्रूयल साइकिल)।
5.	डॉ. विक्रान्त ठाकुर	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. शैलजा भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. प्रभाकर वर्द्धन असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्थ्रोपोमेट्रिक स्टडी ऑफ नेसल इन्डेक्स ऑफ नॉर्थ इण्डियन्स विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सुश्रुतोक्त नासा प्रमाण शारीर।

6.	डॉ. मनीष राय	डॉ. सुनील कुमार यादव प्रोफेसर	ए केडेवरिक एण्ड एप्लाईड स्ट्डी ऑफ शाखागत स्नायु ।
	डॉ. कुञ्ज बिहारी सैनी	डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ कोर संधि विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्पोर्ट्स इन्जूरिज एण्ड दैयर आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. नीलम सागवान	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन अतुल्यगोत्रिय शारीर इन रिलेशन टू कन्सेप्ट ऑफ लेनेटिक्स इन आयुर्वेद ।
2.	डॉ. सोनाली भीष्ट	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सर्वेश सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. असित कुमार पांजा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए स्ट्डी ऑन अप्लाईड एस्पेक्ट ऑफ अस्थिवह स्रोतस इन द् प्रव्यू ऑफ बस्तय: क्षीरासर्पिषि तिक्तकोपाहितानी च: ।
3.	डॉ. अविनाश	डॉ. जे. मनोहर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑन अनॉटोमिकल कन्सीडरेशन एण्ड मूल स्थान ऑफ स्रोत्स इन कॉन्टेक्स्ट टू शुक्रवह स्रोतस ।
4.	डॉ. शिवरंजनी	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी ऑन सुश्रुक्तोक्त प्रमाण शारीर ऑफ लालता, कर्ण एण्ड नयान्तर एण्ड इट्स कम्पेरिज़न विथ मॉडर्न सोमाटोमेट्रिक मेज़रमेन्ट्स।
5.	डॉ. सोना रानी	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केडेवेरिक एण्ड एप्लाईड स्ट्डी ऑफ उर्धावशाखागत स्नायु मर्म ।
6.	डॉ. ज्योति	डॉ. संदीप लहांगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन चतुर्विंयति धात्वात्मक पुरुष इन कॉन्टेक्स्ट टू इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट।
7.	डॉ. दीप्ति	डॉ. सुनील कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	कन्सेप्चुअल स्ट्डी ऑन क्लिनीकल एस्पेक्ट ऑफ आयुर्वेदिय शारीर रचना ।
8.	डॉ. सुमन यादव	डॉ. सुनील कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	स्ट्डी ऑफ मेदोवह स्रोतस इन द् परव्यू ऑफ ओबेसिटी ।
9.	डॉ. अनामिकाकुमारी	डॉ. सुनील कुमार एसोसिएट प्रोफेसर	क्रिटिकल एण्ड एनॉनेटिकल स्ट्डी ऑन रसवह स्रोतस ।
10.	डॉ. संध्या यादव	डॉ. जे. मनोहर प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एण्ड एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन प्राणवह स्रोतस एज़ पर चरक संहिता ।
11.	डॉ. विनीता वालडिया	डॉ. जे. मनोहर प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	काइनेसिओलोजिकल स्ट्डी ऑफ बेलेंसिंग पोज़ेज ऑफ आर्म (आसन) ।

12.	डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ आसन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू हठयोग प्रदीपिका ।
13.	डॉ. नुपुर सिंह सौलकी	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्पेरेटिव स्ट्डी ऑफ शारीर स्थान इन द् परव्यू ऑफ बृहत्त्रयी ।
14.	डॉ. दीपक स्वेदा	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	ए क्रिटिकल स्ट्डी ऑफ अष्टांग संग्रह एण्ड अष्टांग ह्रदय इन द् परव्यू ऑफ शरीर रचना ।
15.	डॉ. लवप्रीत	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	टू एक्सप्लोर द् कन्सेप्ट ऑफ फिजियोथेरेपी इन आयुर्वेद ।
16.	डॉ. बसन्ती गरनायक	प्रो. सुनील कुमार प्रोफेसर	अनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ वेरियस पास्चर ऑफ सूर्यनमस्कार विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू मस्कूलोस्केलिटल सिस्टम ।
17.	डॉ. ज्योति गंगवाल	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रेलेवेन्स ऑफ द् टीचिंग मेथोडोलोजी ऑफ हूमन अनाटामि एज डेस्क्राईब्ड इन सुश्रुत संहिता ।
18.	डॉ. सोमलता जादौन	प्रो. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ स्टेडिंग, प्रोन, सपाईन एण्ड आर्म बेलेसिंग आसन एज़ डेस्क्राईब्ड इन घेरण्ड संहिता ।
19.	डॉ. बिश्वरंजन महंत	प्रो. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए केडेवरिक एण्ड एप्लाईड स्ट्डी ऑफ वैकल्यकर मर्म।
20.	डॉ. सुनीता डूडी	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव स्ट्डी ऑफ पेशी शारीर इन कॉन्टेक्सट ऑफ वेरियस टाईप्स ऑफ पेशी डेस्क्राइब्ड इन सुश्रत संहिता ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण हुये जिनका विवरण निम्न प्रकार है–

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. धर्मेन्द्र मिश्रा	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर	कम्प्रेहैन्सिव एक्सप्लोरेशन ऑफ शरीर टर्म्स डेस्टक्राईब्ड इन आयुर्वेद इन द् परव्यू ऑफ शरीर रचना ।
2.	डॉ. टीना जैन	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर	पेशी शारीर : ए स्ट्डी बेस्ड ऑन डिसेक्शन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू स्त्रीणां विंशतरधिक।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य जारी रहे जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक	शोध विषय
1.	डॉ. निशि जैन	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ मर्म एण्ड एक्युप्रेशन पॉइन्ट्स ऑन द् बेसिस ऑफ दैयर एनॉटोमी ।
2.	डॉ. अनिल कुमार जोशी	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	ए कम्प्रेहेन्सिव स्ट्डी ऑफ स्नायु शारीर एण्ड इफेक्ट ऑफ अग्निकर्म इन स्नायुगत वात ।
3.	डॉ. जैनंजिथ सी	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल असेसमेन्ट ऑफ आसन एज पर घरेण्ड संहिता विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू आसन इन्वोल्विंग इन सिटिंग पोस्चर ।

चिकित्सकीय कार्य –विभाग के अध्यापकों द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई । अध्यापकों द्वारा राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बाहुल्य क्षेत्रों में आयोजित चल चिकित्सा शिविरों में अपने सेवायें दी गयी ।

प्रकाशन –

(ए) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख –

क्र. सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एवेल्युएशन ऑफ स्ट्रेस एण्ड इट्स मैनेजमेन्ट थ्रू योग ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च, ISSN- 2277-7105 मार्च 2018
2.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	मेडिको सर्जिकल इम्पोर्टेन्स ऑफ दश प्राणायातन।	औजस पंचकर्म दिसम्बर 2017 ISSN- 2454-7832
3.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	सर्जिकल रेफरेन्सेज इन सुश्रुत संहिता एण्ड इट्स मोडर्न कोरिलेशन ।	औजस पंचकर्म 2017 ISSN- 2454-7832
4.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन अस्थिवह स्रोतस एण्ड इट्स एप्लाईड एस्पेक्ट ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च अक्टुबर 2017 ISSN- 2277-7105
5.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	द् सर्जिकल इम्पोर्टेन्स ऑफ इन्द्रवस्ति मर्म : ए रिव्यू ।	औजस पंचकर्म सितम्बर 2017 ISSN- 2454-7832
6.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	एफिकेसी ऑफ अग्निकर्म इन साइटिका – ए केस रिव्यू ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च जुलाई, 2017 ISSN- 2277-7105
7.	डॉ. सुनील कुमार एसोसियेट प्रोफेसर	ए केस रिपोर्ट ऑफ सक्सेजफुल आयुर्वेदिक मैनेजमेन्ट ऑफ फेसिअल पेरालाईसिस ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च मई, 2017 ISSN- 2277-7105
8.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्थ्रोपोमेट्रिक स्ट्डी ऑफ अध: शाखा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अंगूली प्रमाण डेस्क्राइब्ड इन बृहत्रयी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद अक्टुबर-दिसम्बर वॉल. - 11-4 ISSN-2321-0435
9.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑन कन्सेप्ट ऑफ फोयटल अनामलीज इन आयुर्वेद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू इट्स इटियोपेथोजीनेसिस।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च रिव्यू आर्टिकल ISSN 2394-3211 2017,4(05), 289-295 SJIF Impact Factor :4.016 अप्रैल 2017

10.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू स्ट्डी ऑन द् कन्सेप्ट ऑफ ह्यूमन अनाटोमी इन आयुर्वेद ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट मेडिकल एण्ड फार्मास्युटिकल रिसर्च ISSN 2395-6429, Impact Factor 4.656 28-4-2017
11.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल कन्सेप्ट ऑफ स्रोतस शारीर ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च वाल्यूम 6, इश्यू 6 रिव्यू आर्टिकल ISSN 2277– 7105 SJIF Impact Factor 7.523 31-5-2017
12.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एवेल्यूएशन ऑन मेटिकूलसनेस ऑफ योग आसन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास (ब्रोन्कियल अस्थमा) ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च ISSN 2394-3211, 2017,4(6) SJIF Impact Factor:4.016 जून 2017
13.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्थ्रोपोमेट्री इन आयुर्वेद विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सश्रुतोक्त अंगूल प्रमाण शारीर ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्स रिसर्च (आईजेएआर), ISSN 2320-5407 Impact Factor:6.896 जून 2017
14.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ लोहिताक्ष मर्म ऑफ उर्ध्व शाखा ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च रिव्यू आर्टिकल ISSN 2394-3211, 4(11) SJIF Impact factor:4.161 अक्टुबर 2017
15.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन कन्ट्रीब्यूशन ऑफ आयुर्वेद टू मोडर्न सर्जरी ।	ओपन एक्सेज जर्नल ऑफ सर्जरी MSID 555693(2017), 001-008, 26-10-2017
16.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ जरियाट्रिक्स चैन्जेज इन सीएनएस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्किसनीजम ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च अक्टुबर 2017 रिव्यू आर्टिकल ISSN 2394-3211, 4(11) SJIF Impact Factor:4.161
17.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनाटोमिकल कन्सीडरेशन ऑफ कन्सेप्ट ऑफ स्रोतस इन प्रजेन्ट येरा एण्ड इट्स कोन्सीक्यूएन्सेज इन स्पोर्ट्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज । दिसम्बर 2017 ISSN 2454-2229, Vol. 4, Issue 1 Impact Factor: 4.223

18.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन डिसेक्शन टेक्नीक्स इन एनसियेन्ट इंडियन अनाटोमी इन कॉन्टेक्सट टू इट्स क्लिनीकल सिग्नीफिकेन्स।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च 2017,3(9) ISSN 2455-3301 SJIF Impact Factor:4.105
19.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्लिनीकल एस्पेक्ट ऑफ टेम्पोरल रिजन विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू श्रृंगातक मर्म एज डेस्क्राईब्ड इन इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च मार्च 2018 ISSN 2277-7105 वाल्यूम–7, इश्यू–6 SJIF Impact Factor: 8.074
20.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन द् कन्सेप्ट ऑफ मानस इन आयुर्वेद एण्ड इट्स कोन्सीक्वेन्सेज इन प्रजेन्ट एपोच ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च जून 2017 रिव्यू आर्टिकल ISSN 2394-3211, 4(7) SJIF Impact Factor: 4.106
21.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एप्रेजल ऑन एन्थ्रोपोमेट्रिक एस्पेक्ट ऑफ डायबिटिज मिलीटिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद ISSN 2321-0435 जनवरी–मार्च 2017
22.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन हिस्ट्री ऑफ इंडियन एनाटोमी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च ISSN 2455-3301,8-06-2017
23.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् कन्सेप्ट ऑफ मेल सेक्सूअल एण्ड रिप्रोडेक्टिव हैल्थ इन आयुर्वेद ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च, रिव्यु आर्टिकल जून 2017, ISSN 2394-3211,4(7) SJIF Impact Factor:4.161
24.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रचना शरीर विज्ञान–2	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भंडार, किशनपोल बाजार, जयपुर ISBN 9789384276447
25.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रचना शरीर विज्ञान–1	आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भंडार, किशनपोल बाजार, जयपुर ISBN NO 9789384276744
26.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अभ्यंग का शारीर रचनात्मक महत्त्व ।	आयुर्वेद उद्घघोष वॉल. 1, इश्यू जनवरी–जून 2017 रजि. नं. RAJHIN/2013/49854
27.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	योग एण्ड डायबिटिक मेलीटस : रिकमण्डेशन्स एण्ड बेनेफिट्स – सिस्टेमेटिक्स रिव्यू ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड हर्बल मेडिसिन 7:4(2017)2651-2650(IJAHM) वाल्यूम 7, इश्यू 4 जुलाई–अगस्त 2017 ISSN:2249-5746

28.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनालेसिस ऑफ मात्तृका मर्म बेस्ड ऑन नेक इन्जूरिज मैनेजमेन्ट ।	पीर रिव्यूड रिसर्च जर्नल ऑफ होलेस्टिक हैल्थ वाल्यूम 8, इश्यू 7 सितम्बर 2017 ISSN:2454-7832
29.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी ऑफ त्रिमर्म इन बृहत्रयी ।	इंडियन जर्नल ऑफ ओडेसी ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च वाल्यूम 1, इश्यू 4 मार्च 2017 ISSN-2456-432X
30.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आचार रसायन - ए बिहेवियरल थैरेपी इन आयुर्वेद टू प्रमोट हैल्थ एण्ड हैप्पीनेस ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद एण्ड फार्मा रिसर्च (आईजेएपीआर) वाल्यूम 6, इश्यू 1 जनवरी 2018 ISSN-2322-0902(P)-0910(O)
31.	डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल स्ट्डी ऑफ आर्त्तववह स्रोतस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू *Tasaya Tu Tratiye Avarthe* गर्भाशय प्रतिष्ठित ।	पेरीफेक्स - इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च (पीआईजेआर) वाल्यूम 7, इश्यू 3 मार्च 2018 ISSN-2250-1991 Impact Factor-6.761
32.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन्थ्रोपोमेट्रिक स्ट्डी ऑफ अध: शाखा विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू अंगूली प्रमाण डेस्क्राइब्ड इन बृहत्रयी ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद वाल.11-4 ISSN 2321-0435
33.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एप्रेजल ऑन एन्थ्रोपोमेट्रिक एस्पेक्ट ऑफ डायबिटिज मिलीटिस ।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जनवरी-मार्च 2017 ISSN 2321-0435
34.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन हिस्ट्री ऑफ इंडियन एनाटॉमी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च 8-6-2017 ISSN No. 2455-3301
35.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् कन्सेप्ट ऑफ मेल सेक्सूअल एण्ड रिप्रोडेक्टिव हैल्थ इन आयुर्वेद ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च जून 2017 रिव्यू आर्टिकल 2017,4(7) ISSN 2394-3211 SJIF Impact Factor:4.161
36.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन हिस्ट्री ऑफ इंडियन एनाटोमी ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च जून 2017, 3(6) ISSN 2277- 7105 SJIF Impact factor:4.105

37.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू स्ट्डी ऑन द् कन्सेप्ट्स ऑफ ह्यूमन अनाटोमी इन आयुर्वेद ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ करन्ट मेडिकल एण्ड फार्मास्युटिकल रिसर्च अप्रैल 2017 ISSN 2395-6429 Impact Factor 4.656
38	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रिव्यू स्ट्डी ऑन मृत्संशोधन पद्धति : ए टेक्नीक ऑफ एम्बलेमिंग एण्ड डिसेक्शन इन एनसियेन्ट इंडियन एनाटोमी ।	इंडियन जर्नल ऑफ एनाटोमी रेड फ्लावर पब्लिकेशन रिव्यू आर्टिकल वाल्यूम 7, नं. 1 जनवरी-फरवरी 2018 DOI: http://dx.doi.org/10.21088/ija.2320.0022.7118.18
39.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल एवेल्यूएशन ऑन मेटिकूलसनेस ऑफ योग आसन इन द् मैनेजमेन्ट ऑफ तमक श्वास (ब्रोन्किअल अस्थमा) ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च जून 2017, 4(6) ISSN 2394-3211 SJIF Impact Factor:4.016
40.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू ऑन आर्तववह स्रोतस एज कन्सेप्ट ऑफ फिमेल रिप्रोडक्टिव सिस्टम इन आयुर्वेद ।	इन्टरवेंशन इन गायनेकोलॉजी एण्ड वूमन्स हैल्थ लूपिन पब्लिशर्स ओपन एक्सेस पीर रिव्यूड जर्नल वाल्यूम 1, इश्यू 2, 2018 10 जनवरी 2018 MS.ID.000107
41.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन द् कन्सेप्ट ऑफ मानस इन आयुर्वेद एण्ड इट्स कोन्सीक्वेन्सेज इन प्रजेन्ट एपोच ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च, जून 2017 रिव्यू आर्टिकल ISSN 2394-3211, 4(7) SJIF Impact Factor: 4.106
42.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् कन्सेप्ट ऑफ मेल सेक्सूअल एण्ड रिप्रोडक्टिव हैल्थ इन आयुर्वेद ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च, जून 2017 रिव्यु आर्टिकल ISSN 2394-3211,4(7) SJIF Impact Factor:4.161
43.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	द् क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन हिस्ट्री ऑफ इंडियन एनाटामी ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च जून 2017 रिव्यु आर्टिकल ISSN 2394-3211,4(7) SJIF Impact Factor:4.161

44.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन कन्ट्रीब्यूशन ऑफ आयुर्वेद टू मॉडर्न सर्जरी ।	ओपन एसेस जर्नल ऑफ सर्जरी 26-10- 2017 MSID 555693(2017)
45.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ जरियाट्रिक्स चैन्जेज इन सीएनएस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू पार्किसनीजम ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च, अक्टुबर 2017 रिव्यू आर्टिकल ISSN 2394-3211, 4(11) SJIF Impact Factor:4.161
46.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एनाटोमिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ लोहिताक्ष मर्म ऑफ उर्ध्व शाखा ।	यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च, रिव्यू आर्टिकल ISSN 2394-3211, 4(11) SJIF Impact factor:4.161 अक्टुबर 2017
47.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनाटोमिकल कन्सिडरेशन ऑफ कन्सेप्ट ऑफ स्रोतस इन प्रजेन्ट येरा एण्ड इट्स कोन्सिक्वेन्सेज इन स्पोर्ट्स ।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड लाईफ साइन्सेज । दिसम्बर 2017Vol. 4, Issue 1 ISSN 2454-2229 Impact Factor: 4.223
48.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल रिव्यू स्ट्डी ऑन डिसेक्शन टेक्नीक्स इन एनसियेन्ट इंडियन अनाटोमी इन कॉन्टेक्सट टू इट्स क्लिनीकल सिग्नीफिकेन्स।	वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड मेडिकल रिसर्च 2017,3(9) ISSN 2455-3301 SJIF Impact Factor:4.105
49.	डॉ. संदीप एम. लाहंगे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए मोमेन्टस रिव्यू स्ट्डी ऑन कन्सेप्ट ऑफ डेन्सिटी इन आयुर्वेद इन द् परव्यू ऑफ शरीर रचना ।	जर्नल ऑफ हूमन एनाटोमी मिडविन पब्लिशर्स नवम्बर 2017

(बी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों में सहभागिता एवं शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण	प्रस्तुत किये गए शोध पत्र का विषय
1.	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेदीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुति, केरल द्वारा आयोजित मर्म चिकित्सा विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
2.	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर	राजयपुर, छत्तीसगढ़ में 3–2 सितम्बर 2017 को आयोजित मेडिको–सर्जिकल प्रोस्पेक्टिव ऑफ आयुर्वेदीय शारीर विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
3.	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ.जे. मनोहर, प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा 20 नवम्बर 2017 वर्ल्ड पाईल्स डे के अवसर पर आयोजित द् मैनेजमेन्ट ऑफ अर्श/हीमोराइड्स विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।

4.	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ. जे. मनोहर प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 27–30 नवम्बर 2017 को आयोजित इन्ट्रसडक्शन टू रिसर्च मेथोडोलोजी एण्ड इथिक्स विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
5.	डॉ.सुनील कुमार, प्रोफेसर डॉ. जे. मनोहर प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 14 दिसम्बर 2017 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।
6.	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ. जे. मनोहर प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 12 जनवरी 2018 को आयोजित एवं औपधी द्वारा प्रायोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया ।
7.	डॉ. सुनील कुमार प्रोफेसर डॉ.जे. मनोहर, प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17–18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर 2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
8.	डॉ.सुनील कुमार, प्रोफेसर डॉ.जे. मनोहर, प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 2–3 फरवरी 2018 को आयोजित डवलपमेन्ट एण्ड वैलीडेशन ऑफ असेस्मेन्ट क्राइटेरिया ऑफ उष्णादि गुण ऑफ पित्त दोष विषयक संगोप्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
9.	डॉ.सुनील कुमार, प्रोफेसर डॉ. जे. मनोहर प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा 8 मार्च 2018 विश्व किड्नी दिवस के अवसर पर आयोजित द् मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/उरोलितियासिस विषयक सीएमई कार्यक्रम ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।

10.	डॉ.सुनील कुमार, प्रोफेसर डॉ.जे. मनोहर, प्रोफेसर डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार यादव असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्थान द्वारा 15-19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन कार्यशाला ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
11.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला, हिमाचल प्रदेश में 27-28अक्टुबर 2017 को आयोजित क्रोनिक एलमेन्ट एण्ड आयुर्वेद विषयक संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
12.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एमएसएम इन्सटीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, खानपुरा कलां, सोनीपत, हरियाणा द्वारा 16-12-2017 को आयोजित बेसिक हैल्थकेयर में आयुर्वेद की भूमिका विषयक संगोष्ठी ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
13.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हरिद्वार, उत्तराखण्ड में 24-27 अप्रैल 2017 को आयोजित मर्म साइन्स एवं मर्म थैरेपी पर 5वाँ इन्टरनेशनल मिशन ट्रेनिंग कोर्स ।	प्रतिभागी के रूप में भाग लिया गया ।
14.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एस.बी. आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पीटल, फरूकाबाद में 9-12-2017 को आयोजित त्रिमर्म के रचनात्मक पहलू का महत्त्व विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	एनॉटोमी ऑफ त्रिमर्म ।
15.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	29-4-2017 को आयोजित रिसेन्ट एण्ड फ्यूचर प्रोस्पेक्टस ऑफ स्रोतस शारीर विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।	वर्तमान युग में स्रोतस की अवधारणा एवं खेलों में इसके परिणामों के बारे में एक रचनात्मक विचार ।
16.	डॉ. विकास भटनागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मरुस्थलीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, जोधपुर द्वारा 13-16 दिसम्बर 2017 को आयोजित राजस्थान कोन्कलेव-5	मस्कूलोस्केलेटल खेल चोटों के प्रबन्धन में आयुर्वेद औषधि की भूमिका पर क्षणिक समीक्षात्मक अध्ययन ।

विभाग के स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित निम्नलिखित राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों/संभाषाओं/कार्यशालाओं आदि में सक्रियता से भाग लिया :-

क्र.सं.	स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी अध्येता का नाम	शिर्षक/सम्मेलन/संगोष्ठी का नाम व दिनांक
1.	डॉ. विनीता वाडिया डॉ. संध्या यादव डॉ. नुपूर सिंह सौलंकी डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी	राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, बरेली द्वारा 16-17 अप्रैली 2017 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी AYUSHYA-AMRITAM - AAAICON 2017 में पत्र प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया गया ।

2.	डॉ. शिव रंजनी बी. डॉ. नीलम सागवान डॉ. विनीता वाडिया डॉ. संध्या यादव डॉ. नुपूर सिंह सौलंकी डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी डॉ. सुमन यादव डॉ. दीप्ति	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी द्वारा 29 अप्रैल 2017 को आयोजित रिसेन्ट एडवान्सेज एण्ड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स ऑफ सुश्रुत शारीर विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
3.	डॉ. मनीष राय डॉ. धर्मेन्द्र	संस्थान द्वारा आबू रोड़, सिरोही में 22-27 अप्रैल, 2017 को आयोजित नि:शुल्क आयुर्वेद चलचिकित्सा शिविर ।
4.	डॉ. शिव रंजनी बी.	हिमालया कम्पनी द्वारा 7 जुलाई 2017 को आयोजित मंथन प्रतियोगिता में भाग लिया ।
5.	डॉ. अविनाश बबेरवाल डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी डॉ. कुंज बिहारी	संस्थान द्वारा उदयपुर के आदिवासी क्षेत्र में 21-23 अगस्त, 2017 को आयोजित नि:शुल्क आयुर्वेद चलचिकित्सा शिविर ।
6.	डॉ. कुंज बिहारी डॉ. नीतिन	संस्थान द्वारा उदयपुर के आदिवासी क्षेत्र में 21-23 अगस्त, 2017 को आयोजित नि:शुल्क आयुर्वेद चलचिकित्सा शिविर ।
7.	डॉ. निशी जैन डॉ. सौनाली भिष्ट	रायपुर, छत्तीसगढ़ में 3 सितम्बर 2017 को आयोजित मेडिको-सर्जिकल परस्पेक्टिव ऑफ आयुर्वेदिय शारीर विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया गया ।
8.	डॉ. सौनाली भिष्ट	राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पपरोला, हिमाचल प्रदेश द्वारा 27-28 अक्टुबर 2017 को आयोजित रिव्यू ऑफ पंचकर्म क्षीर बस्ति विथ स्पेशियल रेफरेन्स ऑफ ओस्टेओपोरोसिस विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
9.	डॉ. दीपक	संस्थान द्वारा लक्ष्मणगढ़, सीकर में 20-23 नवम्बर, 2017 को आयोजित नि:शुल्क आयुर्वेद चलचिकित्सा शिविर ।
10.	डॉ. नीलम सागवान डॉ. शिवरंजनी बी. डॉ. दीपक	विश्व आयुर्वेद परिपद, राजस्थान राज्य द्वारा 26 नवम्बर 2017 को आयोजित एक्सीलेंस इन राइटिंग स्किल्स फॉर आयुर्वेद स्कालर्स विषयक कार्यशाला में भाग लिया गया ।
11.	डॉ. नीलम सागवान डॉ. ज्योति गंगवाल डॉ. दीपक	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 9-12-2017 को आयोजित आयुष के साथ दिन प्रति दिन ओपीडी प्रबन्धन विषयक प्रथम राज्य स्तरीय कौशल विकास कार्यशाला में भाग लिया ।
12.	डॉ. दीपक	24-1-2018 से 25-1-2018 तक आयोजित 'टीकाकरण से परिचय' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला ।
13.	डॉ. सोमलता जादौन डॉ. सोमलता जादौन डॉ. विनीता वाडिया डॉ. सोनाली बिप्ठ	पं. खुशीलाल शर्मा राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल द्वारा 19 एवं 20 जनवरी 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ न्युट्रीशनल डिस्आर्डर्स चैलेन्जेज एण्ड स्कोप विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
14.	डॉ. निशी जैन डॉ. नूपूर सिंह सौलंकी डॉ. सोनाली बिप्ठ डॉ. दीप्ति डॉ. अविनाश बबेरवाल डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी	12 से 16 मार्च 2018 तक जे.एस. आयुर्वेद महाविद्यालय तथा पी.डी. पाटिल आयुर्वेद चिकित्सालय, नाडिया में आयोजित शव विच्छेदन विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया गया ।

15	सभी स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा 14 से 16 सितम्बर 2017 तक आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में भाग लिया गया ।
16	सभी स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव के दौरान Most People Receiving Nasya Panchakarma Treatment Simultaneously के लिए बनाये गिनेज वर्ल्ड रेकार्ड में सक्रियता से भाग लिया गया ।
17	डॉ. शिवरंजनी बी. ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में 16 से 14 सितम्बर 2017 को आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव के दौरान वाग्मिता प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर आंचलिक स्तर हेतु अर्हता प्राप्त की गयी ।
18	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 21-30 जनवरी 2018 को आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में डॉ. नूपूर सिंह सौलकी अन्ताक्षरी प्रतियोगिता की विजेता रही ।
19	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 21-30 जनवरी 2018 को आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में डॉ. निशी जैन अन्ताक्षरी प्रतियोगिता की विजेता रही ।
20	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 21-30 जनवरी 2018 को आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता रहे।
21	राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर 2018 विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने भाग लिया ।
22	शल्य तंत्र विभाग द्वारा 8 मार्च 2018 विश्व किड़नी दिवस के अवसर पर आयोजित द् मैनेजमेन्ट ऑफ अश्मरी/उरोलितियासिस विषयक सीएमई कार्यक्रम में सभी स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं ने भाग लिया ।

विविध गतिविधियाँ -विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई ।

1. संस्थान द्वारा 21-30 जनवरी 2018 तक आयोजित वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान आयोजित बेडमिंटन प्रतियोगिता में प्रो. सुनील कुमार, प्रोफेसर विजेता रहे ।
2. प्रो. जे. मनोहर, प्रोफेसर द्वारा 8-11 सितम्बर 2017 तक विशाखापट्टनम, आन्ध्रप्रदेश में आयोजित आरोग्य मेला में भाग लिया गया ।
3. डॉ. सुनील कुमार यादव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने संस्थान में 14 से 16 सितम्बर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव की आवास समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया गया ।
4. डॉ. सुनील कुमार यादव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने संस्थान में 14 से 16 सितम्बर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव की अनुशासन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया गया ।
5. डॉ. सुनील कुमार यादव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने संस्थान में 14 से 16 सितम्बर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव की स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति सदस्य-सचिव के रूप में कार्य किया गया ।
6. डॉ. संदीप एम. लाहगें, असिस्टेन्ट प्रोफेसर ने संस्थान में 14 से 16 सितम्बर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव की भोजन प्रबन्धन समिति सदस्य के रूप में कार्य किया गया ।
7. विभाग के सभी अध्यापकों ने संस्थान में 14 से 16 सितम्बर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव में भाग लिया ।
8. विभाग के सभी अध्यापकों द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा जयपुर में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव के दौरान Most People Receiving Nasya Panchakarma Treatment Simultaneously के लिए बनाये गिनेज वर्ल्ड रेकार्ड में सक्रियता से भाग लिया गया ।

❋❋❋

स्वस्थवृत्त विभाग

परिचय: स्वस्थ वृत्त आयुर्वेद की एक महत्त्वपूर्ण शाखा है । यह शाखा आयुर्वेदिक जीवनशैली तथा स्वास्थ्य संरक्षण से सम्बन्धित है । स्वस्थ वृत्त सद्वृत सहित दैनिकचर्या, ऋतुचर्या, प्रातः चर्या, स्वच्छता, सायं चर्या, रात्रि चर्या, आदि को विशिष्ट रूप से जीवन में अपनाने पर बल देता है । विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के अध्येताओं को स्वास्थ्य विज्ञान, संक्रामक रोगों, रोग-निराधक एवं स्वास्थ्य प्रोत्साहक पहलुओं सम्बन्धित अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्य कराये जाते हैं । इसके अतिरिक्त छात्रों को योग का प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक तथा प्राकृतिक चिकित्सा का भी अध्ययन कराया जाता है । इस विभाग में एक योग इकाई भी है जिसमें प्रतिदिन प्रातःकाल में योगासन आदि कराये जाते हैं ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, 1 प्रोफेसर, 1 एसोसियेट प्रोफेसर एवं 3 असिस्टेन्ट प्रोफेसर अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारी विभाग में कार्यरत रहें ।

उपलब्धियाँ

शैक्षणिक –

अ) स्नातक – वर्ष के दौरान, आयुर्वेदाचार्य के छात्रों को स्वस्थ वृत्त विषय का सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

ब) स्नातकोत्तर – वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति अध्येताओं को विशिष्ट व्याधियों के संदर्भ में उनके शोध विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया ।

स) पीएच.डी. –पीएच.डी. अध्येताओं को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्देशों अनुसार उनके विषय का शिक्षण, प्रशिक्षण तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया । शोध कार्य भी सम्पन्न किये गये ।

शोध –आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. शान्तनु तिवाड़ी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्लिनीकल ट्रॉयल टू एवेल्युएट द् रोल ऑफ प्राणायाम इन प्री-हाइपरटेंशन ।
2.	डॉ. नमित कुमार पाटनी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एवेल्युएट द् रोल ऑफ रक्तदान इन फिजिकल हैल्थ स्टेटस विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू क्यूओएल ।
3.	डॉ. गजेन्द्र कुमार दूबे	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव स्ट्डी ऑफ कपाल भाति एण्ड पश्चिमोत्तनासन इन स्थौल्य ।
4.	डॉ. आस्था शर्मा	डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार नागर असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी टू एवेल्युएट द् प्रीवेटिंव इफेक्ट ऑफ संतर्पण मंथ इन प्रोटीन एनर्जी मालन्युट्रिशन (पीईएम) ।
5.	डॉ. रवीना मेहरा	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्ट्डी टू एवेल्युएट द् प्रीवेंटिव इफेक्ट ऑफ प्रतिमर्पय नस्य एण्ड धूमपान इन तमक श्वास विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू सिज़नल ब्रोन्कियल अस्थमा ।
6.	डॉ. हरी प्रसाद शर्मा	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रोल ऑफ सिद्धार्थक स्नान एण्ड आयुर्वेदिक लेप एज़ ए पथ्य इन श्वित्र विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू दिनचर्या ।

7.	डॉ. प्रेम यादव	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनॉलेटिकल स्ट्डी ऑफ वसन्त ऋतुचर्या ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, आयुर्वेद वाचस्पति के अध्येताओं के निम्नलिखित शोध कार्य प्रगति पर जारी रहे -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. हरजीत कौर	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव ट्रॉयल टू एसेस द् वर्ण्य इफेक्ट ऑफ रक्तचन्दनादि लेप एण्ड यवादि लेप ।
2.	डॉ. शम्भू दयाल	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	एन एनालेटिकल स्ट्डी टू एसेस द् इफेक्ट ऑफ कलुष्य प्रसादन द्रव्य इन प्यारिफिकेशन ऑफ वॉटर ।
3.	डॉ. पूनम	डॉ. दुर्गावती दूवी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ योग प्रॅक्टिस इन नॉन-ब्लीडिंग प्रोलेप्सिंग हेमोरोइड्स ।
4.	डॉ. ममता सैनी	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रॉयल टू एसेस द् इफेक्ट ऑफ पथ्या आहार इन ग्रहणी ।
5.	डॉ. जितेन्द्र कुमार सुहाग	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल ट्रॉयल टू एसेस द् अम्लपित्तहार इफेक्ट ऑफ धान्यक हिम एण्ड कुञ्जल क्रिया ।
6.	डॉ. पुनीत चतुर्वेदी	डॉ. दुर्गावती दूवी एसोसिएट प्रोफेसर	ए केस कन्ट्रोल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् क्वालिटी ऑफ लाईफ विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू ब्रह्ममूहर्त जागरण ।
7.	डॉ. पूनम तेतरवाल	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	असेसमेन्ट ऑफ मुखदुषीकहर प्रभाव प्रतिमर्ष नस्य : ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव स्ट्डी ।
8.	डॉ. नमृता यादव	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव क्लिनीकल टू एवेल्युएट द् एफिकेसी ऑफ यतावर्यादि चूर्ण इन पोस्ट मेनोपाजल सिंड्रोम ।
9.	डॉ. पूजा सैनी	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल ट्रायल टू एवेल्युएट द लेक्टिव इफेक्ट ऑफ डाईट विथ त्रिफला चूर्ण इन विबन्ध विथ स्पेशियल रेफरेन्स टू कोन्सटिपेशन ।
10.	डॉ. सुरेन्द्र पाल	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् स्टेटस ऑफ बल एण्ड मोर्बिडिटी अमंग द् इण्डिविजूअल ऑफ जयपुर सिटी इन यमदंष्ट्र काल ।
11.	डॉ. किरन शर्मा	डॉ. दुर्गावती दूवी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल दवे असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए कन्ट्रोल्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ कुलत्थ यूष ऐज पथ्य इन आर्तव क्षय ।
12.	डॉ. सुरेश कुमार	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार साहु असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए रेण्ज़ेमाइज्ड क्लिनीकल स्ट्डी टू कम्पेअर इफेक्ट ऑफ योग थेरेपी एण्ड ब्रिस्क वाकिंग ऑन सेरम टीएसएस इन सबक्लिनीकल हाइपोथायरोडिज्म ।

13.	डॉ. नमिता पटेल	डॉ. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	ए कम्परेटिव क्लिनीकल स्ट्डी टू एवेल्युएट द् इफेक्ट ऑफ दशमूल क्वाथ नाड़ी स्वेद एण्ड लोकल स्टीम बाथ इन संधिगत वात ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित शोध कार्य पूर्ण जारी रखे गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

क्र.सं.	अध्येता	निर्देशक/सह-निर्देशक	विषय
1.	डॉ. एकता	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	ए रेण्डोमाइज्ड कम्परेटिव ट्रॉयल टू एसेस द् व्रण्य इफेक्ट ऑफ रक्तचन्दनादि लेप एण्ड यवादि लेप ।
2.	डॉ. अनामिका राय	डॉ. दुर्गावती देवी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए सर्वे स्ट्डी टू एसेस द् स्टेटस ऑफ बल अकोर्डिंग टू वेरियस ऋतु इन हैल्दी इंडिविजूअल ।
3.	डॉ. गजेन्द्र दुबे	डॉ. दुर्गावती देवी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	--

चिकित्सकीय कार्य -

विभाग के अध्यापकों, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. अध्येताओं द्वारा चिकित्सालयों के अन्तरंग एवं बहिरंग विभागान्तर्गत चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराई गई ।

प्रकाशन -

(ए) पुस्तक प्रकाशन -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	घेरंड संहिता	आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार जयपुर ISBN 9789338477

(बी) जर्नल्स/पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	प्रकाशन विवरण
1.	डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	नोन-इन्सूलीन डेपेन्डेन्ट डायबिटिज मिलीटिस में गोमूत्र भावित मेथिका बीज चूर्ण तथा सूक्ष्म व्यायाम का चिकित्सकीय प्रभाव का अध्ययन।	जर्नल ऑफ आयुर्वेद जुलाई-सितम्बर 2014
2.	डॉ.सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	भोजन : समय एवं अन्तराल	हैल्थ न्युज मैग्जिन बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय सितम्बर 2017
3.	डॉ.सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	स्पीच प्रोब्लम	राजस्थान पत्रिका 2-9-2017
4.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	फूड पाइजनिंग	राजस्थान पत्रिका 2-9-2017
5.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ए क्रिटिकल एनोलेसिस ऑफ शुगरकेन बेस्ड स्वीटनेस एण्ड दैयर इफेक्ट ।	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ आयुर्वेद वॉल. 2, इश्यू 3 जुलाई-सितम्बर 2017 ISSN 2455-6246

6.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	क्रिटिकल रिव्यू ऑफ काऊ घी इन टेक इट्स रिलेशन विथ प्रमेह ओर डायबिटिज ।	डब्ल्यूजेपीआर वाल्युम 7, इश्यू 4 2018 Impact Factor 8.074

(सी) कार्यशालाओं/संगोष्ठीयों/सीएमई कार्यक्रमों में सहभागिता –

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	कार्यशाला/संगोष्ठी का विवरण
1.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	1. विद्यानगर आयुर्वेद कॉलेज, आनन्द, गुजरात द्वारा 8 दिसम्बर 2017 को आयोजित पुन:प्रशिक्षण कार्यक्रम । 2. एम.एम.एम. राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 17-18 फरवरी, 2018 को आयोजित पेन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद – 'वेदानास्थपनम-2018' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । 3. पं. खुशीलाल शर्मा राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल द्वारा 18-19 जनवरी 2018 को आयोजित मैनेजमेन्ट ऑफ न्युट्रिशनल डिस्आर्डर्स – चैलेंजेज एण्ड स्कोप – न्युट्रिकोन 2018 विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी । 4. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम। 5. भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली, उत्तरप्रदेशन द्वारा 16-17 अप्रैल 2017 को एविडेन्स बेस्ड आयुर्वेद एण्ड लाईफ साइन्सेज – एएएआईसी-2017, आयुष्य-अमृतम विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
3.	डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 14 दिसम्बर 2017 को आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला । 2. विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी द्वारा 6-8 जनवरी को आयोजित योग-शास्त्र-समागम विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर समाधि साधन ऑफ हठ योग विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
4.	डॉ. सर्वेश कुमार अग्रवाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. 12 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित एवं औषधि द्वारा प्रायोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक संगोष्ठी । 2. महावीर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पीटल तथा विश्व आयुर्वेद परिषद, मेरठ द्वारा 7-4-2018 को मनोविकारों के प्रबन्धन में एकीकृत दृष्टिकोण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया एवं मनोविकारों में आहार एवं योग की भूमिका विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया ।
5.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. प्रॅक्टिसेज टारगेट इन्सटीट्यूट ऑफ मेडिकल एजूकेशन एण्ड रिसर्च, मुंबई द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 10 जून 2017 को आयोजित रिसर्च मॅथोडोलोजी एण्ड गुड क्लिनीकलविषयक कार्यशाला । 2. 12 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित एवं औषधि द्वारा प्रायोजित पैन मैनेजमेन्ट थ्रू आयुर्वेद विषयक संगोष्ठी । 3. महावीर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड होस्पीटल तथा विश्व आयुर्वेद परिषद, मेरठ द्वारा 7-4-2018 को मनोविकारों के प्रबन्धन में एकीकृत दृष्टिकोण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया गया एवं मनोविकारों में आहार एवं योग की भूमिका विषयक पत्र प्रस्तुत किया गया । 4. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 14 दिसम्बर 2017 को आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला ।

		5. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित कैंसर विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम। 6. 20 नवम्बर 2017 को विश्व पाईल्स दिवस के अवसर पर संस्थान के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा आयोजित अर्श का प्रबंधन/हेमोराइड विषयक सीएमई कार्यक्रम । 7. 8 मार्च 2018 को विश्व किडनी दिवस के अवसर पर संस्थान के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा आयोजित अश्मरी का प्रबन्धन विषयक सीएमई कार्यक्रम । 8. आकृति लैब्स, जयपुर द्वारा भ्रूण चिकित्सा विषयक सीएमई कार्यक्रम ।
6.	डॉ. रवि कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 19 मई 2017 को आयोजित चरक चिंतन विषयक कार्यशाला । 2. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा 17-18 जनवरी 2018 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम । 3. 8 मार्च 2018 को विश्व किडनी दिवस के अवसर पर संस्थान के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा आयोजित अश्मरी का प्रबन्धन विषयक सीएमई कार्यक्रम । 4. जी.जे. पाटिल इन्सट्टियूट ऑफ आयुर्वेदिक स्टडीज एंड रिसर्च, आनंद, गुजरात द्वारा आयोजित पुर्नप्रशिक्षण कार्यक्रम ।

विस्तार व्याख्यान-

विभाग के अध्यापकों द्वारा अध्येताओं एवं छात्रों के लाभार्थ निम्नलिखित विस्तार व्याख्यान आयोजित किये गये -

क्र.सं.	लेखक का नाम	शीर्षक	दिनांक
1.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	कन्सेप्ट ऑफ हैल्थ इन आयुर्वेद एण्ड मॉडर्न मेडिसिन ।	26-9-2016
2.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	दैनिक जीवन में लाभदायक आसन ।	8-12-2017
3.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धान्त	13-7-2017
4.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जीने के वैज्ञानिक आयुर्वेदिक तरीके ।	25-6-2017
5.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	आयुर्वेद एवं योग के द्वारा व्यक्तित्व विकास ।	3-7-2017
6.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	ध्यान एवं आराम के माध्यम से दर्द प्रबन्धन ।	16-10-2017

विविध गतिविधियाँ -

विभाग में निम्नलिखित विविध गतिविधियाँ आयोजित की गई -

क्र.सं.	अध्यापकों का नाम	विविध गतिविधियाँ
1.	प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रोफेसर	1. राज्य सरकार के आयुर्वेदिक चिकित्सकों हेतु 4 विस्तार व्याख्या 20-7-2017, 24-7-2017, 26-7-2017 तथा 24-4-2018 को दिये गये। 2. डॉ. एस. आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा पीएच.डी. हेतु प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र के नियंत्रक के रूप में कार्य किया गया।

		3. सीसीआईएम के निर्देशों पर एमडी(आयुर्वेद) का पाठ्यक्रम तैयार किया गया । 4. श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, निम्बाहेड़ा का निरीक्षण दल के सदस्य के रूप में 24-6-2017 को निरक्षण आयोजित किया गया। 5. 29-7-2017 को एमडी(स्वस्थवृत्त) पाठ्यक्रम की समीक्षा की गई । 6. डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 18-8-2017 को आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रबन्ध मण्ड़ल के सदस्य के रूप में भाग लिया गया । 7. डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित 12-9-2017 को आयोजित अकादमिक परिषद में भाग लिया गया । 8. भारत-सरकार, आयुष मंत्रालय द्वारा 26-9-2017 को सीसीआईएम के सदस्य मनोनीत किये गये ।
2.	डॉ. दुर्गावती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	1. 8 मार्च 2018 के अवसर पर संस्थान में महिलाओं के लिए आयोजित कार्यशाला में समन्वयक के रूप में कार्य किया ।
3.	डॉ. काशीनाथ समगण्डी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	1. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 14-16 सितम्बर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव के दौरान नटराज - समूह नृत्य प्रतियोगिता एवं अयूर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के जूरी सदस्य के रूप में कार्य किया । 2. निम्नलिखित विषयों पर दूरदर्शन वार्ताओं का प्रसारण किया गया - योग (21-6-2017), चिंता में आयुर्वेद (13-7-2017), आयुर्वेद में अल्जाइमर रोग (21-9-2017), हृदय स्वास्थ्य में आयुर्वेद आहार एवं योग (27-9-2017), स्वास्थ्य उद्धरण : : ब्रह्म मुहूर्त (29-9-2017), स्वास्थ्य उद्धरण : : उषा पान (30-9-2017), हृदय रोग के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु स्वास्थ्य फ्रीक योग (1-10-2017), स्वास्थ्य उद्धरण : : उषा पान (2-10-2017), फेंफडो के कैंसर में आयुर्वेदिक आहार एवं योग ।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई

संस्थान के स्वस्थवृत्त विभाग में पृथक से एक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इकाई है जहाँ प्रत्येक दिन जनसामान्य एवं रोगियों के स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु योग एवं प्राणायाम कराये जाते हैं । विभाग द्वारा रोगियों को विशेष मिट्टी चिकित्सा एवं जल चिकित्सा उपलब्ध कराई जा रही है । छात्रों उनके प्रशिक्षण के भाग के रूप में स्वास्थ्य परिचर्या गतिविधियों यथा - आसन, प्राणायाम, कुञ्जल, सूत्र नेति, वस्त्र धौति, कटि स्नान, पाद स्नान, मिट्टी चिकित्सा (सर्वांग) तथा मिट्टी चिकित्सा (स्थानिक) आदि में व्यस्त रखा जाता है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, गृध्रसी (साइटिका), कटिशूल(लो- बेकएच), स्थौल्य(ओबेसिटी), उच्चरक्तचाप(हाई ब्लडप्रेशर), तमक श्वास(ब्रोन्कियल अस्थमा), अनिंद्रा(इन्सोमनिया), अवसाद(डिप्रेशन), विबंध(कांस्टीपेशन), ग्रहणी(क्रोनिक कोलाइटिस), अम्लपित्त (एसिडिटी), मधुमेह(डायबिटीज), अवबाहुक(फ्रोजन शोल्डर) तथा प्रतिश्याय(कोल्ड) के रोगियों की चिकित्सा की गई ।

आलोच्य वर्ष के दौरान, कुल 13,263 रोगी विभिन्न आसनों एवं क्रियाओं से लाभान्वित हुये ।

संस्थान के अध्येताओं, अध्यापकों एवं कर्मचारियों द्वारा 21-6-2017 को तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया । इस अवसर पर योग एवं इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु एक रैली का आयोजन किया गया । प्रात:काल में 6 बजे से 9 बजे तक योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया जिसमें 1219 योग साधकों ने भाग लिया । संस्थान के सभी कर्मचारियों एवं आम जनता के समक्ष योग प्रदर्शित किये गये ।

21-6-2017 को योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें योग साधकों ने भाग लिया ।

योग इकाई में जलनेति पात्र, सुत्र नेति, सनबाथ टब, हिपबाथ टब, बाथ टब, गर्म पानी हेतु गीज़र, योग मेट, एक्युप्रेशर किट आदि उपयोग में लिये जा रहे हैं ।

❋❋❋